

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 25, 1986 ( माघ 5, 1907 )  
No. 4] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 25, 1986 (MAGHA 5, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालय द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 15 नवम्बर 1985

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० ए०-32013/2/85-प्रशा० I—राष्ट्रपति, के०सं०में के निम्नलिखित स्थायी ग्रेड-1 अधिकारी जिनकी वर्ष 1984 की चयन सूची में चयन ग्रेड के लिए सम्मिलित कर लिया गया था, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रत्येक के सामने यथा निर्दिष्ट तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, को उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	चयन सूची में क्र० सं०	अवधि
1.	श्री किशन सिंह	13	1-9-1985 से 30-11-85 तक
2.	श्री जीत सिंह	19	1-10-1985 से 31-12-85 तक

सं० ए०-19014/2/84-प्रशा० I—दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान में प्रशासनिक अधिकारियों के पद पर 1400-2100 रुपए के वेतनमान में बाह्य सेवा की शर्तों पर एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त हेतु उनके चयन होने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के अवर सचिवों श्री त्रिलोक सिंह और श्री यश राज गांधी की सेवाएं 15 नवम्बर, 1985 के पूर्वार्द्ध से दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान को इस अनुदेश के साथ सौंपी गई हैं कि वे अपना नया कार्य भार तत्काल ग्रहण करें।

दिनांक 28 नवम्बर 1985

सं० ए० 19013/पी/758-प्रशा० III—राजभाषा विभाग, नई दिल्ली के अधीन केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान में निदेशक के प्रतिनियुक्ति पद से अपने संवर्ग पद पर प्रत्यावर्तित होने के परिणामस्वरूप श्री एम० के० सोनी ने संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद का कार्यभार 15-11-85 (पूर्वार्द्ध) से संभाल लिया है।

दिनांक 4 दिसम्बर 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III—राज्य कार्यपालक प्रशिक्षण से लौटने के परिणामस्वरूप राष्ट्रपति के०स०से० संवर्ग के नियमित अनुभाग अधिकारी श्री डी० शिवराजन् को 18 लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ 25-11-85 (पूर्वाह्न) से 31-12-1985 तक तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग (अब कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग) के का०जा०सं० 12/1/74 सी०एस० (I) दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के अनुसार श्री श्री० शिव राजन् को 75 रुपए प्रतिमाह विशेष वेतन मिलेगा।

दिनांक 6 दिसम्बर 1985

सं० पी० 955-प्रशा०-I (खण्ड-II)—खान विभाग में निदेशक के पद पर 2000-2250 रुपए के वेतनमान में चयन हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के उप सचिव श्री बी० दास गुप्ता (के०स०से०) को 6-12-85 (पूर्वाह्न) से इस कार्यालय से इस अनुदेश के साथ कार्य मुक्त किया जाता है कि वे अपना नया कार्यभार खान विभाग में ग्रहण करें।

दिनांक 11 दिसम्बर 1985

सं० ए० 33012/1/84-प्रशा०-III—केरल राज्य में के०स० सेवा अधिकारी राज्य कार्यपालक प्रशिक्षण से 8-12-85 से मुक्त होने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के के०स०से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री डी० शिवराजन् ने दिनांक 25-11-85 (पूर्वाह्न) को कार्यभार ग्रहण करने के नियमाधीन समय का लाभ उठाने हुए अपना कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 13 दिसम्बर 1985

सं० पी० 2747/प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के के०स० सेवा संवर्ग में सम्बद्ध सिविल सेवा परीक्षा, 1983 की परिीक्षाधीन अनुभाग अधिकारी कुमारी मृदुला सिन्हा को उनके डाक और तार लेखा तथा वित्त सेवा (ग्रुप 'क') में चुन लिए जाने के परिणामस्वरूप इस कार्यालय से 16 दिसम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से कार्य मुक्त किया जाता है।

एम०पी० जैन  
अवर सचिव (का०प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

सं० 2/22/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद् द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में श्री कंवल नेम, स्थायी सहायक को अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान रु० 650-1200 में 17-12-85 (पूर्वाह्न) से 3 महीने की अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 2/22/85-प्रशा०—केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद् द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में श्री गम्भीरसिंह, सहायक को अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान रु० 650-1200 में 17-12-85 (पूर्वाह्न) से 46 दिन की अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

मनोहर लाल  
अवर सचिव (प्रशासन)  
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1985

सं० ई-28015/1/85-कार्मिक-II—सरकारी सेवा में अधिवर्षिता पर भिवृत्ति होने के फलस्वरूप श्री आर० बत्तालामुन्नामनियम ने 31 दिसम्बर, 1985 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल मुख्यालय, नई दिल्ली के उप-महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

(ह०) अपठनीय  
महा निदेशक,  
के०आ०सु०व०

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम म०प्र०

ग्वालियर, दिनांक 23 दिसम्बर 1985

सं० प्रशा०-II/समूह-1/पदोन्नति/लि० प० अ०/287—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को स्थानांतरण लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 840-30-1000- द० री०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाए गए कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से अगामी आदेश तक पदोन्नत किया है :—

क्र०	नाम	स्थायी क्रमांक	कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक/पदी०	आवंटन
1.	श्री आर०सी० शर्मा	01/338	24-9-85 (पूर्वाह्न)	
2.	श्री डी०डी० तिवारी	01/342	26-8-85 (पूर्वाह्न)	
3.	श्री जे०एल० शर्मा	01/348	4-10-85 (पूर्वाह्न)	
4.	श्री वी०बी० शर्मा	01/350	4-10-85 (पूर्वाह्न)	(प्रोफार्मा पदोन्नति अन्तर एन०बी०आर०)
5.	श्री आर० गोस्वामी	01/353	4-10-85 , ,	
6.	श्री धरमानन्द शर्मा	01/352	4-10-85 (पूर्वाह्न)	



[प्राधिकार: महालेखाकार (ले०प०) प्रथम के आदेश दिनांक 5-7-1985 एवं 3-10-1985]

(ह०) अपठनीय  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार लेखा के कार्यालय आंध्र प्रदेश  
हैदराबाद-500 463, दिनांक 1985

महालेखाकार (लेखा एवं ह०) आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद सहर्ष भिन्नलिखित अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में 840-40-1000-द० रो० -40-1200 रुपए वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है :—

नाम	पद ग्रहण की तारीख
श्रीमति एस० सी० जानकी राव	24-12-1985 (पूर्वाह्न)

पदोन्नति के लिए दिए गए आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आन्ध्र प्रदेश उच्च-न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के उद्घिन माने जाएंगे।

वेद कुमारी  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 जनवरी, 1986

सं० प्रशासन-1/कार्यालय आदेश सं० 338--निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के श्री पी० एन० सहगल, स्थायी अनुभाग अधिकारी (अब सहायक लेखा परीक्षा-अधिकारी) को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतन क्रम 840-1200 रु० में 31-12-85 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश आने तक नियुक्त करते हैं।

(ह०) अपठनीय  
उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

#### आयुध निर्माणी बोर्ड

डी०जी०ओ०एफ० मुख्यालय सिविल सेवा  
कलकत्ता-700001, दिनांक 1 जनवरी 1986

सं० 1/86/ए०/ई-1/(एन०जी०)--- वाङ्मय निवृत्ति आयु प्राप्त कर निम्नलिखित अधिकारी दिनांक 30-11-1985 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए :—

1. श्री सत्य प्रसाद दास गुप्ता स्थानापन्न सहायक स्टाफ-अधिकारी (मौलिक एवं स्थायी सहायक)
2. श्री निहार रंजन पाल स्थानापन्न सहायक स्टाफ-अधिकारी (मौलिक एवं स्थायी सहायक)

एस० दास गुप्ता  
निदेशक/प्रशा०  
कृते महानिदेशक आयुध निर्माणी

इस्पात और खान मंत्रालय  
खान विभाग  
भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 1 जनवरी 1986

सं० ए०-19011(276)/80-स्था०ए०---विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एस० सी० श्रीवास्तव, स्थानापन्न रसायनविद् को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ रसायनविद् के पद पर दिनांक 18 दिसम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से पदोन्नति प्रदान की गई है।

जी० सी० शर्मा  
सहायक प्रशासन अधिकारी  
कृते महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो

#### भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, 700016, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

सं० 12250 बी०/ए-32013(प्रशा० अधि०)/85-19ए--- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक, श्री हरिहर प्रसाद को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 18-11-85 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी  
निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

सं० 12263-बी/ए-19011(2-बी० के० आर०)/85/19 ए---राष्ट्रपति जी श्री बी० के० राय को वरिष्ठ उप-महानिदेशक (विस्) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सामान्य नियमानुसार, 2500-2700 रु० के वेतनमान के वेतन पर 2-12-1985 (पूर्वाह्न) से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त कर रहे हैं।

डी० पी० दौंडियाल  
वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

सं० सी-6288/707---निम्नलिखित अधिकारी, जो अधिकारी सर्वेक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप में

पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, अत्र प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से उसी पद

पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किये जाते हैं :—

क्र० सं०	नाम	अधिसूचना की सं० और तारीख जिसके अन्तर्गत तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री दिनेश चन्द्र सरस्वत	दि० 23-4-83 की अधिसूचना संख्या सी-5946/707	सं० 26 (फोटो) पार्टी (उ० सं०), देहरादून।	12-8-85
2.	श्री हीरा लाल मलिक	दि० 28-9-83 की अधिसूचना संख्या सी-6002/707	सं० 15 पार्टी (स० प्र० सं०), हैदराबाद।	11-2-85
3.	श्री राम किशन (अनुसूचित जाति)	दि० 17-1-84 की अधिसूचना संख्या सी-6038/707	सं० 88 पार्टी (म० सं०), रायपुर।	18-5-85
4.	श्री सतीश चन्द्र गर्ग	दि० 17-1-84 की अधिसूचना संख्या सी-6038/707	सं० 39 पार्टी (स० प्र० सं०), हैदराबाद।	3-7-85
5.	श्री एस०एम० उनियाल	दि० 28-11-78 की अधिसूचना संख्या सी-5438/707	सं० 61 पार्टी (म० सं०), जबलपुर।	18-11-85

सं० सी-6289/707—निम्नलिखित अधिकारी को जो अधिवारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्त किये

गये थे, उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सर्वेक्षक (सिलेक्शन ग्रेड) के पद पर पदावतत किया जाता है :—

क्रम सं०	नाम	अधिसूचना की सं० और तारीख जिसके अन्तर्गत तदर्थ अनन्तिम आधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री ए०एस० चौहान, सर्वेक्षक (सिले० ग्रेड)	अधिसूचना सं० सी-5992/707 दि० 22-8-83	सं० 61 पार्टी (म० सं०), जबलपुर।	1-6-1985 (पूर्वार्द्ध)

गिरीश चन्द्र अग्रवाल  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक  
नियुक्ति प्राधिकारी

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1986

सं० 4/3/85-एम-II—आकाशवाणी महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 4/3/85-एम-II दिनांक 20-8-85 के अनुक्रम में महानिदेशक, आकाशवाणी श्री उमाकांत खुबालकर, हिन्दी अधिकारी, जो कि रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर हैं की प्रतिनियुक्ति अवधि को 31-12-1985 से अगले 6 माघ के लिए बढ़ाते हैं।

मोहन फामिस  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

## वाणिज्य मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

कलकत्ता-27, दिनांक 26 दिसम्बर 1985

सं० जी-318/ए—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता श्री टी० विजयराघवन, भंडार एवं क्रय अधिकारी, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई के प्रतिनियुक्ति काल को दिनांक 31-5-86 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक (जो भी पहले हो), बढ़ाते हैं।

सं० जी-318/ए—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता श्री पी० के० दत्ता, भंडार एवं क्रय अधिकारी, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता के प्रतिनियुक्ति काल को दिनांक 31-5-86 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक (जो भी पहले हो), बढ़ाते हैं।

जे० एम० भट्टाचार्य  
उपनिदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

## पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

सं० ए-1/42(32)—राष्ट्रपति, स्थायी उप महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) श्री एम० श्रीनिवासन का, पहली जुलाई, 1985 से अपर महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) (भारतीय पूर्ति सेवा के वरिष्ठ प्रशासक ग्रेड के स्तर-II) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए-1/42(34)III—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान के स्थायी निदेशक सर्वश्री एम० बी० सुन्दरम अय्यर और बी० आर० जुल्ला को, पहली जुलाई, 1985 से भारतीय पूर्ति सेवा के उप महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान)

(वरिष्ठ प्रशासक ग्रेड) (प्रवरण ग्रेड) (फंक्शन के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

बनजोन मटियानी  
निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

सं० प्र-1/42(25)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से स्थायी रूप से सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड-II के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	पद जिस पर स्थायी तौर पर नियुक्त किए गए हैं	स्थायीकरण की तारीख
1.	श्री जान चन्द्र, सहायक निदेशक (प्रशासन), निरीक्षण निदेशालय, उ० नि०म०, नई दिल्ली	सहायक निदेशक (ग्रेड-II)	10-4-80
2.	श्री एम०डी० कुलसेकरम्, सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) (सेवा-निवृत्त)	—वही—	1-8-82
3.	श्री बी०के० दान, सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड-II पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता	—वही—	2-1-83

आर० पी० शाही  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

## स्वास्थ्य और परिवार मंत्रालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1986

सं० ए-12026/5/85-एम०एन०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती विजय आनन्द को सफ़दरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में 20 दिसम्बर, 1985 से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में (ग्रुप बी राजपत्रित) छः मास की अवधि के लिए अथवा पद पर कार्य कर रहे नियमित व्यक्ति के परावर्तन होने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक (सीनियर अक्स्पेशनल थैरेपिस्ट) के पद पर नियुक्त कर दिया है।

पी० एन० ठाकुर  
उप निदेशक (प्रशासन) (आर० आर०)

## परमाणु ऊर्जा विभाग

## क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 27 दिसम्बर 1985

संदर्भ संख्या : क्रमनि/41/1/85-प्रशा०/4866--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी क्रय सहायक, श्री कल्लुपरमपील नारायण पिल्लै शशिधरन नायर को इसी निदेशालय में दिनांक 7-10-1985 (पूर्वाह्न) से 20-12-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक/क्रय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक क्रय अधिकारी, श्री आर० एस० गायकवाड के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

दिनांक 30 दिसम्बर 1985

संदर्भ सं० क्रमनि/41/3/85-प्रशा०/4883--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, श्री ए०ए० शेख को इसी निदेशालय में दिनांक 2-9-1985 (पूर्वाह्न) से 31-12-1985 (अपराह्न) तक 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

पी० गोपालन  
प्रशासन अधिकारी

इसरो उपग्रह केन्द्र  
अन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर-560 017, दिनांक 18 दिसम्बर, 1985

सं० 020/1(15.4)/85-स्थापना-I--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के श्री डी० राजजगो, वैज्ञानिक अभियंता "एस०बी०" से प्राप्त त्याग-पत्र को दिनांक 4 दिसम्बर, 1985 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

एच० एस० रामदास  
प्रशासन अधिकारी

## परिवहन मंत्रालय

## जल भूतल परिवहन विभाग

## नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-38, दिनांक 2 जनवरी 1986

सं० 23-टी० आर०(7)/85--नौवहन महानिदेशक श्रीमती अरुणा शर्मा उर्फ बदलामणी को दिनांक 1-8-1985

से आगामी आदेशों तक, तदर्थ आधार पर लाल बहादुर शास्त्री नाटिकल एण्ड इंजीनियरिंग कालेज, बम्बई में गणित (इंजीनियरिंग) के प्राध्यापक के रूप में नियुक्त करते हैं।

अमिताभ चंद्र  
नौवहन उप महानिदेशक

## केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 3 जनवरी 1986

सं० 3-727/85-मुख्य जलभू० (स्था०)--श्री डी० पेन्चाला रेड्डी को दिनांक 25-11-85 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जलभूविज्ञानी के पद पर जी०सी०एस० समूह-ख (राजपत्रित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

वी० पी० सी० सिन्हा  
मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

## आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 30 दिसम्बर 1985

सं० एफ०-48-एडी-एटी/1985(2)--श्री एस० व्ही० नारायण, आयकर अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक एफ/48/एडी/एटी/85 दिनांक 13-9-85 के द्वारा 3 माह की अवधि के लिए अस्थायी क्षमता में तदर्थ आधार पर दिनांक 1-9-1985 से आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ में सहायक पंजीकार के पद स्थानापन्न रूप से रखा गया था, को और एक माह के लिए दिनांक 1-12-85 से 31-12-85 तक आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक पंजीकार की हैसियत में कार्य करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

2. उपरोक्त नियुक्ति तदर्थ है तथा इससे श्री एस० बी० नारायण को उक्त श्रेणी में नियमित नियुक्ति का अधिकार प्राप्त नहीं होगा। उनके द्वारा उस श्रेणी में तदर्थ आधार पर की गई सेवा की गणना जयष्ठता के प्रयोजन के लिए अथवा आगामी उच्च वर्ग में पदोन्नति हेतु पात्रता के लिए नहीं की जाएगी।

टी० डी० मुग्ला  
अध्यक्ष

प्रूप. भाई. टी. एर. एह. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 24 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5919-5920—अंतः मुझे, जे०  
एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो  
जालन्धर में स्थित है (श्रीर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

(1) श्री सुदेश वर्मा पुत्र देस राज, वासी—33, गुरु  
भानक, नगर, (वाल नगर), जालन्धर  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती जगदीश कौर पति कुलदीप सिंह  
(विलेख नं० 328 दिनांक अप्रैल, 85) श्रीर कुलदीप  
जगदीश कौर पति कुलदीप सिंह श्रीर कुलदीप  
सिंह पुत्र इन्द्र सिंह (विलेख नं० 1098 दिनांक  
मई, 85) श्रीर श्रीर कुलदीप सिंह पुत्र इन्द्र  
सिंह (विलेख नं० 2449 दिनांक जुलाई, 85)  
सभी वासी-32, गुरु भानक नगर, मजदीक  
माडल टाउभ, जालन्धर ।।

(अन्तरिती)

को यह सूचना देरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त संघर्ष के अर्थ के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के पार  
निषेध में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 328 दिनांक  
अप्रैल 85, 1098 दिनांक मई, 85 तथा 2449 दिनांक  
जुलाई, 85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालन्धर

दिनांक: 24-12-1985

मोहर:

प्रकट बाबू टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० III-1068/अर्जुन/85-86—आ: मूजे, डी०

के० घोष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० खाता नं० 57, 96, प्लॉट नं० 1254,  
1255, 1262, होल्डिंग नं० 625, बार्ड नं० 25, मंजा  
नं० 51, है तथा जो जोड़ा फाटक रोड, धनबाद

में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, धनबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 2-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरदार कुन्दीप सिंह भारगवा, पिता सरदार  
हरनाम सिंह भारगवा, सा०/थाना झरिया, जिला  
धनबाद

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द कुमार नगरिया पिता श्री बालकृष्ण  
नगरिया, सा०/थाना झरिया, जिला धनबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 1 कट्ठा 11  
1/2 छटांक है जो जोड़ा फाटक रोड, धनबाद में स्थित है  
तथा जिसका पूर्ण विवरण बंमिका संख्या 3294 दिभाक  
2-4-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन जिला अवग  
निबन्धक पदाधिकारी, धनबाद के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

डी० के० घोष

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार

दिनांक: 3-12-1985

माहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० III-1070/अर्जन/85-86—अन: मुझे, डी०

के० घोष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शीर्षक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 229, खाता नं० 544, 540, सर्वे प्लॉट नं० 31-ए, 32/2055, 29 पार्स, वार्ड नं० 34, हॉलिंग नं० 116/306, थाना नं० 7, है, तथा जो दक्षपुरा, बोरिंग रोड, श्रीकृष्णपुरी पटना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—426 GI/85

(1) अलकनन्दा कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, श्री ज्ञानदेव शर्मा, पश्चिम पिला श्री मुखदेव शर्मा, बोरिंग रोड, पटना-1 (बिहार)

(अन्तरित)

(2) मिश्र रेखा सचदेवा पिता श्री चिमन लाल सचदेवा मोहल्ला बोरिंग रोड, थाना श्रीकृष्णपुरी, पटना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 3769 वर्ग फीट है जो दक्षपुरा बोरिंग रोड, श्रीकृष्णपुरी, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण बसिका संख्या 1-5118 दिनांक 6-4-85 में वर्णित है और जिसका मितवन्धम सब रजिस्ट्रार आफ एंक्वैरिमेंट्स, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

डी० के० घोष

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 9-12-1985

मोहर:

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० III-1073/अर्जन/85-86—अर्ज मुझे, जी०  
के घोष,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
संशोधन पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निम्नलिखित कर्त्तव्य  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 229, खाना नं० 544, 540,  
541, सर्वे प्लॉट नं० 31 प/32/2055, 29 पार्स, वार्ड  
नं० 34, होल्डिंग नं० 116/306, थाना नं० 7, है, तथा  
जो ढकनपुरा, बोरिंग रोड, श्रीकृष्णापुरी पटना में स्थित है  
(और इसमें उपाबध अंतर्भाव में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके व्यवसाय प्रवृत्ति से, इसके व्यवसाय प्रवृत्ति का  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच एक अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विवरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एबी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अलकानन्दा को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०  
श्री जान देव शर्मा, सचिव पिता श्री सुखदेव  
शर्मा, बोरिंग रोड, पटना 1 (बिहार)  
(अन्तरक)

(2) श्री अमजानी कुमार ग्रीवर पिता स्व० हरबंश  
लाल ग्रीवर बुध मार्ग, थाना कोनवाली, पटना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 3507 वर्ग फीट है जो  
ढकनपुरा बोरिंग रोड, श्री कृष्णापुरी, पटना में स्थित  
है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या 1-5132 दिनांक  
6-4-1985 में वर्णित है और जिसका निबन्धन भव  
रजिस्ट्रार आफ एम्प्लोयमेंट, कलकत्ता के द्वारा समपन्न  
हुआ है।

जी० के० घोष  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, पटना

दिनांक: 9-12-1985

मोहर:



प्रथम भाग टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सू० III-1071/अर्जन/85-86—अन: मुझे, ड०  
के० घोष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० तौजी नं० 229, खात नं० 544, 540, 541, सर्वे प्लट नं० 31-ए 32/2055 29 पट्टे, बड नं० 34, होलिडिंग नं० 116/306, थाना नं० 7 है तथा जो ढकनपुर, बोरिंग रोड, श्रीकृष्णपुरी, पटना में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्पनिहित अनुबन्धों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इस किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अलकनन्द कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, श्री जान देव शर्मा, सचिव पिता श्री सुखदेव शर्मा बोरिंग रोड, पटना-1 (बिहार)

(अन्तरक)

(2) श्री रमा देवी शर्मा पिता श्री सुखदेव शर्मा बोरिंग रोड, थाना कोतवाली, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 4484 वर्ग फिट है। जो ढकन-पुर, बोरिंग रोड, श्रीकृष्णपुरी, पटना में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण विवरण बंदिहा संख्या -1-5119 दिनांक 6-4-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार आक्र एस्पोरेसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

ड० के० घोष

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बिहार, पटना

दिनांक: 9-12-1985

मोहर :

प्रथम भाग, डी. एन. एच. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माध्यम द्वारा

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना

पूना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० 37-ईई/15600/84-85—अतः श्री, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिठ्ठे इन्होंने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह बताना करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 15, पनवेल इंडस्ट्रियल को-ऑप  
रेटिव इस्टेट लि० पनवेल। (क्षेत्रफल 2722 चौ० फुट)  
है तथा जो पनवेल में स्थित (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रंज, स  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 19/8 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बराबर  
प्रतिफल के लिए अन्तिम की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी मात्र की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबिल से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी मात्र या किसी धन या अन्य वास्तविक  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था। निम्न में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मधु क्रिप्स 26/28, डा० एम० बी०  
बेकर स्ट्रीट, कालबावेवी, बम्बई

(अन्तरक)

(2) कतूर क्रिप्स रेशमवाला मार्केट 28-बी रिंग  
रोड, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नुताक्षरी के  
पाद लिखित में किन्हीं वा सकोने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रकर्ता क्र० 37-ईई/15600/84-85  
जो प्लॉट नं० 15, पनवेल, इंडस्ट्रियल इस्टेट को-ऑपरेटिव  
इस्टेट लि० पनवेल।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, पूना

दिनांक : 8-11-85

मोहर :

प्रकृप जाई.टी.एम.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 37-ईई/765/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला नं० 60, प्लॉट नं० 60, बालिव नं० बसई, जि० थाना (क्षेत्रफल 1013 चौ० फुट) है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक जून, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स देडिया एण्ड एसोसिएट्स किर्ती वि सेवारी नाका, बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री भारती मनिलाल हरिया और अन्य 31/32, सिल्वर अपार्टमेंट्स शंकर घाणेकर मार्ग दादर, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता क्र० 37-ईई/965/85-86 के जून, 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 8-11-1985

मोहर :

/कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पूना

पूना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 37-ईई/847/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1 और 2, मंगलाम बिल्डिंग नवधर गांव, त० बसई, जि० थाना (क्षेत्रफल 1785 चौ० फुट) है तथा जो थानामें स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 85

का प्रस्तावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रस्तावित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण निहित के वास्तविक रूप में दी गई नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जित।—

(1) मैसर्स महावीर कन्स्ट्रक्शन कंपनी लाल गोडाउन बसई, रोड (ए) त० बसई जि० थाना

(अन्तरक)

(2) श्री डेवीदा एच० भारीजी और अन्य 40/41 संगीत सागर, लक्ष्मीनारायण लेन, मातुंगा बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बांटी करके प्रस्तावित सम्पत्ति के वर्जन के निम्न कार्यवाहियां शुरू करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अधिक बाध में समाप्त होती हो, के भीतर प्रस्तावित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संज्ञाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37-ईई/847/85-86 जो जून 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, पूना

दिनांक: 8-11-1985  
मोहर:

**रक्षक भाई टी. ए. ए. ए.**

**वायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**राज्य सरकार**

**कार्यालय, सहायक वायफर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेज, 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 1976/एक्यू० आर०- /85-86--377

शेख नाईमुद्दीन

वायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्णय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो मेफेयर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्यू० आर०- में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तथा जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरचरण सिंह भाटिया

(अन्तरक)

(2) श्री गुम्बिर सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्पन्न की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताशरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतिसूची

प्लेट नं० 7 डी, 37-ईई/ फार्म अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नाईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक वायफर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक: 9-12-1985

मोहर

प्रथम भाग, टी.एन.ए.-----

भाषा-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर, सहायक भाषा-कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 1977/एक्यू० आर०-III/85-86 -अतः मुझे

शेख नईमुद्दीन

भाषा-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 180 (रा व बी) है तथा जो राम बिहारी एवेन्यू कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी०, एक्यू० रंज-III में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-85न

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसमें वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, क्रियान्वे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) आर० क० एण्ड एसोसिएट्स

(अन्तरक)

(2) डा० प्रताप देवनाथ और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गए हैं।

अनुसूची

प्लेट नं० सी-5/37-ईई/ फार्म अनुसार निबन्ध हुआ

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 9-12-1985

मोहर:

प्रकृष बाई. टी. एन. ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 1978/एक्यू० आर-III/85-86—अतः मुझे  
शेख नाईमुद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो लेदर स्ट्रीट, कलकत्ता में  
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी०  
एक्यू०आर०-III में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपलब्धमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उपलब्धमान प्रतिफल से ऐसे उपलब्धमान प्रतिफल का  
पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पक्का नया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबन्ध से उक्त अन्तरण  
किस्म से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(3) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
3—426 GI/85

(1) मोथा रविनेम प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) मनमोहिनीपुर टी० कम्पनी लि० और अन्य।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है [1]

अनुसूची

क्षेत्र 1558.74 वर्ग/कु० 37-ईई फार्म के अनुसार  
निबन्ध हुआ।

शेख नाईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रोज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) लोधा सूचिवेग प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) कनई इन्वेस्टमेंट लि० ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1979/एक्यू० आर०-III/85-86—अतः मुझे,  
शेख नाईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्त्री सं० 2 है तथा जो हेयर स्ट्रीट, कलकत्ता में  
में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 9एसी  
एक्यू० आर०-III में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवा  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अ  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, व  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 4454.12 व० फु० 37-ईई फार्म अनुमान  
निबन्ध हुआ।

शेख नाईमुद्दीन,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफी ग्रहमद कदवई रो  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनांक: 9-12-1985

मोहर :



प्रकाशित करने के लिए

(1) श्री बी० एस० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री तरुण काणित दत्त ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1980/एकवी० आर-III/85-86—अतः, मुझे,

शेख नाईमुद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
सर्कले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/512ए है तथा जो गडियाहाट रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, आई० ए०  
सी० एकवी० आर-III में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान  
प्रतिफल से; ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हरेण जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की वारं, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरूप के  
दायित्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
के विषय में भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोक्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या ना किया जाना चाहिए था, किमाने में  
सुविधा के लिए;

प्लेट 37 ईई फर्म अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नाईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफीअहमद क़िदवई रोड,  
अर्जेन रेंज-3, कलकत्ता-16

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुरूप  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.डी.एन.ए.-----

(1) मैसर्स आसारको हनवेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग कं. प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) मैसर्स श ईस्ट इण्डिया कामर्शियल कं. प्रा० लि०।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बालकृष्ण

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1981/एकवी० आर-III/85-86—अतः मुझे,

शेख नाईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1, 2, 2/1 और 2/2 ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट  
और 23 बाल बाजार स्ट्रीट कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी  
के कार्यालय, आई० ए० सी० एकवी० आर-III में, रजिस्ट्रार  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
1-4-1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे वह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिफल से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
रही किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी बन्ध की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसके देने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी बन्ध या किसी बन्ध या बन्ध वास्तविक  
को, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, किमान में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कार्य भी किया --

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी  
अवधि बाध में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
था है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 4डी/क्षेत्र—2,581 वर्ग फुट।

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नाईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफीग्रहमद मिदवई रोड,  
अर्जन रेंज-3,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

**दस्तावेज नं०: टी. एन. एच.-----**

**भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-3, कलकत्ता**

**कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985**

निर्देश सं० 1982/एचवी० आर०-III/85-86—अतः मुझे, शेख नार्सुद्दीन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1, 2, 2/1 तथा 2/2 ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट और 21 तथा 23 लाल बाजार स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एचवी आर-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-1985,

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मैसर्स आमारको इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग को० प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स चन्दन कामर्शियल को० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके भी व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्याख्याकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी जन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्लॉट—4डी क्षेत्र—806 व० फु०

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नार्सुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण),

54, रफीअहमद किववई रोड,

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात् :-

दिनांक : 9-12-85

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एच. एच.

(1) बी० एस० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रुबी सरकार ।

(अन्तरिती)

राज्य सचिव

की यह सूचना जारी करके पञ्चित संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सूचित की बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी वाजिब—

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1983/एक्यू०/ आर०—III/85-86—अनः

श्री. शेख नार्सुद्दीन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/512ए है तथा जो गडियाघाट रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी०  
एक्यू आर०-1, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-85,

को पूर्वावक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए बन्धित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बंधापूर्वावक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसका द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए बय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित अनुक्रम से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से करीब नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कमी करने या उक्त बर्जनों में सूचना  
के लिए और/या

(ग) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या वा किना जाया पाए गए या, किनारे में  
सूचना के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरक  
है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
कमाल का हो सकेगा होती है, के भीतर पूर्वावक्त  
व्यक्तियों से ही किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लान/क्षेत्र—727 व० फु०

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नार्सुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

54, रफी ग्रहमद कदमई रोड,

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रत्येक बाई.डी.एन.एन.-----

(1) स्थावर बिल्डिंग ।

(अन्तरक)

(2) सरिन राजा कुरेशी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1984/एनवी०-आर-III/85-86—अतः

शुद्ध, शेख नाईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 46/3/बी है तथा जो यादवपुर सेण्ट्रल रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई०  
ए० सी० एनवी० आर-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
10-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
विवरण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दस्तावेज विवरण से कम है। दस्तावेज विवरण का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक को  
धारित करने में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
न मिले; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बात का अन्य आशिक्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था। छिपान में सुविधा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बातें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 8/क्षेत्र--660 व० फु०

37 ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नाईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

54, रफीक़ुद्दीन फ़िदवी रोड,

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1985/एच.टी. आर-III/85-86-अम: मुने,  
शेख नाईमउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20, है नया जो वालीगंज साकुलर रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०  
ए० सी० एच० रेंज-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुबन्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स मद्रगुल उद्योग और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिग्विजय रसिक जायदा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लेट सं० 1 सी (अंश)

क्षेत्र--405 वर्ग फु० 37ईई फार्म

अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नाईमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

54, रफी अहमद कदमई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एब. -----

(1) श्री मिगमा प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना वाशगुप्त और अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जाबूत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1986/एक्वी० आर-III/85-86—अतः मुझे,  
शेख नाईमुद्दीन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 20/1 है तथा जो आशुतोष चौधरी एग्रेग्यु  
कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०  
ए० सी० एक्वी० आर-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रिकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-  
1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
सबसे प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्यक्ति  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथादि :-

4-426 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 401

क्षेत्र-- 1500 वर्ग फु०

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ

शेख नाईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-- 3

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता--16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

**भारत का राजपत्र, जनवरी 25, 1986**

(1) मियमा प्रा० लि०

(प्रन्तरक)

(2) श्री मती मैत्रेयी राजरा

(प्रन्तरिती)

**भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-3, कलकत्ता**

**कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985**

निदेश सं० 1985/एकवी०/-III/85-86--प्रत० पुणे,  
शेख नाईमउद्दीन,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी गं० 22 है तथा जो आशुतोष चौधुरी एवेन्यु कल० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एवम् प्रार-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि अभी वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पन्हु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वस्तुविक्रय से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भाँति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के आयत्व से कमी करने या उसके अन्तरण के अधिभा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के बिना भारतीय भाषक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नि कार्यवाहियाँ करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवा अथवा अथवा के पास निहित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

आट सं०—41

क्षेत्र—1400 व० पु०

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नाईमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3

54, रफीग्रहमव किदवाई रोड,

कलकत्ता—16

दिनांक : 9-12-1985

सोहर :



प्रमुख भाग. टी. एम्. एम्. ----

(1) मेसर्स मंगल उद्योग

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील चन्द्र राय और अन्य

(अन्तरिती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1988/एक्सी ग्रार-III/85-86—प्रतः मुखे,

शेख नाहमउद्दीन,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 176 है तथा जो भारत बोस रोड, कलकत्ता  
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए०  
सी एक्सी ग्रार-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-85,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि अभावपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नीयित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में आर्थिक रूप से अनिवार्य नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण  
न कमी करने या उच्च करने में सविधा के लिए;  
कोई/वा

(ख) किसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
के बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, विधान में सविधा  
के लिए;

अन्तरण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीयित अन्तरणों के अन्तर्गत है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अव्यवहारियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 5ए और गैरेज

क्षेत्र— 1800 वर्ग फु०

शेख नाहमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3

54, एफी ग्रहमय किदवई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

सोहर

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1989/एकी० आर-III/85-86—प्रतः मुझे,  
शेख नाईमउद्दीन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 32 दाउवार रहमान रोड, और 38 लेक  
गार्डेंस, में कलकत्ता स्थित है (और इससे उपायान्व अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 4-4-1985,  
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्याप्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स ए० एण्ड ए० डेवेलपमेंट प्रा० लि०  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती कना मुखर्जी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां करता हूँ:

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेंगे।

लक्ष्मीनारायण :—अब मैं प्रयुक्त व्यक्तियों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही धर्म छोड़ेंगे, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लेट सं० 26

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नाईमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3,  
54, रफी अहमद किववई रोड,  
कलकत्ता—16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एच. - - -

(1) अजन्ता क्रेडिट कारपोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री आकाश प्रापटीज

(अन्तरिणी)

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब(1) की अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1990/एन.टी.आर.-III/85--अतः मुझे,

शेख नार्सिमुदीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1, है तथा जो क्रुडेडलेन स्थित है (और इससे उपायय अतुल्य है और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर्.ए.ए.सी. एन.टी.आर.-III, कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, दिनांक 10-4-1985,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमाय प्रतिफल के लिए अन्तरक का गृह है और मुझे यह विवरण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से करीबत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम की अधीन करने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति के लिए - और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वयानुसार अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या जिसमें से विविधा के लिए;

कलकत्ता, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्वयानुसार, है, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्वयानुसार (1) के अन्वयानुसार, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारित :-

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन की विषय कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सम्बन्धितों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्वयानुसार :- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, या सम्पत्ति अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही रहे होगा। का उक्त अध्याय में किया गया है।

धनसूची

दफ्तर यूनिट--जी/4

क्षेत्र--518 व० फु०

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध

शेख नार्सिमुदीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

53, रफीअहमद क्लबघर रोड,

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता-18

दिनांक : 9-12-85

मोहर :-

रूप बाई, टी. एन. एच.

(1) बी० एस० बिल्डर्स

(अंतरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) नीता धागधी शेते

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1991/एधवी०/आर-III/85-86—अतः मुझे,

शेख नाईमुद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/512 है तथा जो गडियाघाट रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए०  
सी० एधवी० आर-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बसावट व हट्ट किसी नाम की बसावट, उक्त  
अधिनियम के अधीन कार होने के अन्तर्गत के कार्यालय  
के कमी कमी का उद्देश्य करने के अधिनियम के लिए;  
कोर/का

अनुसूची

प्लॉट/क्षेत्र — 715 वर्ग फु०

37 ईई फॉर्म अनुसार निबन्ध हुआ ।

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, किन्तु भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा  
यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

शेख नाईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3

54, रफीअहमद किराई रोड,

कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 9-12-1985

मोहर

प्रमुख भाग, टी. एन. एच.-----

(1) मेसर्स सहेश प्रोपर्टीटर्स

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती माधु अग्रवाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1992/एक्सी आर-III/85-86---अतः सुते,  
शेख नाईमउद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 43 है तथा जो कैलाश बोस स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर्द्ध एं० सी०  
एक्सी० आर-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबित्व में कमी करने या उससे बचन में अविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की व्यवस्था (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाय लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट/क्षेत्र—522 ब० कु०

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नाईमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3,  
54, एकी प्रथम किदवई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-85

मोहर

अक्षय भाई, एन. एन. एस.

(1) श्रीमती इन्दिरा देवी ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भी. सि. सूय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1993/एफडी० आर-III/85-86—प्रत: मुले,  
मुख नाईमउद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/269 है तथा जो गडियाघाट रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर्डी० ए० सी०  
एफडी० आर-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-1985,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
वायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
को मिले;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अंशतः आधा—

जमीन — 5 का० — 3 छ 16 ब० कु०

37 ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ

मुख नाईमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

54, रफी ग्रहमव किदवई रोड,

कलकत्ता—10

दिनांक 9-12-1985

मोहर ।

(1) श्रीमती इन्दिरा देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कृष्णा मुंद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विषय  
कार्यवाहियों करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1994/एफटी०/आर-III/85-86—अतः मुझे,

शेख नाश्मउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
का अधीन सूचना अधिकांश को, यह विचार करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति वित्तका संबंध बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/269 है तथा जो गाडिगाघाट रोज में स्थित  
है (और इसमें उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पार्स० ए० सी० एफवी०  
आर-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिप्त की गई है और मुझे यह विचार  
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त कोरिक्त का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
एक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्काल) और अन्तर्लिप्त  
(अन्तर्लिप्तों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए यह धारा धारा प्रावि-  
कृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी धन की वापस, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 5—  
5-426 GI/85

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी कार्यवाही—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट-  
वत् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधारी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आधा अंश: 1

जमीन — 5 का० 3 छ० 16 घ० कु०

37 ई० फार्म अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नाश्मउद्दीन

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

54, रफी अहमद किराई रोड,

कलकत्ता—1

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बी० एस० विल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

(2) श्रीमती गीता राम

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

अर्जन रेंज---3, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1995/एजी०/प्रार०-III/85-86---अतः मुझे,

शेख नाईमउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 512/ए है तथा जो जोधपुर पार्क रोड में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एम्बेड्जिंग/

प्रार०-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कभी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाज में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्दम किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट/694 व० फु०

37एए फॉर्म अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नाईमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज---3,

54, रफीअहमद क्विडवई रोड,

कलकत्ता---16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :



प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1996/एफवी० आर०-III/85-86-अतः

मुझे, शेख नार्सिम उद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 52डी है तथा जो बालीगण सर्कुलर रोड स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एफवी आर०-III में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्मूलक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक अन्तरितियों के बीच की अन्तरित करने के अन्तरक के कारण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जात :-

(1) श्रीमती नीलम सप्त ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोवर्धनलाल भुगुरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जा के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान है।

अनुसूची

प्लेट 73/878 व० फु०

37ईई-फार्म अनुसार निबन्ध हुआ

शेख नार्सिम उद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

54, रफी अहमद किराई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) लेंधा सचिदेज प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री बालोदिया फाउण्डेशन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 1997/एस्सी० आर०-III/85-86-प्रतः

मुझे, शेख नाईम उद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2, है तथा जो हेयर स्ट्रीट स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एस्सी० आर०-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्विक रूप से क्रियत नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक में हुए किसी भाग की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन यह होने के अन्तरक के अन्तरित में कमी करने या उक्त अन्तरक में अतिरिक्त को लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य वास्तव्यों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकता है।

रजिस्ट्रीकरण—इसमें प्रकट अर्थात् और धारा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

साब्लीज-प्लॉट की अंश

क्षेत्र-4548-78 व० फु०

युनिट ई/एफ 37-ईई फर्म अनुसार निबध हुआ ।

शेख नाईम उद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

54, रफी अहमद किववई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 9.12.1985

मोहर :

प्रथम आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1998/एनवी प्रो.-III/85-86---अतः

मुझे, शेख नार्सिमउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32/1 है तथा जो गाडियाघाट रोड,  
साउथ, कल० स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आई० ए० सी० एनवी आर-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नॉक 10-4-  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल के पञ्च  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अंतरिणीयों) के बीच एवं अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नहीं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स प्रमूत कार्मणियल को० प्रा० लि०  
(अन्तरक)

(2) ऐरासी दत्त (नाबालिका)  
पिता सुकुमार दत्त  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवास्तु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट और अंशतः जमीन

क्षेत्र-965 घ० फु०

37ईई फर्म अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नार्सिमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3,

54, रफी अहमद क़िदवई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्राप्त्य मार्ग: टी.एम.एस. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 1989/एफवी०/आर०-III/85-86-यतः

मुझे, शेख नईमउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके द्वारा कथित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह निदेश करने का कहना है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32/1 है तथा जो गड़ियाहाट रोड (साउथ) कल० स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एफ्यू० आर०-III में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-4-1985,

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवहार प्रतिकूल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह निदेश करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त व्यवहार प्रतिकूल से, ऐसे व्यवहार प्रतिकूल का उचित प्रतिफल से अधिक है और अतः (अंतरको) और अस्वीकृति (अस्वीकृतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब तथा गत्य प्रतिकूल निष्पत्तिगत उपाय से उक्त व्यवहार प्रतिकूल में अस्वीकृत रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

[यदि व्यवहार से पूर्व किसी नाम की बायट, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अस्वीकृति के कारण से करी करों या उक्त करों में अधिभा के लिए बीच/बा

(ब) यदि किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या किया जाने से अस्वीकृत के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को, अन्तरण न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित है—

(1) मेसर्स अमृत कार्मिगल को० प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणस्वामी बालामुब्रामानियम,

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्धक किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट/क्षेत्र 1010 व० फु०

37ईई फर्म अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

54, रफीअहमद कदवर्ही

अर्जन रेंज-3 रोड, कलकत्ता 16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निवेष्ट सं० 2000/एक्यू० आर /8586--अतः, सुमे,  
शेख नाईमुद्दीन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'लक्ष्मण अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन हथग पाधिकारी को यह विवकास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 34/2ए है तथा जो बी० सी० रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्यू०  
आर०-III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवकास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
वर्द्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अन्तरितियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स कालना इन्वेन्टर्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सरला देवी गोयेंका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं  
जब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट/क्षेत्र-438 वर्ग फुट ।

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ है ।

शेख नाईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृत आइ.टी.एन.एम्-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

- (1) दामोदर रोबिण एण्ड इन्स्ट्रुमेंट्स प्रा० लि० ।  
(प्रत्येक)  
(2) श्रीमति सुशीला टिकमानी ।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कर्यवाहियों करता हूँ।

अध्यापक, सहायक अध्यक्ष आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं :-

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2001/एक्यू० आर०-III/85-86—अतः, मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकी वरिष्ठाता 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो रोलाण्ड रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्यू० आर०-III  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय  
प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच होने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी कल्पे या उसके बचने में सम्मिलित  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आइए था, छिपाव में सम्मिलित  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मेरे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

अनुसूची

प्लॉट-‘डी’/क्षेत्र-866 वर्ग फुट ।

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ है ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

(1) मैसर्स दामोदर रोपवेस एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमति पुष्प टिकमानी।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2002/एक्यू० आर०-III/85-86—अन० मुञ्ज,

शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० 2 है तथा जो रोलाण्ड रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची से और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्यू० आर०-III  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 10-4-1985(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरितो  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस मेंकमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

प्लॉट नं० 'सी'/क्षेत्र-866 वर्ग फुट।

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ है।

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिखित में सुविधा  
के लिए।शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ताअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रथम भाई टी. एन. एस. -----

(1) मे उस महेश प्रापटीज प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) माधु बान्मन ।

(अन्तरिती)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन अधिनियम

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2003/एक्यू० आर-III/85-86— अतः मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43 है तथा जो कैलाश बोस स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्यू० आर-III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1985

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा बनी प्रति-उक्त विधिविहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
आर/1।

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य मास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में परिकल्पना अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान से सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबधु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट क्षेत्र—1050 वर्ग फुट ।

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ है ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9-12-1985

साहूर :



इरुण बाई. टी. एम. एस.-----

(1) मेसर्स सत्यम प्रोजेक्टस ।

(अन्तरक)

(2) हिन्दुस्तान मोटर्स लि० ।

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1986

निदेश सं० 2004/एक्यू० रेंज-III/85-86— अतः मुझे,

शेख नईमुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो रोलाण्ड रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्यू० रेंज-  
III, कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लब्धमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसमें उक्त प्राप्तिफल में, ऐसे लब्धमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/वा

अनुसूची

प्लॉट नं० जीई ।

37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिारि :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के धर्चन के संबंध में कोई भी बाध —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थापित करने के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एस.-----

(1) साउथ एण्ड इस्टेट प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) माजुली टी को (ई) लि० ।

(अन्तरिती)

**बाजार सूचना**

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2005/एक्यू० रेंज-III/85-86— अतः मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 6 है तथा जो साउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है)-,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए०सी० एक्यू० रेंज-  
III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 18-4-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए  
गये हैं।**अनुसूची**

सम्पत्ति जो एग्रीमेंट द्वारा 37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एच. ----

(1) साउथ एण्ड इस्टेट प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

(2) जर्ज विलियमसन (ग्रसम) लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2006/एक्यू० रेंज-III/85-86— अतः भुझे,  
शेखनईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन का अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 6 है, तथा जो साउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्यू-  
रेंज-III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्वरूपों के  
पक्ष लिखित में किया जा सकेगा।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण को गृह्य है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०ए० दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ए०ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में  
हासिल में कमी करने या उक्त कथन को नष्टिना  
के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
हासिल के लिए;

सम्पत्ति जो एग्जिमेंट द्वारा 37ईई फार्म अनुसार निबंध हुआ है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, - त्तु :—

तारीख : 9-12-1985  
मोहर :

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

प्रारूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

(1) मिगमा प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सलील वुमार घोष ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2007/एक्यू० रेंज-III/85-86-- यतः मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 64 है, तथा जो साउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर्द्.टी.एन.एस. एक्यू-  
रेंज-III/कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 42/क्षेत्र-985 वर्ग फुट ।

37ईई फार्म द्वारा निबन्ध हुआ है ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एस० स्मरण सिंह।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) विनोद राई साँगधि।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2008/एक्यू० रेंज-I/85-86— यन: मुजे,

शख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4ए है, तथा जो राम स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित  
है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्यू०  
रेंज III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरक) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सम्पत्ति जो एग्रीमेंट अनुसार 37ईई का रं द्वारा निबन्धन है। ११

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित वर्णितियों, अर्थात् :—

तारीख : 9 12 1985

मोहर :।

प्राप्त आर्.टी.एन.एस. ....

(1) मिगमा प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) मितसु बनर्जी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2009/एक्यू रेंज:III/85-86— अतः सुझे,  
शेख नईमुद्दीन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिम्मेदारी सं० 39,1 है, तथा जो लान्स डाउन रोड, कलकत्ता,  
में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० सी०  
एक्यू रेंज III, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1903 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सम्बद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारण  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है 2—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आसपास आगे करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया  
गया है।

प्लॉट नं० ई-7/क्षेत्र-1050 वर्ग फुट ।

37ईई फार्म अनुसार निम्नलिखित हुआ है ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन,  
जो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रकरण. बाई. टी. एन. एड्. - - - -

(1) पी०भार० राव ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) प्रमुख चन्द्र मुखर्जी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2010/एक्यू० रेंज III/85 86— अतः, मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
भरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/1 है तथा जो लोक एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० एक्यू० रेंज-II,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अनुमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अनुमान प्रतिफल से, ऐसे अनुमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
सांख्यिक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाविले में कमी करने या उचित बचने में सूचना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया गया नष्टिग था, निम्नलिखित में  
सूचना के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपभाग (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—426 GI/85

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तासारी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 43/क्षेत्र-1313 वर्ग फुट ।  
37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9-12-1985  
आह्वार ३

प्रकृ. भाई.टी.एन.एस. -----

(1) मैसर्स महेश प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमेश चन्द्र और अन्य।

(अन्तरिती)

### आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 2011/एक्यू.रेंज-III/85-86:-- अतः, मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43 है, तथा जो कैलाश बोस स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी एक्यू  
रेंज III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता बिलेख के अनुसार अंतरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तविक  
वस्तु, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट/एग्जीमेंट अनुसार 37ईई फॉर्म द्वारा निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 9-12-1985

मोहर :



इसमें प्राई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4,

कलकत्ता-16, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2012/एक्यू/रेंज-3/85-86—अतः मुझे  
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 62/7/1 बी है, तथा जो बी० सी० रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 9 ए०  
सी० रेंज-III, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
नहीं मिलेगी; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1987 (1987 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पशुपती को-अरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०

(अन्तरक)

2. इकमणि के० जगसिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 37 ईई फार्म के अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

अध्यक्ष **डा. टी. एन. एस.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अध्यक्ष, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2013/एक्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे  
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवकास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी-17 ए है, तथा जो आशुतोष, चाँधुरी  
एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, आई० ए०सी० एक्यू रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में  
कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तविकी  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का अनुरूप  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना जायित्वा, डिपॉजिट में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री सिद्धार्थ मुखर्जी और अन्य

(अन्तरक)

2. माल्टिकन बिल्डर्स लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अवरोधित कर करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अध्यक्ष

सम्पत्ति जो एग्जिस्ट अनुसार 37 ईई फार्म द्वारा, निबन्ध  
हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985  
मोहर :

प्रत्यक्ष भाषा. टी. एम. एच. 1985

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई०ए०सी० 2014/एक्यू०/रेंज-3/85-86—

अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 170 है, तथा जो आशुतोष चौधुरी, एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुधुवी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वंसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्वंसमान प्रतिफल से, ऐसे ध्वंसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दायर किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुए किसी भाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रयित्य में कमी करने या उसमें बचन में परिवर्धन के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किन्ना जाना चाहिए या छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बलवृद्धन के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के बर्णन है—

1. प्रसादा निर्माण उद्योग, प्रा० लि०  
(अन्तरक)
2. अमिय कुमार सेन,  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I, 5807, दिनांक 19-4-1985 के अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर

प्रकाशक: टी. एन. एन. प्रकाश

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आ 2015/एक्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे  
शेख नईमुद्दीन

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 177 है, तथा जो आशुतोष चौधुरी एवेन्यू  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण,  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 30-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित के  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को जिनमें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अधिष्ट :—

1. पूर्वाशा, निर्माण उद्योग प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. दिलीप कुमार राय,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्ठ  
व्यवसायिकां कइता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० 1 6433, दिनांक 30-4-1985  
के अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 8-12-1985

मोहर :

प्रकट आई. टी. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बानिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2016/एक्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे,

शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है, तथा जो रोलन्ड रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई०ए०सी०  
एक्यू०/रेंज-III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को  
वास्तव में कभी करने या उद्धृत करने में बाधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
बाधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दमोदर रोडवेस एण्ड कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०  
(अन्तरक)

2. नन्द किशोर ठिकमानी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्र 1736 व० फु०, 37ईई फार्म के अनुसार  
निबंध हुआ।

शेख न मुद्द न  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2017/एफ्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे,  
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका पदस्थान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 2 है, तथा जो रोल्फो रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास नहीं यह विश्वास करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कटु बनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वयार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या उचित में सूचिभा के लिए;

धारा 269-ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. धर्मोदय रीडिंग एंड कान्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि० (अन्तरक)
2. श्री अरुण कुमार पेरीवाल और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराया है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बायें :-

- (क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट/क्षेत्र 2003 ख० फुट, 37 ईई फार्म के अनुसार निम्नलिखित हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक- 9-12-85  
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. प्रभुत कार्यशिक्षण कं० प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. डा० मासी बीमार

(अन्तरिती)

भयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निवेदन सं० 2018/एक्यू०/रज-3/85-86—मत: मुझे,  
शेख नार्सिमुद्दीन

भयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'भयकर अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ग के अधीन अधिकाधिक अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32/1 है, तथा जो मड़ियाहाड़ रोड, साउथ,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से घनिष्ठ है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-4-1985

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति को प्रेरित  
कर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
की, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या प्रकट  
जाना चाहिए था, छिपाने में व्यक्ति को प्रेरित;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

8—426 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादों—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख के 45  
दिन की अवधि या उत्तम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किसी  
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभ्रंशकारी को  
बाध निहित में किसी का करने।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बातों का, जो उक्त  
अधिनियम की धारा 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्लेट जो एग्जिस्टेंट और 37ईई फार्म के अनुसार  
निबन्ध हुआ है।

शेख नार्सिमुद्दीन  
सहायक भयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

इसका नाम 'डी.एन.एस.' है।

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2019/एक्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे,  
शेख नईमुद्दीन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसमें बजट 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निम्नलिखित करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 32/1 है, तथा जो गडियाबाद रोड, (साउथ),  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आई०ए०सी० अर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-1985  
को पूर्णतः संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उक्त व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का समुचित  
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में  
वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुए किसी बात की दृष्टि से, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दे दिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या मूल्य आप्रतिपाद  
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सक्षम  
की विधि।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० अमृत कामशियल को० प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. श्री बुध देव दास गुप्त और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्ति के पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः  
व्यक्ति के से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, नहीं वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट ए/क्षेत्रफल 1366 वर्ग फु०, 367 ईई फार्म के।  
अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985  
मोहल।



प्रकरण आई० टी० एच० एच०—

1. कलना इन्वेन्टर्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री सत्य भासा गुप्ता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 2020/एफ्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे,

शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इच्छे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 है, तथा जो बी० सी० रैंड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इसने उपायय अनुमती में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी०  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे अद्यतन प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी नाम की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरण के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

अनुसूची

प्लॉट/क्षेत्रफल-2585 व० फु० 37ईई फार्म के  
अनुसार निबन्ध हुआ है।

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या। किया जाने  
सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

दिनांक 9-12-1985  
मोहर :

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० 2021/एफ्यू०/रेंज-3/85-88-—अतः

शु.शे. नईमुहूर्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 है, तथा जो बी० सी० रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, आई०ए०सी० अर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वयमान प्रतिफल से ऐसे वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

1. कालना इनामिन्टस प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुमकुम गुप्ता

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट/क्षेत्र 2892 थ० फु० 37ईई फार्म के अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुहूर्त  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 9-12-1985  
मोहर

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

1. इन्डु बहेन प्राधेरी ।

(अन्तरक)

2. धीरेन्द्र कुमार हरिबल्लभ जाधेरी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2022/एक्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मझे

शेख नाईमउद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० 32 है, तथा जो मेघनाथ साहा, सरणी,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 10-4-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त दस्तरण  
प्रतिष्ठित नै वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लॉट नं० 10, डीड नं० 2728, दिनांक 10-4-1985  
के अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नाईमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

1. श्री भूपेन मगनलाल मेहता और अन्य ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री शाशी प्रसाद जालान ।

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2023/एक्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मझे,

शेख नाईमउद्दीन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32 है, तथा जो मेघनाथ साहा, सररी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उद्धरण करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था अधिमान में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावेस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 20/डीउ नं० 2727 दिनांक 10-4-1985  
के अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नाईमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. शिभा रानी विश्वास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

2. श्री असीम कुमार घोष ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2024/एक्यू०/रेंज-3/85-86-अतः मुझे  
शेख नईमउद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34 बी है, तथा जो सरदार शंकर रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 26-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 6346 दिनांक 26-4-1985  
अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

रक्षक आई. टी. एच. एच.

1. श्री अशोक कुमार सहारा,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. ए० एफ० कार्गुसन एंड कं०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

निदेश सं० 2025/एफ्यू/रेंज-3/85-86—अतः मुझे

शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके परमाणु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो लोयार रतन, स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 21-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

सम्पत्ति जो डीडी नं० I 6045 दिनांक 21-4-1985 के  
अनुसार, निबन्ध हुआ है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृष बाइ.टी.एम.एस.-----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2026/एक्यू०/रेंज-3/85-86--अतः मुझे  
शेख नईमउद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन तत्काल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 87 है, तथा जो कालीगंज, प्लेस, कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
23-4-1985 दिनांक

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
नाम्नामिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अंतर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

9—426 GI/85

1. श्री अरुण बोस (एच० यू० एफ०)  
(अन्तरक)
2. मैसर्स हान्गा नामशियल कं० प्रा० लि०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए गए पत्रों में।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 6089 दिनांक 23-4-1985 के  
अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमउद्दीन  
तत्काल प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 9-12-1985

मोहर :

बिम्ब बाई. टी. एन. एस.-----

1. बिमान घर

(अन्तरक)

बिम्ब बाई. टी. एन. एस., 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. सप्तसुर को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2027/एक्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे

शेख भईमउद्दीन

बिम्ब बाई. टी. एन. एस., 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा  
269-ब के अधीन सप्तसुर प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, तथा जो भगेंद्र भारायण दत्त रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल  
से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुपुषी

सम्पत्ति जो डीड नं० I 6006, दिनांक अप्रैल, 85  
के अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख भईमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर:



प्रकरण बाई. टी. एन. एस. ---3---

1. टिमबाल प्रापटीस,

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9-दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2028/एक्यू०/रेज-3/85-86—अतः मझे

शेख नईमउद्दीन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की सं० 225, 1ए है, तथा जो ए० जे० सी० बोस रोड,  
बी० सी० रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंधु प्रतिफल  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय रखा गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भांडवीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अर्थ 1, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

2. त्रिवेणी टिमुज लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की बर्चन को लिए  
वर्गबर्हिण्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

सम्पत्ति जो डीड नं० I 6488 पी०, दिनांक अप्रैल 85  
के अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृत नार्.टी.एन.एन.

1. श्री माधवेन्द्र चौधरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
के अधीन सूचना

2. श्री प्रदानन्द कोनार

(अन्तरिती)

आयुक्त सहायक

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2029/एनयू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे

शेख नईम उद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 24/2 है, तथा जो एक एवेन्यू, कलकत्ता  
में स्थित है (यार इसी उभावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 17-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान  
निष्फल के लिए अन्तरिती की गई है और  
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधियन में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 4—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बर्तन में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिमें  
हो, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किन्तु बाबा पाहिए बा, डिपाने में अधिभा  
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, श्री. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाइलाकारी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्त होगा जो उक्त अन्तर्गत में किया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 5683 दिनांक 17-4-1985 के  
अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईम उद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री अरुण कुमार गुह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. अच्युतराम कुलकाट एन्ड डब्ल्यू० सी० प्रा० लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2030/एक्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे

शेख नईमउद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपोद्धत अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 21-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 6088 दिनांक 21-4-1985 के  
अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

**द्वय भाग, टी. एन. ए.**

1. श्री भुवनेश्वर मल्लिक।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. काशीपुर रोलिंग मिल्स (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहिक करवा है।

**कार्यालय**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

निदेश सं० 2031/एफ्यू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे,  
शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43 है, तथा जो स्ट्रीट रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विहित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कलकत्ते के अन्तरक के  
वास्तव में कभी कभी या उक्त अन्तरण से सूचना  
के लिए प्रेषित/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भू या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, विधानों में  
सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 45  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पाद विहित में किए जा सकेंगे।

**स्वीकार्य :-** इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 6033 दिनांक 23-4-1985 के  
अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985  
मोहर

प्रत्यक्ष भाषा में ही प्रकाशित होगा

1. श्री अमरेंद्र भाध मित्त

(अन्तरक)

भाषाकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री जगन्नाथ आगवाला और अन्य ।

(अन्तरिती)

## सहायक आयकर आयुक्त

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3,

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० 32032/एसयू०/रेंज-3/85-86—अतः मुझे

शेख नईमूद्दीन

भाषाकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में धीरे-धीरे  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 17-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 5671 दिनांक 17-4-1985 के  
अनुसार निबन्ध हुआ है ।

शेख नईमूद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985  
मोहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

(1) वसुधरा प्रापटीज ।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) एस० बी० ट्रांसमिशन ।

(अन्तरिती)

भारत सञ्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्च के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्च के सम्बन्ध में कोई भी वाद :-

निदेश सं० 2033/एनयू आर - /85-86—अन: मुखे  
 शेख नईमुद्दीन

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 217 है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता  
 में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
 से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन तारीख 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 अन्तर्गत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब सब  
 बना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 आस्तित्व रूप में कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाप की वाद, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
 में कमी करने या उसके बर्च में सुविधा के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी बाप या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या उत्तमम्भी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादपूर्वक कि वह  
 गैर लिखित में लिखे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

दफ्तर स्पेस नं० 2, सम्पत्ति जो डीड नं० -514 9  
 तारीख 6-4-1985 के अनुसार भिन्न हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985  
 मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2034/एक्यू आर-III/85-86--अतः मुझे  
शेख भाईसउद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 217 है तथा जो शरत बोस रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुपूची में और  
और पूर्ण खा सेविका है) रजिस्ट्रारताधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के  
का 16) के अधीन तारीख 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
के आम्नायिक रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वयत्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

10-426 GI/85

(1) वसुन्धरा प्रापटीज ।

(अन्तरक)

(2) एस० बी० द्रासमिशाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

दफ्तर स्पेस नं० 1, सम्पत्ति जो डीड नं० I 5150  
तारीख 6-4-1985 के अनुसार निबन्ध हुआ है ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, 54, रकीअहुमद  
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्राकृतिक आर्.डी.पी.एन.एस. -----

(1) एस० सी० नागबिश्वास ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) दि बाक्तारपुर को० प्रोप० हाउसिंग  
सोसायटी लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 2035/एफ्यू/आर-III/85-86--अतः मुझे,

शेख भाईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18 है तथा जो रोधपुर पार्क कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिनियम के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के वायिक्त  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 2953 तारीख अप्रैल, 1985  
के अनुसार निबन्ध हुआ है ।

शेख भाईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985  
मोहर :



प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री चन्द्रकांत नायार।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जयन्त कुमार प्रभुदास और अन्य।

(अन्तरिती)

### सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० 2036/एक्यू० आर-III/85-86—अतः मुझे,

श्री गे. नईमुद्दीन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें पहले  
इसमें पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है तथा जो रोडान्ड रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
इसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे व्यवहार के लिए एक नया नया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
व्यक्तिगत रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिले में अभी कटने या उतरे गये में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी रु. या अन्य वास्तवों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाई करना करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रकृत सबको और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, कही जायेगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I, 5902 तारीख अप्रैल 1985  
के अनुसार निबन्ध हुआ है।

श्री गे. नईमुद्दीन

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

सोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एस.-----

(1) मदगुल उद्योग ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) न्यू बैंक ऑफ इण्डिया ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

यहाँ यह सूचना जारी करके पब्लिक सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2037/एनयू० आर-III 85-86—अतः

मझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है तथा जो कालीगंज सर्कल रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री अफिसरी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 4-4-1985

को पब्लिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, भिन्नीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरक निर्धारित  
के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से पहले किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन ऊपर दिये के अन्तरक के  
वास्तव्य से कमी करने या उक्त वर्जन के इच्छा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी रूप या मूल्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था. विमान में  
सूचना के लिए;

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 6032 तारीख 4-4-1985  
के अनुसार निबन्ध हुआ है ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्जित :—

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृत आर्.टी.एन.एस्.-----

(1) श्रीमती सरस्वती दास और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) जमा जैम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2038/एक्यु० आर-III-85/86—अतः

मुझे, शेख नाईमउद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2078 है तथा जो पार्लागंग टेरेस कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अतिरिक्त के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रार अतिरिक्त 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक का गृह्य है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पट्टे प्रतिशत से अधिक है

और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अनुसूची बतौर :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर उक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—जो तल्ला मकान सह जमीन 3क 8छ और डीड नं० 3170 तारीख 23-4-1985 अनुसार निबन्ध हुआ है ।

शेख नाईमउद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

अध्याय 20-क. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2039/एफ्यु० आर०-III/85-86—प्रतः मुझे,  
शेख नार्सिमउद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 है तथा जो एजका स्ट्रीट कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 11-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंत-  
रिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मेसर्स श्री नरसिंह सहाय मदनगोपाल  
इंजीनियर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशल्या देवी तसनीवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
बिहित में लिए जा सकये।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 4 डीउनं० 647 के तारीख 11-4-1985  
अनुसार कलकत्ता में निबन्ध हुआ है।

शेख नार्सिमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-3 कलकत्ता

दिनांक 9-12-1985  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० 2040/एक्यू०/1/आर-III/85-86/अत.

मुझे, शेख नार्सिमउद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो मेन डेमिला गार्डन्स कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई०ए० सी०/एक्यू० आर-III में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती धलका नन्दा मुखर्जी ।

(अन्तरक)

(2) भवानी कमशियल प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० सं० क्षेत्र 675 वर्गफुट 37ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ ।

शेख नार्सिमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक 9-12-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई, टी, एन. एस. -----

(1) मिर्मा प्रा० लि० ।

(धनारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राधेश्याम बांका ।

(अन्तरित)

भारत सचिव

आयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

विदेश सं० 2041/एफ०/1-भार-III/85-86-अत  
मुझे, लेख नाईमउद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और विनोदी सं० 39/1 है तथा जो ल्यान्स टाउन रोड कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्गीकृत है) एजिस्ट्रिकरी अधिकार के कार्यालय एफ० आर-III  
कलकत्ता में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
व्यक्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वस्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साधारण से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
क, ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो फार्म 37 ईई फार्म अनुसार निबन्ध हुआ प्लाट  
सं०-5 क्षेत्र 1650 वर्गफुट ।

लेख नाईमउद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रकाश नाई. टी. एच. एच. ---

(1) श्री प्रमोद कृष्ण चौधुरी।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) आर० गेसाद्री।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 2042/एफ्यु०-1-आर०-III/85-86-अतः

शुभे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्तमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहाय प्राधिकारी को यह निम्नलिखित करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका मालिक बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिमकी सं० है तथा जो गल्फ ग्रीन कॉम्प्लेक्स  
फ्लैट-III में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध श्रमसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 8 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवधि  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और अतः यह विस्वास्त  
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवधिमान प्रतिफल से उसे अवधिमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरगत (अन्तरगत) और  
अन्तर्गती (अन्तर्गती) के बीच होने अन्तरण के लिए तय  
नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित अवधिमान से उक्त अन्तरण  
विधिमान में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम की शर्तों के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वास्तव में कमी करने या उसमें कमी से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन का अन्तर्गत  
को, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्गत  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ  
अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था स्थिति में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
11-426 GI/85

उक्त संपत्ति की अर्जन की संबंध में कोई भी बाधक 2—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी भी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधारी के पार/  
जिम्मेदार में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 5 डीड नं० 2765 तारीख 8-4-1985  
अनुसार निबन्ध हुआ है।

शेख नईमुद्दीन  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

दिनांक : 16-12-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन भूषण

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6206---अतः  
मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० व्यावसायिक प्लॉट नं० 305, तीमरी मंजिल,  
है तथा जो 12/2 रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसके अन्तर्गत से सम्बन्धित विवरण उक्त अधिनियम  
की धारा 269, ए, बी के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय भोपाल में अक्टूबर, 1985 को पंजीकृत माना  
गया है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्तान्तरण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) चौधरी इंडस्ट्रियल एण्ड इन्वेस्टमेंट (म० प्र०)  
प्राइवेट लिमिटेड,  
12/2 रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मै० शक्ति कौ० एक्सटेंशन प्रा० लि०,  
उत्तरे संचालक, धामिताभ अग्रवाल,  
313, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाह  
विधि में किए गए समर्थन।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

व्यावसायिक प्लॉट नं० 305 (तीमरी मंजिल) 12/2  
रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

दिनांक : 18-12-1985

मोहर



प्रकट बाई. टी. इन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6207---अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० व्यावसायिक प्लॉट नं० III (प्रथम मंजिल)  
है तथा जो 12/2 रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर में स्थित  
है (और इसमें अपात्रक अनुसूची में धारा पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसके अन्तर्गण से सम्बन्धित विवरण उक्त अधिनियम  
की धारा 269 ए बी के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल  
में अक्टूबर, 1985 को पंजीकृत माना गया है

और पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का  
मनुष्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अविवरण के कभी करने या उचित करने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उस अधिनियम, के अन्तर्गत  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत है—

(1) चौधरी इंद्रप्रियान्व पन्वेस्टमेंट  
(म० प्र०) प्रा० लिमिटेड,  
12/2, रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग,  
इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवासजी शर्मा आत्मज स्व०  
श्री गोरधन लाल जी शर्मा ।  
भ्वावर, (राजस्थान) ।

(अन्तरित)

यह सूचना बाई करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के निम्न  
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त संपत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—उक्त अधिनियम के अधीन जोड़ नहीं है, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही वर्ष होगा जो उस अधिनियम में बिना गया है।

अनुसूची

व्यावसायिक प्लॉट नं० III (प्रथम मंजिल), 12/2  
रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर में स्थित है ।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 18-12-1985

मोहर

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

(1) रवीकुमार आत्मज वर्धमान उफरिया,  
गिनुवन, रामबाग, रतनाम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/6208-अन  
मुझे वेद प्रकाश श्रीवास्तवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० खुली भूमि 6487 वर्गफीट, एक कम एवं  
स्वीमिंग पूल है तथा जो रामबाग, रतनाम में स्थित है  
(और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रार  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख,  
जुलाई 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या[(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किना जाना जा रहा था, छिपाने में सुविधा  
में प्रिय]अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती जाफियाबाई पति हफीमुद्दीन
2. मि० जोहर आत्मज हफीमुद्दीन,
3. मि० भजहर आत्मज हफीमुद्दीन,
4. मि० युसुफ आत्मज हफीमुद्दीन,
5. मि० मुस्तफा आत्मज हफीमुद्दीन

सभी निवासी ताहेरपुरा, रतनाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनसूची

खुली भूमि 6487 वर्गफीट, एक कम एवम् एक  
स्वीमिंग पूल, रामबाग रतनाम में स्थित है।वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 18-12-1985

मोहर :

प्रकाश बाबू, टी. एन. एन. नं० २७०००००

वाचक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कानून, सहायक वाचक (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6209--अतः  
मुख्य वेद प्रकाश श्रीवास्तव

वाचक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
द्वारा पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नंबर 27 (नल मंजिल), है तथा  
जो आवुआ टावर्मे, 170 आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में  
स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकांश के कार्यालय भोपाल  
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए सन्तुष्ट की गई है और न तो यह विचार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पंजीकृत  
प्रतिफल से अधिक है और अतः (अन्तरको) और अन्तरिकी  
(अन्तरिकी) के बीच एक अन्तर के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नोक्त उद्देश्य से उक्त व्यवहार निहित  
है वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।

(क) व्यवहार से कुछ किसी बाबू की वस्तु उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के व्यवहार के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाबू या किसी भग्न या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय वाचक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
चक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किना जाया बाबू या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, वास्तविक सम्पत्ति को वर्णित है।

(1) मेसर्स पारिजात इन्टरप्र्राइजेस प्रा० लि०,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) चन्द्रप्रकाश युगराज विष्णु सिंह,  
39/4, न्यू पलासिका,  
इन्दौर।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही में एक करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उक्त अवधि व्यक्तिगत रूप  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में सबसे छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के उदात्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताभरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 27, आवुआ टावर्मे, 170 आर० एन०  
टी० मार्ग इन्दौर में स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

आयकर भवन

होशंगाबाद रोड, भोपाल

दिनांक : 16-12-1985

मोहर

प्रस्य माहू. टी. एन. एल.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6210—अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुआबा नं० 28 (नल मंजिल) है तथा जो झाबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके अन्तरण से सम्बन्धित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए०वी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में अग्रेज 1985 को पंजीकृत माना गया है)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) मैसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड,  
170 एन० आर० टी० मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रप्रकाश युगराज विष्णु सिंह,  
39/4, न्यू पलासिया, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाहक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किने जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 28 (नल मंजिल), झाबुआ टावर्स, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल  
आयकर भवन,  
हंशगाबाद रोड, भोपाल

दिनांक : 16-12-1985

कोहर :

अध्याय भाग टी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6110—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नजूल प्लॉट नं० 27, ब्लॉक नं० 5 है तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जुन तारीक अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अंतरित की गई है और अभी यह विचारात् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिकूल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पक्का क्या प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बावजूद के बावजूद में कभी करण या अग्रह वसूल में एविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकधारा अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एस० एलिआस पत्नी एच० टी० एलिआस,  
समुअल एलिआस एच० के० एलिआस,  
आ० के० एलिआस, सभी पुत्र,  
श्री एच० टी० एलिआस,  
निवासी पी-289 दरगा रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) अलीम बक्श एवं रहीम बक्श,  
पिता करीम बक्श,  
निवासी—नया मोहल्ला, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के लिए कार्रवाई करना शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्साहरी के बाध निश्चित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नजूल प्लॉट नं० 27, ब्लॉक नं० 5, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

आयकर भवन

सैदा मिन के पास भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :

प्रासन्न भार्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6111—अतः  
मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) ('जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
आश्वासन है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति विवरण नं० 813, 814, 815,  
एवं 816 (पुराना नं० 337, 337/1, 337/2, 337/3),  
प्लॉट नं० 27 पर है तथा जो ब्लाक नं० 5, नेपियर टाउन  
जबलपुर में स्थित है (जो इसमें उपायुक्त अनुसूची में और,  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय,  
जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
कम प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (वन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब धारा गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उपप्रेष में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत से  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित ॥—

(1) ए० एलियास, पत्नी श्री ए० टी० एलियास,  
एवं मेसुअल एलियास ए० के० एलियास,  
बी० के० एलियान,  
सभी पुत्र श्री ए० टी० एलियास,  
पी-289, दरगा रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) आशीष कुमार, पिता देवेन्द्र कुमार जैन,  
निवासी-गोल बाजार, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

ये वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए  
सम्पत्तिदाताओं को सूचित करता है ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्झौताकरण:—इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 813, 814, 815, एवं 816, (पुराना नं०  
337, 337/1, 337/2, 337/3, ) प्लॉट नं० 27 पर,  
ब्लाक नं० 5, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है । यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में मिहित है ।

बी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल  
आयकर भवन,  
मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 10-12-1985  
मोहर :

प्रमाण आई. टी. एन. एस.-----

(1) प्रमाण आई. टी. एन. एस. श्री हीरानाथ चौधरी,  
हिमाची—कटोरा तालाब, रायपुर।

(अन्वयक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए के अधीन सूचना(2) श्री गीतरीजी विना विवेकानन्द मेहता,  
हिमाची—चैज तालाब, रायपुर।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनवाल

सोमवाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

दिनांक सं० आई.एस.सी./एन.एस./सोमवाल/6112-अन्वयक/मसे.

वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन मसूदा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० मसूदा है, तथा जो कटोरा तालाब, सिद्धि लार्ड्स, रायपुर में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) निम्नलिखित प्राधिकारी के कार्यालय, रायपुर में निम्नलिखित अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राचीन प्रावधान 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मसूदे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुआ किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्वयक है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित प्राधिकारों अर्जन

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

महायुक्त कटोरा तालाब, सिद्धि लार्ड्स, रायपुर में स्थित है। यह एक स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण प्रमाणित आय शब्दांकित फार्म नंबर 37 जी में लिखित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

मसूदा प्राधिकारी

(निरीक्षी) महायुक्त आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, सोनवाल

आयकर मन्त्र,

नैरा मिल के पास, सोनवाल

तारीख : 10-12-1985

सं० सं० :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई.ए.सी०/अर्जन/भोपाल/6113---अन: मूजे,  
वी०पी० श्रीवासव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट, ख० नं० 1487/3, 1487/7 है, तथा जो मंगला, बिलासपुर में स्थित है (और इसमें उपान्वृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का गूँझ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया कम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विश्वमूलान उर्फ विमलाल पिता श्री  
पुरुषोत्तम भाई पटेल,  
निवासी---जूना बिलासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति शकुन्ता देवी पत्नी श्री भगवानदास  
गोयल,  
निवासी---नवाभारा,  
राजिम तहसील रायपुर।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट, ख० नं० 1487/3 एवम् 1487/7, मंगला,  
बिलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी  
में निहित है।

वी० पी० श्रीवासव  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज, भोपाल  
आयकर अर्जन,  
मैदा भिल के पास, भोपाल

तारीख : 10.12.1985  
मोहर :



भारत सरकार, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6114--- अतः मुझे  
वी०पी० श्री वास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 43/2 (शीट नं० 121) है,  
तथा जो पथरागुडा, जगदलपुर जिला बस्तर में स्थित है  
(और हमने उचित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उक्त रु—

(1) श्री भवानी पिता मनमाराज कोष्टा,  
निवासी—पथरागुडा,  
जगदलपुर,  
जिला बस्तर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति वीजू बंस पत्नी श्री चिन्मय बंस,  
निवासी—जगदलपुर,  
जिला—बस्तर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हेतुबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 43/2 (शीट नं० 12), मोहल्ला पथरागुडा,  
जगदलपुर में स्थित है यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी  
में निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन,  
मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-भोपाल

भोपाल दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6115 --अतः मुझे,  
वी०पी० श्रीवानन्ध,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी न० ख० न० 400/656 है, तथा जो ग्राम  
मुमदा तहसील हजूर जिला रीवा में स्थित है (और इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय रीवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985।  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वीरभद्र सिंह पिता श्री रामकुमार सिंह,  
देवराजसिंह पिता केदार सिंह दोनों  
निवासी --ग्राम मुमदा,  
तहसील हजूर,  
जिला रीवा।

(अन्तरक)

(2) आर्यक कंसद्वयसम् (प्रा०) लि० मि०  
28, नवलकिशोर, हजरतगंज (उत्तर प्रदेश)।  
(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् तहसील की पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 400/656, ग्राम मुमदा तहसील हजूर  
जिला रीवा में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फसुम न० 37जी  
में निहित है।

वी० पी० श्रीवानन्ध  
महाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-भोपाल

तारीख : 10-12-1985

गोपनीय

प्रकाशक: श्री. एन. ए. ए. ए.

आवक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/8116--अतः सूचे.

वी०पी० श्रीवास्तव,

आवक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन इसमें प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 1/10, 1/38 (शीट नं०  
98, 108) है, तथा जो कनोयागा, कुम्हारपुरा घाई,  
जगदलपुर में स्थित है (और इसमें उभावद्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को  
कार्यालय जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के नीचेत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए बन्दारित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तबिक  
रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के परिणाम  
में कमी करने या उससे बचने में शोषण के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य बास्तबिक  
को, जिसे भारतीय आवक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शोषण  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री कुंदरामिह पिता सरदार तारा सिंह,  
जिवासी-जगदलपुरी जिला कोरापूर,  
उड़ीसा।

(अन्तरक)

(2) श्री मलकित सिंह पिता सरदार मंगरामिह,  
टुक ड्राइवर, बालाजी घाई,  
जगदलपुर,  
जिला बस्तर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1/10, 1/38 (शीट नं० 98, 108),  
कनोयागा, कुम्हारपुरा घाई, जगदलपुर में स्थित हैं। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सम्पादित फार्म नं० 37 बी में लिखित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

आयकर भवन

मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10.12.1985

मोहर

(अन्तरक)

(श्रुत्तरिती)

मैंने यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को धर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सूत्रस्थानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) जस्तरेक त हुरे किसी बाय की बायत, जस्तरेक अधिनियम के अधीन कर देने के जस्तरेक के बायतले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना; और/वा

(ब) ऐसी किसी जाद या किसी भन या अन्य जास्तियों को, बिन्दु भारतीय जाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तरिणी द्वारा प्रकट मूर्ति किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने के उद्योग में किया;

## मनसूखी

सकान नं० 776, वडी ओमती (प्लॉट नं० 144 पर)  
ब्लॉक नं० 91, जवलापुर में स्थित है यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्वयिनी द्वारा सत्यापित  
कार्य नंबर 37 जी में निहित है।

वी०पी० श्रीवासुद

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 हो, यी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

तारीख : 10-12-1985  
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एल.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

वारस संपत्ति

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6118—अन० मुखे,  
वी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
(इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या मकान, प्लॉट नं० 618 पर, स्क्रीम  
नं० 9, जबलपुर इन्डियन एंटी जूथरिटी है, तथा जो शांती  
नगर, दमोह ताका, जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
इससे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्धृत से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
का, जहाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था डिपॉजिट में  
सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न. नं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भद्रेन्द्रन मिश्रा पिता धृष्टदत्त मिश्रा,  
निवास नं० 389, जाल्ती नगर,  
दमोह ताका,  
जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्द्र शर्मा पिता श्री गंधा प्रसाद,  
त्रिभुवनिया: 92, लार्डगंज, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 618 एनम मकान, स्क्रीम नं० 9, जबलपुर  
इन्डियन एंटी जूथरिटी, जाल्ती नगर, दमोह ताका, जबलपुर  
में स्थित है। यह एक स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण  
विवरण अन्तरिती द्वारा मालिक फार्म नंबर 37 जी में  
लिखा है।

वी०पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्रकृष्ट आर्क्ष. टी. एन्. एस्.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आर्क्ष.ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6119-अतः

मुझे, बी०पी० श्रीवास्तव

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 442, 443/2 है, तथा  
जो वाषट्टिया कला तहसील हजूर, भोपाल में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अस्तित्वों में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिस्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ए०सी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या भारतीय अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा दे लेना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा-269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गिरधारी लाल पिता भंवरजी,  
निवासी-- ग्राम वाषट्टिया कला,  
तहसील हजूर,  
जिला भोपाल।

(अन्तरक)

(2) सीमा सहकारी गृह निर्माण सहकारी संस्था  
द्वारा

अध्यक्ष श्री अब्दुल रशीद पिता नूर खान,

5/75 रवीशंकर नगर, भोपाल।

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भूमि ख नं० 442, 443/2, ग्राम वाषट्टिया कला  
तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित है यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिस्ती द्वारा मर्यापित  
फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

बी०पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल)

तारीख : 10-12-1985

महिर

प्रमुख आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ग (1) के अधीन संचालन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6120--अंतः मुझे,  
व्ही०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन संचालन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 1514 का भाग (नया नं० 1514/3) है तथा जो कांठरा रीवा में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रीवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल के संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावनाश अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किंवा जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा सुविधा के लिए;

वतः वतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगेन्द्र कुमार वर्मा खुद व अहमियत मु० आग 2. जगदीश प्रसाद वर्मा 3. देवेन्द्र वर्मा 4. मुधीर कुमार वर्मा 5. डा० प्रवीण कुमार पिता स्व० डा० हीरानाल वर्मा, श्रीमती विनोदनी वर्मा पुत्री श्री हरिद्वार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मेहमूदा बानो पत्नी नईमुद्दीन 2. फारू-दीन तनय मोहमुद्दीन 3. नामुद्दीन तनय, नई-मुद्दीन 4. नजमुद्दीन (अवयस्क) 5. शम्स आलम (अवयस्क) द्वारा संरक्षक पिता श्री नईमुद्दीन, निवासी--कोठी, रीवा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाकी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्त होगा, जो उस अध्याय में विद्यमान है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1514/3 का भाग (नया नं० 1514/3), कांठरा रीवा में स्थित है। यह यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिणी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

व्ही० पी० श्रीवास्तव

संचालन प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल)

आयकर भवन,

मैदा भवन के पास, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक: 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/6121—अतः मुझे,  
वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 15/570 है, तथा जो  
एम०जी० रोड, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अण्ड या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) (1) मेखम आरदा टाकीन (इंडियन पार्टनरशिप  
फर्म रजि०)

(2) ललित कुमार तिवारी पिता स्व० श्री  
प्रियमचरण तिवारी

3. श्रीमती उषा तिवारी पत्नी ललित कुमार

4. लोकेश तिवारी, जवाहर नगर,

राजमातागांव, रायपुर। (अन्तरक)

(2) एशियन इलेक्ट्रिकल्स (इंडियन पार्टनरशिप फर्म)  
जवाहर नगर, रायपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त अर्पित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नंबर 15/570, एम०जी० रोड, रायपुर में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित  
है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रेंज, भोपाल)

आयकर भवन,

मैदा मिन के पास, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

माहूर :



प्रमुख आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त

अर्थशास्त्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक: 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/6122—अतः सुखे,  
वी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 17/57 है, तथा जो रवि  
नगर, सिविल लाईन्स, रायपुर में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उपबन्ध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कमिष्ठ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी धन की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
अधिकार में नहीं करने या उक्त धन में अविभा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति प्रमीला श्रीवास्तव पत्नी कीरतलाल  
श्रीवास्तव,  
निवासी— राजा सालाब, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति अर्चना आचार्य पत्नी डा० प्रभात आचार्य  
निवासी रवि नगर,  
सिविल लाईन्स, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में जिस  
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान, 17/57, रवि नगर, राजा सालाब, रायपुर में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित  
है।

वी०पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रंज, भोपाल)

आयकर भवन,

मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6123—अतः मुझे,

वी०पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 445, है, तथा जो मौजा  
अमागिद में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय  
बुरहानपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
नं. म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश भाई धर्मा प्रभुवास पटेल,  
निवासी—नया मोहल्ला,  
बुरहानपुर जिला खण्डवा।

(अन्तरक)

(2) श्री किशनलाल उर्फ चौहधराम धर्मा राधामल  
अडवानी,  
निवासी—सिंधी अस्ता (मेंधान कैंप),  
बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
वाहिया शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितग्रह  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अभ्युक्ति

कृपि भूमि ख० नं० 445, मौजा अमागिद तहसील  
बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी  
में निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल)

आयकर भवन,

मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 12-12-1985

मोहर :

प्रकृत आई.टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6124—अतः मुझे  
बी०पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख नं० 445 है तथा जो मौजा  
अमागिदं में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन, अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किराई धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेश भाई बल्लभ प्रभुदास पटेल,  
निवासी—नया मोहल्ला बुरहानपुर,  
जिला खण्डवा।

(अन्तरक)

(2) श्री लालचंद उर्फ साँवलदास बल्लभ राधामल श्रद्ध-  
वानी,  
निवासी—मिथी बल्ली (मैधानकेम्प)  
बुरहानपुर, जिला खण्डवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि ख नं० 445, मौजा अमागिदं तहसील बुरहानपुर  
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण  
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में  
निहित है।

बी०पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

आयकर भवन

मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 12-12-1985

माहुर :

प्रश्न. माह. टी. एम. एस्. =

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**आरुख कुरकान**

**कार्यालय, सहायक नायकर नायक (निरक्षर)**

अर्जन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6125—अतः मुझे,  
बी०पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियकी सं० मकान क्रमांक 711 वार्ड नं० 34 है तथा जो कृषि उपज मण्डी समिति, भिण्ड में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भिण्ड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1985।

का पूर्वांकत सम्पात के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पात का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसका अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरिश्चंद्र एवमं रतनचंद्र जैन,  
निवासी—गुल्ला मण्डी भिण्ड० ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजन्द्र कुमार पुत्र दलफतराय जैन,  
निवासी—पुस्तक बाजार, भिण्डो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों से निम्न कार्यवाहियां शुरू करता है :

उक्त सभ्यता के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना को राशपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बचाए;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**सूचीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान क्रमांक 711, बार्ड नंबर 34, कृषि उपज मण्डी समिति, भिण्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका संपूर्ण विवरण अस्तित्वी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी) सहायक प्रायकर प्रायुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल  
प्रायकर भवन  
मैदा मिल के पास, भोपाल

तारी : 10-12-1985

**मोहर :**

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 विसम्बर 1985

निवेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/6126—अतः मुझे,  
बी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान म्यु० नं० 5/1042 है, तथा  
जो जवाहर नगर कालोनी, लखर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गृह और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आयियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के  
अनुसार अन्तरित करण प्रदान करने के लिए किया जाता है, या किसी अन्य  
कारण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति कमल कृष्ण गोखले पत्नी

कृष्णनारायण गोखले

(2) श्रीमती सी० का० उद्योतसना रोखड़े पत्नी

काशीनाथ पट्टनन, यशवंत, दिलीप

पिता कृष्ण नारायण गोखले,

श्रीमती सविता पत्नी कृष्ण नारायण

नई सड़क लखर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति दिपिका चाकणकर पत्नी

श्री माधवगोविन्द चाकणकर,

निवासी दाल बाजार, लखर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूतस्वामी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान म्यु० नं० 50/1042, जवाहर कालोनी, लखर  
ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी  
में निहित है।

बी०पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रेंज, भोपाल

आयकर भवन

मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

मुख्य बाह्य. टी. एच. एच. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6127--प्रतः मुझे,  
वी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नंबर 87 बार्ड नं० 18 है,  
तथा जो लुहागीपुरा, विदिशा में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय विदिशा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) बन्दरबंद हो गई किसी नाम की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक  
से कम करने या उच्च करने में क्षति के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी भव या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साक्ष्य  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित हूँ—

(1) श्री गंधुकर राय पुत्र बासूदेव राय मंडवे,  
निवासी—वीर हकीकत राय मार्ग,  
विदिशा।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश पुत्र सदाशिवराय पंडित,  
निवासी अस्पताल रोड, विदिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसके भी व्यक्तिगत पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अन्वय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 87, बार्ड नंबर 18, लुहागीपुरा, विदिशा  
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण  
विवरण अंतरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 जी० में  
निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

सूचना क्र. 10-12-1985

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6128—अतः मुझे,  
वी०पी० श्रीवास्तव,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सवान नं० 57, बार्ड नं० 17 है, तथा  
जो विदिशा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री अर्थात् अधिनियम के  
कार्यालय विदिशा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के  
पेक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन धर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सहाय-  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा एकत्र नहीं किया गया  
था या किण्व बाधा बाधित या क्षिण्य में संविधा  
की मिल

(1) श्रीमती गुलाब बाई शर्मा पुत्री श्री रामकिशन  
शर्मा पत्नी हूर प्रसाद शर्मा,  
निवासी—रायपुर, विदिशा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री राधवजी 2. शक्ति सिंह,  
डा० मिनट, अमृतनाथ मोहननाथ,  
सुरेश, डा० विनोद, धनराम, मनीष,  
निवासी—गण-विदिशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराई हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक मात्र में समान होवे, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहेस्ताधारी के बाह  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक संजिला मकान नं० 57, बार्ड नंबर 17, विदिशा  
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण  
विवरण अन्तरिती द्वारा गद्यापित फार्म नंबर 37 जी में  
निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर भवन,

मैदा मिन के पास, भोपाल

अन्य शब्द, उक्त अधिनियम के धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, संस्थाओं—

तारीख : 10-12-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/6129-अतः

मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पर्याय 'सहायक आयकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सहायक आयकरारी को यह विवरण करने का आदेश है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान, स्पु० नं० 21/9, है, तथा जो शास्त्री मार्ग, नीमच में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अर्जुन रैज के कार्यालय नीमच में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

को सूचित किया गया है कि उक्त बाजार मूल्य से कम के सम्पत्ति अधिकार के लिए अन्तर्गत की गई है और यहाँ यह ध्यान रखना चाहिये कि उक्त बाजार मूल्य, उक्त उद्देश्य के लिए है, ऐसे सम्पत्ति अधिकार का संपूर्ण अधिकार से अधिक है और उक्त (अन्तर्गत) संपत्ति अधिकार (अन्तर्गत) के बीच पूर्ण अन्तरण के लिए हम वादा किया जा रहा है कि उक्त अन्तरण के लिए उक्त अन्तरण अधिनियम में बाधक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाध उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के अधिकार के अधिकार से कमी करने या उससे बचने में बाधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी बाध का किसी धन या अन्य अधिकारों को, जिसमें भारतीय बाध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के अन्तर्गत अन्तर्गत द्वारा अन्तर्गत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अन्तर्गत से बाध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों में बाध है—

(1) केन्द्रीय विद्यालय श्री राजाजी मंडरी, गोवर्धन क्वार्टर, तहसील आफिम के पीछे, नीमच।

(अन्तरण)

(2) श्री पवन कुमार दुबे विद्या श्री परमुराम दुबे द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, नीमच कंट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाही शुरू किया है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्पत्ति में कोई भी बाध है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके अधिक व्यक्तिगत रूप से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाध से समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्तिगत रूप से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकर्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्गतकारी के लिए किया गया है।

सन्दर्भितः—इसमें प्रकृत सम्पत्ति और पर्वत, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित है, नहीं बचने के उक्त अन्तर्गत में किया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 21/9, शास्त्री मार्ग, नीमच में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव

सहायक आयकर आयुक्त

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रैज, भोपाल

आयकर भवन

मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :



**शब्द बाई. डी, एन. एच.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर विभाग**

**कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)**

**अर्जन, रेंज भोपाल**

**भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985**

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6130--अतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सफा नं० 31 है, तथा जो स्नेह नगर, मेन रोड, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शांसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके इश्टमान प्रतिफल से मुझे इश्टमान प्रतिफल का मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी भाग की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन करने की अन्तरक के वापस में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य शक्तिशाली को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) प्रेमचन्द अग्रवाल, पंकज, कमल, यामिनी, यामिनी, 80, जानकी नगर, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार, रमेश कुमार, सुधीर कुमार एवं दीपक कुमार, 172, जावरा सम्पाउंड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपाध :-**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सफा नं० 31, स्नेह नगर, मेन रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर अधिकारी

अर्जन रेंज, भोपाल

आयकर भवन

मेदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्रकृष माह.डी.एन.एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक: 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जुन/भोपाल/6131---अतः मुझे,  
वी०पी० श्रीवास्तव,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 31 है, तथा जो स्नेह नगर,  
इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह बाधा भवा प्रवि-  
क्त निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण सिद्धान्त में वास्तविक  
रूप से कायम नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक या  
अन्तरिती के लिये कर देने का उद्देश्य सूचना के अधिनियम  
के लिए, अधिनियम

(क) एवम् किसी बात या किसी धन का अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रेमलता अग्रवाल, पं० अज, कमल, यामिनी एवं  
कामिनी

निवासी-80,  
जानकी नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति प्रमोद कौर एवं सीमारंजीत कौर,

निवासी-30 ए,  
प्रेम नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा जाता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिखी जा सकती है।

अध्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इस  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय के विषय  
में है।

अनुसूची

मकान नं० 31, स्नेह नगर, इंदौर में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37जी में निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव

सहायक प्राधिकारी

(निरीक्षण सहायक प्राधिकार आयुक्त

अर्जुन रेंज, भोपाल

आयकर भवन

मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 10-12-1985

मोहर

प्रकरण नम्बर डी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6132--अतः

मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में भूमि है तथा जो ग्राम फोंपनार कलां, तह० बुरहानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दसवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दसवमान प्रतिफल से, ऐसे दसवमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से शस्तविक रूप से उपयोग नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक 6 रु० किसी आय की आय, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य मास्तिगों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या या किया जाता चाहिए था, जिसमें से बचत के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अखतर हुसैन पिता शमशेर अली बोहरा, निवासी खैराती बाजार, बाई, बेरी, मैदान, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शैलेश कुमार पिता सुरेशचन्द चौकमे ता० बली सुरेशचन्द पिता बाबूलाल चौकसे, निवासी-फोंपनार कलां, तह० बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाहक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, सम्पत्ति का खाना नं० 250, ग्राम फोंपनार कलां, तह० बुरहानपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित तम नंबर 37जी में लिखित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6133/---अतः :  
मुझे वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) धिते इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी वी० प्लॉट नं० 10 है तथा जो जमालपुर, भोपाल  
में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक की बाबत  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की शिक्षा  
और/या

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य भास्त्रियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अधिति :—

(1) श्री खूचन्द वेलानी, पिता श्री अर्जुनदाम जी,  
निवासी-बी-9, पुराना बैरागढ़ ।

(अन्तरक)

(2) नारायण दास पिता हीरूमलजी,  
मनोहरलाल पिता हीरूमलजी,  
निवासी-एल० आई० जी० पी०-10  
जमालपुर, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10 पर, जमालपुरा, भोपाल में स्थित है  
यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहर

प्रकाश कार. टी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6134—अतः

मुझे वेद प्रकाश श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,68,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० ओपन प्लॉट नं० ई-42 है तथा जो साकेत  
नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपावस्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रबल प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाधा नया प्रवि-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाधा की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर होने की अन्तरक की कतिपय  
में कभी कभी या कभी कभी में सूचना की कि:

की/बा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए कि, क्रियान्वे के अधिका  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर :—

- (1) सतगुरुदास चरनदास सत्संगी,  
2. श्रीमती अमर पत्नी सतगुरुदास सत्संगी,  
3. गुरुशरनदास चरनदास सत्संगी,  
निवासी जी-1, विक्टोरी कालोनी,  
इंदौर ।

(अन्तरक,

- (2) श्रीमती कलाबाई पत्नी सुगनचन्द,  
धेनुबाई पत्नी ठाकुरमल,  
निवासी-993, बाबूगली, महु ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पक्षों के सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
निहित में किए जा सकेंगे ।

सम्पत्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्त होना, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ओपन प्लॉट नं० ई-42, साकेत नगर, इंदौर में स्थित  
है । यह वह स्यावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है ।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहरा :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6135---अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 25 है तथा जो रामबाग,  
रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अवधारण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता जाहिण था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

तब यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बद्रीनारायण राठी,  
पिता श्री गोपीकिशन राठी,  
निवासी बो बल्ली, रतलाम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला पंत परनी श्रीललित प्रसाद पंत,  
निवास-1, लोकेन्द्र भवन,  
कम्पाउण्ड रोड, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्झौते:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तरली

मकान नं० 25, रामबाग, रतलाम में स्थित है । यह वह  
स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
स्थापित फॉर्म नंबर 37 जी में निहित है ।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिका री  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 10-12-1985  
मोहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6136—अतः

मझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 810, (पुराना नं० 385/1) है, तथा जो नजूल ब्लॉक नं० 5, प्लॉट नं० 27, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

के पञ्चवत्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक वित्त-विषय के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से कमी करने या उचित करने के सुविधा के बिना, कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में विविधा के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  
15—426 GI/85

(1) श्रीमती एस० एलियास पत्नी एच० टी० एलियास, सेमुअल एलियास, एच० के० एलियास, बी० के० एलियास, सभी पुत्र एच० के० एलियास, 289, जी वरगा रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रंजीत कौर पत्नी श्री एच० एस० सिंह, निवासो—मदन मंजूर, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पञ्चवत्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पञ्चवत्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नंबर 810 (पुराना नं० 385/1) नजूल ब्लॉक नं० 5, प्लॉट नं० 27, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एच. एच. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाएउ सुनुकाउ

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6137—अतः

मुझे वेद प्रकाश श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को कि धारा 269-ब के अधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नजूल प्लाट नं० 27 (ब्लॉक नं० 5) है तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रकर्ता अधिकार के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को समित्व में कमी करने या उक्त अन्तरक को बढ़ावा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती ए० एलियास, पत्नी ए० टी० एलियास, सेमुअल एलियास, श्री ए० के० एलियास, श्री बी० के० एलियास, पिता श्री ए० टी० एलियास; पी-289, बरगा रोड़, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ती सिंह, पत्नी श्री टी० एन० सिंह, निवास ग्राम गहुमेर जिला गाजीपुर, वर्तमान में छोटी ओमती, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है ।

अनुसूची

नजूल प्लाट नं० 27, (ब्लॉक नं० 5) नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है ।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सजम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :



प्रकृष वाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6138—अतः

मुझे वेद प्रकाश श्रीवास्तव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसे सं० खुनी भूमि एवं म्यु. मकान नं० 7 है तथा जो एम० जी० रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायय प्रमुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर्तव्य करने के अन्तर्गत क बाधित्व से कभी करने या उक्त करने से बाधित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या बाधित्व प्राप्त बाधिए या, छिपाने से बाधित्व के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्धारित व्यक्तिगत, अधीन :—

(1) श्रीमती निर्मला पत्नी श्री विजय कुमार टोंग्या,  
निवासी-7, एम० जी० रोड,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स चौधरी बिल्डर्स (प्रा०) लि०,  
12/2, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिम करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबधु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एवं म्यु. मकान नं० 7, एम० जी० रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरित द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहर

इसका भाग, की, एन. एन. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/6139—अतः  
मुझे वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितनी सं० मकान नं० 7/बी है तथा जो साईनाथ  
कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसके उपाय्य अन्तर्गामी में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरता अधिकारी के कार्यालय  
इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा बंधा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गामी  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गामी  
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गामी (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मधुकर पिता द्वारकानाथ गडहरी,  
निवासी 11, बी, साईनाथ कालोनी,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) शिवनारायण पिता सुन्दरलाल पगारे,  
निवासी मकान नं० 7/बी, साईनाथ कालोनी,  
सेक्टर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

मकान नं० 7/बी, साईनाथ कालोनी, इंदौर में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरित  
द्वारा सत्यापित फॉर्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12-12-1985  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6140—प्रतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान म्यु० सं० 32 बाईं सं० 15 है, तथा जो  
मित्रा निवास रोड, रतलाम में स्थित है (और इसके उपरान्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधि-  
कारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रार अधिनियम 1998  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे  
दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

36-406 GI/85

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ-  
यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती फरीदा पत्नी यामस पारानीलन  
निवासी—37764 कालका ब्राह्म, स्ट्रीटिंग,  
हार्डिस मेचीगन 48077 (यू० एस० ए०)  
(अन्तरण)

(2) श्री किरोज पिता फवासजी पटेल  
2. रतलाम पिता फवासजी पटेल  
निवासी—महु रोड, रतलाम ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही कराया है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान म्यु० सं० 32, बाईं सं० 15, मित्रा निवास रोड,  
रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका पूर्ण  
विवरण अन्तरिती द्वारा सार्वजनिक फॉर्म नम्बर 37 जी में निहित  
है ।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन, रेंज, भोपाल)

आयकर भवन  
बैदा मिल के पास भोपाल

दिनांक : 12-12-85

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एस.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आचार्य, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6141—अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवत्सव,  
भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि: स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
अरिहिसी सं० प्लॉट सं० 209, एवं उस पर निर्मित भवन,  
न्यू सिटी कालोनी है, तथा जो बेरसिया रोड, भोपाल में स्थित  
है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में अर्जुन रॉय रूप से वर्णित है),  
चिट्ठी-पत्र अधिकार के अधीन, भोपाल में चिट्ठी-पत्र  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल,  
1985,

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गढ़े हैं और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय राया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
रक्षित करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गुरुदत्तमन मिश्रा श्री रीजूमल  
निवासी—209, न्यू सिटी कालोनी, भोपाल।  
(प्रत्यक्ष)
- (2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी बिहारी लाल बनानी  
निवासी—138, न्यू सिटी कालोनी, भोपाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 209 एवं उस पर निर्मित भवन, न्यू सिटी  
कालोनी, बेरसिया रोड, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित  
फार्म नम्बर पर 37 जी में निहित है।

वेद प्रकाश  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण) सहायक भाषाकर आयुक्त  
अर्जुन रॉय, भोपाल)  
भाषाकर भवन,  
मंद मील के पास, भोपाल

दिनांक : 12-12-1985  
मोहर

**इसका बाई. बी. एन. २६५**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जुन रॉय, भोपाल**

**भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985**

निदेश सं० आई० ए० सी०/प्रजंन/भोपाल/6142--प्रतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवारध, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० सं० 155, 166/2/1 एवं 166/2/2 है, तथा जो गांव खजुरी ब्लाक तहसील भोपाल में स्थित है (और इसी उपाखंड शसुकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित प्रतिनिधि के अधीन, भोपाल रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से क्षीय नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिपाने में सुविधा के लिए.

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) 1. श्री खुशाल पिता स्व० श्री राधाशिवनजी
  2. श्रीमती प्रार्तिबाई विधवा श्री राम सिंगजी
  3. जयसिंह पिता स्व० श्री रामसिंहजी ठाकुर
- निवासी—खजुरी ब्लाक, तहसील हजूर जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

- (क) धननगर गृह निर्माण सहकारी संस्था लिमि० भोपाल द्वारा अध्वक्ष श्री राजमणि पटेल पिता श्री जमुना प्रसाद पटेल
- निवासी—अचार इमली, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

भूमि ख० सं० 155, 166/2/1 एवं 166/2/2, गांव खजुरी ब्लाक, तहसील हजूर, जिला भोपाल में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फॉर्म नम्बर 37 जी में लिखा है ।

वेद प्रकाश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, भोपाल

आयकर भवन

मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 12-12-1985

मोहर :

इसका नाम: टी. एच. एच. —

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

(संदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6143—प्रतः)

श्री, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मजान सं० 26/45, प्लॉट सं० एच-6 है, तथा जो गांधी नगर कालोनी, तानसेन रोड, खालियर में स्थित है (जो इससे उदाहरण के लिए पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाब की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरित से कमी करने या इसके करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या किया जाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री लक्ष्मी लाल गोताम पिता श्री हरी गौतम गोताम निवासी—1000, कुच नटवा, चांदनी चौक, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री हरी पाल गुप्ता पिता श्री बालूराम गुप्ता निवासी—एच-6, गांधी नगर तानसेन रोड, खालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मजान सं० 26/245, प्लॉट सं० एच-6 पर, गांधी नगर कालोनी, तानसेन रोड, खालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा उत्पादित फार्म नम्बर 37 जी. में विहित है।

वेद प्रकाश श्री वास्तव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल।  
आयकर भवन,  
मैदा मिन के पास, भोपाल

दिनांक : 12-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6144--अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सूचित प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नम्बर 4, एफ० एफ० स्यु० मकान  
सं० 102/2 है, तथा जो साउथ तुकोगंज, इंदौर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल,  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रमाण बाजार  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
अन्तरिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से है कि किसी बात की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 23) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त अधिनियम में  
या या किया जाता है कि उक्त अन्तरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधव गोस्वामी पिता श्री निवास गोस्वामी  
निवासी--10/2, साउथ तुकोगंज, इंदौर  
(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश पिता श्री गिरधारीलाल बोर  
निवासी--21, माधूलाल विजय नगर स्ट्रीट,  
फाडेवेरी ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नम्बर 4, एफ० एफ० स्यु० मकान सं० 10/2, साउथ  
तुकोगंज, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर पर  
37 जी में विहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
(अर्जन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन  
मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक 12-12-1985

मोहर

प्रश्न भाई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6145-अत

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैक्ट्री रोड एवं स्टोर भूमि सं० सं० 118/3  
पर है, तथा जो पिपल्याराव, ए० बी० रोड, इंदौर में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल,  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सम्बद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में अस्तित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में व्यवस्था के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाता चाहिए था, छिपाने में व्यवस्था के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० मनोहर भिला भीमनाम उल्लासी एच० यू०  
एफ० लम्फे कर्ता डा० सर्वोदय भागवती, 79  
एलसीएम कार्लोनी, इंदौर।

(पत्नी के)

(2) श्री शम्भुलाल शर्मा पिता आनंद हुसैन  
सि०-48, धिम बणखल रोड, इंदौर  
2. श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी श्री मो० हुसैन  
3. श्रीमती देवताबाई पत्नी श्री श्री वसुधारा  
निवासी - 89, अर्जुन क्षेत्र रोड बमरई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री रोड एवं स्टोर सं० सं० 118/उपर, पिपल्याराव,  
ए० बी० रोड, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर  
37 जी में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल)

आयकर भवन

मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 12-12-1985

मोहर :



प्ररूप आइ, पी, एन, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जल रेंज भेषावा

भोपाल, दिनांक 2 दि. फर, 1985

निर्देश सं० पाहें १० पो०/सर्व/भोता/७६४८:- अतः  
मधे, एव० सा० शर्म,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमारा संसद 'एन एन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह निश्चित करने का काम है कि स्थान संबंधित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर तिरुक्की संख्या सम्पत्ति नं० मयु० म० नं० 77 है तथा जो अवाहर मार्ग (न्यू रोड) सतलज में स्थित है (ओ० ए० ए० उगावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) अस्तित्वात्ता अधिपती के अधिनियम के अन्तर्गत श्रीर अतिरिक्त 1908 (1908-16) के अधिनियम 1984।

को पूर्वाभा संघोष्ठ के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रातिफल के लिए, संघोष्ठ की गई है और मूल्य गत निवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघोष्ठ का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रातिफल से, एवं दृश्यमान प्रातिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-स्ति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रातिफल गिम्नासिज्जत उद्धृष्ट से उद्धत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से न्यथत गृहीत किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के प्राप्तिव से कमी करन या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियाँ को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्जन में, मेरे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालीकृत व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

1. શ્રી જમલનાથ સમુદ્રાની

पिता श्री मिस्त्रमराजी मनसुखानी

तिब.मं. 28, ध.गिरी,

स्तन्यामि ।

(अन्नरः)

2. श्री मोक्षित पिता अन्तर प्रलीजी

2. પ્રબ્ધન હુસૈન પિતા મોહસોન અલીજી

3. प्रबद्धता पिता सौयद दीन जी,

1. जल्फीदार पिता अमरगखलो बाहुरा

ਨਾਂ ੭ ਬਾਂ ੭ ਜੰ ੭ ਮੋਹਸੀਨ ਅਲੀ ਪਿਤਾ ਫੀਦਾਹੁਸੈਨ ਜੀ

बसरा बाबा निवासी 52/1,

चांदनी नौ, रत्नलाम ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करते पदाधिकारी सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काष्ठ भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना को राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सहाप्य होती हो, के भीतर पत्रिका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभिलेखाङ्कन के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:---** इसमें प्रमुखतः शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मन्त्राचो

उत्पत्ति सं० नं० ७७, अवाहर मार्ग (न्यू रोड),  
रा.म.म. के नियम हैं कि वह स्वावर उत्पत्ति रजिस्ट्रार, सम्पूर्ण  
विवरण अवार्डिनी द्वारा उत्पापित फार्म नं० ३७ जी में निहित

ए १० ॥ १० ॥ गमः

सुखान् प्राधिहारी

सहायक आयुक्त आंध्र प्रदेश निराकरण

अर्जुन रैज, भोपाल

तारीख : 2-12-2985

मोक्षः :

प्रकाश बाई. डी. एन. एल.-----

वास्तविक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यपाल, महानगर आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/भोपाल/6149अन मुंज ए०  
सी० शर्मा,

वास्तविक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राविष्ट री की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी संख्या सम्पत्ति, प्लॉट नं० 81 आर०-1 पर  
है, तथा जो श्री० ए० सी० नं० 44, खानीवाला टैंक, इन्दौर  
में स्थित है (अर्थात् इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय  
इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
कार्यपाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ए० सी० किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिबोर मोहनजी  
पिता श्री गोविन्द राम जी मोहनजी  
निवासी मदान नं० 82, उन्द्रपुरी, इन्दौर,  
इन्दौर।

(अन्तरण)

2. श्री भगवान दास  
पिता श्री तुलसी दास जी  
निवासी 57, जावरा बम्पाउण्ड,  
इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 आर० पर बना हुआ मकान खानीवाला  
टैंक जो तब कमान 44 इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित  
फार्म नम्बर 37 जी में स्थित है।

ए० सी० शर्मा  
सक्षम प्राविष्टार,  
महानगर आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-12-1985  
मोहर :

तारीख : 12-12-1985  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं आई.ए.सी.अर्जन/भोपाल/6151:--अतः मुझे, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नजूल प्लॉट नं० 27, ब्लाक नं० 5, है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे लगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंग्रे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंग्रे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अर्थात् नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी शाय की गारंटी, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी शाय या किसी धन या अन्य क्रान्तियों को, निम्नलिखित आधारा अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अन्तरण करने के लिए या किसी जमा चरित्र या, धनदान के लिए

यह है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्रान्तियों अर्थात् :--

1. श्री हार्दय शिखर, वसील कल्याण, सौरभ कुमार सभी पुत्र श्री एच० टी० एलीआस एवं श्री विरख एलीआस सभी निवासी जबलपुर।

(अन्तरक)

श्रीमती विरण जैन पत्नी श्री स्याम चन्द जैन निवासी बैरमी जबलपुर।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हों।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आपत्ति :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के दृष्ट-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जमाहोल्ताधारी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नजूल प्लॉट नं० 27 (ब्लाक नं० 5), नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में लिखित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-12-1985

मोहर :

इकन बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## आयकर अधिनियम

आयसिध, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंजन, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6152—अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान, प्लॉट नं० 14 पर है, तथा  
जो मौजा नयागांव नं० 726 (पी० एच० नं० 26, ख नं० 6/4)  
शंकर नगर बाई नं० 40 में स्थित है (और इससे  
उभावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिनियम के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारीख  
अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव-  
विम रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-426 GL/85

आइगर

निवासी—कनास 1 आफोसर्स हाउसिंग सोसायटी  
नयागांव शंकरशाह नगर,  
एन० पी० ई० बी, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. सरदार सुखदर्शन सिंह सेखों

पिता सरदार नगेन्द्र सिंह सेखों

निवासी—1353, मदन महल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान, प्लॉट नं० 14, मौजा, नयागांव नं० 726  
(पी० एच० नं० 26, ख नं० 6/4), शंकर शाह नगर  
बाई नं० 50, जबलपुर एम० पी० ई० बी० का० हाउसिंग  
सोसायटी लिमिटेड, कनास-1 आफोसर्स जबलपुर में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित  
है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंजन, भोपाल

तारीख : 12-12-1985

मोहर

प्रकरण बाई.टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6153—अतः मुझे,  
वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 5/2 है, तथा जो ओल्ड  
पलासिया, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
मिश्रित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरण के  
हायत में कभी करने या उससे बचने में बाधना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
बाधना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गीता देवी प्रति श्री चंपा लाल जी बियाणी  
निवासी 223/24 म० गा० मार्ग,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

2. (1) एस० जी० एम० होटल्स प्राइवेट लिमिटेड  
एण्ड लिमिटेड कम्पनी जो कम्पनी ला के अन्तर्गत  
पंजीकृत तरफे संचालकगण—सुभाष पिता राम बल्लभ  
गुप्ता निवासी 11, जाय बिल्डर्स, कालोनी,  
इन्दौर।

(2) श्री सुरेन्द्र पिता जयसी भाई संघवी  
मिठाई लाल पिता पुरुषोत्तम दास  
निवासी 4/7, न्यू पलासिया, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5/2, ओल्ड पलासिया, इन्दौर में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रज, भोपाल

तारीख: 12-12-1985  
मोहर:

प्रकृष्य आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० नं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6154—अतः मुझे,  
वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजित्री संख्या 495 है, तथा जो महात्मा गांधी मार्ग,  
इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सन्तुष्ट प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बर्णित :—

1. श्री हाजी इब्राहीम भाई हाजी वरीम भाई  
निवासी-96, विभागज, मेन रोड,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश चन्द्र पिता जसयन्त लाल जी शाह,  
9, खातीपुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताधारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

संक्रान नं० 495, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी० में निहित  
है।

वी० पी० श्रीवास्तव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6155:—अतः मुझे वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 495 है तथा जो महात्मा गांधी मार्ग इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल भिन्नाधिकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार अ, स, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हाजी इब्राहीम भाई पिता हाजी. करीम भाई भिवासी-96, सियागंज मेन रोड, इन्दौर। (अन्तरक)
2. श्री नवीनपिता जसबन्त लाल जी शाह, भिवासी 9, छातीपुरा, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को सिद्ध कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 495, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में लिखित है।

वी० पी० श्रीवास्तव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-12-1985  
सोहर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषांतर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6158—प्रतः मुझे,  
बी० पी० श्रीवास्तव,  
भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 564 है, तथा जो महात्मा  
गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायित्व प्रति-  
फल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारदात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाषांतर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुशील चन्द्र पिता हुकुम चन्द पाटनी,
2. शरद चन्द्र पिता हुकुम चन्द जी पाटनी,
3. श्रीमती अनूप कुमारी पति हुकुम चन्द जी पाटनी
4. डा० सुरेश चन्द्र पिता हुकुम चन्द जी पाटनी  
तर्फे ग्राम मु० श्रीमती गोभा  
पति कैलाशचन्द्र बठजाला,
5. सतीश चन्द्र पिता हुकुम चन्द जी पाटनी  
सभी निवासी 564, म० गा० मार्ग,  
इन्दौर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स बी० सी बिल्डर्स एण्ड होटल्स प्रा० लि०  
जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय के बिना  
गया है।

अनुसूची

श्री मंजिला मकान नं० 564, महात्मा गांधी मार्ग,  
इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37  
जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भाषांतर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिनीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/8157—अतः मुझे,  
बी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान क्रमांक 10 है, तथा जो आजाद  
नगर कालोनी, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री अहेल चन्द पिता मिलाप चन्द जी गुलाटी  
निवासे-84, ताल्या टोपे मार्ग, माधव नगर,  
उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्रीमति आशा देवी पत्नी श्री रमेश कुमार दम्पानी  
निवासी-25, कमला नेहरू, मार्ग,  
फ्रीडम, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मकान क्रमांक 10 जिसमें गैरेज बना हुआ है, आजाद  
नगर कालोनी उज्जैन में स्थित है वह यह स्थावर सम्पत्ति  
है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म  
नम्बर 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त मिनीक्षण  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-12-1985  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6158—अतःमुझे,

वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज्ञा मकान नगर निगम क्रमांक है तथा जो  
वशिष्ठ मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी  
के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पड़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) तौर अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्रीमती गीता बाई पत्नी श्री रामचन्द्र जी.  
2. श्रीमती अमिता बाई पत्नी शांति कुमार पोरवाल  
निवासी-1, श्री पाल मार्ग,  
उज्जैन द्वारा मु० आस शान्ति कुमार  
(अन्तरक)

2. श्री सनत कुमार  
पिता बाल किशन जी वोहरा  
2. मनीष कुमार अवयस्क पुत्र सनत कुमार  
निवासी 49, गौतम मार्ग,  
उज्जैन।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्त व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान म्यु नं० 1 (नया), ब्लॉक क्रमांक 63, मोहनलाल  
द्विज मार्ग, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिणी द्वारा सत्यापित फार्म नं०  
37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव,  
सहायक प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख। 12-12-1985  
मांहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/भर्जन/भोपाल/6159—मतः मुझे,  
श्री० पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 1 है, तथा जो द्रविण मार्ग,  
उज्जैन में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अग्रेत, 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे  
व्यवमान प्रतिफल के पन्हु प्रतिफल से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरियाली) की  
रीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
सूच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिव  
गहों किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
वायित्व से कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने से सुविधा  
के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुशीला पत्नी सूर्य नारायण
2. श्रीमती प्रमिला बाई पत्नी राज कुमार जी पोरवाल  
निवासी 1, श्रीपाल मार्ग, उज्जैन  
द्वारा मु० भाम शान्ति कुमार।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला बाई पत्नी सनतकुमार
2. दिनेश कुमार
3. मनोज कुमार पुत्र गण सनत कुमार  
निवासी 49, गौतम मार्ग, उज्जैन।

(अन्तरिती)

यह यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अवरोधित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1, द्रविण मार्ग, उज्जैन में स्थित है। यह  
यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में लिखित है।

श्री० पी० श्रीवास्तव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

[भर्जन रेंज, भोपाल]

तारीख : 12-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6160—अतः मुझे,  
बी० पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख, नं० 1409, 1410, 1414  
1416, 1418, है, तथा जो ग्राम खजगना जिला इन्दौर में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—426 GI/85

1. श्री चुलीलाल पिता कुवरजी खरसोद  
निवासी—ग्राम खजगना,  
तहसील व जिला इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री नवलखा श्रमिक आवास गृह निर्माण सहकारी  
समिति मर्यादित (ठकाना, 748,  
जागृतिनगर, इन्दौर) के अध्यक्ष श्री द्वारका प्रसाद शर्मा  
पिता श्री बंलीलाल जी शर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 1409, 1410, 1414, 1416, 1418,  
ग्राम खजगना तहसील व जिला इन्दौर में स्थित है यह वह  
स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख। 12-12-1985

मोहर :

प्रमुख जाई.टी.एस.एस.-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/61610--अतः मुझे,  
वी० पी० श्रीवास्तव,

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके दस्तावे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि (नया नं० 183/2) है, तथा जो  
ग्राम लालबाग माल, तहसील बुरहानपुर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्री  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिद्ध सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अधिसूचित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की जायद, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरण के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी जाय या किसी पत्त या अन्य वास्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया गया अन्तरिती या, निम्नलिखित  
सूचना के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीतः :--

1. श्री सलीम खाँ उर्फ रहमत खाँ  
पिता बाबुग्रा खाँ प्रताप पुरा, बुरहानपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री सलीमुद्दीन जेनुद्दीन काजि लोहारमण्डी,  
बुरहानपुर श्री नासिरउद्दीन बदरुद्दीन,  
हरीपुरा, बुरहानपुर  
श्री गमणुल आरेफिन जैनुल  
आबेदिन दाउदपुरा, बुरहानपुर  
श्री सुलतान खाँ कुरेशी खैराती बाजार,  
बुरहानपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उत्तमम्भी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापनः--इसमें प्रकट कथों और पूर्वोक्त, श्री सलीम  
अधिनियम, के अनुच्छेद 20-ब में प्रतिपादित  
है, वही वर्ष होने को उक्त अधिनियम में विवा  
नया है।

अनुसूची

भूमि नया नं० 1832 ग्राम लालबाग माल तहसील  
बुरहानपुर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37  
जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-12-1985  
मोहर :

इसके बाद टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6162—अतः मुझे,  
वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 1/132 (शीट नं० 107)  
है तथा जो कचरापारा, कुम्हारपुरा बाई, जगदलपुर में  
स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगदलपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को चिन्ह भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री केशव डियूली पिता शंकर डियूनी ब्राह्मण  
निवासी—नारायणपुर जिला बस्तर।

(अन्तरक)

2. श्री मोह० अख्तर कुरेशी पिता स्व० मोह० इब्राहीम  
कुरेशी रिटायर्ड असिस्टेंट इंजीनियर,  
बैंक कालोनी, जगदलपुर जिला बस्तर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1/132 (शीट नं० 107), कचरापारा,  
कुम्हारपुरा बाई, जगदलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्पापित  
फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-12-1985

मोहर

प्रकृष जाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6163—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि ख नं० 223/3/2 है, तथा जो  
ग्राम नानाखेड़ा, परगना जिला उज्जैन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
व्यय से कमी करने या तससे बचने में सुविधा  
के लिए; जाँड़/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय आत्मज श्री विश्वनाथ जी अयाचित  
निवासी—नई पठ उज्जैन हाल मुकाम अहमदाबाद  
द्वारा मु० ग्राम पद्माकर अयाचित  
निवासी—नई पीठ, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. 1, श्री प्रह्लाद नीमा  
2. गोपाल दास नीमा तथा  
सतीश चन्द्र नीमा  
आ० श्री राम चन्द्र जी नीमा  
निवासी—पाटनी बाजार, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 223/3/2, ग्राम नानाखेड़ा परगना व  
जिला उज्जैन में स्थित है। यह ह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर  
37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-12-1985

माहुर :



रूप माई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश नं० आई ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6164---अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
असरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 180 पर बना हुआ मकान  
क्रमांक 181 है, तथा जो साकेत नगर, इन्दौर में स्थित है  
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
असने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से, उसे द्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच में अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के वास्तविक के  
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भूतत्त्व आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूतत्त्व अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. श्री पुरुषोत्तम पिता श्री श्रीधर पलनीटकर  
ए/9, अन्नन अपार्टमेंट्स,  
अहमदाबाद-380015 (गुजरात)।

(अन्तरक)

2. 1. कुमारी सुमन दुआ

2. कुमारी मधु दुआ पिता श्री प्रीतम लाल जी दुआ  
निवासी—227, अनूप नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है,

अनुसूची

प्लॉट नं० 180 पर बना हुआ मकान क्रमांक 181,  
साकेत नगर, इन्दौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर  
37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

तारीख : 12-12-1985

गोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एल.

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6165—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पक्षस्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि ख० नं० 153/2/1 है, तथा  
जो ग्राम पिपल्या कुमार में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के संशुद्ध के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या का किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अधीन—

1. श्री जंग बहादुर सिंह पिता श्री चन्द्र पाल सिंह  
निवासी—पाटनी पुरा इन्दौर  
तरफे ग्राम मु० श्री मोहन लाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वैभव सहकारी गृह निर्माण संस्था  
मर्यादित इन्दौर तरफे अध्यक्ष श्री किशन मतलानी  
पिता चौधुराम मतलानी  
निवासी—38, पटेलनगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की जारीज से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांहुस्ताक्षरी के  
पास लिखित में विये जा सकने।

समाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ख० नं० 153/2/1 ग्राम पिपल्या  
कुमार तहसील व जिला इन्दौर में स्थित है यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित  
फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6166--अतः मुझे,  
वी० पी० श्रीवास्तव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
बreviaत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूकान नं० 13 है तथा जो जानकी  
नगर एक्सटेंशन इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री दत्तात्रय बाबू

17/2 स्नेहलतामण्ड,

इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीता जीत देवी श्री मान सिंह

नया पुरा, मन्दसौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जम्होहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-  
षित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूकान नं० 13, जानकी नगर एक्सटेंशन, इन्दौर में  
स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा मर्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित  
है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6167-अतः, मुझे,

वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट एवम् भूमि/बंगला नं० 48 है तथा जो नीमच कैंट में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अग्रेल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शङ्करावास कान्हेकर, पत्नी

स्व० श्री जमशेद जी

2. कु० निफरेंज कान्हेकर, पुत्री स्व० श्री जगज्ज जी

3. पी० कान्हेकर, पिता स्व० श्री जमशेद जी

सभी निवासी-बंगला नं० 48, नीमच।

(अन्तरक)

2. श्री सन्तोष कुमार, पिता लक्ष्मीलाल जी

सनीष कुमार, पिता सन्तोष कुमार जैन

द्वारा संरक्षक श्री सन्तोष कुमार जैन

निवासी-पिपल्यारावजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वस्तुस्थिति

प्लॉट, भूमि एवम् बंगला नं० 48, नीमच में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फॉर्म नम्बर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6168—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सगान नं० 46/109 है तथा जो पिछाड़ी इयोदी, लखर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) व बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अन्तर्गत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

19-42 6GI/85

(1) श्री विनायक आत्मन डेरूमन, गणेशराम, शिवलाल  
विना विनामन विनासी 282-सी, दिल्ली-35।  
(अन्तरक)

(2) श्री महेश कुमार श्रीवास्तव पिता यशहलाल श्रीवास्तव  
मुरैला।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सगान नंबर 46/109, पिछाड़ी इयोदी, लखर ग्वालियर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :

**इसका आई. टी. एच. एच. -----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (ब) (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**  
अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6169-अतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० मकान म्यु० नं० 30 जूना व नया नं० 50 है तथा जो लोधीपुरा नं० 2, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचानुपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का शब्द प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

**(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या**

**(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;**

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

(1) 1. श्री श्रीमन् भन्ध, सुरेश चंद, दिनेश चंद, अरुण कुमार जगित कुमार पिता श्री रविशंकर दुबे नं० 1 लक्ष्मी-मकान नं० 5 निवासी-मकान नं० 50, लोधीपुरा नं० 2, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) डा० बंशज लुनिया पिता श्री नंदलालजी लुनिया निवासी-मकान नं० 80, कंचनबाग, इंदौर।

(अन्तरिती)

**कई सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करना है।**

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**मनुष्यी**

मकान म्यु० नं० 30 जूना व नया नं० 50, लोधीपुरा नं० 2, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा दायित्वित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

दिनांक : 12-12-1985

मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6170-अंतः  
मू०, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खाता नं० 318 है तथा जो ग्राम साबाखेड़ा  
परगना मंदसौर में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुभूति  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिनियम के  
कार्यालय मंदसौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मू० यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेश शर्मा पिता इंद्रप्रसाद शर्मा निवासी नई  
आबादी मंदसौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री हेमंत कुमार 2. गजेन्द्र कुमार पिता मिश्रीलाल  
जी हिमड जनकू परा मंदसौर 3. माणवलाल पिता  
भुरजमलजी जैन निवासी मंदसौर 4. श्रीमती कानाबाई  
पति शानिलालजी जैन निवासी नई आबादी, मंदसौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि खाता नं० 318 ग्राम साबाखेड़ा परगना मंदसौर में  
स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकाारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

मोहर:

[illegible]

वायकर अधिनियम, 1961 (1961) अधिनियम, 50

धारा 269--ब (1) के अधीन सम्पत्ति

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोवात

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आर्ह० ए० सी०/अर्जन/भोपाळ/6171-अतः  
मझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

प्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको वर्षात 'उन्नत अभिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन गणम प्राधिकारी को, यह निर्देश करने का कारण है कि त्वावर समीक्षा, जिसका अभिप्राय अल्पतम 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राम विपक्षी सं० भूमि सर्वे० सं० 14 है तथा जो गाम तोतांच  
बुजुर्ग तह० धार में स्थित है (ग्राम जगने उपवर्ग रानुमुडी  
में ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री ली अविभाजित के  
कार्यालय धार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अग्रेत 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से दीक्षा नहीं किया गया है।

(क) अन्तरिम व सुझावों के अन्तर्गत कार्य करने के लिये नियमों को अन्तिम स्वरूप देने के लिये प्रत्येक वर्ष अन्तिम में कार्य करने या उद्देश्य बखर्कने में सुविधा के लिये;  
कार्य के

(ख) इसी जलस्रोत प्रायः 20 दिनों तक बहाव होता है। इस जलस्रोत को, जिन्हें भारतीय आचकार जीतों परम, 1922 का 11) या सचिव अभिलेखित या सचिव कार्या अभिलेखित, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन नामें कस्तुरी दुर्गा परम, 1957 का 27 के प्रयोजन या किया जाता है। इस जलस्रोत को, 1957 का 27 के प्रयोजन या किया जाता है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्तराल में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित रूप में संशोधित किया जाता है—

(1) श्रीमती श्रीमंत हेमन्ताराजे पति श्रीमंत जगदेव वराव  
महाराज यांचा मु० ग्राम हरीराम पिता  
ज. शंयणदास तर्मा निवासी-धारा ।

(अन्तराक्षर)

(५) श्री गिववारायण पिता लक्ष्मनारायण वासुवाल  
निवासी-धार द्वार मू० आ० श्री छोटनप्रसाद पिता  
रामधनीप्रसाद, भीपार ।

(अन्तरिती)

का यह पुजना जारी करके पविता सम्प्रदाय के अन्तर्गत के लिए प्रवर्धित करता है।

उद्यत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध से काई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के पत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिनों की अवधि या तत्पश्चात्तम व्यक्तिगतों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में सहाय्यकारी हो, के भीतर व्यक्तिगतों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(घ) इस सूचना में सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन व्यावरिक्त स्थानों में वितरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा समाह्वयकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वास्तीकरणः—हमारा प्रयत्न सधारा और सदा धर्म, जो उत्तम कथनियस के अध्याय 20-के नौ परिभाषित हैं, वहाँ नर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनु १००

भूमि पत्र नं० 14, ग्राम जीर्णान बुजुर्ग सहो धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तर्निती द्वारा उल्लेखित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

डी० पी० श्रीधर पन्त

नक्षत्रमन्त्राधिकारी

महायज्ञ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

file # : 13-12-1985

मोहिर :



प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6172-अतः

मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 72 पर निर्मित प्लेट नं० 3 (अमना  
अवार्टमेंट्स) है तथा जो राजमहल कालोनी, इंदौर में स्थित  
है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 अप्रैल  
1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/—

(ख) ऐसी किसी अन्य या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) बी० के० बिल्डम 90/1, महात्मा गांधी मार्ग इंदौर  
में प्र० नरके भागीदार महेन्द्र कुमार पिता भूरालाल  
2, अवाहूर पिता श्रीनिवास कुलकर्णी निवासी 90/4,  
महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विरुण कुमार पिता श्री अमोलकचंद निवासी  
125, बी, नेमी नगर, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 72 पर निर्मित अमना अवार्टमेंट्स प्लेट नं० 3  
(प्रथम मंजिल), राजमहल कालोनी, इंदौर में स्थित है । यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है ।

बी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6173—अनः

मुझे वी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 3, 5 है तथा जो माँजे ग्राम  
भोरखटवारी में स्थित है (और इससे उभावद अनुभूति में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सनावद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को ध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके ध्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपूर्ण  
बी, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कन्हैयालाल पिता श्री चांदमलजी माहेश्वरी  
महाजन निवासी सनावद ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री शिखरचंद 2. देवेन्द्र कुमार पिता लखमीचंदसा  
जैन निवासी-सनावद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 3, 5, ग्राम भोरखटवारी हल्का नं० 48  
जिला सनावद में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37जी में  
निहित है ।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985]

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री विमलचन्द भुरगसल जैन निवासी-66, बोहरा बाजार इंदौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वावामी दाई एमि श्री भंवरलाल इंदौर व श्री चंद्रशेखर लाला श्री भंवरलालजी दगदी निवासी-78 राधानगर इंदौर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6174--अन:

मुझे वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट क्रमांक 88 है तथा जो इन्द्रलोक कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तात्पर्य से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्रमांक 88, इन्द्रलोक कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मर्यापित धारा नंबर 37 में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
संक्षेप प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6175---अनः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जियकी सं० दुकान न्यु० पा० नं० 84 है तथा जो महाराजा  
तुकोजीराव क्लाय मार्केट, इंदौर में स्थित है (श्री० इसमें  
उपाबद्ध अनुभूति में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के यही, दिनांक अर्जन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० से दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतर्गती  
(अन्तर्गति) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
नास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व  
में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) आर्यसमाज महाराजों इंदौर नरफे अध्यक्ष श्री  
रामस्वरूप पिता श्री भेरुनालजी खण्डेलवाल एवं  
प्रणमोदाय पिता नंदनालजी महाराज निवासी  
रामगंज, अस्मी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) 1. जेम्स जयप्रकाश विमल कुमार 84 महाराजा तुकोजी  
राव क्लाय मार्केट इंदौर नरफे पार्श्वर जयप्रकाश  
पिता श्री जानचंद नाहर 2. विमल कुमार पिता  
जानचंदजी नाहर निवासी-84 महाराजा तुकोजी  
राव क्लाय मार्केट, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान न्यु० पा० नं० 81, महाराजा तुकोजी क्लाय मार्केट,  
इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण  
विवरण अन्तर्गती द्वारा उत्पादित फार्म नंबर 37 जी में  
निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6176—अतः  
मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 64 है तथा जो ग्रेटर तिरुपति  
कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दायमान प्रतिफल में ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आग या विपरीत धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

20—426 G1/85

(1) श्री श्याम बाधवानी पिता शामनदास बाधवानी  
निवासी-123, पन्थीकर कालोनी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र पिता बालकृष्ण द्विडोरकर निवासी  
64 गिर गली, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 64, ग्रेटर तिरुपति कालोनी, इंदौर में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

मोहर।

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6177---अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य अधिकतर मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 31 है तथा जो स्नेह नगर, इंदौर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अप्रैल 1985।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से लाभ के सम्बन्ध  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके सम्बन्ध प्रतिफल से, ऐसे सम्बन्ध प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाप की बाप, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
साधित्व में कभी करने या उससे बचने में सक्षम  
नहीं किए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा शकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रेमलता, पंकज, कमल, यामिनी, कामिनी अग्रल  
80, जानकी नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मालवा टायर हाउस, महेशचन्द्र, सुरेशचन्द्र  
गोपाल एवम अरुण कुमार 123, छोटी खालटोली,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों को प्रेषित हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 31, स्नेह नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह  
स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर।

प्रकृत बाई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6178--अ. 1  
मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेड, मेकेनिक नगर है तथा जो खानीवाला  
टैंक स्कीम नं० 44, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उभय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
बाई/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन का अन्य जातिस्थानों  
को, जिन्हें अधिनाय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 3—

(1) श्री परमजीत सिंह पिता करनैल सिंह निवासी  
मेकेनिक नगर, कातीवाला टैंक, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) बदरूल ग्रामिन पिता मोहम्मद ग्रामिन द्वारा मु०  
ग्राम सैयद अहमद पिता अब्दुल लतीफ निवासी  
कोयाला बाखल, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन व निगम  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शेड, मेकेनिक नगर, खानीवाला टैंक, स्कीम नं० 44 इंदौर  
में स्थित है यह वह स्थान पर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा अन्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985  
मोहर।

प्रमुख आई. टी. एन. एस. - - - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6179--अतः  
मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 113 श्रीनगर एक्स० पर बना हुआ  
फ्लैट नं० एफ है तथा जो श्रीनगर, इंदौर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल  
1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पञ्चाशत्कृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोस्ती  
(अंतोस्तीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-  
फल भिन्नभिन्न उद्देश्यों के उक्त बन्दारों विविध के वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) बन्दारों के हुए किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
बावत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित स्पष्टीकरणों अधीन :-

(1) मधुवन अपार्टमेंट पी० नंदकिशोर रामकिशन,  
अग्रवाल तरफे आम पु० प्रेमचंद मन्नालाल, म० गा०  
मार्ग इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पद्मिनी हेमन्त कुमार कजांची 113, श्रीनगर  
एक्स० इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्ष के जिस  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बावत:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

(स्पष्टीकरण:-) इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

113, श्रीनगर एक्स पर बना हुआ फ्लैट नं० 1 (नीसरी  
मंजिल), श्रीनगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति  
है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म  
नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 12-12-1985

मोहर :



प्रत्यक्ष कार्य, टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6180—अन:

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसे सन्तान नं० 130 है तथा जो अनूप नगर, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) एजिस्ट्रीकरण अधिनियम के कार्यालय इंदौर में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दखलाने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दबाएवॉक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दखलाने प्रतिफल से ऐसे दखलाने प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बात की वास्तविकता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तवों को चित्रित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

कम: उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री बचन सिंह पिता श्री फकीरिया सिंह 172, श्रीनगर कार्लोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) डा० लक्ष्मणदाम पिता श्री बचनाराम गुप्ता निवासी 10/5, न्यू पार्लमिया, इंदौर ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाकोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सन्तान नं० 130, अनूप नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिनी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर :

प्रकाशक: टी. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आर्डी० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6181--अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, 'यह विश्वास करने का कारण  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 779 पर बना हुआ मकान, प्लॉट  
नं० 12 है तथा जो मनीपुरी, इंदौर में स्थित है (और इसमें  
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के इस्तेमाल  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्तके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का  
अनुपात प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी  
(अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तब तक यात्रा यात्रा प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में 1985 अंतरक निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरक के द्वारा किसी वास्तविक यात्रा यात्रा उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अंतरक के वास्तविक में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
किया/या

(ख) कोई किसी वास्तविक यात्रा यात्रा वास्तविक  
को, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के  
इशारेवाचक अंतरिणी द्वारा उक्त नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, किन्तु के अधिनियम  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स वृद्धावन अपार्टमेंट्स ता.के पार्दनेर बालकृष्ण  
अग्रवाल पिता श्री दौलतरामजी अग्रवाल निवासी  
158, साकेत नगर, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप सिंह राठौर पिता स्व० राणा भीम सिंह जी  
राठौर निवासी-158, साकेत नगर, इंदौर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के संबंध में कोई भी वाचोप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नंबर 779 पर बना हुआ मकान, प्लॉट नं० 12,  
मनीपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति  
है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिणी द्वारा स्थापित फार्म नं०  
37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

मोहर:

प्ररूप माई. टी. एन. एस. -----

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

**भाइयार बाबाबाबा**

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (भिरौखण)

अर्जन रेंज, भूपास

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आर्इ० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6182-अतः

मूक्षे, वी० पी० श्रीवास्तव,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० मेघ बिल्डिंग, प्लॉट नं० ए-4, है तथा जो 13/2, एम० जी० रोड, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ययमान करने के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्ययमान प्रतिफल से, ऐसे ब्ययमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है ॥—

(क) मन्त्रालय से हुए किसी बात की वापस, इनके अधिनियम के अधीन करने की मन्त्रालय से वापस से कभी करने या उसके मामले में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्स्थिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीपती कमरादेवी मै. एस्सी श्री राजेन्द्र कुमार जैन,  
ए-4, 16व फ्लेट्स, 13/2 एम० जी० रोड, इंदौर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती लेलाकदेवी धन्नी मसौ सल कर्णवित निवास  
48, डा. काटजू मार्ग, जावला हिस्ट्रिकट रतलाम ।  
(अन्वगिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गणोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### बन्धुसूची

मेघ बिल्डिंग, प्लॉट नं० ए-4, 13/2, एम० जी० रोड  
इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण  
विशरण अन्तर्गति द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित  
है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर :

प्रमुख बाई, टी. एन. ए. ए.

(1) भीमनी कुदनी बाई पति जेठानंदजी 195, पलसीकर, कामोली, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) सपना गृह निर्माण महकारी संस्था भव्यदिन 91, मियागंज, इंदौर ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6183--अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० प्लॉट नं० 324 एम/आर है तथा जो स्कीम नं० 44, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरिकियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) यह कि कोई भी व्यक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कहे जाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति

प्लॉट नं० 324 एम/आर स्कीम क्रमांक 44, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिमका संपूर्ण विवरण अन्तरिकी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में निहित है ।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1985

भोहर :

प्रथम भाग.डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6184—अतः  
मुझे बी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिजी की सं० प्लॉट नं० 60 है तथा जो श्री नगर कालोनी,  
इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपायुक्त अनुसूची में श्री पूर्ण  
का से वर्गीकृत है) रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अप्रैल 19

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल में, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्हस्ता  
(अंतर्हस्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय राशि तथा प्रति-  
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित के वास्तविक  
मूल्य से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
अं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :-

21-426/GI/85

(1) श्रीमती गौलाबाई पति मदनमोहन चार निवासी-  
घरेरा कालोमी, भोपाल

(प्रभारक)

(2) यश ग्रह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इंदौर  
101, अंधवाल नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही करने के लिए है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाद :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 60, श्रीनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह  
यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

साक्षर :

प्रकृप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6185—अतः

मुझे वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० 61 है तथा जो श्रीनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इसके उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाविरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 44) या उक्त अधिनियम, या भुक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधा 1 (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन मोहन पिता राय साहव, कृष्णलालजी खार भिवासी अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) यश गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इंदौर 101, आंवाल नगर, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 61, श्रीनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर :

प्रकृप आई.टी.एच.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6186—अंतः

मुझे बी० पी० श्रीवास्तव

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तत्काल प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ला सं० कृषि भूमि ख० नं० 923 है तथा जो ग्राम करताल में स्थित है (श्रीर इससे उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का समूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिनमें से सुविधा के लिए;

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिनमें से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, प्रार्थित :—

(1) श्री बाबूलाल धमालाल 3. प्रहलाद पिता स्व० गोपाल जी व श्रीमती केशरबाई पत्नी गोपालजी निवासी ग्राम असरावद खुर्द तह० व जिला इंदौर।  
(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र पिता श्री बृजलालजी नलवाडिया 2. श्रीमती कमलबाई पति श्री रामचन्द्र खलवाडिया निवासी-43, कुमावतपुरा, इंदौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-वृष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहितकारी के साथ निश्चित में किए जा सकेंगे।

सन्देशकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना या उक्त अध्याय में दिये गए हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि ख० नं० 923, ग्राम कैलाश करताल तह० व जिला इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव

सह्यक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर :

संख्या 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत का राजपत्र, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-न (1) के अधीन सूचना

संख्या 269-न

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6187—अधः

मुझे वी० पी० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 154 है तथा जो ग्राम पिपल्या-  
कुमार तह० इंदौर में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार  
करने का कारण है कि व्हापूवोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह राजा क्या  
प्रतिफल विनिर्दिष्ट अनुपेक्ष से उक्त अन्तरण विनिर्दिष्ट से  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अनुपेक्ष से इस किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
निर्देश में कमी करने या उक्त अन्तरक को इतिहास  
के विषय; और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तव्यों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-  
सूचित अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, जिनमें से सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-न के अन्तर्गत  
नं०, नं०, उक्त अधिनियम की भाग 269-न की उपभाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री भागीरथ पिता देवाजी खाती निवासी ग्राम  
पिपल्याकुमार तह० इंदौर।

(अन्तरक)

(2) वैभव सहकारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित  
इंदौर सरफे अध्यक्ष श्री श्रीकिशन पिता श्रीहराम  
पतलानी निवासी-38, पटेल भगद, इंदौर।

(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही कराया गया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पक्ष  
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुपेक्ष

भूमि ख० नं० 154, ग्राम पिपल्याकुमार तह० इंदौर में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिणी द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 13-12-1985

मोहर :



प्रश्न बाई. बी. एन. एफ. —

सहायक आयकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6188—अतः

श्री०, श्री० पी० श्रीवास्तव,

सहायक आयकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अर्थ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिला सं० भूमि सर्वे नं० 132 है तथा जो ग्राम  
गवला जिला धार में स्थित है (श्री० इससे उपायय अनुसूची  
में श्री० पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय धार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और श्री० यह विश्वास  
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का  
कम प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक  
गलत तथा प्रतिफल निम्नलिखित अवस्था में एक अन्तरक  
निहित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी भी धन की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अन्तरक में कमी करने या उसके अन्तरक में सूचना  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोष-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाता आदि या किसी भी सूचना के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, श्री० उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, व्यक्ति :-

(1) श्री जगदीश पिता राम किशन महाराज रावत  
भिवानी गांव भवला सह० धार जिला धार ।  
(अन्तरक)

(2) ज्योती प्रति प्रदीप कुमार गोवी 495, म० गा०  
मार्ग इंदौर प्रबंधक गौरव सीमेंट कंपनी प्रा०  
नि० रवि० आ० 87, सोलतगंज, इंदौर, ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरक के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरक के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में इजाजत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाहस्ताक्षरों के साथ  
निहित में किए जा सकेंगे ।

अन्तरक :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

सहायक

भूमि सर्वे नं० 132 गांव गवला जिला धार में स्थित  
है वह सह स्थावर सम्पत्ति है जिसे सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा स्थापित फार्म नं० 37 जी में निहित है ।

श्री० पी० श्री वास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 13-12-1985

सोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन अज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन भोपाल/ 6189—अतः

मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राम जिल्दी सं० भूमि है तथा जो ग्राम फोकनगर कला में स्थित है (ग्राम इससे उपायुक्त अनुसूची में ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) अजय हुसेन पिता रामनरअली बोहरा निवासी-  
खैराती बाजार चार्ज बैरी मैदान तह० बुहरानपुर।  
(अन्तरक)

(2) सुभाषचन्द्र पिता बाबूलाल चौकसे फोकनगरकला  
तह० बुहरानपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम झोवतारकली तह० बुहरानपुर में स्थित है -  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

बी० पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक प्राधिकारी आयुक्त

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक: 16-12-1985

सीहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

सिमेंस सं० आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6190—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा फोफनारखों में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अर्जन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) अखतरहुसेन पिता रामशेर अली बोंहवा निवासी खीगाती बाजार बाई बेंरी मैदान बुरहानपुर (अन्तरक)

(2) निशिन कुमार पिता अशोक चंद्र चौकसे शाबासिक अशोक चंद्र बाबूलाल चौकसे निवासी फोफनारखों तह० बुरहानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम फोफनारखों तह० बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसे विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी०पी० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 16-12-85

मोहर

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

पिं.सं. अ.ई. एं. सी. 0/अर्जुन/भोपाल/6191—अतः

मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे स० भूमि है तथा जो ग्राम फोपनारकला में  
स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कोषट नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) किसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अखतर हुसैन पिता शमशेर अली मोहरा निवासी।  
खैराती बजार बाई, बैरी मैदान बुरहानपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री कौति कुमार पिता अरुण चंद्र चौकसे  
माबालिक अली पिता अरुण कुमार बाबुलाल चौकसे  
निवासी फोपनारकला तह० बुरहानपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम फोपनारकला त० बुरहानपुर में स्थित है  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा  
संस्थापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव।  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षण)  
अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 16-12-1985  
मोहर :

**अध्याय 1, टी. एच. एच.—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार****सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अर्जुन ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6192—प्रतः  
मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन इसमें प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 27 (ब्लॉक नं० 5) है, तथा  
जो नेप्थियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिक्रम के लिए अन्तर्गत की गई है, और मुझे यह विचार  
करने का कारण है कि बचावपूर्वक रूप से उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिक्रम से ऐसे व्यवहार प्रतिक्रम का प्रत्यक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी  
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए यह बाधा बना  
प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त व्यवहार विधि  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) व्यवहार से हुई किसी बाध की बाध उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत में  
कभी करने या उक्त करने में सविधा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, जिनमें से दूधिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बधित हूँ—

22-426 GI/85

1. श्री हरवर्त शिणोर साथ में भाई वसील कल्याण  
एवं समुझल एवं माना श्री तिरिखा इलीग्राम,  
कलकत्ता पत्नी श्री एच० टी० एलीग्राम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा जैन पत्नी अरविन्द कुमार जैन,  
निवासी—कोतवाली बाजार, जबलपुर।

(अन्तरित)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप 5—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तरवर्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
बाध विधि में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**अनुसूची**

नजूल प्लॉट नं० 27 (ब्लॉक नं० 5) नेप्थियर टाउन,  
जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तर्गति द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37-  
जी० में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव  
मुख्य प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6193—अन:

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम पलासुर,  
तहसील बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपायय अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी बाब की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सूचना  
के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, विधान से  
सूचना के लिए

1. श्री खुशाल श्रोंकार महाजन, निवासी ग्राम पलासुर,  
तहसील बुरहानपुर।

(अन्तरक)

2. श्री बाबू एवं खुशाल महाजन, निवासी ग्राम  
पलासुर, तह० बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करने के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन से निम्न  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नगोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्धार् 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम पलासुर, तह० बुरहानपुर में स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के सम्पत्ति :-

तारीख: 16-12-1985

मोहर:

प्रकाश भार्गव डी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6194—

अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 27/520 है, तथा जो एम०  
जी० रोड़, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल में, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुबोध से उक्त अन्तरण लिखित में  
रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) बंधन है कि किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहिष्णुता को रोकना;

अतः जब उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसार  
में, की उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. श्री अजीत आत्मज स्व० डा० रामचन्द्र अग्ने,  
निवासी सिविल लाईन, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मनोहरदास आत्मज हरगुनदास जाधवानी,  
तलधर कालोनी, रायपुर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में काइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जगहोस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 27/520 एम० जी० रोड़, रायपुर में  
स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 17-12-1985  
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अर्ई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6195—अतः

मुझे, वेद प्रकाश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 27/520 है, तथा जो एम०  
जी० रोड़, रायपुर में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशियत्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः भाव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत आत्मज डा० (स्व०) रामचन्द्र मने,  
निवासी सिविल लाईन, रायपुर।

2. श्री शकरलाल आत्मज हरगनदास जाधवानी,  
नल घर कालोनी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किसे बन सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 27/520 एम० जी० रोड़, रायपुर में  
स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 17-12-1985

मोहर :



प्रकृष आर्इ.डी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आर्इ० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6196—अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 27/520 है, तथा जो एम०  
जी० रोड़, रायपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व के कभी करने या उक्त नकल में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
मोहर :

1. श्री अजीत आतमज स्व० डा० रामचन्द्र अत्रे,  
निवासी, सिविल लाईन, रायपुर।

(अंतरक)

2. श्री मुरलीधर आतमज हरगुनदास जाधावानी, नलधर  
कालोनी रायपुर।

(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नकल के लिए  
कार्यवाहियां कराया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 27/520, एम० जी० रोड़, रायपुर में  
स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1985  
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6157---अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 27/520 है तथा जो एम० जी० रोड, रायपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुए किसी बाब की बाब, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के वायित्व से करने या उससे बचने की संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री अजीत आत्मज स्व० डा० रामचन्द्र अत्रे,  
निवासी सिविल लाईन, रायपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अमरलाल आत्मज हरगुनदास जाधवानी, बल  
घर कालोनी, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उसके समान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुसूची

मकान नं० 27/520, एम० जी० रोड, रायपुर में स्थित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1985  
मोहर:

प्रकट बाई. टी. एम. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6198—अतः  
मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी सं० प्लॉट नं० 36 है, तथा जो साकेत नगर,  
इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
के, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचोचनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-अ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यशवर्धन चौपड़ा आत्मज श्री एस० के० चौपड़ा,  
निवासी साकेत नगर, (खजुराना), इन्दौर।  
(अन्तरिक)

2. मै० भययुग गृह निर्माण सहकारी संस्था, 154,  
एम० खातीवाला टैंक, इन्दौर, तर्फे अध्यक्ष श्रीचन्द्र  
ताराचन्द्रजी चुघ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 36, साकेत नगर, इन्दौर में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा स्थापित फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 17-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एल.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6199—अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला नं० 726 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार गुरुमुख सिंह नरूला, टी० एस० हरदयाल  
सिंग, 726, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अमरन्त डी० देवरम, आत्मज स्व० श्री दिवाकर  
राव देवरम, 41, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशये —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 726, नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी० में मिहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन गेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

विदेश सं० जा० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6200—

अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० ए० नं० 109, बी० नं० है  
है, तथा जो अवाहन भवन, रायपुर में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
राजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में राजिस्ट्री अधिनियम,  
1909 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

23-416G1/85

1. श्री हरीराम (2) श्रीराम आत्मज मिलम (3)  
श्रीवा विधवा भिमान, महन्तपारा, रायपुर।  
(अन्तरक)

2. श्री नरविन कुमार भिवानिया, भारत सहकारी  
गृह निर्माण समिति मर्यादित, जवाहर नगर,  
रायपुर।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
गारंटीकरण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तरक

पी० एच० नं० 109, जवाहर नगर, रायपुर में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरित द्वारा अत्याधिक फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन गेंज, भोपाल

तारीख: 17-12-1985

संकेत:

**रजय बाई, टी. एन. एच. -----**

**नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6201--

अतः मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट नं० 12, व उसमें निर्मित मकान है, तथा जो रविनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सजिधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सजिधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री अशोक मेन्डा आत्मज श्री बलदेवदास मेन्डा, (2) गीता पति तुलसीदास हिन्दूजा, (3) चन्द्रलोक कालोनी, इन्दौर ।

(अन्तर...)

2. श्रीमती ममता गर्ग पति प्रेम गर्ग, निवासी 4, महाराणी रोड, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

**उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वीकारण :—**इसमें प्रयुक्त बच्चों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 12 व उसमें निर्मित मकान, रविनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1985

गोपन्य सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6202—अनः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, बहुविधता करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 84 (प्रथम मंजिल) है, तथा  
जो एम० टी० क्लाय मार्केट, इन्दौर में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित, की गई है और मुझे यह विफल  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आर्ष गंगाधर मन्हास गंज, इन्दौर तरफे अध्यक्ष,  
रामस्वरूप खण्डेनवाल आत्मज केरुलाजी  
खण्डेनवाल, निवासी 75, मन्हारगंज, इन्दौर एवं  
मंत्री कृष्ण गोपाल मेडतवाल पिता जंदलाल जी  
मेडतवाल, रामगंज, इन्दौर।

(अनन्यत)

2. मै० प्रकाश चन्द्र कोठारी तरफे प्रोप्राइटर श्री  
प्रकाश चन्द्र कोठारी, पिता भानु प्रताप कोठारी  
58, अहिष्ठापुरा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

गन्तुवती

मकान नं० 84 (प्रथम मंजिल) एम० टी० क्लाय  
मार्केट, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है  
जिसका चेम्पूणज त्रिवरुण अन्तरिती द्वारा मर्यादित फार्म नं०  
37-जी० में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 17-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 26-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6203—अतः

मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7 है, तथा जो रीजनल भण्डारी मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अगि-  
कारी वे. कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिदो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिदो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रविन्द्र कुमार सेठी ए. स. सदाजी और श्रीमती अनूपप्रभा सेठी, निवासी, माणिक भवन, तूकोंग, इन्दौर।

(अग्रगण्य)

2. श्रीमती मनोरमा पत्नी रीशनवान बाफना, (2)

रविन्द्र कुमार अन्तर्गत रीशनवान बाफना, (3)

श्रीमती संगीता पत्नी रविन्द्र कुमार, सभी निवासी

5/2, ओल्ड पलागिया, इन्दौर।

(प्रगतिशील)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० है, रीजनल भण्डारी मार्ग, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्त-  
रिती द्वारा स्थापित फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-12-1985

मोहर:



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक, दिनांक 16 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6204---अतः

शुभे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर वि.डी. सं० प्रार्थी भूमि एवं सम्पत्ति (एन० अजिला)  
है, तथा जो ग्राम कुतुबोद पी० नं० 70/56, तहसील,  
एवं जिला दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री/प्राधिकारी  
के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्री/अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० एम० मेहता आत्मज श्री एम० एन० मेहता  
डी० एफ० श्री., होशंगाबाद, जिला द. १००  
(म० प्र०)।

(अन्तरित)

2. श्री एम० एम० अलीउद्द, आत्मज एम० डी०  
धरसकर, निवासी बंगला नं० 32, वंगले  
भिलाई, (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि एवं एन० मंजिला माल ग्राम कुतुबोद पी० सी०  
नं० 70/56 तह० एवं जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह  
स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-12-1985

मोहर :

प्रकृष भाग टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/6205--अतः  
मुझे, वेद प्रकाश श्रीवास्तव,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि 6487 वर्ग फिट, एक कम  
एवं स्वीमिंग पूल है, तथा जो रमलाम (रामगांव) में स्थित  
है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अग्रेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में प्रत्यक्ष  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का  
पराप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिकी  
(अन्तरिकियों) के बीच एक अन्तरण के लिए वह पाया गया प्रति-  
फल निर्माणादि उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित के वास्त-  
विक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को प्राप्त उक्त अधि-  
धिक्य के अधीन कर वन के अन्तरक के दावतु में  
कमी करने या उचित रूप से सुविधा के लिए,  
बाह्य/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रवि कुमार आत्मज वर्धमान डफरिया, कर्ता  
एच० यू० एफ० सर्वश्री रवि कुमार वर्धमान  
डफरिया, रितुवन, रामबाग, रतलाम।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती जफियाबाई पन्तो हकीमुद्दीन पाकवाला  
(2) मि० जोहर आत्मज हकीमुद्दीन पाकवाला,  
(3) मि० मंजहर आत्मज हकीमुद्दीन पाकवाला,  
(4) मि० मुस्तफा आत्मज हकीमुद्दीन पाकवाला,  
(5) मि० युसुफ आत्मज हकीमुद्दीन पाकवाला।

(अन्तरिकी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जनों के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताशरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली भूमि एक कम तथा स्वीमिंग पूल, रामबाग,  
रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिकी द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी०  
में निहित है।

वेद प्रकाश श्रीवास्तव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैज, भोपाल

तारीख : 18-12-1985

मोहर :

प्रथम भाई. टी. एन. एच. -----

1. श्री एस० एम० शिणी

(अन्तरगत)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री एम० डी० कामथ

(अन्तरिक्षी)

माहल सरकार

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति की अवधि के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अवधि के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

अर्जुन रॉज, भोपाल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

भोपाल, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताकारी के बाब  
लिखित में किए जा सकेंगे।

निदेश सं० आई-3/37-जी०/2659/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयवस्तु करते हुए कारण  
है कि आधार संपत्ति जिसका उचित आधार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० जमीन का हिस्सा, जिनका सर्वे नं० 208, एच०  
नं० 30 और 32, सी० टी० एम० नं० 1571 और 1572,  
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
बायबिल, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आधार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए बस्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आधार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वजह से उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक बायबिल  
में दर्ज करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;  
और/वा

जमीन का हिस्सा नं० विभागा सर्वे नं० 208, एच०  
नं० 30 और 32, सी० टी० एम० नं० 1571 और 1572  
बम्बई में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो-  
कों, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1900/84 और  
उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 1985 को रजिस्ट्र-  
किया गया है।

ए० प्रसाद

प्रथम प्रावि जग

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज-3, बम्बई

कतः बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

**प्रमुख आई. टी. एन. एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी०/2675/84-85-अन: मुं, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुदा जमीन का हिस्सा, जो 22 सी०. मिनीलैंड, टैन्क रोड, विलेज कांजूर, भांडूप बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शोषण में कमी करने या उससे बचने के सूत्रिभा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सूत्रिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पी० पी० पारीख,

(अन्तरण)

2. श्रीमती गणपत बाबा डे सानथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में श्रितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साक्षर लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गया है।

अनुसूची

खुदा जमीन का हिस्सा, जो 22 सी०. मिनीलैंड, टैन्क रोड, विलेज, कांजूर, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।  
अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-2873/80 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर.

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-3/37-जी०/2624/84-85 ---अनः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 15  
(3) (अंश), सी० टी० एस० नं० 3, विलेज मुलुंड,  
तालुका कुर्ला, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिवारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
प्राप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्री वामण पांडुरंग पाटिल।

(अन्तरक)

2. मै० अमोल को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की जारीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभारी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की जायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में प्रविष्टा  
के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी वन या अन्य वास्तवों  
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

24—426 GI/85

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 15(3) (अंश),  
सी० टी० एस० नं० 3, विलेज मुलुंड, तालुका कुर्ला, बम्बई  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-3109/75  
और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

**रजम बाई.टी.एच.एच.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निदेश सं० अये-3/37-जी०/2631/85-86—अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० जमीन का हिस्सा जो इमारत साथ, जिसका सी० टी० एस० नं० 3556 और 3557 और 3558 एस० नं० 374, एच० नं० 1 (अंश) कोले कल्याण बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खब्तान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हाथरब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन का अल्प वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, वर्णित :—

1. श्री ईश्वरलाल एन० शहा।

(अन्तरक)

2. श्री फारूक कामर और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

#### **अनुसूची**

जमीन का हिस्सा जो इमारत के साथ, जिसका सी० टी० एस० नं० 3556, 3557, और 3558, सर्वे नं० 374, एच० नं० 1 (अंश) कोले कल्याण बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1712/82 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 25-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-3/37-जी०/2617/85-86—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 370, एच० नं० 3 (अंश) और एस० नं० 378 एच० नं० 1 (अंश), मिटी सर्वे नं० 3653 और 3654, विलेज कोले कल्याण, तालुका अंधेरी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायजाल प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायजाल प्रतिफल से, ऐसे दायजाल प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायजाल में कमी करने या उससे बचने में तबियत के लिए; और/वा

(ख) एता किसी आय या किसी धन अन्य वास्तविकी का बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में तबियत के लिए;

1. श्रीमती मेरी उलिमा।

(अन्तरक)

2. मेसर्स इंदिरा कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 370, एच० नं० 3 (अंश), और सर्वे नं० 378, एच० नं० 1 (अंश), मिटी सर्वे नं० 3653 और 3654, तालुका अंधेरी विलेज कोले कल्याण, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1550/1981 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 15-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक: 25-11-1985

मोहर:

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-3/37-जी०/2619/85-86—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, साथ में विलिख, जिसका एफ० पी० नं० 22-ए०, सी० टी० एस० नं० 526, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब शायद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसके अन्तरक प्रोक्षित से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुछ देन के अन्तरक के बाबत में कपी करने या उक्त अन्तरण के बाबत में किए गए/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने के संबंध में किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुनुस उमर खत्री।

(अन्तरक)

2. मै० जय शिवम को०-आई० हाउसिंग सोसाईटी लि०।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तरण के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिए गया है।

व्यवस्था

जमीन का हिस्सा इमारत के साथ, जिसका एफ० पी० नं० 22-ए०, सी० टी० एस० नं० 526, कुरार विलेज, मालाड (प०), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-922/77 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-11-1985

माहुर :



प्रारूप आर्क. टी. एन. ए. स. -----

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निवेश सं० अई-3/37-जी०/2673/85-86—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 44, जिसका सर्वे नं० 977  
(अंश), भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिसमें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचन  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं दि कांजूर को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी।  
(अन्तरक)
2. मैं माहेष्वर क्रिपा को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी  
लि०।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 44, जिसका सर्वे नं० 977 (अंश),  
भांडूप (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 3047/82 और जो  
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 25-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-3/37-जी०/2661/85-86—अन: मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिनका सर्वे नं० 208, एच० नं०  
30 और 32, सी० टी० एच० नं० 1571 और 1572,  
विलेज मालवजी, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन;  
तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० एस० किणी।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिनका सर्वे नं० 208, एच० नं० 30 और  
33, सी० टी० एच० नं० 1571 और 1572, विलेज  
मालवजी, तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-जी०/1903/84  
और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 22-11-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एस. ----

1. श्री गणेशराम सोवर पिणी

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री जे. पी. पाणेकर

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई-3/47-जी०/2660/84-85—अन: मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 208, एच० नं० 30 और  
32, सी० टी० एम० नं० 1571 और 1572, जमीन के  
साथ स्ट्रक्चर, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निर्मालक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
व्यवस्थित रूप से कथित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या ज्ञात किया जाया चाहिये था, छिपाने में सहायता  
के लिए।

यह धरा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अवलोकन  
पर, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मालक्षित व्यक्तियों, अक्षेप :—

जमीन के साथ स्ट्रक्चर जिसका सर्वे नं० 208, एच०  
नं० 30 और 32, सी० टी० एम० नं० 571 और 572  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विशेष सं० 1902/1984 और  
जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रोज-3, बम्बई

तारीख : 23-11-1985  
मोहर :

प्रारूप आर्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी०/2618/85-86-अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका प्लॉट नं० 58, इमारत के साथ, "गिना सागर", सर्वे नं० 13, सिटी सर्वे नं० 105, 105/1, 105/2, और 105/3, पहाड़ी विलेज, गोरेगांव, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रभाती मोहंटर गोसावी।

(अन्तरक)

2. श्री मुना इब्राहीम बिलमिया।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका प्लॉट नं० 578, इमारत के साथ, गिना नगर, सर्वे नं० 13, सी० टी० एस० नं० 105, 105/1, 105/2, 105/3 और पहाड़ी धीरज विलेज, गोरेगांव, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-1505/84 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

नक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 22-11-1985

माहुर :

प्रकट बाई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी०/2626/85-86—अन: मुञ्जे.

ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा सर्वे नं० 72 (अंश) विलेज मुलूड, जमीन सर्वे नं० 73, बी० पी० टी० रोड, विलेज माहल, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कमी करने या उसमें वृद्धि के सूचना के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
25-426 GI/85

1. श्रीमती रत्नबाई एफ० दिवेचा और अन्य।

(अन्तरक)

2. मे० दि टाटा हेल्थ-इलेक्ट्रिक पावर सप्लाय कम्पनी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें पूर्वोक्त अर्द्ध और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां जहां क्षमता या उस अध्याय में विद्यमान हैं।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 77 (अंश), विलेज, मुलूड, सर्वे नं० 73 बी० पी० टी० रोड, विलेज माहल, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-जी०/एस०-1540/82 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 22-11-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) को अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-जी०/2630/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 2 एफ०, जो ब्लॉक नं० 16,  
सी० टी० एस० नं० 339, नाहूर विलेज, नेताजी रोड,  
मुलुंड कालोनी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इज्जता भगवानदास गांधी।

(अन्तरक)

2. श्री गिरधारी आर० कर्ण।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

कमरा नं० 2, जो ब्लॉक नं० 16, जिसका सी० टी०  
एस० नं० 339, नाहूर विलेज, नेताजी रोड, मुलुंड कालोनी  
बम्बई-82 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2900/82 और जो  
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 22-11-1985

माहुर :

प्रथम भाग, डी.एन.ए.ए.-----

1. मैसर्स गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री रंजीत सजू प्रसाद चौबे और अन्य।

(अन्तरिती)

साहाय्य करकर्ता

कार्यालय, सहाय्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/18975/84-85--प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट नं० बी०-1, जो सेल्लर फ्लोअर, निलिमा अपार्टमेंट, एम० पी० एम० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिक्रम के लिए अंतरित की गई है और अर्ज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिक्रम का पन्नाह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भी वाक्षेप, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की वास्तविक में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भी वाक्षेप का अन्तर्गत जातिियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०-1, जो, सेल्लर फ्लोअर, निलिमा अपार्टमेंट एम० पी० एम० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18975/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहाय्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-12-1985

मोहर:

प्रकट बाई.डी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अध्यापक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई०-3/37-ईई/18956/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 34, जो, सी-विंग, 3री मंजिल, निलिमा अपार्टमेंट, एस० पी० एम० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेमर्स गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० आर० उडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 34, जो, सी-विंग, 3री मंजिल, निलिमा अपार्टमेंट, एस० पी० एम० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-3/37-ईई/18956/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 3-12-1985

मोहर :



प्रमुख आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) सिटी बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) चन्द्रकांत बी० राणे

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई 3/37-ईई/18945/84-85—प्र० मं०  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट नं० 2-ए, जो 3री मंजिल, बी० एन०  
रोड, कॉकण नगर, भांडूप, बम्बई 78 में स्थित है (आर डेनम  
उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिनका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड  
है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विद्वान  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वये  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताधरो के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लेट नं० 2-ए, जो, 3री मंजिल, बी० एन० रोड, कॉकण  
नगर, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 3/37 ईई/18945/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 25-11-1985

मोहर:

प्रथम भाग: डॉ. एन. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-बम्बई-3

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई 3/37 ईई/18946/84-85--अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० फ्लैट नं० 52/53, जो, तुरीपती अपार्टमेंट  
प्लॉट नं० 1082, देविदयाल रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में  
स्थित है (और इसमें उपान्वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बी० ए० रतनानी और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुलबाई एन० केसवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास भिन्नित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 52/53, जो, तुरीपती अपार्टमेंट प्लॉट नं०  
1082, देविदयाल रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37 ईई/18946/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

प्राकल्प आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैमर्स पैरामाउन्ट इंडस्ट्रियल स्टोर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

(2) मैमर्स प्रेमशंकर आर० शर्मा

(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई 3/37 ईई/18910/84-85—प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 28, जो, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० एन० रोड, मुलुंड (प), बम्बई 80 में स्थित है (और इसमें उपाधुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अबमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अबमान प्रतिकल से, ऐसे अबमान प्रतिकल का उचित प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिरिक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण उ हुई किसी भाग को बाधित, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी भाग या किसी वन या अन्य वास्तिकों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकवार्थ अन्तरिस्ती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने वे सूचना के लिए

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरावधायी अवधि के पक्ष सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधि के वे उ किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बन्धोहस्ताक्षरी के पक्ष निश्चित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त सबों और परों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं० 28, जो, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० एन० रोड, मुलुंड (प), बम्बई 80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 3/37-ईई/18910/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई।

अन्तः उक्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्चन :—

दिनांक : 25-11-1985

माहुर :

पृष्ठ सं. ८१. मुख, पृष्ठ. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

काथीसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-३/३७-ईई/१८९११/३४-८५-अतः मुद्रा  
ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह श्रवण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरत्निकी सं० भाना नं० 29, जा, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट  
एच० एन० रोड, मुंबई (प), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीरत्निकी  
उपायुक्त अनुसूची में श्रीरत्निकी रूप से वर्णित है) श्रीरत्निकी  
कारखाना आयुक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-ह, ख के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1-5-1985

जैसे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और दूसरे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितता (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक अंतर के अधीन नहीं किया गया है :—

(क) बतारण से हुई किसी गाय की वास्तव, उचित  
प्रमाणों के बिना किसी भी बतारण को ग्राह्यता  
प्रमाणित करने या किसी बतारण से शर्तिका को तैयार  
करना

14) ऐसे किसी आन या किसी धन या अन्य भास्तिन को जिन्हें भारतीय नागरिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वेषार्थ अन्वेषि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में लक्षित हो सके;

जतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) मैगर्स पैरामाउन्ट इंडस्ट्रियल स्टोर्स ।

(अन्तरक)

(2) मैसूर प्रेमशंकर आर० शर्मा ।

(अन्तराली)

को यह सूचना जारी करके पत्रोक्त सम्पत्ति के अचानक को लिए जाया जा रहा करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ:—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से सूचना की शर्तों या अंतर्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक हो, का समाप्त होती है, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रक्षित अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के माध्यम से किसे का सूझेंगे।

प्रतिक्रिया:—इसमें प्रयुक्त धन्यों और पक्षों का, जो उक्त कोषावली के अध्याय 20-क में परिभाषित है, को पर्यंत लेना जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्मसूची

माला नं० 29, जो, शांती इंडस्ट्रियस इस्टेट, एस० एन०  
रोड, मलुंड (प), बम्बई- 80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18911/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 25- 11- 1985

माह-र :

प्रारूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स पैरामाउन्ट इंडस्ट्रियल स्टोर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स सूर्य सेलम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18912/84 85—अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 30, जो, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट एस० एन० रोड, मुलुंड (प), बम्बई 80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हकमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हकमान प्रतिफल से, ऐसे हकमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तजिवा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात का जिक्र करना या अन्य बातों को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
26-416 GJ/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

आक्षेपकृतः— उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए गए हैं।

अनुसूची

माला नं० 30, जो, शांती इंडस्ट्रियल इस्टेट एस० एन० रोड, मुलुंड (प), बम्बई 80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18912/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक : 25-11-1985

मोहर :

राज्य आई.टी.एच.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18922/84-85-अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० साला नं० 140, जो, हिरानन्दानी इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, काँजूर मार्ग स्टेशन, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-5-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
थावा गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
आयनिबन्ध के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सावित्व में कमी करने या उससे बचने में अश्रित  
की जाए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
की जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन—

(1) मैसर्स हिरानन्दानी इंडस्ट्रियल इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तम के० मताई।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

साला नं० 140, जो, हिरानन्दानी इंडस्ट्रियल इस्टेट,  
काँजूर मार्ग स्टेशन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18922/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक: 25-11-1985

माँहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

नवरात्र शुष्कप्रातः के अर्घन के संबंध में कोई भी नाराज न—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पात्र सिद्धित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, के तहत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) के धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि त्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, पृ. 14, गोवधन नगर, एल० बी० एम० मार्ग, मुल्ड (प), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्णतः संपात को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्चय करने का कारण है कि वनाभूषित संपात का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाय का बायस, अवयव गौणनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के अतिरिक्त में कमी करने वा उससे बचपने से दृष्टिभा के लिए।

(ब) ऐसी किसी नाम वा किसी भन या अन्य जास्तियों को, बिना भारतीय मध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उससे अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नत्प्राप्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, किन्तु जो छुपिया हो सके।

यतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसूचक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अधीनस्थ—

फ्लैट नं० 1, जो, 1ली, मंजिल, ए-14, गोवर्धन नगर,  
एल० बी० एस० मार्ग, मूल्ड (प), बम्बई 80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई 3/37 ईई/18930/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बंगलूर

दिनांक : 25-11-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एल. -----

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक सहायक भाषाकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई 3/37 ईई/18932/84-85—अतः मुझे  
ए० प्रसाद

भाषाकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 प्लैट नं० 5-बी, जो, हेमलिला अपार्टमेंट,  
महात्मा फूले रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी काम की, वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथिब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय भाषाकार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-  
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (i)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा :—

(1) श्री मंगनलाल नरसी और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माधवी विमल हरीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबद्वारा  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 5-बी, जो हेमलिला अपार्टमेंट, महात्मा फूले रोड,  
मुलूंड (पु), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई 3/37-ईई/18932/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 25-11-1985

मोहर :



एक. बाई. टी. एक. एल. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1985

ई/18936/84-85—अतः सुने,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, तल माला, निरंजन अपार्ट-  
मेंट हिरा नगर माहूर बिल्डिंग मुलूंड (प) बम्बई में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका उदात्तनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमामान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वशापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दरमामान प्रतिफल से, जैसे दरमामान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधित उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने या सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन—

(1) श्रीमती माया ए० बालानी।

(अन्तरक)

(2) श्री शम्भूरा एच० जावलीवाला और अन्य।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना के तारीख से 20 दिन का समय, जो भी  
अर्वाध बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तकारी के  
पात लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो, तल माला, निरंजन अपार्टमेंट हिरा नगर,  
माहूर बिल्डिंग, मुलूंड (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18936/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-3, बम्बई।

दिनांक: 25-11-1985

माहूर

प्रकाश भाई. टी. एम. एच.-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18317/84-85-अतः मुझे  
 ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
 इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिषकी सं० दुकान नं० 71, जो, तल माला, विना नगर,  
 एल० बी० एस० मार्ग, मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर  
 इससे उपाख्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), और  
 जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
 रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्ना प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकी) और  
 बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया  
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित  
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) बन्तरण से हुई किसी धार की बावत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के  
 शास्त्र में कभी करण या उक्त रूप में सूचना  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को  
 जो, चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 को प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
 सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री महावीर इंदरप्रायसेस।

(अन्तरक)

(2) श्री के० डी० अहूजा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदस्ताक्षरी के पाठ  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

सहस्रजी

दुकान नं० 71, जो, तल माला, विना नगर एल० बी० एस०  
 मुलूंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18317/84-85  
 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को  
 रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 29-10-1985

सोहर 3

प्रकाश माह. डी. एन. एच. ....

(1) श्रीमती जे० के० मल्लिका

(अन्तरक)

(2) मैसर्स निर्मल डेव्हलॉपर्स।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18623/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बका नं० 247/8, जो, मुलूंड कालनी, मुलूंड (प)  
बम्बई-82 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय  
प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बादिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त बम्बई और एच० का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बका नं० 47/6, जो, मुलूंड कालनी, मुलूंड (प), बम्बई-  
82 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18623/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 28-11-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती चेरुकुरी रत्नाकुमारी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० मैथ्यू।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18677/84-85—अतः मुझे।

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शीर्षक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्ट्री सं० फ्लैट नं० 1, नन माला, गोल्डन देव को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, देवमार बाग, देवमार, बम्बई-83 में स्थित है (श्रीरजिस्ट्री सं० फ्लैट नं० 1, नन माला, गोल्डन देव को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, देवमार बाग, देवमार, बम्बई-83 में स्थित है) और जिसे कर्नाटका आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, ग, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, नन माला, गोल्डन देव को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, देवमार बाग, देवमार, बम्बई-88 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18677/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

मोहर :

एक बार, टी. ए. ए. ए.

(1) श्री बाबू कुमार दत्ता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गयाका कृष्णा ।

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18346/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट नं० ड-7/12 जो जयतारामनी को-ऑप०

हाउसिंग सोसाइटी लि० बांगूर नगर एम० जी० रोड गोरगांव

(प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और

पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम

प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2—

27—426 GI/85

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

सक्षम सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ड-7/12 जो जयतारामनी को-ऑप० हाउसिंग  
सोसाइटी लि० बांगूर नगर एम० जी० रोड गोरगांव (प)  
बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/18346/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

मोहर :

बम्बई भाषा, टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18491/84-85—अन: सुमे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, न्यू ग्रैंडिका को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, जवाहर नगर, गोरगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिम्मा करानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

कई पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हाथिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हिंसाचन्द वर्दीचन्द

(अन्तरक)

(2) श्री कालूलाल डीलचन्द जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि पहले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो, न्यू ग्रैंडिका को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, जवाहर नगर, गोरगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18491/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पूरुषोत्तम सन्निधि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैटर्स संत मैकेनिकल इंडस्ट्रियल प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18672/84-85—अतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आयोगिक प्लॉट न० टी-1, जो, कामा इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोरगांव (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आयोगिक प्लॉट न० टी-1, जो, कामा इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोरगांव (पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/18672/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 04-12-1985

मोहर :

प्रकरण भाई.टी.एन.एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18851/84-85-अतः, सुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जितकी सं० माला नं० 58, जो, न्यू सतगुरु नानीक इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप० सोआईटी लि० तल माला वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जितका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैजर्स ग्राफीको।

(अन्तरक)

(2) मैजर्स अल्फा प्लेट मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्रायवेट लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं० 68, जो, न्यू सतगुरु नानीक इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप० सोआईटी लि०, तल माला, वेस्टर्न एक्सप्रेस, हायवे, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18851/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

मोहर :



प्रकट भाई. टी. एन. एम. ----

(1) श्री शहा कमला हात भाईलाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) रमेश रामचन्द्र लालशानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई 3/37 ईई/18384/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 3, जो, इमारत न० 3 और 4, अमुर पार्क, शिव पार्वती कॉम्प्लेक्स हाउसिंग सोसाइटी लि०, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिला करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्टर्ड है, तारीख 1-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों का नाम है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 3, जो, इमारत न० 3 और 4, अमुर पार्क, शिव पार्वती कॉम्प्लेक्स हाउसिंग सोसाइटी लि०, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18384/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 3, बम्बई

दिनांक: 4-12-1985

साहू

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैजिस्ट्रेट या कोको।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18850/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० गली नं० 54, जो न्यू सतगुरु नानीक इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप सोसाइटी लि०, तल माला, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरगांव (पूर्व), बम्बई 63 में स्थित है (और इससे उपाब्ज अनुसूची में प्रारंभपूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधिनियम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 14 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) मैजिस्ट्रेट अल्फा प्लेड मैग्जिस्ट्रेटिंग कम्पनी प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृढबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 54, जो, न्यू सतगुरु नानीक इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप सोसाइटी लि०, तल माला वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे गोरगांव (पूर्व), बम्बई 63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 3/37-ईई/18850/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) डा० कौलह पंजीर हस्तनजा ओरअन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैक्स तेलस्टार अटोमेटिक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18344/84-85-अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फैक्टरी ग्रीड नं० 2, जो निम्नपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० बी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में प्रोत्तपूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका वारदातमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवक्षित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के संस्कार के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम हो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्यक्ष शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी ग्रीड नं० 2, जो, निम्नपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट एम० बी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई 62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 3/37-ईई/18344/84-85 और जो तत्सम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई 3/37 ईई/18489/84-85—अतः, मुझे,

ए२ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आदेश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान या गोडाउन तल माले पर, जो, श्रीजवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट, आय० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

ता पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त अधिनियम के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिक्ती (अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ अतिरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शामशुद्दीन जे० मरेडिया और अन्य

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्रेनिक स्टील कम्पनी

(अतिरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान या गोडाउन तल माले पर, जो, श्रीजवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट, आय० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई 3/37 ईई/18489/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

मोहर :

**सक्षम बाई-टी.एन.एच.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/18684/84-85---अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 27, जो, भारत तिर्थ को-  
ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि० लालबाड़ी, शिंदे बाड़ी, सायन  
ट्रॉम्बे रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है और इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड  
है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वस्तु या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या जिसका उक्त चार्जिंग था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
28—426 GI/85

(1) श्री पी० वी० मेठ और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० कापन और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

**उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपः—**

(क) इस सूचना के उपरान्त के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 27, जो, भारत तिर्थ को-ऑप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, लालबाड़ी, शिंदे बाड़ी, सायन ट्रॉम्बे रोड,  
चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18684/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

महिर

एकमात्र ही एम. एम. एम.

- (1) श्रीमती राम पी० कोवर (अन्तरक)  
(2) श्रीमती सपना शरोरा। (अन्तरिती)

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक माधकर माधकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 सितंबर, 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/18495/84-85--अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

माधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो 1 ली मंजिल, विश्रान्ती  
को-ऑप, हाउसिंग सोसाइटी लि० 2 रा अस्ता, चेंबूर बम्बई-71  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी भारतीय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मूल्यमाप  
प्रतिफल के लिए उत्तरिणी की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपावद्ध संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके सम्मान प्राप्तफल से, ऐसे सम्मान प्रतिफल का  
मूल्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति विहित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बात को वास्तव में, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
साधारण में कमी करने या उसके अर्थ में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) एसी किसी बात या किसी दान या अन्य वास्तविक  
को, जिसे भारतीय माधकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थ के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्थ के संबंध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के सम्पन्न में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के सम्पन्न में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो 1ली मंजिल, विश्रान्ती को-ऑप०  
हाउसिंग सोसाइटी लि०, 2 रा अस्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/18495/84-85  
और जो उक्त प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्राधकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 4-12-1985  
मोहर

प्रत्यक्ष आई.टी.एस. फुल्ल-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई/3/37-ईई/18404/84-85-----अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी गं० फ्लैट नं० डी-2/12 जो, हरी रतन को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांगूर नगर, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती कुमुद पी० रसदोगी।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार महाजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके अन्तर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी-2/12, जो, हरी रतन को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांगूर नगर, एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि जी० सं० आई-3/37-ईई/18404/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 4-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री उधाराम डों साहनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कुंदन एस० थडानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० 'आई-3/37-ईई/18689/84-85'—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3/डी-6, जो, 2<sup>री</sup> मंजिल, विजय विहार को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० टी० रोड, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 3/डी-6, जो, 2<sup>री</sup> मंजिल, विजय विहार को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि० एस० टी० रोड, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18489/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

मोहर :



इसका आर्.डी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/18018/84-85-अतः

मुझे ए प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनका सं० कच्चा शेड सं० 1, जो, पार्स 3,  
जमीन जिनका सर्वे सं० 117, एच० सं० 3, ऑफ राम  
मंदीर रोड, गोरगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिनका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 की  
की धारा 269, का प्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक  
1 अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरांश) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक बाधा तथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का निम्नलिखित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स पैकफाईन कोरपोरेटिंग इंडस्ट्रिज।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स विष्णु ड्राइंग ग्रण्ड प्रिंटिंग वर्क्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कच्चा शेड, सं०-1, जो, पार्स 3, जमीन जिनका सर्वे  
सं० 117, एच० सं० 3, ऑफ राम मंदीर रोड, गोरगांव  
उप), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-3/37 ईई/18018/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक - 4-12-1985

कोहर 8

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) संघवि स्टिल्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० के० सिन्हा।

(अन्तरिती)

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
पारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधाएँ :-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/18906/84-85-अतः

मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 29, जो, छड्वा अपार्टमेंट्स, सायन  
ट्रॉम्बे रोड, डायमंड गार्डन के सामने, चेंबुर, बम्बई-71 में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), और जिसका कथारनामा आयकर अधिनियम की  
धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1 अप्रैल  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विचार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के नियम पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुक्रम से उक्त अन्तरण विहित है  
वास्तविक धन से अधिक नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के  
कारण से नहीं करने या उक्त धन के अर्जन  
के लिए; बी/अ

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय धन-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा अर्जित नहीं किया  
गया या या किया गया आदि, या, जिनमें से  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
ग, ग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 29, जो, छड्वा अपार्टमेंट्स, सायन ट्रॉम्बे  
रोड, डायमंड गार्डन के सामने, चेंबुर, बम्बई 71, में स्थित  
है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-3/37ईई/18906/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 2-12-1985

मोहर :

प्रकट नम्बर टी.एन.एस. -

1 श्री एच० पी० चौधरी।

(अन्तरक)

2. श्री एम० मोहनदास।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18419/84-85-अतः

सूत्रे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, भानुमथी प्रिमायसेस को०-ऑप हाउसिंग सोसाईटी लि० एम० जी० रोड, बांगूर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है

दिनांक 1 अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सूत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल के ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक सहायक प्रतिफल, चिह्ननिर्दिष्ट उद्देश्य के अन्तर्गत अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों के विरुद्ध भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जा रहा था, विधानों में सहायता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार पं०, श्री उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बाबत :-

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोऋताक्षरी के पास निश्चित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं०-4, जो, भानुमथी प्रिमायसेस को० ऑप हाउसिंग सोसाईटी लि० एम० जी० रोड, बांगूर, नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-90 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-3/37-ईई/18419/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 2-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स अजय विटल्स एण्ड डेव्हलोपर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पुरुषोत्तम टी० जेठमलानी।

(अन्तरित)

## सार्व सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18077/85-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, 2री मंजिल,  
अजय अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 6, नादीयादवाला कालोनी स्कीम  
नं० 1, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,  
अ के प्रचीन बम्बई स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्मलक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
गोपनीय रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
आयत्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बाब  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 9 जो, 2री मंजिल, अजय अपार्टमेंट, प्लॉट  
नं० 6, नादीयादवाला कालोनी स्कीम नं० 1, मालाड (प),  
बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० नं० अई-3/37-ईई/18077/  
84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 28-11-1985

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(1) श्री ए० एम० अल्वारीस और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ  
(1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० डी० गोहील और बी० एम० चावड़ा।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज- बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1985

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18750/84-85—यतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 39, जो बालनाथ विलेज  
रोड्डेंस कालोनी, ओर्लेम, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में  
गणनीय रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दौरान में कमी करने या उद्यम करने में सूचना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सक्षम  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात् :—

29—426 GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 39, जो बालनाथ विलेज, रोड्डेंस कालोनी,  
ओर्लेम, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18750/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-III, बम्बई

दिनांक: 28-11-1985

माहूर

अथवा बाधित व्यक्ति द्वारा

(1) मैसर्स ग्लेण्डल इंटरप्राइजेज।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अम्बानो डिस्टिल्वा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, उच्चतम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18717/84-85—यतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट नं० 15, जो 3री मंजिल, निर्माणा-  
धीन इमारत, प्लॉट नं० 16-ए०, सी०टी० एस० नं० 432,  
विलेज वालनाय, जे० बी० कालोनी, ओर्लेम, मालाड (प)  
बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन  
बम्बई स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और भूरे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबदब  
(कम) अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहिस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 15 जो 3री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत  
प्लॉट नं० 16-ए, सी०टी० एस० नं० 432, विलेज वालनाय,  
जे० बी० कालोनी ओर्लेम मालाड (प); बम्बई-64 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/18717/  
84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

मोहर :

प्रकाश नार्. टी. एन. एस.

(1) श्री गोपीनाथ एन० वशपायन।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय शंकर कामत।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत बटलखंड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18660/84-85—यतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका प्लॉट नं०  
24-एम०, टी० पी० एन० 1, शिवाजी नगर, मालाड (पूर्व),  
बम्बई-97 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी विशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 24-एम,  
टी० पी० एन० 1, शिवाजी नगर, मालाड (पूर्व), बम्बई-97  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18660/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- बम्बई

दिनांक: 28-11-1985  
माहुर :

प्रारूप आर्. टी. एन. एन.-----

(1) श्री हर्षव राय एन० भायानी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) गणेश कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18235/84-85—अनः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 25, जिसका सर्वे नं० 26,  
एच० नं० (ग्रंश) और 3(ग्रंश) विलेज वालनाय, मालाड  
(प०) बम्बई में स्थित है (और इससे उणाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पुराना नाम  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं पर धारा 2—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 25, जिसका सर्वे नं० 26, एच० नं० 1  
(ग्रंश) और 3(ग्रंश) विलेज वालनाय, मालाड (प०)  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० आई-3/37-ईई/18235/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 28-11-1985  
माहूर



प्रकट नाई. टी. एच. एच.

(1) श्री योगेश चुनीलाल तांबोली।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगदीश दी० गाडा और अन्य।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18816/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 608, जो, 6ठी मंजिल, मालाड  
शापिंग सेंटर, एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
शामिल में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) इसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
की बिना भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वास्तविक धन का अंतरण, अथवा अन्तरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिता शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 608, जो, 6ठी मंजिल, मालाड शापिंग सेंटर  
एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18816/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

मोहर.

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाषा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18267/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, जो, 2री मंजिल, बचानी  
नगर के सामने, ऑफ दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-  
67 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका सहायक आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
दिनांक: 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय के बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अग्रवाल एन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रसीलाबेन के० मशरुवाला और  
अन्य।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 205, 2री मंजिल, बचानी नगर के सामने  
ऑफ दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18267/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 19-11-1985

मोहर:

प्रकट आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती रुक्मिणी एस० कंठाल।

(अन्तर)

(2) श्रीमती चेतना ज्येष्ठ गोगरी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बालुवाल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18599/84-85—अतः सुभे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, जो, 1ली मंजिल, निधी अपार्टमेंट, नं० 1, टी० पी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलों के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्मचारी नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में रुचि का के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, जो, 1ली मंजिल, निधी अपार्टमेंट, नं० 1, टी० पी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18599/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर बालुवाल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

प्रारूप आई.टी.एन.एम. . . . .

(1) मैसर्स अग्रवाल एन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गोपालदास गोयल और अन्य

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-37-ईई/18268/84-85—अतः मूझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी एवं यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, बचानी  
नगर के सामने, ऑफ दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-  
67 में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन  
बम्बई स्थित सख्त प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है दिनांक  
1-4-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचा  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्त-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के निम्न  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्तधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, बचानी नगर के  
सामने, ऑफ दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-67 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-37-ईई/18268/  
84-85 और जो सख्त प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एच. ---

(1) मैसर्स अग्रवाल कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुषमा अग्रवाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

बम्बई दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18286/84-85—अतः मुझे,  
ए०, प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 303 जो 3री मंजिल बक्षानी नगर के  
सामने, आफ दफ्तरी रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-67 में  
स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) और जिसका ब्यवहारमा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है दिनांक 1-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)  
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
दिया गया या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक  
निहित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्भनी व्यक्तियों 45  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में विभा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा पकड़ नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए।

फ्लैट नं० 303, जो 3री मंजिल बक्षानी नगर के  
सामने, आफ दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-67  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18286/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

30—426 GI/85

दिनांक : 18-11-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती कुसुम आर० सराफ़।

(अन्तरक)

(2) श्री अनील वि० मथेर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18598/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 54, जो 5वीं मंजिल, निधि  
अपार्टमेंट नं० 1 में टी० पी० रोड मालाड (प०) बम्बई-64,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक  
1-4-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/याको, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूकरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 54, जो 5वीं मंजिल, निधि अपार्टमेंट नं०  
1 टी० पी० रोड मालाड, (प०) बम्बई-64 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/18598/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 18-11-1985

मोहर:

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 4 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/19227/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लैट नं० 4 जो चैतन्य यंग फेड्स  
को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 109, जय-  
प्रकाश नगर, गोरगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका कथ्यनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे घटने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को-उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री परायाकुलम कुरियन साचारीह।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रतापसिंह दुदासिंग चडाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4 जो, चैतन्य यंग फेड्स को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 109, जयप्रकाश नगर गोरगांव  
(पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/19227/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-5-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 4-12-1985

मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18141/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो लक्ष्मी शापिंग सेंटर  
एच० डी० रोड, घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है (और  
इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद :-

(1) श्री वामजी राजवजी सहा।

(अन्तरक)

(2) श्री सिराज अहमद इजाद।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, जो लक्ष्मी शापिंग सेंटर, एच० डी०  
रोड घाटकोपर बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18141/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 20-11-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैडर्स विथेक इंटरप्रायमेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शांतीलाल एम० मेहता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18724/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिला सं० फ्लैट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, महे विला, जिला सीटीएन नं० 4556 से 4580, ब्लूजे घाटकोपर क्रिोल रजवाडी, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाय अन्तुषी में श्रॉपपूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिला कारागारमा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

अं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसाबदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास जमाित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, महे विला, जिसका सीटीएन नं० 4556 से 4580 ब्लूजे घाटकोपर क्रिोल रजवाडी, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/18724/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 20-11-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती वीचन्द्रदेव सी० पारेख और अन्य  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री भगवानजी मोनजी ठक्कर।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बईका यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

बम्बई दिनांक 20 दिसम्बर, 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18305/84-85—अतः सूझे  
ए० प्र०।दआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसका 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरंजितजी सं० फ्लैट नं० 11, जो, प्लॉट नं० 38, आशिश  
को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, गरोडिया नगर, घाटकोपर,  
बम्बई-77 में स्थित है (श्रीरंजितजी इससे उपरोक्त अनुसूची में श्राव पूर्ण  
रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से धारित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 11 जो प्लॉट नं० 38, आशिश को-आप०  
हाउसिंग सोसाइटी लि०, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई-77  
में स्थित है।अनुसूची अंश क्र० सं० आई-3/37-ईई/18305/84-  
85 जो जो अर्जन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—दिनांक : 20-11-1985  
मोहर :ए2 प्रसाध  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

प्रस्प. भाई. टी. एन. एस. ---

(1) मैक्स जैम विल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) डा० प्रमोद के० पटेल।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18727/84-85—आ: मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हम  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वाम करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैओर जि.टी.सी. सं० पत्र नं० सी/2, जो, नव मासा, तबरे बाग  
अपार्टमेंट इमारत, प्लॉट नं० 231 (प्र०), सी.ए.टी. नं० 4, 4/1  
से 4/45 ओर 231 (प्र०) कुर्वा (पूर्व) बम्बई-24 में स्थित  
है (ओर इसे उदावद्ध अनुसूची में अंतर्पूर्ण रूप से किया है) ओर  
जि.टी.सी. इमारत आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अंतरण से हुई किसी भी आय का भाव, उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क के अन्तर्गत  
दायित्व में लाया गया या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क  
के लिए कर/रा(ख) ऐसी किसी आय या दायित्व का भाव, जो कि उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के अन्तर्गत  
अर्ज, एंजर् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 का  
अध्याय 20-क के अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना था, जिसके लिए  
यथाधिकार के लिए:अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
30 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में या किसी व्यक्ति द्वारा(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पत्र नं० सी/2, जो, नव मासा, तबरे बाग अपार्टमेंट,  
इमारत, प्लॉट नं० 231 (प्र०), सी.ए.टी. नं० 4, 4/1  
से 4/45 ओर 231 (प्र०), कुर्वा (पूर्व), बम्बई-24 में स्थित  
है।अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/18727/84-85  
ओर जो नव मासा प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बईदिनांक: 20-11-1985  
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स विजेत इंटरप्रायसेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री एम० आर० वफ्तारी और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18240/84-85—अ१: मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अंतरिती सं० फ़ैट सं० 507, जो 5वीं मंजिन, बी-विंग,  
प्रभू आर्टमेंट, रजवाडी, घाटकोटर बम्बई में स्थित है (और  
इसे उक्त अनुसूची में अंतर पूर्ण रूप से वर्णित है) अंतरिती का  
कारणमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख  
के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उद्देष्टाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

फ़ैट सं० 507, जो 5वीं मंजिन, बी-विंग, प्रभू आर्टमेंट  
रजवाडी, घाटकोटर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची के अन्तर्गत सं० अई-3/37-ईई/18240/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
ये, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 20-11-1985

मोहर :

रूप आई. टी. एन. एन.-----

(1) श्री दामजी आर० शहा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० के० मधेकर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18140/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1ए, जो, लक्ष्मी शॉपिंग सेंटर,  
एच० डी० रोड, घाटकोपर, बम्बई-700 086 में स्थित है,  
(और इसके उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका अन्तर्गत आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी मात्र की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

31—426 GI/85

दुकान नं० 1ए, जो, लक्ष्मी शॉपिंग सेंटर, एच० डी० रोड,  
घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18140/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 20-11-1985

मोहर :

(1) स. 3/37-ईई/18723/84-85—अनं: मुझे।

(अन्तरण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती. सक्का 100 मेहता

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18723/84-85—अनं: मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 307, जो, 3री मंजिल, ए-विंग, महेंद्र विला, कीरोल विल्हेज, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए 19-4-85 को प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण के द्वारा किसी व्यक्ति या बंधन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायद्यों में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी राज्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम के अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अंतरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 307, जो, 3री मंजिल, ए-विंग, महेंद्र विला, कीरोल विल्हेज, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/18723/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को पंजीकृत किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक: 20-11-1985

मोहर:

अथवा आई.टी.एल.ए.-----

(1) अंजू बी० साहू आर अन्य

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैडम जेम सीनथोटकन एंड पॉलीमर  
(इंडिया)

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18216/84-85--अन्तः सूच, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की सं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० सी-100, आग्रा रोड इंडस्ट्रियल प्रीमायनेस को० आग्रा मोनायटी लिमिटेड, कान बहादुर आम्बेदी मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-400086 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावृत्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका फायरनामा अधिग्रहण अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित अधिग्रहण प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधिग्रहण संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायित्व प्रतिफल से, एसे दायित्व प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थों के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ:

उक्त संपत्ति के अर्थों के संबंध में कोई भी वाद :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहणाधिकारी को पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० सी-100, जो आग्रा रोड इंडस्ट्रियल प्रीमायनेस को० आग्रा मोनायटी लिमिटेड, कान बहादुर आम्बेदी मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-400086 में स्थित है।

अनुसूची जेम्स एडिफिके सं० अई-3/37-ईई/18216/84-85 और जो उक्त अधिग्रहण प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक 2-12-1985  
मोहर :

इसका बार्ड नं० टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

मालूम सरकार

अधीनस्थ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश नं० आई-3/37-ईई/18646/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट नं० 15, इमारत नं० 2ए, बाम्बे टेक्सी-मैन्य, को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 305, एल० बी० शास्त्री मार्ग, कुर्ना (५), बम्बई 400070 में स्थित है (और इसका जगह अन्तर्मुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका आरक्षण आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से ऐसे दसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से प्रकट अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वार्षिक, उक्त अधिनियम के अधिनियम करने के अन्तरक के शायद्व में कमो करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी प्रभा मनेश देव

(अन्तरण)

(2) श्रीमती सुसम्वतीबाई मनेश देव

(अन्तरिती) .

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यतिथि पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाढ़ में समाप्त होगी, में ऐसे पूर्वोक्त व्यतिथि में से किया जा सकता है।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहृताधारों के पास लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्मुखी

फ्लैट नं० 15, जो इमारत नं० 2ए, बाम्बे टेक्सीमैन्य को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 305, एल० बी० शास्त्री मार्ग, कुर्ना (५), बम्बई 400070 में स्थित है।

अन्तर्मुखी जैसा कि नं० आई-3/37-ईई/18646/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक: 2-12-1985

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स बनाशान इंडस्ट्रीज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सूचना

(2) मैसर्स चौधरी इंटरनेशनल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18369/84-85-अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 108, जो, न्यू सतगुरु तानिका इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गंगगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में अंतर्गत रूप से वर्णित है) और जिसका परामर्श आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 1-4-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं० 108, जो, न्यू सतगुरु तानिका इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गंगगांव (पूर्व), बम्बई-3 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/18369/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक 5-12-1985

मोहर

प्रकाशक: टी. ए. ए. ए.

(1) श्री बी. पी. लम्हणे

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश एम. लाजवानी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
धारा 269-ख (1) के अन्तर्गत

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18537/84-85 अर्थात् मुने,  
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसके अन्तर्गत  
इसके पदवाक्य 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चय कराने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य लगभग मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23, जी. प्लॉट नं० 4, मेवूर, पेस्टम  
सागर स्किम, जी० एम० रोड, बेंगलूर जिल्हा-89 में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विहित है) और  
जिसका कारोबार आयात-आरिथिगत, 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आदेशों में  
रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985की पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तिम बाजार मूल्य या कम के स्थानान्तरण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और जो कि निम्नलिखित  
करने का कारण है कि दधपूर्वोक्त सम्पत्ति का अन्तिम बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एतद् अधिनियम के अन्तर्गत  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम्पत्ति का प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी वस्तु या क्रिया की या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 23) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा अन्तर्गत में विहित करा  
या या किया जाता आदिष्ट था, विधान में सविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित प्राधिकारी के आदेशों में

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।संज्ञाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 23, जी. प्लॉट नं० 4, मेवूर, पेस्टम सागर स्किम,  
जी० एम० रोड, बेंगलूर, बम्बई-89 में स्थित है।अनुसूची जेंस फि क० सं० आई-3/37-ईई/18537/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

सीहरा

$\frac{d}{dt} \left( \frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

$$\begin{pmatrix} 1 & 0 & 0 \\ 0 & 1 & 0 \\ 0 & 0 & 1 \end{pmatrix} \quad \begin{pmatrix} 0 & 0 & 0 \\ 0 & 0 & 0 \\ 0 & 0 & 0 \end{pmatrix}$$

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) यदि  $\frac{1}{x}$  का मान  $\frac{1}{2}$  हो तो  $x$  का मान

( अन्तरिती )

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्थ: १-३, तबले

बुधवार, दिनांक १० अक्टूबर १९८५

निर्देश सं० अई-३/३७ ईई/१८९२४/४१-८५ - प्र. मं०  
प० प्रसाद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अविभाज्य भाग 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्यापार सं० 65, जो, पंकज-सी, होटल एगारहे-  
के गाँव, 110 110 110 गाँव, ताराजीपुर (र), बम्बई  
86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्यक्ष अलुमुकी में श्रीर पूर्ण रूप  
से वर्णित है) श्रीर जिसका पता 110 110 110, 110 110 110,  
1961 की धारा 269 - 1, ख के अधीन, बम्बई स्थित गुरुमुख  
प्राधिकाारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वापस मूल्य से बाग को हस्तान्तरण प्रतिफल के लिए अंगरिया की नहीं है और यदि वह निष्कास करने का कारण है कि गणपतविन सम्पत्ति का उचित वापस मूल्य, उसके हयमा प्रतिफल के पोंप रूप में प्रतिफल के उचित प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिक (अंतरिकियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय फायदा प्राप्त प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक प्रतिफल को उचित वापस रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उसका स्थानियता के अधीन रहने के अन्तराल के अन्तिम में जारी कराने वाले अधिनियम के द्वारा दे दिया जाय और/या

(क) ऐसी किसी आय या निम्नलिखित में से एक आय को, जिसका प्राप्तकर्ता निम्नलिखित में से एक व्यक्ति है, जिसका नाम (1922 का) अधिनियम, 1957 (1957 का) अधिनियम, प्रयोजनार्थ पञ्चमित्री द्वारा प्रस्तुत किया गया था या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

अतः अथ, उक्त अधिनियम की भाषा अनुसूची में प्रत्येक भाषा में, उक्त अधिनियम की भाषा अनुसूची में प्रत्येक भाषा में के अधीन, निम्नलिखित व्याख्या की जाती है-

एक नए प्रकार का एकल-पक्षीय प्रकृत सम्पत्ति के वर्जन के लिए

संस्था के अन्तर्गत के अखिल को संबंध में कोई भी वाक्य :-

(वि.) इस सूचना के अन्तर्गत प्रकाशन की तारीख 25 दिन या अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर 25 या 30 दिन को अधिक, जो भी अधिक तारीख या समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

प्रकाशन की तारीख से  
हस्त-लिखित की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध  
की प्रतीति अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

व्याख्याकर्ता:—उत्तरे प्रयुक्त मन्त्रों और पदों का जो उक्त  
 भाग में उक्त मन्त्रों के अन्तर्गत परिभाषित  
 भाग में उक्त मन्त्रों के अन्तर्गत परिभाषित

44,2517 -b

वर्ग : १०, एन. जे. में प्रवेशी, डाटा नमूना के पीछे,  
प्लॉट की गली, पार्क, गुरुवांग (ग), बस-86 में स्थित  
है।

अनुसंधान सं. वि. क्र. ७० एई-३/३/- ईई/१८९२८/८४-  
८५ दिनांक : १६-४-१९८५ श्री बख्शी दायी दिनांक १-४-१९८५  
का. निम्नलिखित दिनांक पर।

ए० प्रसादि

सक्षम प्राविणारी

मार्ग प्रत्यक्ष प्रत्यक्ष (निरीक्षण)

वर्जित रे न-3, बम्बई

File # : 18 11 1985

$$\eta \in \mathbb{R}^n$$

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

(1) गैसर्स विभाग अवेचिएण्ड

(2) (1986)

आपाक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती व.प्र. दा. उर्विला

(अन्तरिती)

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18933/84-85 - प्रतः मुझे  
ए० प्रसाद,  
आपाक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 6ठी मंजिल, इमारत नं०  
6- डी० दामोदर पार्क, ए० वी० एम० मार्ग, घाटकोपर  
(प), बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारखाना आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल में गये व्यवहार प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पावा बना  
प्रतिफल, विभिन्नित उद्देश्य से उक्त व्यवहार प्रतिफल  
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य ज्ञात किया जाएगा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वीकारण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम की धारा 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस धारा में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

फ्लैट नं० 1, जो, 6ठी मंजिल, इमारत नं० 6डी, दामोदर  
पार्क, ए० वी० एम० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जमा क्र० सं० आई-3/37-ईई/18933/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

निर्वाहकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 18-11-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एन.-----

(1) श्रीमती एस० बी० चन्द्रन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एस० पटेल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक नवम्बर 1985

फिरोज सं० अई-3/37-ईई/18957/84-85 ---अतः मुझे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 3, जो 1ली मंजिल, इलेफंटा, गोशाला लेन,  
मालाड (पु), बम्बई-97 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में अंतर्गत पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
32—426 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3, जो 1ली मंजिल, इलेफंटा, गोशाला लेन,  
मालाड (पु), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/18957/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक 18-11-1985

मोहर

प्रकाशक: टी. एन. एच.

(1) श्री एम. एम. सहा (हि. प्र. 0)

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती बी. पी. दोशी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/18928/84-85—अतः मुझे  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 65, जो, पंकज-बी, होटल एग्रवेज  
के पीछे, एम० बी० एम० मार्ग, चाटकोपर (प), बम्बई  
86 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या करों के अन्तर्गत में राशि का  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य व्यक्तिगत  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, किन्तु वे सविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्ला. नं० 65, जो, पंकज-बी, होटल एग्रवेज के पीछे,  
एम० बी० एम० मार्ग, चाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/18928/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक : 18-11-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एच. नमूना-—

(1) श्री पी० एम० गोशाय।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जोसी कस्टोलीनो।

(अन्तर्निरीति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18938/84-85-यतः मुझे,

ए० प्रसाध,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल, जमिन्दार  
फ्लैटमेंट, प्लॉट नं० 21-22 इनामदार लेआउट, मिन चौकी,  
ऑर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे  
उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्जित है) और जिसका  
कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का  
गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तर्निरीति (अन्तर्निरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक  
नया या नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट नै वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नया की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी नया या धन या नया वास्तविक  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 43  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
का प्रबोधनार्थ बन्दोखी हुआ प्रकट नहीं किया  
गया या या जिसका नामांकन या, जिसमें से  
सुविधा के लिए)

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, ई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, बम्बई :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी अन्तरण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की अवधि के एक  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी  
अवधि बम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के बात  
निर्दिष्ट नै किए या नहीं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत कर्तव्य और कर्तव्य, को उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में निर्दिष्ट  
है, नहीं बर्ण होता, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल, जमिन्दार फ्लैटमेंट  
प्लॉट नं० 21-22, इनामदार लेआउट, मिन चौकी, ऑर्लेम  
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18938/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 18-11-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) वेगमूख बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अनील सिद्धेश्वर चन्नापट्टन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18969/84-85—अतः मूखे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी फ्लैट नं० 6, जो, 4थी मंजिल, अजीत पार्क-बी सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, 4थी मंजिल, अजीत पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18969/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -3, बम्बई

दिनांक : 18-11-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) देशमुख बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश एस० चन्नापट्टन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37आई/18970/84-85—प्र.: मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ह्या सं० प्लेट नं० 1 जो 4थी मंजिल सोमवार  
बाजार रोड अजीत पार्क-बी, मालाड (प) बम्बई-64 में  
स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269-क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

व. यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1 जो 4थी मंजिल सोमवार बाजार रोड  
अजीत पार्क-बी, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-आई/18970/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 19-11-1985  
मोहर :

प्रकाश आदि. 20. 1. 1986

(1) भैंस परस कनरट्टवतन को०

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हनुमन्तराम बाजी तीबारीया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/18703/84-85—अ. 3 मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

आपकी सं० आपनं० 12 पारस दर्शन, इमारत नं० 2, एम० जी० रोड घाटकोपर (पु) बम्बई 400074 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वधि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आपनं० 12, जो पारस दर्शन, इमारत नं०, एम० जी० रोड घाटकोपर (पु) बम्बई 400074 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/18703/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स पारस कन्स्ट्रक्शन् को

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती प्रतिभा प्रवीणचन्द्र तीवाड़ीया

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/18704/84-85—अ० प्रसाद  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रॉपर्टी की सं० शॉन नं० 11 पारस दर्शन इमारत नं० 2  
एम० जी० रोड घाटकोटा (पु) बम्बई 400074 में स्थित  
है (और इसी उदाहरण अनुसूची में प्रॉपर्टी पूर्ण रूप से दर्ज है)  
प्रॉपर्टी का नामा आयात अधिनियम 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

यदि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक, (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
अधिकतम से वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्वयीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बम्बई

शान नं० 11, जो पारस दर्शन इमारत नं० 2, एम० जी०  
रोड घाटकोटा (पु) बम्बई 400074 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/18704/84-  
85 प्रॉपर्टी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्ट्री दिया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहर:

प्रत्येक भाग टी.एन.एच.-----

(1) मैजिस्ट्रेट्स ऑफ़ क्वार्टरेशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए.एस. जरीवाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

कॉ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय  
कार्यवाही कराया जा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/19717/84-85—आ० प्रसाद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्री. जे. ए. सं० पत्रांक 14 जो 4थी मंजिल प्रिती अगार्ट-  
मेंट घाटला स्थित है। चेन्नै बम्बई-200 071 में स्थित है (और  
इसके उचित अर्जन में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है) और निम्नलिखित  
कारणों के अधीन अधिनियम 1961 की धारा 269-ब, ख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में निम्नलिखित  
है तारीख 1-5-1985

कॉ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है।

है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासिकों  
के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रकोषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पत्रांक 14, 4थी मंजिल प्रिती अगार्टमेंट घाटला स्थित  
चेन्नै बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/19717/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-12-85

मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/19449/84-85—अतः मूझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 34, जो, इमारत नं० 5-ए, बाम्बे  
टैक्सीमेन्स को-ऑप हाउसिंग सोसाईटी लि०, 30, एल० बी०  
एस० मार्ग, कुर्ला (प), बम्बई 70 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्च  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मन्त्रि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33—426 GI/85

(1) श्री किशोर एम० मालडे।

(अन्तरक)

(2) श्री रहीम अखतार ए० एम० अन्मारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कायदाबद्ध करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में स्थापित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में कि ये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 34, जो, इमारत, नं० 2 6-ए, बाम्बे टैक्सीमेन्स  
को-ऑप हाउसिंग सोसाईटी लि०, 306, एल० बी० एस० मार्ग,  
कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/19449/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

प्रमुख बाई. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयसूचक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/19558/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो, टिआरा इमारत नं० ए,  
2री लेन, डोमनिक कालनी, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 ग, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, स, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मिस्त्री इंटरप्राइज

(अन्तरक)

(2) श्री बी० पिटो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी  
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो, टिआरा इमारत, नं० ए, 2री लेन,  
डोमनिक कालनी, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/18558/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

एक बार. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/18974/84-85—अतः मुझे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत के साथ वेगमेंट जो, तल माला, 105,  
एस० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, अतः

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स हिरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री पी० नारायण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

इमारत के साथ वेगमेंट जो, तल माला, 105, एस० बी०  
रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/18974/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

**प्रत्यक्ष बाह्य, टी. एम. एस.**

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक ९ दिसम्बर, १९८५

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/4766/84-85--अतः मुझे  
पर अहमद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब की अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 20, जो, राँकहाउस को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, वरली हिल रोड, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 25-4-1985

क्यों पुर्भाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) बन्तरण से हुए किसी काम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या

ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्ध्यास्थि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रश्न : क्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 है, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्मांतु :-

(1) श्री हंसा बी० वसन्त श्रीर मैहल बन्सी वसन्त  
(अन्तरक)

(2) नाना एम० वसन्त (अन्तरिती)

(3) अन्तरक और अन्तरिती  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

जबकि सम्पत्ति के क्षर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के सारपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, आ उस अध्याय में दिया गया है।

महाराष्ट्र

प्लॉट नं० 20, जो; राँजहाउस को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसाईटी  
लि० बरली हिल रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जसा दि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6437/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985  
मोहर :



प्रकृष नाई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6064/84-85—अतः मूझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, 1 ली मंजिल, पटेल अपार्टमेंट्स  
बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18  
में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी दायित्व प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

(1) श्री यूसुफ अब्दुल्ला पटेल

(अन्तरक)

(2) चंचलबेन हंकीसनदास मिस्त्री, हंसाबेन तनसुख  
मिस्त्री, और तनसुख हंकीसनदास मिस्त्री।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निर्दिष्ट में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, 1 ली मंजिल, पटेल अपार्टमेंट्स, बी० जी०  
खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5739/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37/ईई/6067/84-85—अतः मूख  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 22, जो, शिवसागर, 2री मंजिल,  
अब्दुल गफार खान रोड, प्लॉट नं० 33, रामनाथ लेबोरेटरीज  
के पीछे, वरली, बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है  
और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच इसके अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री केशवलाल प्रिभदास सावधानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता सचेटी, श्रीमती प्रमोदीबाई सचेटी  
और श्रीमती सुपतबाई सचेटी ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के 100  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुणित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 22, जो, शिवसागर, 2री मंजिल, अब्दुल गफार  
खान रोड, प्लॉट नं० 35, रामबोर्ड लेबोरेटरीज के पीछे, वरली  
बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37/ईई/5741/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6073/84-85—अतः सूचे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 102, जो, 10वीं  
मंजिल, सी-विंग, मित्तल टावर्स, नरीमन पॉइन्ट, बम्बई-21  
है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रा-  
धिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) वैसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
अ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मसर्स शिव प्रसाद इंटरप्रायजेस।

(अन्तरित)

(2) श्री पी० के० कमशियल कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 102, जो, 10वीं मंजिल, सी-  
विंग, मित्तल टावर्स, नरीमन पॉइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5749/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6083/84-85—अतः मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, दिवेल्लेफेर को-  
आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, प्लॉट नं० 68, वेल्फेयर हाउस  
स्किम नं० 6, रोड नं० 25/सी, सायन (प), बम्बई-22  
है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1969 की धारा 14 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके खयमान प्रतिफल से ऐसे खयमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित आदेशों, बर्खास्त :-

(1) श्रीमती विनोदिनी बेकटरामन ।

(अन्तरक)

(2) श्री केकीन मनहर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किन्हीं  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 14, जो, 3री मंजिल, दि वेल्फेयर को-आप०  
हाउसिंग लि०, प्लॉट नं० 68, वेल्फेयर हाउस, स्किम नं० 6,  
रोड नं० 25/सी, सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37/ईई/5753/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6084/84-85—अतः सुधे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104,ए, जो, मिना अपार्टमेंट,  
माथारपाखडी रोड, माक्षगांव, बम्बई-10 में स्थित है  
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
(है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अन्तर्गत  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दे दिए

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
का, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तर्गत् द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए था, विधान में सुविधा  
दे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

34—426 GI/85

(1) श्रीमती लक्ष्मी एकनाथ माने।

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ डी० नवले और श्रीमती मंदाकिणी  
वे० नवले।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन  
कार्यवाही करने के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104-ए, जो, मिना अपार्टमेंट माथारपाखडी  
रोड, माक्षगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5754/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक 6-12-1985

मोहर

प्रथम भाग, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कमलाल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6087/84-85--अतः मुझे  
निसार अहमद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० यूनिट नं० 439, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड  
नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अतिरिक्त  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात्

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पम्मी इंटरप्राइजेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 439, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल  
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची में की क्र० सं० अई-1/37-ईई/5757/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985  
मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एच. - - - -

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## आज्ञापन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/6094/84-95—अतः मूले,  
निसार अहमद

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'सूक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 428, जो, 4थी मंजिल, शहा  
एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर  
रेल, बम्बई-13 में स्थित है और इससे उभावद्ध अनुसूची  
में और पूरा रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, दिनांक 1-4-85

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए बंटीर को यह है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है  
कि वधायुक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय  
प्रतिफल से, इसके व्यवसाय प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
है और बम्बई (बम्बई) और बम्बई (बम्बई) के बीच इसके अन्वयण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से वर्णित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुए किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के अन्तर्गत  
ने कभी करने या उक्त बचने में सविधा के लिए  
करेगा।

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाता चाहिए या जिन्हें वे सविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधास (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरण)

(2) श्री अशोक और शहा।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचने के लिए  
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचने के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
कबुज किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 428, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची: जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/5761/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 5-12-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मदन भसीन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स शामेघ कापौरशन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6095/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 20, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रमिसेज को-आप० सोसायटी लि०, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टी० जे० रोड, सिवरी, बम्बई 15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णन है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
मोहर :

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

माला नं० 20, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रमिसेज को-आप० सोसायटी लि०, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टी० जे० रोड, सिवरी, बम्बई 1-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5752/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 9-12-1985  
मोहर :



सकल आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-ईई/6113/84-85—अतः तुझे  
निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 316 है जो रीगल उद्योग भवन,  
ए० डी मार्ग, सिवरी, बम्बई-15 है तथा जो बम्बई 15,  
में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
वर्णित है), और जिसका करारमाना आयकर अधिनियम  
1961, की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक  
2-4-1985

क? पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया  
नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत लिखित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी लाभ की मात्रा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उन्हें बढ़ाने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
क, ख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. अरविंद चन्दर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स अंका लेदर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताभारी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्ध 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 316, जो रीगल उद्योग भवन ए० डी०  
मार्ग सिवरी, बम्बई 15, में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-1/37-ईई/5771/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :- 9-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6119/84-85---अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 19, जो 3री,  
मंजिल, महावीर चेंबर्स 333/337, सैम्युअल स्ट्रीट,  
बम्बई-3 है तथा जो बम्बई -3 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मेसर्स भारत एजेंसीज।

(अन्तरक)

2. मेसर्स भारत ब्रांस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं०-19, जो, 3री, मंजिल, महावीर  
चेंबर्स 333/337, सैम्युअल स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित है।  
अनुसूची जिसकी सं० आई-1/37-ईई/5777/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :— 5-12-1985

मोहर :

प्रस्ताव आई. टी. एन. एच. 1985

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6123/84-85—अतः

मुझे, निसार अहमद,

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 306 जो, 3री मंजिल, बुसा  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, सेंचुरी लेन, प्रभादेवी, बम्बई-25 है  
तथा जो बम्बई 25 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961, की धारा 269, क. ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दस्यमा  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
(लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है) :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबिल में ऊनी करने या उद्धरे करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को किन्हीं भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, रिपाने में सुविधा  
के लिए :—

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय वि० सुर्वे श्रीमती सुनन्दा वि० सुर्वे  
(अन्तरक)

2. मेसर्स इटालीयस।

(अन्तरिती)

3. मेसर्स सुर्वे अण्ड सन्स।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स सुर्वे अण्ड सन्स।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं०-306, जो, 3री मंजिल, बुसा इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, सेंचुरी लेन, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5781/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :— 5-12-1985

मोहर :

प्रकट बाई-डी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6134/84-85—अतः

मुझे, निसार अहमद,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो, ए-इमारत, हिंद को-ऑप, हाऊसिंग सोसाइटी लि०, प्लॉट नं० सी० एस० नं० 2 डी/23, इस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, सायन, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई 22 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और यह कि बन्धक (बन्धकों) और बन्धरिती (बन्धरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बाध की बावद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ग) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मुझे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धित :—

1. श्री एन० एम० स्वामी और श्रीमती पी० एम० स्वामी (अन्तरक)
2. जगदीश एम० दलाल और सरला एम० दलाल। (अन्तरिती)

## 3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 16, जो, इमारत नं० ए-इमारत हिंद को-ऑप हाऊसिंग सोसाइटी लि०, प्लॉट सी एस० नं० 2 डी-23 एक्सप्रेस हायवे सायन, बम्बई 22 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5789/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

मोहर:

प्रत्येक बाई. बी. एन. एन. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निम्न सं० आई-1/37-ईई/6142/84-85---अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 313, जो, 3री मंजिल, बुस्ता  
उद्योग भवन, इंडस्ट्रियल प्रमोशन को-प्राप० सोसाइटी  
लि०, टी० जे० रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (और  
इसी उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका कथारतना आकार अधिनियम 1961 की धारा  
209क, ख के प्राचीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, सराके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, विम्बनिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) कारण है कि किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
के कमी करने के उद्देश्य से उक्त अधिनियम के प्राचीन  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
35—426 GI/85

(1) मैसर्स के० मैदानिकल इलेक्ट्रानिक्स।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हुसरा मोहल्लाह एसोसिएशन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करतगा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होरी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमस्ती

यूनिट नं० 317, जो, 3री मंजिल, बुस्ता उद्योग भवन  
इंडस्ट्रियल प्रमोशन को-प्राप० सोसाइटी लि०, टी० जे०  
रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5794/85-  
80 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहर:

प्रकरण आई.डी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश नं० आई-1/37-ईई/6153/84-85—प्रतः मुझे, निम्नार् अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० फ्लैट नं० 6, जो, सरीता को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी, कानाभट्टी, बम्बई में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) को सीधे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति बिहल शिवराम गौर और डा० एस० एम० गान्धी।

(2) श्री प्रकाश धनराज सोनीमिन्दे और श्रीमतीस्नेहलता प्रकाश सोनीमिन्दे।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, सरीता को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी, कानाभट्टी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5799/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नार् अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(प्रस्तावक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स एवन इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० आई-1/37-ईई/6150/84-85---अतः मुझे, निसार अहमद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 430, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुपूर्वा में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका कतारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अर्जन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 0-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यूनिट नं० 430, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5802/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985  
मोहर:

प्रथम भाग—टी. एन. ७७

(1) गृह एण्ड महार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० अर्ध-1/37-ईई/6157/84-85---अतः मुझे,

निसार ग्रहमव,

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 147, जो 1ली मंजिल, गृहा  
एण्ड महार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आकर  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है,  
दिनांक 9-4-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से कमी करने या उक्त बचन में सुविधा  
की श्रेय; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, धियान से  
सुविधा की श्रेय।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती मीना एन० नायक (प्रोपराइटर-मैसर्स  
मुनाल इंडस्ट्रियल)

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरलम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
फिराई अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 147, जो, 1ली मंजिल, गृहा एण्ड महार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-  
13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अर्ध-1/37-ईई/5803/85-  
88 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहर:



प्रारूप आई. टी. एन. एन.-----

(1) शहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स नेलस्टर बेलकान।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6158/84-85—प्रता। मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 220, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस. जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13  
है तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बरार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभिलेखितकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 220, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस. जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई  
13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5804/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहर :

रूप का ई.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6159/84-85—यतः सुमे,  
निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 326-ए ओ. 3री मंजिल  
गहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है और इतने उपावृद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रन से ध्वजित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, क के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 9-4-85

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक या  
बायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) गहा एण्ड नहार एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आनन्द इंडस्ट्राइजेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 326-ए, जो, 3री मंजिल, गहा एण्ड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई  
13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि प्र० सं० आई-1/37-ईई/5805/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहर:

प्रारूप बाई. टी. एन. एस. --- ---

(1) शहा एण्ड एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स हिंदुस्तान अपारेल्।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6160/84-85—मत: मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमने 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 434, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड  
नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोप्रर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित (और इससे उनावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुधा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतिमी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 434, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड एसो-  
सिएट्स इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोप्रर परेल, बम्बई-13  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नं० सं० आई-1/37-ईई/5806/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985  
मोहर:

इसमें बाई.टी.एन.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निवेश सं० आई-1/37-ईई/6165/84-85—प्रतः मुने,

निसार ग्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
' 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, टाटीया  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, सिताराम मिल कंपाउण्ड, एन० एम०  
जोशी मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है (और इससे उपावह अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र और जिसका  
वतारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, क  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 8-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
गुना से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपा में  
विज्ञा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बदरुद्दीन के० का शेख।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सुपर सेखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावेस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में देखा  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, टाटीया इंडस्ट्रियल इस्टेट  
सिताराम मिल कंपाउण्ड, एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-  
11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6386  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

मोहर :

## प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6166/84-85—अतः मुझे,

निम्न अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें नश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० आयकर प्रमिशन नं० 805, जो रजिस्ट्रार सेंटर, 214, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका तत्कालीन आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
26—426 GI/85

(1) श्री बा० दा० जगत और श्रीमती गकुलदा एम० बाबाय्ये ।

(अन्तरक)

(2) मैक्स एन मरीना इण्डस्ट्रीयल इण्टरवैल्यूमेंट कंपनी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आयकर प्रमिशन नं० 805, जो, रजिस्ट्रार सेंटर, 214, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5810/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 9-11-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6169/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमेसिस नं० 406, जो 4थी  
मंजिल, पारेख मार्केट, 39, केनेडी ब्रिज, ऑपेरा हाउस  
बम्बई-4 में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वर्तमानमा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
9-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तर्गती  
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाय चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1,  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, यथावत् 6—

(1) श्रीमती सीतावती गोविंददास भास्वानी ।

(अन्तर्गती)

(2) श्रीमती विद्या राजेश भंसाजी और सुरेश चन्द्र  
भंसाजी (हि० अ० कु०)

(अन्तर्गती)

(3) अन्तर्गतियों ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमेसिस नं० 406, जो, 4थी मंजिल, पारेख  
मार्केट, 39, केनेडी ब्रिज, ऑपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5813/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन्. एस.

(1) मैमर्स यूनिवर्सल कमर्शियल कंपनी।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स सुन्दर सन्म (इंडिया)

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6170/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० 219 ए, जो, 2री मंजिल, गृहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, सन मित्र  
लेन, धनराज मित्र कपाउन्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 है (या जो  
बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

क्योंकि अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, बर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 219 ए, जो, 2री मंजिल, गृहा  
एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, सन मित्र लेन, धनराज  
कपाउन्ड, लोअर परेल, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5814/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

मोहर:

अध्यक्ष श्री एन. एल. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6173/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 34-बी, जो, बदाये रेक्लेमेशन  
नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
परचालन आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, दिनांक 9-4-1985

अ) पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वार्षिक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 23) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, रखा है :—

(1) अमर एम्प्राइडरी प्राइवेट लिमिटेड (मालिक अमर  
एम्प्राइडरी सेल्स कॉर्पोरेशन)।

(अन्तरक)

(2) किशोरन इडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी कार्यवाही :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिख आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 34-बी, जो, बदाये रेक्लेमेशन, नरीमन पाइन्ट  
बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5817/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 9-12-85

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6174/84-85—अतः सूत्रे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० यूनिट नं० 211, जो, कालियनदास उद्योग  
भवन, प्लॉट नं० 1082, मेंचुरी बाजार के पास, बम्बई-  
25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 का धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्ग  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इसमाइल अली कासकर ।

(अन्तरक)

(2) अजिमा अब्दुल रजाक कासकर ।

(अन्तरिती)

(3) मैमर्स हुमा प्रिन्टर्स ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 211, जो, कालियनदास उद्योग भवन, प्लॉट  
नं० 1082, मेंचुरी बाजार के पास, बम्बई-25 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5818/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

मोहर :

प्रश्न नार्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6178/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 704, जो 7वीं मंजिल, सुमेर  
टावर्स, शेठ मोतीशा रोड, मासगांव, बम्बई-10 में स्थित है  
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 अध्याय  
269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स सुमेर एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश सोहबराज वाणीगोता।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 704, जो 7वीं मंजिल, सुमेर टावर्स, शेठ मोतीशा  
रोड, मासगांव बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5821/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 5-12-1985

मोहर:

दस्तावेज की एच. एच. एच. ---

(1) मैसर्स सुमेर एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेश च० गहा और श्री मनमुखलाल के० गहा।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

**भारत सरकार****कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6179/84-85—अतः मुझे निम्नार ग्रहण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करो का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर टावर्स, लव लेन, गेट मोतीशा रोड, माझगांव बम्बई-10 में स्थित है (और इसमें उपाकट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, २ ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमम अतिरिक्त के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बाध, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निहित में किया जा सके।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर टावर्स, लव लेन, गेट मोतीशा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5822/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निम्नार ग्रहण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 8-12-1985

मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6180/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 905, जो, 9वीं मंजिल, सुमेर  
टावरस शेट मोतीशा लेन, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचन, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
भावित्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी लाभ या किसी धन या अन्य आयों को  
जो कि वह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 23)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया गया चाहिए था, निम्न  
प्रकार से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
जो, यहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स सुमेर एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुंवरबाई मेघजी और श्री नागजी  
ओमैया।

(अन्तरिती)

(3) विल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 905, जो, 9वीं मंजिल, सुमेर टावर, शेट मोती-  
शा लेन, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5823/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-  
85 की रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-12-85

मोहर

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6187/84-85---अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषय करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, जो खुश विहार, 210-एफ०,  
डा० अम्बेडकर रोड, चित्रा सिनेमा के पास, दादर, बम्बई-  
14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहे, अन्तरण से अन्तरित  
किया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

37-426 GI/85

1. श्रीमती गिमना चिमाजी तावडे और श्री चिमाजी  
सखाराम तावडे।

(अन्तरक)

2. श्री किरण कुमार सरदार और श्रीमती छाया  
किरण सरदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
अव्यवहारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाद

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 21, जो, खुश विहार, 210-एफ०, डा०  
अम्बेडकर रोड, चित्रा सिनेमा के पास, दादर, बम्बई-14  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5826/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

संहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6196/84-85—अनः मुमे,  
भिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-122, जो, 12वीं मंजिल, चिनार, इमारत, प्लॉट सी० एस० नं० 336 और 506, दादर नायगाव डिवीजन, सिवरी क्रॉस रोड, रफीक किडवाई रोड, बडाला, बम्बई में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स दिनेशचन्द्र विजयकुमार

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता गुप्ता, मास्टर सौरभ गुप्ता और  
मास्टर शेनू गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-122, जो, 12वीं मंजिल, चिनार, इमारत, प्लॉट सी० एस० नं० 336 और 506, दादर नायगाव डिवीजन, सिवरी क्रॉस रोड, रफीक किडवाई रोड, बडाला, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5832/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निदान अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-12-1985

मोहर :

**इसका प्राप्ति की सूचना**

**नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**राजपत्र**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6200/84-85-अतः मुझे, निसार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, भंसीलाल भुवन, 73, वार्डन रोड बम्बई-26 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इस्तेमाल प्रतिफल से, ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तर्गत से हुई किसी भाग की वार्षिक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कथित में कमी करने या उक्त करने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रभावनाम अन्तिम द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किना जाना चाहिए था, जिन्हें वे सूचना के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के बर्णन :-

1. श्री मुमताज हुसैन वत्तू खोजा।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सिमा सिल्क एण्ड सारी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक और येसुदास सत्यजीवम।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6 जो भंसीलाल भुवन, 73, वार्डन रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5835/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

तहल :

रूप में जारी किया गया है।

1. मेसर्स नटराज बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स आचार्य प्रोडक्ट्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6202/84-85—अतः सुने,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, नटराज, प्लॉट नं० 404, लक्ष्मीनारायण लेन, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, जो, नटराज, प्लॉट नं० 404, लक्ष्मी-नारायण लेन, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5894/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

माहुर :



अध्यक्ष महोदय, टी. एम्. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6204/34-85—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 440, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड महार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल में, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरक निश्चित न  
प्रत्यक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कट देने के अन्तरक का  
कारित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या क्रिया जाना चाहिए था, उचित में सूचित  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मै० शहा एण्ड महार आसोसिएट्स।

(अन्तरक)

2. मेसर्स करमदास एक्सपोर्ट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
निश्चित न किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 440, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड महार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5895/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :

**प्रथम चार्ज ट्री. एच. एच. - - - -**  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा**  
**269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जम रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6205/84-85—अतः मु

मिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 408-ए०, जो, भायखला, सर्विस इंडस्ट्रियल, सी० एस० नं० 711, मासगांव डिवीजन, ससेक्स रोड, भायखला बम्बई-27 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सक्ति से कमी करने या उन्हें बचने में प्रविष्टा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा दी गयी;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरली एन० दौलतरामानी, अनीता एम० दौलतरामानी और परमेश्वरी एम० दौलतरामानी (भागीदार—विल्सन इलेक्ट्रीक इंडस्ट्रीज)।

(अन्तरक)

2. श्री लीलाराम मुगनोमल गुरहानी, भगवानदास एस० गुरहानी, और दीपक भगवानदास गुरहानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 408-ए०, जो, भायखला सर्विस इंडस्ट्रीज सी० एस० नं० 711, मासगांव डिवीजन, ससेक्स रोड, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5896/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मिसार अहमद  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जम रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :

प्ररूप जारी. टी. एन. एन.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

1. मेक्सम बोती इंटर्प्र्राइजिंग।

(अन्तरक)

2. मे० पिपलम वाईन शाप।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5206/84-85—अनः मुझे,

मिसार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० दुकान नं० 20, जो, तल मात्ता, हारबर  
क्रेस्ट इमारत, तुलसीवाडी, माझगांव रोड, माझगांव, बम्बई-  
10 में स्थित है (श्रीर इमने उगावद्ध अनुसूची में श्रीर  
पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिनका कारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, अन्तरण में  
परिचय के लिए;

अनः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाहक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बगोइस्तामरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 20, जो, तल मात्ता, हारबर क्रेस्ट इमारत,  
तुलसीवाडी, माझगांव रोड, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5897/  
85-86 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मिसार अहमद  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मो :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6207/84-85-अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, जो, 3री मंजिल, देव  
क्रिया इमारत, प्लॉट नं० 140-145, नायगाम स्कीम,  
गोविंदजी केणी रोड़, बम्बई-14 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
द्रुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-

1. मेगम बोनी एंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्री भारावण मणिलाल रावल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302, जो, 3री मंजिल, देव क्रिया इमारत,  
प्लॉट नं० 140-145, नायगाम स्कीम, गोविंदजी केणी रोड़,  
बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5898/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-12-1985

मोहर :

प्रकाश जाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6212/84-85-प्रतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 422, जो, 4थी मंजिल, तुलसियानी चेंबर, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के प्रयोग, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण में हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के बावजूद से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसूचना में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित प्रमाणों द्वारा

38-426 GI/85.

1. मेसर्स दीपक इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. मेसर्स पॉलीमैक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपाव :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिपे हुए किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के साथ लिखित में लिख या बकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कार्यालय, नं० 422, जो, 4थी मंजिल तुलसियानी चेंबर, नरीमन पॉइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5903/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 9-12-1985

मोहर

प्रकृष बाह्य टी.एम.एच. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6213/84-85-अतः मुझे,  
 निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ़ैट नं० 603, जो, 6डी मंजिल, इ-  
 बिंग, इमारत बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दौदे मार्ग,  
 सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
 आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन,  
 बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
 तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान  
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल के  
 निम्न प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
 अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
 गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
 में वास्तविक रूप से जांचित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण न हुई किसी बात को बावत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के  
 दाखिल में कमी करने या उसमें बचत से करिष्य  
 के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य अस्तिमत्त  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 अर्थोपार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 या या किया जाना कांक्षित था, छिपाने में युक्ति  
 के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रमेश पी० खोशी रमेश ट्रेडिंग कम्पनी के  
 मालिक।  
 (अन्तरक)
2. श्री अविद भीमसेन देमवई।  
 (अन्तरिती)
3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
 सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिखवाया  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपावृद्धाधारी के नाम  
 लिखित में किया जा सकेगा।

संश्लेषण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
 वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

### अनुसूची

फ़ैट नं० 603, जो, 6डी मंजिल, इ-बिंग, इमारत  
 बिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दौदे मार्ग, सिवरी,  
 बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37अईई/5904/  
 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
 8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 6-12-1985  
 मोहर :-

प्रमाण सादर, बी. एन. एस. संयोजक, भारतीय प्रमाणन परिषद्, नई दिल्ली

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सचवा

**भारत वाइफाई**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरौतिया)

अर्जुन रेंज-1, बरनई

बम्बई, वित्तिक ११ दिसम्बर १९८५

निर्देश सं० यई-1/37-~~ई~~6214/84-85-प्रतः मुझे,

निसार ग्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पञ्चायत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए में अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ब्लाक नं० जी०/3, जो, विश्व कुटीर को-  
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वैद्य बाड़ी, शंकर धाणेकर  
मार्ग, दादर, बम्बई-14 में स्थित है (और इसने उपाय  
अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
कगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क,  
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

की पूर्वावधि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावधि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिक्त (अन्तरिक्तियों) के बीच एंडे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्दरगाह से हवाई कियों जाय की बाबत, उसका अधिनियम को जमीन कर देने के अन्तर्गत की घोषणा में कभी कारणों में, उसमें चर्चा में सूचना के लिए कोर/या

(क) ऐसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) को अधीन, निर्मललिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रियदा पुरुषोत्तम मद्रस।

(अन्तरिक)

2. श्री जयंतीलाल नाथालाल मालवे और श्रीमती नर्मदाबेन जयंतीलाल मालवे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवास्त समाप्त के क्षण में ही प्रवास्त कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बड़ा में समाप्त होखी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर्युक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ब्लॉक नं० जी०/३, जो, विश्व कुटीर को-ग्रुप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, वैद्य छाडी, जंकर वाणेकर मार्ग, दादर, बम्बई-१४ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5905/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नानुसारं श्रद्धामदः

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज- 1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

**मोहर :**

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6217/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०-7/जो, विंग-सी, 1ली  
मंजिल, नवयुग मैनशन, नोशिर भरूचा मार्ग, बम्बई-7 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
9-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विमलाबेन दिनकर अवेरी और कुमारी  
आरती दिनकर अवेरी।

(अन्तरक)

2. श्री राघवजीभाई मानजीभाई पटेल और श्री देवजी  
भाई मानजीभाई पटेल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० सी-7, जो, विंग-सी, 1ली मंजिल, नवयुग  
मैनशन, नोशिर भरूचा मार्ग, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5808-  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :



हृदय बाई-टी.एन.एस.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6228/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके तहत  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० यूनिट नं० ए-3/3 जो धनराज इंड-  
स्ट्रियल इस्टेट सन मिल रोड लोअर परेल, बम्बई-13  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है (और जिसका कार्यान्वयन आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख  
10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाधा  
गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के दायरक के  
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेसर्स गिटल मेल्स कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. मेसर्स भाग्यादय मेटल इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधारक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० ए-3/3 जो धनराज इंडस्ट्रियल इस्टेट  
सन मिल रोड लोअर परेल बम्बई-13 में स्थित है।  
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5916/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
10-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985  
मोहर:

प्रथम भाग, टी. ए. ए. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

राजपत्र सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6230/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कमरा नं० 10 जो दि तेजल को-ऑप०  
प्रिमायसेस सोसायटी लि० 94 नारायण ध्रुव स्ट्रीट  
बम्बई-3 में स्थित है (और इससे उपाखंड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
9-12-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अभावपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कृत प्रमाणित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तबिक  
रूप से कीमत नहो किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपाधाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्ज :-

1. श्रीमती अनुसुया बाई कोतीलाल पंड्या और श्री  
अरविंद कोतीलाल पंड्या।

(अन्तरक)

2. श्री विष्णु कुमार हरीराम रामनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 10, जो दि तेजल को-ऑप० प्रिमायसेस  
सोसायटी लि०, 94, नारायण ध्रुव स्ट्रीट, बम्बई-3 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/591/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख 9-12-1985

सोहर:

प्ररूप आइ. टी. एम. एस.-----

1 श्री अरविन्द मणिलाल खवेरी और श्री दिलीप मणिलाल खवेरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री गोमिलाल खवेरचंद घासा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6232/84-85—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शब्दात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, इमारत नं० 15, शाबुजंद, श्री हिंद को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 23, एन० एस० मण्डीकर मार्ग, चूनाभट्टी, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, इमारत नं० 15, शाबुजंद, श्री हिंद को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 23, एन० एस० मण्डीकर मार्ग, चूनाभट्टी, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37आईई/5919/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्राकृतिक आर्. टि. एन. एस. -----

1 मेमर्स यस्मिन कार्पोरेशन

(अन्तरक)

2 मेमर्स नवरंग एक्सपोर्ट्स

(अन्तरिती)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6235/84-85--अतः मुझे,

निसार अहमद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बख्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 421, जो, 4थी मंजिल, फ्रीएटिबुल इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लॉट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, ऑफ लोवर परेन डिवीजन, बम्बई-11 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई निरा नगर प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अन्तरित करे गई है और यहाँ यह विज्ञापित करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवहार प्रतिफल से, उसे व्यवहार प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और एक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावट, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कथित के कथी करने या उक्त करने के विषय प्रमाण, और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बखति :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्च के लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्च के सम्बन्ध में कोई भी बावट :-

(क) इस सूचना के उद्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्पन्न की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उद्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रतीक्षण :- इसमें प्रयुक्त कथों को पढ़ने का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्च को उस अध्याय में दिया गया है।

सहसूची

यूनिट नं० 421, जो, 4थी मंजिल, फ्रीएटिबुल इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लॉट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, ऑफ लोवर परेन डिवीजन, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5920/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-12-1985

मोहर :

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6236/84-85—अतः मुझे,  
निशार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन मसूमा प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर. जिसकी सं० यूनिट नं० 13, जो, वेसमेंट, क्रीएटिव  
इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लॉट नं० 12, सी० एस० नं० 72  
एम० एम० जोशी मार्ग, आफ लॉवर परेल डिवीजन, बम्बई-  
11 में स्थित है (श्रीर. इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर.  
पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर. जिसका कार्यालय आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित मसूमा प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मसूमा यह विश्वास करने  
कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का अन्तरण, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारा अन्तरण से किसी अन्य या समान करने में अन्तरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभूषण  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम का  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सूचि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

39—426 GI/85

1. मे. जे. रायसिंग (अधीनस्थ)

(अन्तरक)

2. मे. जे. मित्तल (देडर्स)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

यूनिट नं० 13, जो वेसमेंट, क्रीएटिव इंडस्ट्रियल सेंटर,  
प्लॉट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एम० एम० जोशी  
मार्ग, आफ लॉवर परेल डिवीजन, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5921/  
84-85 और जो मसूमा प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निशार अहमद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 6-12-1985

सोहर :

प्रमुख अर्थों की सूचना

प्रमुख अर्थों की सूचना जारी की गयी है।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/0238/84-85—अन: मुंबे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3, जो, 1वीं मंजिल, प्लॉट नं० 250, सायन कोर्नवाडा रोड, कोर्नवाडा स्टेशन के पास, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्ञयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ज्ञयमान प्रतिफल से, ऐसे ज्ञयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

इस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोत्तः—

जो भी उक्त अधिनियम में है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की निम्नलिखित सूचना करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जानकारी है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताभरी के साथ लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, जो, 1वीं मंजिल, प्लॉट नं० 250,, सायन कोर्नवाडा रोड कोर्नवाडा स्टेशन के पास सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5923/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 5-12-1985  
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6239/84-85--आ: मु०:

मिसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 12 जो बेसमेंट क्रिएटिव इंडस्ट्रियल सेंटर प्लॉट नं० 12 सी० एम० नं० 72 एम० एम० जागी मार्ग आफ लावर परल डिबीजम बम्बई-11 में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका उल्लेख आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के अधिनियम में अधिस्टी है तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स वस्मिम कॉर्पोरेशन

(अन्तरक)

2. मे० परेश ट्रेडर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थितीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 12 जो बेसमेंट क्रिएटिव इंडस्ट्रियल सेंटर प्लॉट नं० 12 सी० एम० नं० 72 एम० एम० जागी मार्ग, आफ लावर परल डिबीजम बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/6239/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मिसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 6-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायस्थ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/0245/84-85--अतः, सुश्रे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर निमकी सं० यूनिट नं० 410, जो, 4थी मंजिल, जहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एण्ड जे० मार्ग,  
कोश पुरेन, बम्बई-13 में स्थित है (जहाँ इसमें उभावद्ध  
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर निमकी  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी राशि की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० शांता एण्ड नहार इंडस्ट्रियल

(अन्तरक)

2. मै० किनक क्रिएशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 410, जो, 4थी मंजिल, जहा एण्ड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एण्ड जे० मार्ग, कोश पुरेन,  
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5927/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
10-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :



## प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37आई/5246/84-85--अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 409, जो, 4थी मंजिल,  
शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग,  
लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दाय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 2—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथ-साथ में करी करने या उससे बचने में सक्षम  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० शहा एण्ड नहार एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

2. मेसर्स वन प्लस वन क्रियेशन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यूनिट नं० 409, जो, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल,  
बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37आई/5928/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

मोहर:

सूचना संख्या: 1/37/ईई/5930/85-86

1. गंगा एण्ड नहर एसोसियेट्स।

(अन्तरक)

7. मसर्स जॉलि इंटर्प्राइजेस।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

निसार अहमद

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37/ईई/5930/85-86-अनुसूची

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 438, जंग, श्री मंजिल, गंगा एण्ड नहर इन्डस्ट्रियल स्टेट, ए-1, एम० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरोध के बावित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धारा 269-ग

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भारत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि वह जाना जा रहा था धियान में सुविधा के लिए;

आ: अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिये गए हैं।

अनुसूची

यूनिट नं० 438, जंग, श्री मंजिल, गंगा एण्ड नहर इन्डस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एम० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची: जैसा कि क्र० सं० आई-1/37/ईई/5930/85-86 आर या सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

मांहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सक्षम

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6248/84-85—प्रतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 403, जो, 4थी मंजिल,  
हिंद राजस्थान डिपार्टमेंटल सेंटर, 95, फालके रोड, दादर,  
बम्बई-14 में स्थित है (और इससे उनावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ख के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 10-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अनावद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स एमोटी प्रोपर्टीज लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. मेसर्स लिक्वोसा प्राई।

(अन्तरिती)

3. अन्तरको

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवहारीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ दिये जाते हैं जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

यूनिट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, हिंद राजस्थान  
डिपार्टमेंटल सेंटर, 95, फालके रोड, दादर, बम्बई-14 में  
स्थित है।

अनुसूची ऐसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5929/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985  
मोहर :

प्रारूप आर्क. टी. एन. एस.-----

1. श्री जोगेंद्र प्रसाद शर्मा और श्री कृष्ण प्रसाद शर्मा द्वारा दायीं  
बाईं मुद्रा।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

2. श्री जोगेंद्र प्रसाद शर्मा

(अन्तरिक)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० एई-1/37अई/6250/84-85-अतः मुझे,  
निम्नलिखित महमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, ए-विंग, न्यू गिरीश अपार्टमेंट्स,  
पाटिल लेन, चूनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित  
है, (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), और जिसका कर्ताव्य आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-85अथवा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में दिए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जो 10, जो, ए-विंग, न्यू गिरीश अपार्टमेंट्स,  
पाटिल लेन, चूनाभट्टी, बम्बई-22 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० एई-1/37अई/6250/  
85-86 और या सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
10-4-1985 का रजिस्ट्री तैयार किया गया है।

निम्नलिखित महमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, बम्बई

तारीख: 6-12-1985

मोहर:

प्रश्न बाई. टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6257/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, जो, 4थी मंजिल,  
दातृत्व इमारत, नायगांव क्रॉस रोड, दादर, बम्बई-14 में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
भावित्व में कमी करने या तमामें बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

1. श्री अर्जुन रामचन्द्र बालावकर।

(अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ गोविंद नाईक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18, जो, 4थी मंजिल, दातृत्व इमारत,  
नायगांव क्रॉस रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5842/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
40—426 GI/85

तारीख : 5-12-1985

मोहर :

प्राकृतिक आर्क टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6258/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10, जो, 3री मंजिल, प्लॉट  
नं० 250, मायन कोलीवाडा रोड, मायन (पूर्व), बम्बई-22  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वर्णित स्वरूप में कथित रूप से किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का अन्तरण, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वनों के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुमुम के० वर्मा और श्री रवी के० वर्मा।  
(अन्तरक)
2. श्री मुभाष चुनीलाल सहा और चुनीलाल शजेठालाल  
सहा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10, जो, 3री मंजिल, प्लॉट नं० 250  
मायन कोलीवाडा रोड, मायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37अईई/5843/  
85-89 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985  
मोहर :

प्रकृ. बाई. टी. एन. एस. - - - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6259/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 8, जो, 3री मंजिल, प्लॉट  
नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22  
में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, मारीख  
18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन, कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रकाशन के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम के० वर्मा और श्री रवि के० वर्मा।  
(अन्तरक)
2. श्री नितिन के० शहा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावहस्ताक्षर के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० के, जो, 3री मंजिल, प्लॉट नं० 250,  
सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5849/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निवेश सं० आई-1/37-ईई/6260/834-85-अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, प्लॉट नं० 250, सायन (पूर्व), सायन कोलीवाडा रोड, बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम के० वर्मा और श्री रवी के० वर्मा।  
(अन्तरक)
2. श्री किशोर अमरतलाल घोलानी और श्रीमती चेतना किशोर घोलानी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, प्लॉट नं० 250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37आईई/5845/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985  
मोहर:



प्रकृष बाई. टी. एन्. ए.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6261/84-85—अतः मुझे,  
मिसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, 2री मंजिल, प्लॉट नं०  
250, सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया है  
तारीख 18-4-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरक से हुई किसी आय की उक्त 1.00  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
न मिले और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा दी जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम के० वर्मा और श्री रवी के० वर्मा।  
(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद अमरतलाल घोलानी और श्रीमती भारती  
प्रमोद घोलानी।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससे पूर्व की व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सलाख होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपवादकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, 32री मंजिल, प्लॉट नं० 250,  
सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5846/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मिसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6262/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 2री मंजिल, प्लॉट नं०  
250, सायन कोलीवाडा, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
18-4-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुसुम के० वर्मा और श्री रवि के० वर्मा।  
(अन्तरक)
2. श्री भूपत अमरतलाल घोलानी और श्रीमती मयभा  
भूपत घोलानी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, 2री मंजिल, प्लॉट नं० 250,  
सायन कोलीवाडा, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5847/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6263/84-85—अतः मुझे,  
निम्न अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो, 3री मंजिल, प्लॉट नं०  
250 नायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), और जिसका पुराना आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्रीमती कुसुम के० वर्मा और श्री रवी के० वर्मा।  
(अन्तरक)
2. श्री किरीट कुमार चुनीबाल शहा और दसखा  
किरीटकुमार शहा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो, 3री मंजिल, प्लॉट नं० 250,  
सायन कोलीवाडा रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5848/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 5-12-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एच. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाउत सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6269/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जी०-1, जो, तल माला,  
रामन स्मृति को-आप० हाउसिंग सोसायटी, सिक्का नगर,  
जी-ब्लाक वी० पी० रोड बम्बई-4 में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की  
धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख, 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
बाई/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बचाई :-

1. श्रीमती लाडूबेन डायामाई पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री भटवरलाल पुरुषोत्तमदास पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :- -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी०-1, जो, तल माला, रामन स्मृति को-  
आप० हाउसिंग सोसायटी, सिक्का नगर, जी-ब्लाक, वी०  
पी० रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5852/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 5-12-1985

मोहर:

**इसका नाम: टी. ए. ए. ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6275/84-85—अतः सूक्षे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 21, जो प्रेम कुटीर, 177, सायन (पूर्व), बम्बई है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 19-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल से, ऐसे हयमान प्रतिफल के पंद्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वारदात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की आवश्यकता के अभाव में कमी करने का उद्योग करने से निवृत्ति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी घन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4I-426 GI/85

(1) श्री नारी डी०, मिरचंदानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशिल गोपालकृष्णन और आर० गोपालकृष्णन।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 21, जो प्रेम कुटीर, 177, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5857/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I, बम्बई

तारीख : 6-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती, साहिनी, आर० मिश्रवतनी।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

(2) श्री बलराम सादेव प्रो० श्रीमती, प्रफुल्लता  
सादेव।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरितियों।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

अर्जुन रॉज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37/ईई/6277/85-86—अतः मुझे  
मिसार अहमद,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराए हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

और जिसकी सं० प्लॉट नं० सी० 3, जो, बंगला 1, मीरा  
मेंशन, प्लॉट नं० 2929-बी, स्क्रीन नं० 6, रोड नं० 25,  
सायन (ग), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है  
(और इसने आयकर अनुसूची में ऑन पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और बिना उपरोक्त आधार पर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 19-4-1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
पट्टा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्लॉट नं० -3, जो, बंगला 1, मीरा मेंशन, प्लॉट नं०  
2929-बी, हिस्सा 6, रोड नं० 25, सायन (ग), बम्बई-22  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37- ईई/5868/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
19-4-85 को रजिस्ट्री दिया गया है।

निर्देश आदेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 9-12-1985

मोहर :

रूप का है। टी. एन. एच. -----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6282/84-85--अतः मूजे,  
निसार अहमद,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० क्रमांक नं० 18, जो, शांति भवन, ओल्ड  
हनुमान लेन, को-आप, हाउसिंग सोसाईटी लि०, 47, ओल्ड  
हनुमान लेन, बम्बई-2, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
व्यवसायिक आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब  
ख के अधीन बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 18-4-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित हो  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या बच या अन्य आस्तियों  
को, निम्नलिखित आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नटवरलाल गांडालाल वसानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुलाल लछमनदास तलरेजा, श्री अशोक  
लछमनदास तलरेजा, श्री वाणदेव जमनादास  
जेठवानी, श्री मुकेश गोपालदास तलरेजा, मास्टर  
संदीप मोहनलाल तलरेजा, मास्टर सचिव मोहनलाल  
तलरेजा, बी० एल० तलरेजा और शांता मोतीलाल  
तलरेजा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

क्रमांक नं० 18, जो, शांति भवन, ओल्ड हनुमान लेन  
को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 47, ओल्ड हनुमान लेन,  
बम्बई-2 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/5862/85-86  
और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सूक्ष्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985  
मोहर :

प्रमाण आइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्री भुपेन्द्र कुमार पूरनचंद चावला ।

**आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई: 1/37अईई/6284/84-85--अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26B-ख के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जमकी सं० फ्लेट नं० एफ-14, जो, विनस अपार्टमेंट,  
डा० आर० जी० थढ़ानी मार्ग, वरली, सीफेस, बम्बई में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है, और जिसका काराजनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,

दिनांक: 18-4-1985

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वावक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्नांस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, पक्ष अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 मैं, मैं, उपर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(अन्तरक)  
ज (2) श्री धरमदास वनशाम दास मंगलानी और श्री  
दिपक धरमदास मंगलानी ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पन्नेट नं० एफ० १४, जो, बिनव अपार्टमेंट डा०, ग्यार०  
जी० थडानी मार्ग, वरली सिकेड, बम्बई-१८ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5864/85-86  
और जो सक्षम प्राविणारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रोज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स गिफ्ट इन्स्ट्रक्शन् कंपनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती बीमा गोयल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5885/84-85—अतः मुझे,

भिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिषकी सं० दुकान नं० 3, जो, गिफ्ट हाउस, प्लॉट नं० 940, टी० पी० एम० नं० 4, लोअर माहीम, प्रभादेवी रोड, बम्बई-25, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिस पर करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रव्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 3, जो, गिफ्ट हाउस, प्लॉट नं० 940, टी० पी० एम० नं० 4, लोअर माहीम, प्रभादेवी रोड, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० नं० आई-1/37-ईई/5885/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भिसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन गेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6293/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,50,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिवजी सं० अपार्टमेंट नं० 5, जो, कोट डिआसूजूर,  
वार्डन रोड, प्लॉट नं० 1, बीच कन्डी इस्टेट, सी० एस० नं०  
2-ए/694, मन्दावार एण्ड खंवाला हिल डिविजन, बम्बई  
में स्थित है (श्रीर जिवजी अपार्टमेंट अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप  
से वर्णित है, श्रीर जिवजी अपार्टमेंट आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सशम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक

18-4-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भारत में होने वाली किसी भी वास्तविक उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा को मिले;

(ख) किसी भी व्यक्ति या किसी एक अन्य व्यक्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती गुंडा राम पार श्री मुनिटा दान, श्री  
विष्णाक दास।

(प्रत्येक)

(2) मेजर प्रेमचन्द मुचल्ल फंडा निगम लिमिटेड।

(अन्तरित)

(3) अन्तरितियों।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अपार्टमेंट नं० 5, जो, कोट डिआसूजूर, वार्डन रोड, प्लॉट  
नं० 1, बीच कन्डी इस्टेट, सी० एस० नं० 2-ए/694,  
मन्दावार एण्ड खंवाला हिल डिविजन, बम्बई में स्थित है।  
अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5871/  
85-86 और जो सशम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन गेंज, बम्बई

तारीख 9-12-1985

मोहर :

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6297/84-85—अतः मुझे,

मिन्तार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री अश्विनी सं० प्लॉट नं० 72, जो, 11 वीं मंजिल,  
विंग-बी-1, कर्म क्षेत्र, कामरेड हम्बालाल मार्ग, पण्डितानन्द  
हाल के पास, (पूर्व बम्बई-37 में स्थित है (श्री  
उपा उपानन्द अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका जमावामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-घ, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-4-1985

का पूर्ववर्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि दत्ता पूर्ववर्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्ग  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) श्री मोनिका पी० मुन्डी, हि० अ० कु० ?

(अन्तरिती)

(2) श्री एम० वि० मुन्मणियम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्ववर्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववर्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 72, जो, 11वीं मंजिल, विंग-बी-1, कर्म  
क्षेत्र, कामरेड हम्बालाल मार्ग, पण्डितानन्द हाल के पास,  
सायन (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5875/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

मिन्तार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रैंज-1, बम्बई

दिनांक : 6-12-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6298/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 93, जो, 9 वीं मंजिल, विंग-बी-1,  
कर्म क्षेत्र, कॉमरेड हरबंसलाल मार्ग, पण्मुखानंद हाल के पास,  
सागः (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
दिनांक 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पराग मोफतराज मुनांट (मायनर), द्वारा  
पिता तथा पालक—मोफतराज पी० मुनांट ।  
(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र वि० ठक्कर और श्रीमती मंदाकिणी  
एच० ठक्कर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 93, जो, 9 वीं मंजिल, विंग-बी-1, कर्म  
क्षेत्र, कॉमरेड हरबंसलाल मार्ग, पण्मुखानंद हाल के पास,  
सागः (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5867/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 6-12-1985

मोहर :

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-37-ईई/6301/84-85—अन: मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लॉट सं० 1201, जो, 12वीं मंजिल,  
इमारत नं० 1, "मुमेर टावर्स, लव लेन, शेठ मोतीशा रोड,  
मासगांव, बम्बई-10, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, (1961 की धारा 269  
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है दिनांक 17-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

एवं किसी आय या किसी अन या अन्य आयस्थिता  
का, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बचकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या कि,  
जाना चाहिए था, छपान में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
42—426 GI/85

(1) मैसर्स मुमेर आसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती, सवितादेवी रमेशकुमार रायसोनी और  
श्री रमेशकुमार सोवराजजी राय सोनी।

(अन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोगकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लॉट नं० 1201, जो, 12वीं मंजिल, इमारत नं० 1,  
"मुमेर टावर्स," लव लेन, शेठ मोतीशा रोड, मासगांव,  
बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5932/85-86  
जो और सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख 5-12-1985  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) गहा एंड नहार आसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री इस्सार हिंदुजा।

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक, बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6306/84-85—अतः मुझे,  
निसार ग्रहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० युनिट नं० 219-2, जो, गहा एंड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 19-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 219-2, जो, गहा एंड नहार इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित  
है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5937/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जनतारीख 5-12-1985  
मोहर :

प्रकरण बाई.टी.एन.एच.-----

(1) श्रीमती, कमला बी० आचार्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री खुशाल हंसराज गाला और श्रीमती, जशु  
खुशाल गाला ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 दिसम्बर 1985

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निवेश सं० अई-1/37-ईई/6308/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12, जो, कैलाश कॉटेज को-  
ऑप० हाउसिंग सोसाइटी, सायन (प), बम्बई-22 में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है जिसका करार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269क) के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 19-4-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायजान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विवरात  
कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायजान प्रतिफल से, ऐसे दायजान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शोयस्व में  
कभी काने या उससे बचने में सविधा के उद्देश्य  
कोट/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
समय हो सकेगी होती है, के अन्तर में उक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किया जा सके।

लक्ष्यीकरण :—इसका प्रयुक्त अन्तर और अन्तरिती के उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 12, जो, कैलाश कॉटेज को-ऑप० हाउसिंग  
सोसाइटी, सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5939/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वासुदेव हरीणा बालेचा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अमीनाबाई सुलेमान मर्चन्ट, और  
श्रीमती मेहशर हुमायून मर्चन्ट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

(4) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6310/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 708, जो, 7वीं मंजिल, कैलाश  
अपार्टमेंट, 293 बेलसिस रोड, बम्बई सेंट्रल, बम्बई-8  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निशियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और चर्च का जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 708, जो, 7वीं मंजिल, कैलाश अपार्टमेंट,  
293, बेलसिस रोड, बम्बई सेंट्रल बम्बई-8 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1 /37-ईई/594/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
या, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारों के अन्तर्गत :—

तारीख : 5-12-1985  
मोहर :



आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई 1/37-ईई/6311/84-85—अतः मुझे  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4-बी, जो, मलबार अपार्टमेंट्स, 2री मंजिल, नेडमिः सी रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उनावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी जाय की वस्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सहायता के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती, विरीन, ई० सोनावाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार श्राफक और श्रीमती, गीता श्राफक ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4-बी, जो, मलबार अपार्टमेंट्स, 2री मंजिल, नेडमिः सी रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5942/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I बम्बई

तारीख 9-12-1985

मोहर

प्रश्न बाई.टी.एन.एस. - - -

(1) श्रीमती अनुसूमा राणी गर्मा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) साधवा नारायणी डोलकावाला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सामाज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6318/84-85-—अतः मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, इमारत एच०, चिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दादे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगुमारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 261 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 19-4-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, इमारत एच०, चिना बिना अपार्टमेंट्स, आचार्य दादे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37/5946/85-86 अतः जारी करने के लिए, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-85 का रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख 6-12-1985

महूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6322/81-85-अंतः

मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका सचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 455, जो, 4थी मंजिल, शहा  
एंड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कराधाना आधिकार  
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 19-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथत्व में कमी करने या उसमें घटमा में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) एक किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तिगो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या का किया जाना चाहता था, विधान में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शहा एंड नहार आसासिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेमजी लक्ष्मी देवीया और श्रीमती, लक्ष्मीबेन  
प्रेमजी देवीया।

(अन्तरक)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
वर्ण प्रयोग, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 455, जो, 4थी मंजिल, शहा एंड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा क्र० सं० आई-1/37-ईई/5949/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई,

तारीख 5-12-1985  
मोहर

प्रकाश बाबू, ए. एम. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
गार्जन् रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6324/84-85 अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० भूमि के अंदर बेसमेंट गोंडाउन नं० ई-1,  
इमारत नं० 1, भारत नगर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०,  
भारत नगर, ग्रांट रोड, बम्बई-7 में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है),  
और जिसका कर्ताव्य आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 19-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इसमान प्रतिफल से ऐसे इसमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
से आम्बिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतिलाल त्रिभुवनदास पुजारा

(अन्तरक)

(2) सुखराज मोहनलाल जेठ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
तार्किकता कर रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि के अंदर बेसमेंट गोंडाउन नं० ई-1, इमारत नं०  
1, भारत नगर को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, भारत  
नगर, ग्रांट रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची के मा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5950/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-  
1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गार्जन् रेंज, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० आई० 1/37ईई/6325/84 85—अनः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'सूचना अधिनियम' अंतर्भूत है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, जो कुश विल, को-आप०-  
हाउसिंग सोसायटी, खरेगत रोड, पारसी कालोनी, दादर,  
बम्बई-14 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-4-1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अंतर्भूत की गई है और इससे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच होने वाले अंतरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निर्मानिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक  
अन्तरक के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से इस किसी आय की आय, जो आय  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए की गई

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, सक्षम प्राधिकारी की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थाओं, अर्थात् :—

43—426 GI/85

1. श्रीमती ज्योत्सना विश्वनाथ दास।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जे. रुमी मोतीवाला।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके तात्कालिक न्यायिक कोर्टों में निम्न  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या पाश्चर्य के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो वे अधिनियम में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502, जो कुश विला को-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, खरेगत रोड, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई० 1/37ईई/5951/85 86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 20-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

साक्षर :

प्रत्येक भाग में दो पृष्ठ होंगे।

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई 1/37ईई/6326/84 85—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 61, जो 6वीं मंजिल, बस्तान अपार्टमेंट, 2वीं विंग, ई० एस० टी० डिपो के सामने, बेलासिस रोड, बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका सहायक आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 20-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर के लिए रखा है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिफल से कम है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अन्तरण नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिण्डन में सम्पत्ति को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों, अन्तरण :—

1. श्री ए० ए० रैमदा और  
श्री बसन्तदा खेड आगामिया ।

(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद नूह खलिल अहमद और  
श्रीमती हजिरा बीबी, मुहम्मद नूह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी एक व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 61, जो 6वीं मंजिल, बस्तान अपार्टमेंट 2-वीं विंग, बी० ई० एस० टी० डिपो के सामने, बेलासिस रोड, बम्बई 8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई 1/37ईई/5952/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 5-12-1985  
संहर :

प्रमाण सं०: 1/37ईई/5955/85-86

1. श्री संजीव भूदू सट्टा :

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री शेखर ए. खेट्टा :

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/5955/85-86—अतः सूते,

निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचित प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

यूनिट, ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से अधिारित है) और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सैन्य प्राधिकारी के कार्यालय में अधिारित है दिनांक 20-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिार आकार मूल्य से कम के छद्ममान प्रतिफल के लिए वितरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथासंभव सम्पत्ति के अधिार आकार मूल्य, उसके सम्बन्धित सम्पत्ति के अधिार आकार मूल्य से अधिक है और अतः 5 (क) (अ) और अन्तरिती (अन्तरिती) के अधिार एतदन्तरण के लिए सबूत प्रस्तुत करके, निम्नलिखित उपाय से उक्त अन्तरण निश्चित रूप से वास्तविक रूप में अधिार नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिार में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके, पक्षित सम्पत्ति के अधिार के लिए कार्यवाही कराया गया है।

उक्त सम्पत्ति के अधिार के अधिार में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समरत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिारिताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरिती :—इसमें आगत अन्तरण और पक्षा का, जो उक्त अधिनियम की धारा 20-ब में परिभाषित है, वही अधिार है जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ.सूचना

यूनिट नं० 33, जो बिल्ड इन्स्ट्रियल इस्टेट, होटल ग्रीन बम्बई-33 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/5955/85-86 और जो सैन्य अधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 20-4-1985 रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 2-12-1985  
हरमो:

प्रत्यक्ष भाषा, टी. एन. एड. एड.

**बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/6331/84-85 -अन: सुमे,

निसार अहमद

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किन्तु इसका  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो एचि अपार्टमेंट, वरली  
मो फेस, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है और निम्नलिखित आधार पर आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 26-ग के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक: 20-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त लक्ष्यमान प्रतिफल में, एवं लक्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच होने के कारण के लिए उक्त लक्ष्यमान  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद से कमी करने या उससे बचने में सहाय  
के लिए; और/वा

(ख) एबी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, किन्तु भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता था किन्तु या किन्तु या किन्तु  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा 1  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अधीन —

1. श्री राजेश राजिन्दर कपूर, राजेश राजिन्दर कपूर,  
कुमारी रीतु राजिन्दर कपूर।

(अन्तरक)

2. श्री वेंकटेश नायक मानेन और  
श्रीमती मिरा वि० मानेन।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम।

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसके पश्चात् की अवधि में  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम के अधिनियम  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभोग के पास  
लिखित में किया जा सके।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होना, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

सहायक

फ्लैट नं० 11, जो एचि अपार्टमेंट, वरली  
मो फेस, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/5957/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक: 20-4-1985  
को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

मोहर



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. शहा एण्ड नहार एमोशिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. हिन्दुस्तान, अपारेल इंडस्ट्रिज।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

निर्देश सं० आई-1/37ईई/5333/34-85-अतः मुझे;  
निसार ग्रहमद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० यूनिट सं० 433, जो 4 थी मंजिल, गढ़ा  
एण्ड नहार, इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एम० जे० मार्ग, लॉअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध यन्त्रसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कानूनी आधिकार  
अधिनियम, 1961 के धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 20-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

यूनिट सं० 433, जो 4 थी मंजिल, गढ़ा एण्ड नहार  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-1, एम० जे० मार्ग, लॉअर परेल, बम्बई-13  
में स्थित है।

यन्त्रसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/5957/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/6543/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सहायक आयुक्तों को, यह निर्देश करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, जो 7 वीं मंजिल, इमारत  
नं० 1, "मुसेर टावर्स", लव लेन, गेट, मोतीबा रोड, माझगांव,  
बम्बई-10 में स्थित है (और इसमें उभावृद्ध वस्तुओं में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कराधान आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 26 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरणों) को अंतरणों  
(अन्तरिरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में  
कभी करने या उसमें अचानक में परिवर्तन के लिए  
नहीं/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिरीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी आवाज चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स मुसेर एवोपिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्री विमलचन्द बंगालाल मेहता।

(अन्तरिरीत)

3. बिल्डर्स।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो तब अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 702, जो 7 वीं मंजिल, इमारत नं० 1, "मुसेर  
टावर्स", लव लेन, गेट मोतीबा रोड, माझगांव, बम्बई-10 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/5910ए/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-1-1986

मोहः

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग

1. अधिनियम की धारा 269-ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स रोहित एण्ड कंपनी ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

भारत सरकार

3. अन्तरिती ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिशेष में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6351/84-85—अतः सूचे  
निसार अहमद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 301, जो 3री मंजिल, अश्व  
स्टील हाउस, प्लॉट नं० 59-ई, बरोडा स्ट्रीट, आफ पी०  
डिमेलो रोड, बम्बई- में स्थित है (और इससे अपानद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर  
प्रतिफल, 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 23-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मध्यमात  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्द्धहस्ताक्षरी के  
पास लेनदेन में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा उस अध्याय में दिया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची के अन्तर्गत वर्णित है, नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

कार्यालय नं० 301, जो 3री मंजिल अश्व स्टील हाउस,  
प्लॉट नं० 5-ई बरोडा स्ट्रीट, आफ पी० डिमेलो रोड,  
बम्बई- में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5961/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज-1, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

1. अधिनियम 1961 का 43 के अधीन

(अन्तरिक्ष)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री कमलेश कान्हालाल हुमनाली ।

(अन्तरिक्ष)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश नं० आई-1/37ईई/6354/84-85--अतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० फ्लैट नं० 16, जी. दि. गुनरतन कॉम्प्लेक्स  
हाउसिंग सोसायटी लि., मायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है  
(और इससे उक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है दिनांक 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जी. दि. गुनरतन कॉम्प्लेक्स  
सोसायटी लि., मायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नं० आई-1/37ईई/6964/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-1985  
को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

प्रत्यक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/6355/84-85—प्रति: मुझे,  
निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हुकान नं० 14, जो अन्तर्दीप चेम्बर्स,  
273-77, नरसी, नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (और  
इससे उपबाद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका वारान्तमा अन्तर्गत अधिनियम, 1961 की धारा 269  
कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी से कार्यालय में  
रजिस्ट्री है दिनांक 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का कल का दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास  
बढ़ने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
कमी करके या उससे धुंधले में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिय था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
44—426 GI/85

1. छोटालाल रायचन्द

(प्रोमाइटर : छोटालाल रायचन्द, एण्ड कं०)

(अन्तरक)

2. श्री प्रविणचन्द्र बेनशी मालवे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
जवाबदार बनाया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हुकान नं० 14, जो अन्तर्दीप चेम्बर्स, 273-77, नरसी  
नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/5965/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 23-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निहार ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

## प्रथम भाग, श्री. प्र. सु. सु.

## 1. श्रीमती शिन्धीया शिन्धेरा ।

(धनतरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## 2. श्री प्रभाकर वि० विश्वासराव ।

(प्रत्यतिस्ती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6361/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट नं० ई-33, जो तल माला, अभिजीत  
को-ग्रुप हाउसिंग सोसायटी दादर, बम्बई-28 में स्थित है  
(और इसमें उक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
श्री निवेशा कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 24-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-  
स्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब नया या  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरित स्थावर सम्पत्ति नहीं किया गया था  
या किता बन्ना कराई था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-33, जो तल माला, अभिजीत को-ग्रुप  
हाउसिंग सोसायटी दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/5969/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 24-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

रूप बाई, ए. ए. ए. = = =

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/6363/84-85—प्रतः मुझे,

निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-ए, जो गंगोत्री इमारत, 89-ए, बाणगांव, बालकेश्वर, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 24-4-1988

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किरन एस० शहा, मुकेश एन० शहा और महेन्द्र एन० शहा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निना राजेश, कडाकिया और श्री नटवरलाल चुनी लाल कडाकिया ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरका ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सहायक आयुक्त के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 12-ए, जो गंगोत्री, इमारत, 89-ए, बाणगांव बालकेश्वर, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/5971/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 24-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 9-12-1985

मोहर :

प्रकृष भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/6366/84-85—प्रतः सूत्रे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो इमारत नं० 1, ब्लॉक नं० ए  
तल माला, दलाल अमार्टमेंट, लैमिंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित  
है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका कथारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है दिनांक 24-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रव्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य में कमी करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रव्यमान प्रतिफल का  
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुशीला एस० सुवर्णा ।

(अन्तरक)

2. श्री रसूल भाई करीम मोहम्मद सिङ्गपुरा ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विधि  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्ति  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो इमारत नं० 1, ब्लॉक नं० ए, तल माला,  
दलाल, अमार्टमेंट, लैमिंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/5973/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 24-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-1, बम्बई

दिनांक 5-12-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री वेंकटेश एन० मानेल, और श्रीमती मिरा वि० मानेल  
(अन्तरक)

2. डा० किशोर अशोभ्या ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/6367/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, जो डी-ब्लॉक 5 वीं मंजिल  
विनस अपार्टमेंट्स, वरली सिफेस, बम्बई-18 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269  
क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है दिनांक 24-4-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
गर्ही किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूढिभा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कोई  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 19, जो डी-ब्लॉक 5 वीं मंजिल, विनस अपार्ट-  
मेंट, वरली सिफेस, बम्बई-18 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/5974/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 24-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है ;

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/6370/84-85—अतः मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिस की सं० कमरा नं० 109, जो हाउसिंग सोसायटी, 32/38, अहमदाबाद स्ट्रीट, बम्बई-19 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से खाली है) और जिसका पारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 20-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सदानन्द, कृष्णाजी

मालिक। मैसर्स सदानन्द, जी० एफ०, एंज एस० एजेंट्स  
(अन्तरक)

2. श्री जसवीर सिंह भाटिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उद्घोष्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 109, जो गुप्ता भवन को-आप० हाउसिंग सोसायटी, 32/38, अहमदाबाद स्ट्रीट, बम्बई-19 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1/37ईई/5892/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

सोहर :

प्रत्येक भाग की दो प्रतियाँ

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई/6380/84-85—घतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00 000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० मान नं० 2, जो ओरिएन्ट इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं० 45, स्कीम नं० 57, सी० एस० नं० 603, दादर नायगांव डिवीजन, जे० डब्ल्यू० रोड, सिवरी बडाला इस्टेट (एस०), बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 23-4-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की दायित्व को कमी करने या उल्टे करने में बाधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आद्यवणी वि० रूपारेख ।

(अन्तरक)

2. ओरिएन्ट इंडीनियरिंग एण्ड शिप रिपेयर, वर्क्स ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों ।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके प्रकाशित कराने के अन्तर्गत कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

माला नं० 2, जो ओरिएन्ट इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं० 45, स्कीम नं० 57, सी० एस० नं० 603, दादर नायगांव डिवीजन, जे० डब्ल्यू० रोड, सिवरी, बडाला, इस्टेट (एस०), बम्बई-12 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/5885/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती शांता टी० दिवेकर ।

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37ईई/6381/84-85—प्रतः मुझे,  
निसार ग्रहमद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लेट नं० 9, जो अनन्त निवास दि पुरन्दर  
पार्क, को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 109-सी, हिन्दू  
कालोनी, डा० अम्बेडकर रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 2-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में सामयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री अविनाश जनार्दन अघारकर और  
श्रीमती चारुलता अविनाई अघारकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 9, जो अनन्त निवास दि पुरन्दर पार्क को-आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, 109-सी, हिन्दू कालोनी, डा०  
अम्बेडकर रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है ।  
अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37ईई/6570/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 2-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) अविनाश नागवण हववणकर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) राजाराम दामोदर खरे ।

(अन्तर्लिपी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 5 दिसम्बर 1985

विशेष सं० आई-1/37ईई/384/84-85— अता सुधे.

विचार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो, 100, 1000 इमारत, भवानी  
शंकर को-ऑप हाऊसिंग सोसाइटी लि., भवानी शंकर रोड,  
दादर, बम्बई-28 है तथा जो बम्बई-28 में स्थित है (आर दसवें  
उभावर्ध अनुसूची में आर पूर्णरूप से वर्णित है), आर अनाम कादर  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है। तारीख  
24-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
45—426 GI/85

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, 100, 1000 इमारत, भवानी शंकर को-  
ऑप हाऊसिंग सोसाइटी लि., भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-28  
में स्थित है।

अनुसूची नैता वि० सं० आई-1/37/5882/85-86  
और जो अक्षर पंजीकृत है, बम्बई द्वारा दिनांक 24-4-1985  
को पंजीकृत किया गया है।

विचार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

(1) नटराज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) गाना केटरर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के  
लिए कार्यवाही का उद्देश्य है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० अई-1/37ईई/6673/84-85— अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिनकी सं० दूकान नं० 5, जो, नटराज, प्लॉट नं० 404,  
लक्ष्मी नारायण लेन, माटुंगा, बम्बई-19 है तथा जो बम्बई-19 में  
स्थित है (ग्रौर इससे उभावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित  
है), ग्रौर जिसका करारनामा आय कर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आयकर  
बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 20-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
ग्रौर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निर्मातृलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किन्ना जाना जाहिए या, धियान में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मातृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की गवांथ या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों को  
सूचना की तारीख से 30 दिन की गवांथ, जो भी  
गवांथ बाव से सथाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दूकान नं० 5, जो, नटराज, प्लॉट नं० 404, लक्ष्मी नारायण  
लेन, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37ईई/6182/85-86  
ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-5-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :

प्रमुख भाग टी. एन. एस. -----

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-137/ईई/6679/84-85— अतः मुझे, निसार अहमद,

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम रद्द किया गया है) की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 1,00,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/601, जो, 6ठी मंजिल, 'सोमावाला' अपार्टमेंट्स, 13/15, अरब लेन, बाप्टी रोड, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय, में बम्बई रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की राशि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालिबू में कमी करने या उचित होने में सुविधा को दिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणालीगत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया आदि। निम्न में सूचित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कथित :—

(1) मेसर्स जोगानी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति गहाजहान शहीद हसन मिर।

(अन्तरिती)

(4) अन्तरक।

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/601, जो, 6ठी मंजिल, सोमावाला अपार्टमेंट्स 13/15, अरब लेन, बाप्टी रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-137/ईई/4749/85-86 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 5-12-1985

मोहर :





प्रकृत बाई.टी.एन.एच-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6700/84-85—अतः मुझे, निसार अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० दुकान सं० 10 और बेसमेंट सं० ए, जो, सोनावाला अपार्टमेंट्स, 13/15, अरब लेन, बाप्टी रोड, बम्बई-8 में स्थित है (और इसमें उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-4-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्निनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, वर्णित :—

(1) मेसर्स जोगानी विल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) बी० एल० जोगानी फ़ैमिली ट्रस्ट ।

(अन्तरिणी)

(4) अन्तरकों ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 1 और बेसमेंट ए०, जो, सोनावाला अपार्टमेंट्स, 13/15, अरब लेन, बाप्टी रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/4785/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 5-12-1985

मोहर :

परूप भाई .टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6102/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 2, जो, 12वीं मंजिल, सतनाम  
अपार्टमेंट्स, कफ परेड, कोलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और  
इससे उदात्त अनुसूची में उचित पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, दिनांक 2-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से उसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
भाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों  
के जिन्हें भारतीय आय-आर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) कलर-केम लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वामना चटर्जी  
2. कु० मिराई चटर्जी  
3. कु० प्रिया चटर्जी ।

(अन्तरिती)

(3) कलर-केम लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

वस्तुकी

फ्लैट सं० 2 12वां माला, सतनाम अपार्टमेंट्स, कफ  
परेड, कोलाबा, बम्बई-400005

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5763/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-  
85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

हस्ताक्षर :

प्रकरण नम्बर टी. एन. ए. १५५५-----

(1) श्री युसुफ़ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रमोद शंकरलाल टिबरेवाला और  
श्रीमती संगिता प्रमोद टिबरेवाला ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-ईई/6115/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, पहला माला, पटेल अपार्टमेंट्स,  
बिल्डिंग सं० 7-बी, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित कर रहे हैं और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में  
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया हो या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगणों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी एक के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए गए अंतरण ;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1, पहला माला, पटेल अपार्टमेंट्स, बिल्डिंग  
सं० 7-बी, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-400018 ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई०-1/37-ईई/5773/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
2-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रोज-1, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985  
मोहर :

**इसका अर्थ: टी. डब्ल्यू.एस.**

(1) श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

**नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

(2) श्री चंचलाबेन हरकिशनदास मिस्त्री,  
और मनहर हरकिशनदास मिस्त्री ।

(अन्तरिती) ।

**बाजार सूचना**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० आर० 1/37ईई/6062/84-85--

अतः मुझे, निसार अहमद,

**नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 4, 6वां माला, पटेल अपार्टमेंट्स बि० सं० 7-बी, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वर्तमानमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में दास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित हूँ—

**यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ:**

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावेप :—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 4, 6वां माला, पटेल अपार्टमेंट्स, बिल्डिंग सं० 7-बी, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-400 018 ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5737/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-54-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० ए० 1/37ईई/6063/84-85—अतः  
मुझे, निसार अहमद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 3, पहला माला, बि० सं० 7-बी पटेल अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका व्यापारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-4-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एम्मे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उक्त करने में नुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, बिना भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में नुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

—426 GI/85

(1) श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंचला बेन हरकिसनदास मिस्त्री,  
देवयानोबेन विनोद मिस्त्री,  
विनोद हरकमिनदास मिस्त्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बल में बनाए रखी जाती है, या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 3, पहला माला, बिल्डिंग नं० 7-बी, पटेल अपार्टमेंट्स, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-40 018

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5738/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 9-12-1985

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस्.-----

1. श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री विश्वनाथ शंकरलाल टिबरेवाला और श्रीमती  
मीता विश्वनाथ टिबरेवाला ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6114/84-85—अनः

मुझे, निम्न अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिम्मे सं० फ्लैट नं० 2, 1वां माला, पटेल अपार्टमेंट्स,  
बिल्डिंग नं० 7-बी०, बी० जी० खेर मार्ग, वरली, बम्बई-18  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबिल में कमी करने या उससे बचने में स्विध  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिग  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या या किया जाना चाहिए था, जिन्हमें से  
स्विध के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

गण्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 2, 1वां माला, पटेल अपार्टमेंट्स, बिल्डिंग  
नं० 7-बी०, बी० जी० खेर मार्ग, वरली, बम्बई-18।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5772/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
2-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-1-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० एआर-2-1/37-ईई/6116/84-85—अतः  
मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, 6वां माला, पटेल एण्ड गुप्ता अपार्ट-  
मेंट्स, बिल्डिंग नं० 7-बी, दरली, बम्बई-18 में स्थित  
है, (और इसने उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है,) और जिसका मालिकाना अधिकार अधिनियम,  
1961 की धारा 269 अ, ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गुण्य प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक से से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद शंकरलाल टिबरेवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, 6वां माला, पटेल एण्ड गुप्ता अपार्टमेंट्स,  
बिल्डिंग नं० 7-बी, दरली, बम्बई-400 018 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5774/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

माहूर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

1. श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269(1) के अधीन सूचना

2. प्रोमता दिलीकर मोहम्मद फारुक प्लास्टिकवाला।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० ए०आर-1/37-ईई/6171/84-85—अतः मुझे  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 2रा माला, पटेल अपार्टमेंट्स  
ब्लॉक नं० 7-बी०, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
9-4-1985

अं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए छप पाया गया प्रति-  
फल विम्बिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षतिपूर्ति  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
बात/बा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या वस्तु वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावबोध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किन्ना करना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बातें:—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, 2रा माला, पटेल अपार्टमेंट्स, बिल्डिंग  
नं० 7-बी०, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5815/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:



नकल बाई. टी. एन. सु. -

1. श्री आत्माराम केवलराम सुदारंगानी।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री दिलीप जी० मुखिजानी और अन्य।

(अन्तरिती)

नगर नगर

कार्यालय, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाईर

निर्देश सं० ए०आर-1/37-ईई/6328/84-85—अतः

मुझे, निसार अहमद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 4था माला, अजंठा आय-  
डिअल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 75, कोलाबा-  
रोड, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा  
भाषकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 20-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान  
प्रतिफल के लिए बन्धित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त के सम्मान प्रतिफल से, ऐसे सम्मान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (बन्धकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एक अंतरक के लिए एक  
पन्ना का प्रतिफल निम्नलिखित अनुसार है उक्त अंतरक  
प्रतिफल के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुसार के  
वास्तव में कमी करने या उक्त वर्णन से सुविधा  
के लिए, बाई/बा

(ख) एबी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
का, चिन्हे भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबंधनार्थ  
बन्धकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी  
किसी बाई/बा के विधान से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
से, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की बाय या उक्त बाय व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की बाय, बां की  
किसी बाय से सम्बन्ध होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बाय, स्थावर के  
बाय निश्चित से कि या नहीं।

नोटिफिकेशन:—इसमें प्रकट वर्णन के लिए, अ, का उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित  
है, यही वर्णन होगा या उक्त अधिनियम में किया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, 4था माला, अजंठा आयडिअल को-आप०  
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 75, कोलाबा रोड, बम्बई-5  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5954/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मांडू ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6121/84-85--अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 72, जो, सतीया भवन, प्लॉट  
नं० 3, जे० जे० चैरिटीज, 4था रास्ता लेना के सामने,  
ऑफ एस० बी० रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुधुची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका पुराना नाम आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती जानकी देवी के० पर्सराम डी० संतवानी की  
पत्नी।

(अन्तरक)

2. श्री चंदरलाल मौलानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

फ्लैट नं० 72, जो, सतीया भवन, प्लॉट नं० 3, जे०  
जे० चैरिटीज, 4था रास्ता लेना के सामने, ऑफ एस० बी०  
रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5779/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 9-12-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6081/84-85--अतः सुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 51, जो, ताडदेव एयर  
कंडीशन्ड मार्केट, 1वीं मंजिल, ताडदेव, बम्बई-34 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
शत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में बाध-  
क रूप से बर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण में हुई किसी भाव की वास्तविक अर्थ-  
विषय के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से  
अन्ती करने या उसके अपने से सुविधा के बिना  
और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
का अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए या, धियान में लीया  
जाए;

या, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, अनुसूची  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, वर्गीकृत :-

1. श्रीमती पार्वती धि० तलरेजा।

(अन्तरक)

2. मेडर्स प्रोप्रेटिन्ग लोजिंग लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
ग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 51, जो, ताडदेव एयर-कंडीशन्ड मार्केट  
1वीं मंजिल, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5749/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:

प्रारूप आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6161/84-85--प्रतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 124, जो, हिरा पन्ना, भुला-  
भाई देसाई रोड का जंक्शन, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंसेवक  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि अध्यापकों का निर्माण का निर्मित बाजार मूल्य,  
उसके स्वयंसेवक प्रतिफल से, ऐसे स्वयंसेवक प्रतिफल का बन्धु  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें घटने में अधिभा के लिए,  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए ।

प्रतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स एम० पी० बिलडर्स।

(अन्तरक)

2. श्री घेवरचंद मारमालजी जैन और पारसमलजी  
रणाजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या जी  
अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 124, जो, हिरा पन्ना, भुलाभाई देसाई  
रोड का जंक्शन, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5807/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:

प्रकाशक: डॉ. एन. एस. ...

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन जे-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6185/84-85—अतः मुझे,

निराकर अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 53/1393, जो, एम० आय०  
जी०, आदर्श नगर, वरली, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),  
श्रीर जिसका कार्यालय अध्याय अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में पंजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
इसे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए रूप दिया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रस्तुतिक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन का अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अन्तर्गत अन्तरिती दायित्व प्रकट नहीं किया गया  
था या किश जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के लिए, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

47—426 G1/85

1. श्रीमती क० जी० पुं०।

(अन० 195)

2. श्रीमती जी० एम० शहा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
संगति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 53/1393, जो, एम० आय० जी०, आदर्श  
नगर, वरली, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37 ईई/5825/  
85-86 श्री० जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निराकर अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन जे-1, बम्बई

तारीख 9-12-1985

संकेत :

अर्थ-1/37-ईई/6218/84-85

1. अधिनीति भाषांतर 1961 जोवनपुत्रा श्री श्री दिलीप  
मोहन जोवनपुत्रा।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

2. श्री 0 प्रवृत्ति।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6218/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० यूनिट नं० 328, जो, 3री मंजिल, प्रभादेवी यूनिट इंडस्ट्रियल इस्टेट, वीर सावरकर मार्ग के  
सामने, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और इसकी  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-घ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन का प्रयोग करने के  
लिए, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम के अधि-  
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यालयों अधीन है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वासोपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अन्तिम यथार्थ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 328, जो, 3री मंजिल, प्रभादेवी यूनिट  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, वीर सावरकर मार्ग के सामने, बम्बई-  
25 में स्थित है।अनुसूची और नि० सं० अई-1/37-ईई/5904/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

संख्या :

प्रकाश संख्या: 1/37-ईई/5033/84-85

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/5033/84-85-अतः सूझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयवाक्य बनाने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति (जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है)

और जिसकी सं० री हाउस नं० 10, जो, 2 गार्डी पार्किंग जगह, ग्रन्ड पराडी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कैम्स कार्नर के पास बम्बई में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका सम्बन्ध आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दर्ज है, तारीख 29-4-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में वास्तविक रूप से अंतरित नहीं किया गया है।

(क) अंतरक से हुई किसी आय को वास्तव में उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के कारण से कमी करने या उससे बचने के लक्ष्य से

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्रीमती अंजना रीटा राय

(अन्तरक)

2. श्री ट्रस्ट

(अन्तरित)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन की दिशा में जांच कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्पन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिभोगकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

री हाउस नं० 10, जो, 2 गार्डी पार्किंग जगह, ग्रन्ड पराडी को-आप० हाउसिंग सोसायटी, कैम्स कार्नर के पास, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6355/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:

राज्य शाही.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

## आयक प्रत्यक्ष

आयकर, सहायक आयकर बाबत (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37ईई 3-120/84-85—अनः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, मैत्री  
इमारत 11, गोवन्दजी हिल्स एस्टेट, परेल, बम्बई-12 में  
स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका पुराना आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है, तारीख  
29-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में प्रासंगिक रूप में कोषित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने से अन्तरक और  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता नहीं है, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अधिनियमों

1. मेनर्स मैत्री डेवलपर्स।

(अन्तरक)

2. श्री फ्रीडोम सौराव इरॉण।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त प्रस्तावित क बाबत के निम्न  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भरोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो, 2री मंजिल, मैत्री इमारत, 11,  
गोवन्दजी हिल्स एस्टेट, परेल, बम्बई, 12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6455/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
29-4-1985 को पंजीकृत किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:



**प्रथम भाग, डी. एच. एच.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6226/84-85—अतः मुझे, निदेश अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और निम्नी सं० फ्लैट सं० 14, जो, निर्मला निवास 3री मंजिल, मेन रोड, प्लॉट नं० 157, गायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (जो इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और निम्नी संपत्ति आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाँट/बा

(ख) एंती किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला जी० छात्रिया।

(अन्तरक)

2. श्री जी० एच० देसाई (हि० अ० कु०)

(अन्तरिती)

3. म० निम्पन केमिकल्स।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. मेसर्स निम्पन केमिकल्स।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिस्सबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**नमूना**

प्लॉट नं० 14, जो, निर्मला निवास, 3री मंजिल, मेन रोड, प्लॉट नं० 157, गायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5915/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निदेश अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रजि-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

अक्षय बाई.टी.एन.एच.-----

1. मेसर्स केवल बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

2. मेसर्स प्रिन्ट सर्विस।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6271/84-85—अतः मन्त्रे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 341, जो, जुडा हुआ टैरेस का  
भाग, जो, बी०-इमारत, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पंजीयनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है,  
तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विधिगत में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 341, जो जुडा हुआ टैरेस का भाग,  
जो, बी०-इमारत, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37 ईई/5854/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985  
मोहर :

[अनुसूची 1, अनुसूची 2, अनुसूची 3]

1. श्रीपती उषा विहार मेहता, श्री भारत एं. शहा  
और श्री मुकुश एं. शहा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अनुज टेक्स्टाइल्स ट्रेडर्स।

(अन्तरिती)

**आयकर अधिनियम**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रोज-1, बम्बई।की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाचप :—

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6300/84-85—अनः मुझे,  
निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस  
इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विव्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।श्री. जिसकी सं० गोडाउन नं० 3, जो, वेल्मेंट फ्लोअर,  
स्टील चेम्बर्स, ब्रोच स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (श्री. उषा  
उषा उषा उषा उषा में श्री. पूर्ण रूप से वर्णित है),  
श्री. जिसका बरतनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तेमाल  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विव्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, जिसके उद्घाटन परिसर में एक उद्योगिक इलाका है,  
उक्त इलाके में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्घेय से उक्त अन्तरण भविष्य में वास्तविक  
मूल्य से अधिक नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, में भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है। की अवधि पूर्वोक्त  
आयकर अधिनियम में से किसी व्यक्ति द्वारा।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उद्घाटनकारी के पास  
लैंग्वेज में किया जा सकता है।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ है, जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—गोडाउन नं० 3, जो, वेल्मेंट फ्लोअर, स्टील चेम्बर्स,  
ब्रोच स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5879/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रोज-1, बम्बईदिनांक: 9-12-1985  
माहुर :

प्रथम आदेश: टी. एन. एस. -----

1. श्री रत्नलाल नेहरू सोसायटी।

(अन्तरक)

2. श्री विरमानंद आर० पामनानी।

(अन्तरिनी)

3. मेगम लखीराम हमानंद।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक और श्री हजानंद आर० पामनानी।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6314/84-85--अतः मुझे

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'एक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 50 प्रतिशत हिस्सा आयकर सं० 302, 352 में, जो, मुख्याधर चव्वा, गिरगांव रोड, बम्बई-2 में स्थित है (और इसे उपरोक्त अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से दर्जित है), और श्री राजाजी शरण अदि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

50 प्रतिशत हिस्सा जो, आयकर सं० 302, 352, में जो, मुख्याधर चव्वा गिरगांव रोड, बम्बई-2 में स्थित है अनुसूची में, नि० सं० आई-1/37-ईई/5944/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1985 को रजिस्ट्री दिया गया है।

निदेश अहमद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985  
मोहर :

प्रकाश जाई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6061/84-85--अतः मुझे,  
निसार अहमद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
भरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 5वां माला, पटेल अपार्टमेंट्स  
बी० नं० 7-ए2, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बन्धनपूर्ण सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के  
पक्ष में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तर्गती  
बन्धनपूर्ण (अन्तर्गती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में गणनीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
शायद से कम करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाँहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
48-426 GI/85

1. श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री हेमन्त सी० शहा, (2) श्रीमती बेला एच०  
शहा, (3) श्री विपिन सी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-  
बोध किसी व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताकारी के पाल  
निर्दिष्ट में किसे या तकनी।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकृत सम्पत्तियों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, कड़ी बंध होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, 5वां माला, पटेल अपार्टमेंट्स, बिल्डिंग  
नं० 7-ए०, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5736/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० आर०-1/37-ईई/6194/84-85—अतः

मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विचारित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 48, तलमाला, हीरापन्ना शापिंग सेंटर, हाजी अली, बम्बई-400026 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल में किए गंतवित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवसाय प्रतिकूल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पत्र पत्रित में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्धनकारी (बन्धनकारियों) के बीच ऐसे व्यवसाय के लिए एक पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित सूचने के सफल व्यवसाय निमित्त से वास्तविक रूप से स्थापित नहीं किया गया है—

(क) व्यवसाय से हुई किसी लाभ की बावड़, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के व्यवसाय के आयकर से कमी करने या उससे बचने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी लाभ या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंगरेजी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्रीमती रीटा एम० दासवानी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती खुरशिद ख़दद।

(अन्तरिकृति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके पश्चात् व्यक्तिगत रूप से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि कम की अवधि हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने है किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रूप में लिखित में किए जा सकेंगे।

नियमनित्तः—इसने प्रकृत धर्मों और धर्मों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही कार्य होगा जो उक्त अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 48, जो, तलमाला, हीरापन्ना शापिंग सेंटर, हाजी अली, बम्बई-400026 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5831/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री एस० मोहम्मदगली।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद तारिक इलयास।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

का धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० ए० आर०-1/37-ईई/6216/84-85—अतः

मूझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बम्बई में, फोर्ट विभाग में गोला लेन में भूमि, कलेक्टर पुस्तिका में रजिस्टर्ड किया गया नं० लैंड रेवेन्यू ओल्ड नं० 5592, ओल्ड एस० नं० 8845, एवार्ड, एस० टी० नं० 5, सी० एस० नं० 1355 है तथा जो फोर्ट बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका प्रकारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिकल से, ऐसे व्यवमान प्रतिकल का संज्ञक प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए तब बादा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की बाबित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करने का हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई में, फोर्ट विभाग में गोला लेन में भूमि, कलेक्टर पुस्तिका में रजिस्टर्ड किया गया नं० लैंड रेवेन्यू ओल्ड नं० 5592, ओल्ड एस० सं० 8845, ए०-वार्ड, एस० टी० नं० 5, सी० एस० नं० 1355 बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5907/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

**अनुसूची टी.एन.ए.ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6190/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा कार्यालय का कमरा नं० 208  
में, जो, मेकर भवन नं० 3, 21, न्यू करीन लार्ड्स, बम्बई-  
20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
9-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावजूद उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रसंगानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
ले, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित है—

1. श्री ए० एस० नाडकर्णी।

(अंतरक)

2. श्रीमती एन० एच० वसावडा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराया हुआ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

1/2 हिस्सा जो, कार्यालय के कमरा नं० 208 में,  
मेकर भवन नं० 3, 21, न्यू मरीन लार्ड्स, बम्बई-20  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5828/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :



प्रत्येक आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6287/84-85—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, पंच-शील इमारत, सी-रोड, चर्चगेट, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका दारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उतसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती दुर्गा रामजेठमलानी और कुमारी रानी रामजेठमलानी।

(अन्तरक)

2. श्री मफतलाल मंगीलाल लाल कोठारी और श्री जयंतीलाल मंगीलाल कोठारी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, पंचशील इमारत, सीअरोड, चर्चगेट, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/6454/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 करजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

अथवा बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर बाबू (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6309/84-85—अतः भुजे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 241, जो, कालियनदास उद्योग भवन, सेन्चुरी बाजार के पास, बम्बई-15 में स्थित  
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और/पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका हस्तान्तरण अधिनियम, 1961  
की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तनाम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाई/बा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना वांछित था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

तब : कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के तहत, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :

1. मेसर्स अग्रवाल ग्रुप आफ इण्डस्ट्रीज  
(अन्तरक)

2. श्री अरविंद जगन्नाथ जाधव।  
(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 241, जो, कालियनदास उद्योग भवन,  
सेन्चुरी बाजार के पास, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5940/  
85-88 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-1, बम्बई

तारीख : 12-12-1985  
मोहर :

प्ररूप आर्.टी.एन.एन.-----

1. श्री विष्णु वामन चिंचलकर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती गोभापदेवी कैलाशचंद्र

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6616/84-85—अतः मुझे

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, आर्यन महल, सी-रोड,  
चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका प्रकार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित  
के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है;

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, आर्यन महल, सी-रोड, चर्चगेट,  
बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/4857/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्मसिध, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6091/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य रु०  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 52/1384, एम० आर० जी०  
आदर्श नगर, वरली, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब,  
ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य रु० के अन्तर्गत  
प्रतिफल के लिए बन्दरगाह की गई है और मुझे यह विश्वास  
काम का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य  
रु०, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
फल प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी  
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक फल का  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मूल्य प्रतिफल में  
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह से उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक से  
होने से कमी करने या उक्त करने में बाधा  
से निम्न; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाता चाहिए या किया जाने से बाधा  
से निम्न;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री मार्शल डिसोजा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सिमिन्दिया डिसोजा।

(अन्तरिकी)

3. अन्तरिकी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

4. सोसाईटी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
आवश्यकताएं करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जगह-हस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन:—इसने प्रकृत बन्धों और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तरिकी

फ्लैट नं० 52/1384, जो, एम० आर० जी० आदर्श  
नगर, वरली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5758/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

मोहर:

प्रारम्भ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं 2 आई-1/37-ईई/6280/84-85—अतः सुखे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 101015, 10वां माला,  
मेकर चेंबर, वी० प्लॉट नं० 221, ब्लॉक 3, बैकवे रेक्ले-  
मेशन स्कीम, नरिमन प्वाइंट, बम्बई-71 में स्थित है (और  
इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
धारा 269घ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य न कम के सम्मान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण को गई है और अभी यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथाप्रीति संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्मान प्रतिफल से, ऐसे सम्मान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए जब  
कहा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
बायस्ब में कमी करने या उससे बचने में सीबधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य क्रान्तियों  
को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चात्रिए था, छिपाने में सीबधा  
को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अप्पारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्  
49-426 GI/85

1. श्री मनु ईसाई।

(अन्तरक)

2. श्री किशिन डी० भावनानी, श्रीमती मीना के०  
भावनानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अन्तरिती शुरू करवा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित  
व्यक्ति द्वारा उक्त अन्तरण करने के लिए या उक्त अन्तरण

स्वाधीकरण:-इसमें प्रयुक्त सबों और वहाँ का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 101015, 10वां माला, मेकर चेंबर  
वी०, प्लॉट नं० 221, ब्लॉक 3, बैकवे रेक्लेमेशन  
स्कीम, नरिमन (प्लांट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37ईई/5860/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर :

प्रथम भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन अध्याय

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6208/84-85—अतः मूले,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- से अधिक है  
और जिसकी सं० कमरा नं० 302-ए०, ग्लेनरीज, 16,  
बी० जी० खेर मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ग, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ग्यान्चंद एन० कोठारी।

(अन्तरक)

7. श्रीमती अजना एन० शहा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकेतकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 302-ए०, जी० ग्लेनरीज, 16, बी० जी०  
खेर मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5899/  
85-86 और या सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 11-12-1985

मोहर :

प्रथम भाग. डी. एन. एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निवेद सं० अई-1/37-ईई/6304/84-85—अतः मुझे

निसार अहमद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके धर्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 25, जो, स्नेह सदन, 2री  
मंजिल, कुलाबा पोस्ट ऑफिस के सामने, बम्बई-5 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के  
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 19-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायल  
में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य भास्तिनों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिधि :—

1. श्री एस० ए० मंगसुरे।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश मंगल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितीयों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 25, जो, स्नेह सदन, 2री मंजिल, कुलाबा  
पोस्ट ऑफिस के सामने बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5935/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
19-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985

सोहर :





प्रथम भाग टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/62 5/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 3-बी०/6, जो न्यू सायन  
को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सिधो कालोनी, तल  
माला, मायन, बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभी यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी  
अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की, वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री गुरींदर सिंग प्रताप सिंग।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक पी० खारावाला।

(अन्तरिणी)

3. अन्तरिणी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् अक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

ब्लाक नं० 3-बी०/5, जो, न्यू सायन को-ऑप० हाउसिंग  
सोसायटी, सिधो कालोनी, तल माला, मायन, बम्बई-22 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5840/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
18-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:

प्रकृष आइ.टी.एन.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6069/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 43, जो, 4थी मंजिल, अशुतोष  
38-ए०, नेपियनसी रोड, बम्बई-36 में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानान्तरण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके स्थानान्तरण प्रतिफल से, ऐसे  
स्थानान्तरण प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सेवराम गियानचंद महतानी।

(अन्तरक)

2. श्री रूप्ती केकू वस्तमजी और श्रीमती अनसि रूप्ती  
रस्तो मजी।

(अन्तरिती)

4. मेसर्स अवेरी इंडिया लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह  
संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 43, जो, 4थी मंजिल, अशुतोष, 38-ए०;  
नेपियनसी रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5742/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6144/84-85—अतः मुझे;  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 142, जो, 14वीं मंजिल, बी-विंग, मितल टावर्स, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 2 बराका ओवरसीज ट्रेडर्स।

(अन्तरक)

2. श्री इंदर कुमार गुप्ता (हि० अ० कु०) और श्रीमती निना देवी गुप्ता और श्री वनिता गुप्ता।

(अन्तरिती)

3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 142, जो, 14वीं मंजिल, बी-विंग, मितल टावर्स, नरीमन प्वाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5796/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-1985 को रजिस्ट्री में दर्ज किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

इसका नाम: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6332/84-85—अतः मुझे, निसार अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, सदानंद अपार्टमेंट्स, आचार्य काले मार्ग, आगर बाजार, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-4-1985

को वर्णित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य; उसके व्यवसाय प्रतिकूल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पक्ष प्रविष्ट से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यह बात कथ प्रतिकूल, निम्नलिखित संश्लेष से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माधुरी पी० सावंत।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण डी० विजयकर और श्रीमती लक्ष्मी डी० विजयकर।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्धक बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ब में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, सदानंद अपार्टमेंट्स आचार्य काले मार्ग, आगर बाजार, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5958/85-86 और जो तक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

तक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:

प्रमुख आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निदेश सं० आई-1/37-ईई/6167/84-85--अन: मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० यूनिट नं० 9बी, जो, पार्बंती इंडस्ट्रियल  
प्रिमायसेस को-प्राप० सोसायटी लि०, न्यू गन  
मिन कम्पाउंड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और  
इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका प्रसारण आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-घ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

50—426 GI/85

1. रमेश इलेक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग कारपोरेशन  
(अन्तरक)
2. श्री दिलीप हरकिशन छात्रीया और श्री हरकिशन  
छात्रीया।  
(अन्तरिती)
3. अन्तरितियों।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाचक  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताधारी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

नमस्ची

यूनिट नं० 9बी, जो, पार्बंती इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस  
को-प्राप० सोसायटी लि०, न्यू गन मिन कम्पाउंड, लोअर  
परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5811/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:

**प्रकट नमूने की प्रतिलिपि**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/60845/84-85-अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हर्षिक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 433, जो, बी-डमारत, 4थी मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, मेतापति बापट मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित न वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उचित करने के स्विधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्योवनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेश एल० ठक्कर, श्रीमती शर्मिष्ठाबेन सक्ष्मी-बेन श्री महाश्वाल मंगललाल राजा और श्रीमती मृदुलाबेन पल्लिकुमार राजा।  
(भागीदार-राजा उन्तरप्राईज)

(अन्तरक)

2. श्री मयूर कनुभाई शहा कर्ता आफ हि० अ० कु० आफ एम० के० शहा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**सूचीकरण 2—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

युनिट नं० 433, जो, बी-डमारत, 4थी मंजिल, केवल इंडस्ट्रियल इस्टेट, मेतापति बापट मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5755/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 9-12-1985

मोहर:

मोहर :

**प्रकाशित: टी. एन. एच.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

**कार्यवाही**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6201/84-86---अतः मुझे  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो, 4थी मंजिल, मार्तण्ड  
84, डा० एनी बेसेन्ट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित  
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
8-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल विभाजित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित से वास्तविक  
मूल्य से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की प्रकट (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती शकुंतला बागिया।

(अन्तरक)

2. श्री विजय हरीलाल विजलानी।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

4. मसर्स हरहरबाला इंजीनियरिंग वर्क्स प्रायवेट लि०।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

यह वह व्यक्ति था जिसने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की जारी होने से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रकाशित:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 14, जो, 4थी मंजिल, मार्तण्ड, 84, डा०  
एनी बेसेन्ट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5893/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
8-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

मोहर:



प्रस्थानार्थी. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-ईई/6242/84-85---अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4 और गैरेज नं० 6, जो  
रोक्साना इमारत मर्हपि कार्वे रोड, बम्बई-20 में स्थित है  
(और इसका प्रारम्भ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका कर्तव्यमान आयकर अधिनियम, 1961  
को धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एल० गुप्ता कमलचाला, श्री एस० के०  
गुप्ता, श्री ओ० पी० खंडेलवाल, श्रीमती नीता  
जैन और श्रीमती सुधा गुप्ता खंडेलवाल।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण प्रसाद जाजोड़िया।

(अन्तरिती)

8. भाइत।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में  
सम्पत्ति है)

4. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4 और गैरेज सं० 6, रोक्साना इमारत,  
मर्हपि कार्वे रोड, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5925/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
10-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-12-1985

मोहर:

प्रकरण बाई.बी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6143/84-85—अतः मुझे  
मिसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 74, जो, 7वीं  
मंजिल, सी-बिंग, मिलन कोर्ट, परीमन पाइंट, बम्बई-21 में  
है तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (अर्थात् इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
जबड़े से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
वही किया गया है :—

(क) बाजार से हुई किसी बाय की राशि, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या इससे बचने में सूचना के लिए;  
और/वा

(ख) इसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, लिखित में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अल्मास इंटरनेशनल

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सी०एम०एस० इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग कम्पनी  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी की जायेगी सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के कारण से उत्पन्न की जायेगी।

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी  
अवधि प्राप्त में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में कर या करों को।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 74, जो, 7वीं मंजिल, सी-बिंग,  
मिलन कोर्ट, परीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० अई-1/37-ईई/5795/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

मिसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

एकल बाई, टी. एन. एन.-----

(1) श्रीमती पद्मा मोतीलाल बुढानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेश रामन श्रीर  
श्रीमती विमला रामन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/1563/83-85—अतः मुझे,  
मिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्ट्री सं० फ्लैट नं० 5, जो, लक्ष्मी भवन, प्लॉट नं० 155  
सायन (पूर्व), बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है  
(श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),  
श्रीर जिसका कारागृहमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 ब, ख के अधीन जमाई किया गया प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 13-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाबा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधि-  
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व  
में कभी काररे या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) किसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोपः—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो, लक्ष्मी भवन, प्लॉट नं० 155, सायन  
(पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/6098/85-86  
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-5-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

मिसार अहमद  
सक्षम प्राधि जारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 12-11-1985  
मोहर :

प्रमाण बाई.डी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6268/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 401, जो क्वीन्स डायमंड,  
4थी मंजिल, माया परमानन्द मार्ग, चर्नी रोड, सी० एस० नं०  
18, गिरगांव डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है  
(और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका संरक्षणात्मक आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में स्थित है, तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठग पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
हाथिए में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ऋण या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहे या, छिपाने में  
सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) श्री हेमन्त हिगाभाई पटेल।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती गुणवंती बापालाल मेहता और श्रीमती  
मोनल रोमी मेहता।

(अन्तर्गति)

(3) अन्तर्गत

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तर्गत

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
आवश्यकतापूर्वक कटौत है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उससे अधिक अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, को भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, को भी पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अपार्टमेंट नं० 401, जो, क्वीन्स डायमंड, 4थी मंजिल,  
माया परमानन्द मार्ग, चर्नी रोड, सी० एस० नं० 18, गिरगांव  
डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5851/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रमाण आर्डी. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/57887/85-अतः मुझे,  
निगार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके शीर्षक 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर्जिमेंट सं० आर्जिमेंट नं० 501, और रोज नं० 501ए,  
"ड्राइड हाउस, आफ गमाडिया रोड, बम्बई-26" है तथा जो  
बम्बई-26 में स्थित है (आप इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), शीर्षक निम्नलिखित आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सूचना  
प्राधिकारी के कार्यालय में निम्नलिखित दिनांक 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

51—126 GJ 85

(1) केजी डेव सदा (अन एफ० सी० कान्सा), अससेद  
एफ० डी० आर० एफ० डी० मिस्त्री।

(संसाधनी संग्रह चैरिटी ट्रस्ट के ट्रस्टी)

(अन्तरक)

(2) गोकुल नेवोरेटरीज (इडिया) लि०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसने अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ननुसूची

आर्जिमेंट नं० 501 और रोज नं० 501ए, "ड्राइड  
हाउस आफ गमाडिया रोड, बम्बई-26" में स्थित है।

अनुसूची नं० सं० अई-1/37-ईई/57887/85-86  
और जो पत्र प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निगार अहमद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एन. एन.

(1) श्रीमती गिरीशदाई हुलेगाव विरानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महेश्वर जेठवाली टोपीवाला

(अन्तरिती)

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6122/84-85—अतः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 65, जो, 5वीं मंजिल, नौरोज मनोर, इस्माइला को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, बायखला बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-4-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्वोक्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या वस्तु वास्तविकों का निम्न भारत में आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्होंने इसे वास्तविकों के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 90 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहमनाक्षरी के पास लिखित में किहू भी सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

प्लॉट नं० 65, जो, 5वीं मंजिल, नौरोज मनोर, इस्माइला को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, बायखला, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जिस कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5780/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985

मोहर :

रक्षक बाई. टी. एच. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भास्कर चरणदास

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० एच-1/37-ईई/6334/84-85--अतः सूची,  
निर्धार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम तथा धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रकाशित की गई है) के द्वारा  
269-ब के अधीन सूचना प्रकाशित करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रतिफल सं० एच-1/37-ईई/6334/84-85, जो, 4था मंजिल, आवासीय हाउस, 60/62, बुडहाउस रोड, बम्बई-5 में तथा जो बम्बई-5 में स्थित है (आवासीय आवासीय अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है), का मालिक बसन्तदास आवासीय अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सूचना प्रकाशित करने के कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विजय कुमार गुप्ता

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप चन्द्रकाश्याम जीमती अरुणा चन्द्रकाश्याम  
(अन्तरिती)

को यह सूचना बाई करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाही करा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षणिक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्वाताकारी के पास लिखित में किए गए हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ़ैलट नं० 405, जो, 4थी मंजिल, आवासीय हाउस, 60/62, बुडहाउस रोड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची के धारा 1 के अन्तर्गत नं० एच-1/37-ईई/5960/85-36 और जो सूचना प्रकाशित, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निर्धार अहमद

सहायक आयकर अधिकारी

(निरीक्षण)

अर्जुन रेज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैटर्स जंगानी विल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहम्मद इनाब और मोहम्मद अमीन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरकों।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6704/84-85-अतः मुझे।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायी सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो, 1वीं मंजिल, सोनावाला  
अपार्टमेंट, 13/15, अरब लेन, बाण्टी रोड, बम्बई-8 है तथा  
जो बम्बई-8 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल न के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, जबकि दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो, 1वीं मंजिल, सोनावाला अपार्टमेंट,  
13/15, अरब लेन, बाण्टी रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/14806/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985

मोहर :



प्राख्य आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रामाधर शंकर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती भानुमती पी० मेहता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश नं० आई-37-ईई/5936/85-86—अतः मुझे,  
निम्न अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'सर्वतः अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैफ्लैट नं० 64, जो बी-इमारत, हायवे अपार्टमेंट, मायन  
(पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका अधिनियम 1961 का अधिनियम 1961 की धारा  
269-घ के अधीन बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-85  
में रजिस्ट्री किया गया है।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, भिन्ननिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध से वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
कोई/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 17) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए। निम्नानु-  
सार के लिए;जब जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उचित :—

उक्त सम्पत्ति के लब्ध के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सके।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 64, जो, बी-इमारत, हायवे अपार्टमेंट, मायन  
(पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।अनुसूची जिसका क्र० नं० आई-1/37-ईई/5936/85-86  
और जो सूचना प्राप्तिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-85  
को रजिस्ट्री किया गया है।

निम्न अहमद

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5251/84-85-अतः मुझे,  
मिसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 24, जो, हिंदू माना कट पिस क्लोथ मर्चेन्ट्स  
सोसाइटी लि०, टाटा मिनराल्स एंड, डा० आंबेडकर रोड, दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14  
में स्थित है (और इसमें अधाबद्ध अनुसूची में प्रा पूर्ण  
रूप में वर्णित है), और जिसका संपत्ति अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई सक्षम सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में दर्ज है (नं० 18-4-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से फल के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त कोई कर देना या अन्तरक के अन्तरक के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माहेन्द्रराव ओन्कारा (पोलाडिया)

(अन्तरक)

(2) श्री हिंश पोटाण छेडा और मास्टर मुकेश  
पोटाण छेडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
पक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 24, जो, हिंदू माना कट पिस क्लोथ मर्चेन्ट्स  
सोसाइटी लि०, टाटा मिनराल्स एंड, डा० आंबेडकर रोड,  
दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई/5836/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

मिसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

माहिर :

प्रत्यक्ष रूप से टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-I/37-ईई/6096/84-85—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 19, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप० सोसाईटी लि०, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टोकरणी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या दायित्व के अन्तरण, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किन्तु जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विद्यावती जे० ससिन

(अन्तरक)

(2) मैक्स शर्मथ कारपोरेशन

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

माला नं० 19, जो, प्रकाश इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-आप० सोसाईटी लि०, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टोकरणी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-I/37-ईई/5751/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच.

(1) श्री इमरति : अन्तर्गत

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

(2) विमूर्ति द्वारा प्रयोजित

(अन्तर्गति)

नियम संख्या

की यह सूचना धारा 269-ख के अधीन सूचना के अन्तर्गत  
कार्यवाहियों करता है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

बम्बई, दिनांक 9 दिसम्बर 1985

निर्देश सं. अई-1/37-ईई/6335/84-85—अन्तः मुझे,

निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं. प्लेट नं. 205, जो, अन्तराली मोसायटी,  
3, लनिफाबाद, जेम्माई वाडिया रोड, परेल, बम्बई-12  
में स्थित है (श्रीर इनके उपायव्य अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिनका कार्यालय आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित

सक्षम प्राधिकारी का कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-4-1985  
को सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और उन्हें यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित सूचकेय से उक्त अन्तरक निर्धारित हो  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

उक्त सूचना के अन्तर्गत के सूचना के खोज भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि में सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि में भी  
सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत  
सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिनों के भीतर सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत  
सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत सूचना के अन्तर्गत

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, उनके अर्थ के अनुसार उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक में है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यवाह में कमी करने या उससे बचने में सूचना  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अधिनियम अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता था कि या, जिनके में  
सूचना के लिए;

प्लेट नं. 205, जो, अन्तराली मोसायटी, 3, लनिफाबाद  
जेम्माई वाडिया रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-1/37-ईई/5963/85-  
86 और जो सूचना प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-85  
को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अन्तर्गत-1, बम्बई

अन्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख के अन्तर्गत  
अन्तः उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की धारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित सूचनाओं, तथातः:-

तारीख : 9-12-1985

मोहर :

प्रकल्प. भाई. टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6287/84-85—अतः सूत्रे,  
मिसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 9 जो 1ली मंजिल श्री जगदीश  
निवास को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 198,  
सायन (पूर्व), बम्बई-22 में

स्थित है (और इनमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 18-4-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूत्रे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
62-426 GI/85

(1) श्री पी० यू० श्रीनिवास।

(अन्तरक)

(2) श्री शांतीलाल बी० शाहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 9, जो, 1ली, मंजिल, श्री जगदीश निवास को-  
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 198, सायन (पूर्व),  
बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5867/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

मिसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985

मोहर :

प्रत्येक बार, टी. एन. एस.

(1) श्री रामनाथ नागदेकर।

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती तन्दीवी जी० शेट्टे

(अन्तरिणी)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6086/84-85—अनः मुझे,  
निसार अहमद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 313, जो, इमारत नं० 20,  
इंडस्ट्रियल को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्रभादेवी,  
बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भाषाकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उक्त वसूल से लाभान्वित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिधियों  
को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए।

इस एवं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्तु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के बन्धाय 20-क में परिभाषित  
हैं वही बर्ण होगा जो उस बन्धाय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 313, जो, इमारत नं० 20, इंडस्ट्रियल को-  
ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्रभादेवी, बम्बई 25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5756/85-86  
और जो क्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985  
सांहर :

प्रकृष बाई १ टी. एन. एस.-----

(1) श्री हराखचन्द राधजी देवीया।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) बसन्तकुमार बी० गुप्ता और बाई० बी० गुप्ता  
(अन्तरिस्ती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6278/84-85--अतः मुझे,  
निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्लेट नं० ई-102, जो, बिना अपार्टमेंट,

1ली मंजिल, सिवरी, बम्बई-15 है तथा जो बम्बई-15 में स्थित है  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक  
पचास नया प्रतिफल, निम्नलिखित अङ्कदेश से उक्त अन्तरण  
क्रियुक्त में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तया  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० ई-102, जो बिना बिना अपार्टमेंट, 1ली मंजिल  
सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5859/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती निर्मला पी० कनाकिया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6215/84-85---अतः मुझे,  
निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, तल माला, रेखा, 82,  
आर० ए० कीडवाई रोड, बम्बई-31 है तथा जो बम्बई-31 में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(2) श्रीमती मृदुला प्रतापराय गारोडिया और श्री  
मुकेश प्रतापराय गारोडिया।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, तल माला, रेखा, 82, आर० ए० कीडवाई  
रोड, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/37-ईई-5906/85-  
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 11-12-1985  
मोहर।



**प्रत्यक्ष बिक्री की प्रणाली**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

आयसिध, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6252/84-85-अतः मुझे,

निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो, हिंद-माता कट पिस ब्लॉक मर्वेन्टस,  
सोसाइटी लि०, टाटा मिल कम्पाउन्ड, डा० आंबेडकर  
रोड, दादर (मध्य रेलवे) बम्बई-14 है तथा जो बम्बई-14 में  
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्टर्ड है तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उक्त दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का  
बहुल प्रतिफल अधिक है और बंधक (बंठरकी) और  
बंधारिणी (बंठरितियों) के बीच ऐसे बंधन के लिए कम  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंधन  
विशेष में वास्तविक रूप से अधिष्ठ नहीं किया गया है :-

(क) बंधन से हुए किसी बाय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कटु होने की अन्तरक के  
कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी बंधन या अन्य कारित्वों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
की लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
नहीं, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, बम्बई :-

- (1) श्रीमती लक्ष्मीबाई एल० ओस्वाल (पोलाडिया)  
(अन्तरक)
- (2) श्री पोपटलाल डी० छडा और श्रीमती मणिबेन  
पोपटलाल छडा।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बंधन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बंधन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाध में बनाया होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो, हिंद-माता कट पिस ब्लॉक मर्वेन्टस  
सोसाइटी लि०, टाटा मिल कम्पाउन्ड, डा० आंबेडकर रोड,  
दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5837/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-85  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985

मोहर :

**अन्वय भाई, टी. एन. एच.**

**भाषाकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**सहायक आयुक्त**

आयुक्त, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6130/84-85-अतः मुझे, निसार अहमद,

भाषाकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिप्टे एचवी इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिप्टे एचवी बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अपार्टमेंट नं० 302 और गैरेज नं० 302ए, "व्हाइट हाउस", आफ गमाडिया रोड, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयुक्त अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवशता करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन यह देने के अन्तरक के वास्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी क्ष या अन्य वास्तियों को, चिप्टे भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया गया चाहिए या, विधान में सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णात् :—

(1) श्री एफ० के० पंडाय (अब एफ० के० कांगा), जे० एफ० बोगा और एफ० जे० मिस्त्री (सोराबजी कांगा चैरिटी ट्रस्ट के ट्रस्टी)।

(अन्तरक)

(2) ग्लासो लेबोरेटरीज (इंडिया) लि०।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियां।

(यह व्यक्ति, सके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ।

**अन्तः संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—**

(क) इस सूचना के साक्षपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**समाप्तिकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विरक्त गया है।

**अनुसूची**

अपार्टमेंट नं० 302, और गैरेज नं० 302ए, जो, "व्हाइट हाउस", आफ गमाडिया रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5788/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 10-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री पी० के० भागवार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कौमिक के० बाघार

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/6221/84-85—अतः मुझे,  
निम्नार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 63, जो, मंत्री कार्नेर को-आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, सयानी रोड, बम्बई-25 है तथा जो  
बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त वर्णित के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए बन्दरिस्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त वर्णित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के  
एक प्रतिलक्ष से अधिक है और बन्दरिस्त (बन्दरिस्तों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
प्राप्त।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भण्ड या अन्य वास्तविकता  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा  
की जाए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 63, जो, मंत्री कार्नेर को-आप० हाउसिंग सोसायटी  
लि०, सयानी रोड, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5912/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 11-12-1985  
मोहर :

प्रमुख भाई, टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स प्रमोद इंडस्ट्रियल कारपोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम रंगटा और श्री रमेश कुमार रंगटा  
(अन्तरिती)(3) अन्तरितियां  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ई/6386/84-85—अतः मुझे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अवसर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कार्यालय प्रमायसेस नं० 310, जो जाली  
भवन नं० 1, 10, न्यू मराठी लाईन, बम्बई-20 है तथा  
जो बम्बई-20 में स्थित है (और इसमें उपाय्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-4-85  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, बड़े दृश्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कार्यालय आयकर नं० 310, जो, जाली भवन, नं०  
1, 10 न्यू मराठी लाईन, बम्बई-20 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/5880/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 12-12-1985

मोहर :

## प्रकट बाई-टी.एन.एन. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बम्बई

व दिनांक 11 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6141/84-85—अतः मुझे  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ध  
श्री रजिस्ट्री सं० फ्लैट नं० 108, जो, 1ली मंजिल, सि  
अपार्टमेंट को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सीटीआय के  
सामने, चुनाभट्टी, बम्बई-22 है तथा जो बम्बई-22 में स्थित है  
(और इसमें उपावृद्ध अनुभूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है तारीख 2-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रखमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके रखमान प्रतिफल से, ऐसे रखमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में  
भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और या

(ख) एक किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रसंगिक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
53—426 GI/85

(1) श्री कृष्णन रामास्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० पुरुषोत्तमन और श्री आर० एम०  
दासन ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 108, जो, 1ली मंजिल, निधू अपार्टमेंट को-  
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सीटीआय के सामने, चुनाभट्टी  
बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5793/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-4-85 को  
रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज I, बम्बई

तारीख : 11-12-1985

संहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज : रीज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6185/84-85—अतः सूत्रे

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिवकी सं० कार्यालय नं० 307, जो, अरुण कमर्शियल को-ऑप० सोसाइटी लि०, ताडदेव मेन रोड बम्बई-34 है तथा जो बम्बई 34 में स्थित है (श्रीर इससे उभावद्ध अनुसूची में श्रेष्ठ पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिवका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई निवासी तथा प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नृसिंह प्रणालाल खेरी

(अन्तरक)

(2) श्री कनयो दाम दादाजी अष्टनाथार श्रीमती हरिष्मा गेंडाल अष्टनाथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 307, जो, अरुण कमर्शियल को-ऑप० सोसाइटी लि० ताडदेव मेन रोड बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5833/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज : रीज-1, बम्बई

दिनांक : 12-12-1985

माह :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोड-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 डिसेम्बर, 1985

निर्देश सं० आई-1/37-ईई/5357/84-85-अन: मसे  
विभाग अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० प्लॉट नं० 61, जो, मातृ मन्दिर, 16वीं  
मंजिल, 278, ताडदेव रोड, बम्बई-7 है तथा जो बम्बई-7 में  
स्थित है (श्रीर उक्त उतावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धणि  
है), श्रीर जिसका पञ्चरत्नामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 23-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन अन्य जास्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्रीमती पुष्पाबेन हनुमुखराय शहा  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती पार्वती किशोर दाशी और श्री किशोर  
तुलसीदास दाशी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 61, जो, मातृ मन्दिर, 16 वीं मंजिल, 238,  
ताडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/37-ईई/5932/85-86  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-1985  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसान अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रोड-1, बम्बई

तारीख : 12-12-1985  
मोहर :

रूप आई.टी.एच.एस. -----  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5199/84-85—अतः मुझे  
 निम्न अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की सं० फ्लैट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, बी-2 विंग,  
 गोल्ड काईन प्रमायसेम को-ऑप० सोसाइटी लि०, 35/35ए,  
 श्रीरजिस्की सं० फ्लैट नं० 503, जो, 5वीं मंजिल बी-2,  
 विंग, गोल्ड काईन प्रमायसेम को-ऑप० सोसाइटी लि०, 35/  
 35ए, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में है तथा जो बम्बई-34 में स्थित  
 है (श्रीरजिस्की सं० अनुसूची में श्रीरजिस्की सं० के अन्तर्गत है),  
 और जिसे आकरातामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
 269-ग के अधीन बम्बई द्वारा राजस्व प्राधिकारी के कार्यालय  
 में रजिस्ट्री है तारीख 9-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
 प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मिस्त्री विनायक एच०, श्री मिस्त्री मनसुख एच,  
 और श्री मिस्त्री मनहरलाल एच  
 (अन्तरक)
- (2) श्री रजनीकांत जे० वारा और श्री जगमोहनलाल डी  
 वारा ।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
 निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

**बम्बई**

फ्लैट नं० 503, जो 5वीं मंजिल, बी-2 विंग गोल्ड काईन  
 प्रमायसेम को-ऑप० सोसाइटी लि०, 35/35ए, ताडदेव रोड,  
 बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/37-ईई/5834/85-86  
 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-85 को  
 रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्न अहमद  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख : 12-12-1985

मोहर :



प्रकट नम्बर टी. एच. एच. 1/84

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-1/6296/37-ईई/84-85—अन: मुझे,  
निसार अहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदधातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, पूरुम  
अपार्टमेंट्स, सी-ब्लॉक, डा० एनी बेसेंट रोड, बंगली, बम्बई-  
18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उल्लेख,  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित प्रथम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है  
तारीख 18-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निर्मालीकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
गोपनीय रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य मास्तिकों  
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, क्लियर में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बम्बई—

(1) श्री दिनेश प्राणलाल सोनी और श्रीमती स्मिता  
दिनेश सघानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप नाथलाल संघवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी अपील—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, पूरुम अपार्टमेंट्स, सी-  
ब्लॉक, डा० एनी बेसेंट रोड, बंगली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ईई/84-85 और जो  
सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-12-1985

पं. नं० :

## प्रकरण आई. टी. एच. एच. एच.

(1) मेमर्स जयवंत डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हुमा ए० जहा और श्री ए० एस० गहा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-ई ई/6080/84-85---अतः

मसे निसार अहमद।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 10 वीं मंजिल, जयवंत अपार्टमेंट,  
फिल्म सेंटर, ताडदेव रोड, बम्बई-34 है तथा जो बम्बई-34  
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 अप्रैल 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यभाग  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरित करने द्वारा प्राप्त नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, 10वीं मंजिल, जयवंत अपार्टमेंट, फिल्म  
सेंटर, ताडदेव रोड, बम्बई-39 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37-ई० ई०/5748/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार् अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-12-1985

मोहर :

**प्रकरण आई.टी.एन.एफ.-----****आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना****भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

दिर्घ सं० आई०-1/37-ई ई/6510/84-85---अतः

मूझे, निम्नार्थ ग्रहण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी/606, जो, पुनः अपार्टमेंटम, डा० अनी बेसेंट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करगनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती विमला अग्रवाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री के.गरी चंद बाबलदाम गहा, गिरीश के० गहा, जनीन के० गहा और जयेश के० गहा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**समाप्ति:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० डी-606, जो, पुनः अपार्टमेंटम, डा० अनी बेसेंट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई०-1/37-ई ई/6058/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निम्नार्थ ग्रहण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-12-1985

प्रथम भाग, टी. एन. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई०-1/37 ई० ई०/6109/84-85—अतः

मुझे, निम्न अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेमेंट नं० 3, जो, ताडदेव एग्रर-कंडिशनड  
मार्केट, ताडदेव रोड, बम्बई-34 है तथा जो बम्बई-39 में  
स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 अप्रैल 1985,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
संश्लेष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चिनोद डी० मेहता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वती वि० बन्दरेजा ।

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स युनिवर्सल इंटर्प्र्रायजेस ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बेमेंट नं० 3, जो, ताडदेव एग्रर-कंडिशनड मार्केट, ताडदेव  
रोड बम्बई-39 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई०-1/37-ई०ई०/5767/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-12-1985

मोहर :

अन्तर्गत, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-ई०ई०/6371/84-85---प्रतः सूचे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विधायक करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी/607, पुनम अपार्टमेंट्स, 6वीं  
मंजिल, डा० अनी बेसेंट रोड, बरली, बम्बई-18 है तथा जो  
बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उपाकृष्ट अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
20 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त स्थिति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उच्चमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच छोटी अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में आयी करने या उससे अन्योन्य से संबंध  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कारित्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किन्हीं अन्य कारणों से, छिपाने में  
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
के, के, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

54—426 GI/85

(1) श्रीमती आर० ए० कोथावाला।

(अन्तरक)

(2) कैलाश को० मधवी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिशेष में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हितवद्द  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-ग में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० डी/607, जो, पुनम अपार्टमेंट्स, 6वीं मंजिल,  
डा० अनी बेसेंट रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई०-1/37-ई०ई०/5891/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
20-4-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12-12-1985

महूर :

प्ररूप आई.टी.एन.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-ईई०/6191/84-85—अतः मुझे,  
मिस्तर अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन जिसका सी० एस० नं० 319, भुलेश्वर  
डिविजन, दारुवाला इमारत 36/44, वेल्फेयर स्ट्रीट, घोबी  
तलाव, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उभावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
दिनांक 9 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
दायित्व में करने या उससे बचने में सक्षम  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अवयव या किसी धन या अन्य आस्तिये  
या जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री परवेश एम० शेठभा ।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रशेखर शेटी ।

(अन्तरिती)

(3) भाडूत ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सी० एस० नं० 319, भुलेश्वर डिविजन,  
दारुवाला इमारत, 36/44, वेल्फेयर स्ट्रीट, घोबी तलाव,  
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई०-1/37-ईई०/5829/  
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
9-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मिस्तर अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 12-12-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सत्यदेवी एन. निराधारीया ।

(अनारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन. सी. चव्वा (डि. ए. कु.)।

(अनारक)

(3) मेडम गुपिन कान. कार्पोरेशन ।

(वत बाँक, शिक्षा अधिनियम में सम्पत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश नं० आई०-1/37-ई०/6188/84-85—अतः मुझे,  
निसार अहमदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्रीम. जिसकी नं० गोडाउन नं० 4ए, जो, तल माता, 85, मोदी  
स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1 है तथा जो बम्बई-1 में स्थित है (जो  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
श्रीम. निराधारीया कायस्थान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी का कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 अप्रैल 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किराई धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

गोडाउन नं० 4ए, जो, तल माता, 85, मोदी स्ट्रीट, फोर्ट,  
बम्बई-1 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० नं० आई०-1/37-ई०/6371/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
2-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 12 दिसम्बर 1985

माहूर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-ईई०/1189/84-85—अतः सुजे,

निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गोडाउन नं० 4बी, जो, तनमाका, गिटी सर्वे नं० 1068, 85, मोदी स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-21 में तथा जो बम्बई-21 में स्थित है (आप इनमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका परामर्शमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सूचना प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 9 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वारंश, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में, जो अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजबेन एन० विशारीया ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एन० पिपा (ई० अ० कु०)

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स सुप्रिम फोर कर्पोरेशन ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अधीन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं को छोड़ा जा उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गोडाउन नं० 4बी, जो, तनमाका, गिटी सर्वे नं० 1068, 85, मोदी स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-21 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई०-1/37-ईई०/5827/85-86 और जो सूचना प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-4-1985 को रजिस्ट्री दिया गया है ।

निसार अहमद

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 12-12-1985

मोहर :



प्रारूप भाषा. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-जी/5215/85-86—अतः, मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन का ज़िन्दा, इसारन के साथ, जो,  
बाणगंगा रोड, बाणकेश्वर, न्यू मूर्वि नं० 1/7241 और सी० सर्वे  
नं० 104, मनवार और खत्राला हिल डिपार्टमेंट बम्बई हेतु तथा जो  
बम्बई में स्थित है (यदि इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीरार्त अधिपतारी के कार्यालय, बम्बई  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 6 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कांथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम 2—

- (1) श्री ईश्वरजी व. आर० राव, भवानंद व. आर० राव,  
शिवनंद व. आर० राव और कामनंद व. रामराव राव।  
(अन्तरक)
- (2) श्री प्रफूलचन्द्र कर्मकर, श्रीमती जे० पी० कर्मकर,  
एस० पी० कर्मकर, श्रीमती प्रमोदी उमा एस० कर्मकर।  
(अन्तरिती)
- (3) श्री एस० पी० कर्मकर, श्रीमती कर्मकर, श्री रसीकलाल।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिसूचना में सम्पत्ति है)
- (4) अन्तरिती।  
(वह व्यक्ति, जिसके भाग में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह संपत्ति में द्विगुण है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में होतबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेज ग० काम०-1325/84 और जो,  
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-12-1985  
संहर :

प्रारूप बाह्य. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (ग) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-जी/5216/85-86-अतः ससे,

निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
प्रारूप पर्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18, जो, गमाडिया इस्टेट, 24/26,  
पंत मदन मोहन मालवीय रोड (ताडदेव रोड), सी० सर्वे नं०  
14/738 (अंश), मलबार और खंबाला हिल डिविजन, बम्बई  
में स्थित है (और इसी उल्लेख अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 1 अप्रैल 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरांतरियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नीरोसजी जहांगीर माडिया।

(अन्तरक)

(2) रोच प्रोडक्ट्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2398/84 और जो, उप  
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :

अध्याय आठ, टी. एन. एन.

वायवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## सहायक वायवर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई०-I/37-जी/5217/85-86—अतः मझे

निसार अहमद  
निसार अहमद

वायवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
छोटे पत्रात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विपदास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, जो, समाडिया इस्टेट, 24/26  
पंत मदन मोहन मालविक रोड (ताडदेव रोड), सी० एस० नं०  
14/738 (अंश), मलबार और खंडाला हिल डिविजन, बम्बई  
में स्थित है (और इसमें उदात्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 1 अप्रैल 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के समयमान  
प्रतिफल के लिए सम्पत्ति की मूल्य है और इसके लिए विपदास  
करने का कारण है कि ब्याप्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी  
(अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय बाधा गया प्रो-  
पस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक निमित्त से वास्तविक  
मूल्य में कटौत नहीं किया गया है—

(क) अंतरक से हुई किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दान के अंतरक की सीमा  
से कमी करने या उसके करने में बाधा के लिए  
नौर/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय वायवर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें या अधिनियम  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री श्रीरामजी कृष्णदास गजपति और एस० जी०  
गजपति

(अन्तरक)

(2) श्री प्रोफेसर सिमिटेड

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरिणी

(यह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि में, तत्कालीन कार्यवाही पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
सूचना को उचित बाजार मूल्य

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति को निम्नलिखित  
किसी अन्य अधिनियम द्वारा अधिनियमकारी के पास  
निमित्त को किताब में प्रकट

स्वीकृति :—इसने प्रत्यक्ष तथ्यों और तथ्यों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ष हुआ जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि चिह्न सं० 2399/84 और जो, उप  
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद  
सहायक वायवर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रॉय-I, बम्बई

दिनांक : 10-12-1985  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) आमतौर पर गुलामाना।

(अन्तरक)

बाबबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) समस्त राज बिल्डर्स।

(अन्तरिक)

भारत सरकार

(3) श्री कलन कर्णेलाल गुज्जरा, अशोक बे० गोलवाती,  
और मिना आई० शाह।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई० टी/37-जी/5219/85-86---अनः सूत्रे,  
निसार अहमद

बाबबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 472, जो, फोर्ट डिब्रिजन, एनार्ड  
नं० 1496, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें  
उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दायित्व प्रतिफल से ऐसे दायित्व प्रतिफल का  
पंचदश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) व बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में प्रकट नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण सं है किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे कि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन---  
55-426 GI/85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताब्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूचा

अनुसूची जैसा कि विलेज सं० वाम-316/81 और जो,  
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धारा रेंज-1, बम्बई

दिनांक 10-12-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एम. एम.-----

लाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## नगर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई०-1/37जी/5220/85-86—अनः मुझे,  
निसार अहमद

लाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन के साथ डमरन "स्वतंत्र सदन" जो  
दादर जिसका प्लॉट नं० 78, दादर-माटुंगा (दक्षिण) इस्टेट,  
स्कीम नं० 5, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 26  
अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से, ऐसे दायित्व प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय लाभकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बाई इन्द्राबाई सुंदरराव आठवले ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनंदा एम० पाटकर ।

(अन्तरिणी)

(4) मेसर्स गुब्बी बिल्डर्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विधेय सं० 976/1983 और जो, उप  
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-जी/5222/84-85-अतः मुझे,  
निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जो, इमारत के साथ,  
कामाठीपुरा, 10वीं लेन, हाउस नं० 26, सी० एस० नं० 490,  
भायखाना डिवाजन, बम्बई-8 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
30 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शरद माधवराव गांगला, श्रीमती, विलावती  
माधवराव गांगला, शोभा शरद गांगला, स्वाती शरद  
गांगला, नीरज शरद गांगला, सुमन माधवराव गांगला,  
और श्रीमती हेमलता दत्तात्रय सलवार ।

(2) सुरेश हीरालाल शाह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विवेक सं० बाम०-2342/83 और जो,  
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० आई०-1/37-जी/5223/85-86-अतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वान करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 95 (उत्तर), जो, भाउदाजी रोड,  
स्कीम नं० 6, दादर माटुंगा इस्टेट, सी० एस० नं० 421/10,  
माटुंगा डिविजन बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20  
अप्रैल 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बोला रमानाई कामथ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जया शांतीलाल गाडा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और भाड़न ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विवेक सं० 1669/84 और जो, उप  
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-12-1985

मोहर :



प्रकट जाहें, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1985

निर्देश सं० अई०-1/37-जी/5224/85-86--प्रतः मुझे,  
निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पी० एफ० नं० 590, टी० पी० एम० नं० (4)  
माहीम जिसका सी० एम० नं० 1130, लोअर परेल डिविजन,  
बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 23 अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
आम्नेतिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

- (1) दि हिन्दुस्तान स्पिनग एंड निगिंग मिल्स लिमिटेड।  
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स नवकेतन प्रापर्टीज प्राईवेट लि०।  
(अन्तरिती)
- (3) अन्तःकों।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 724/बाम०/85 और जो,  
उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-4-1985 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

निसार अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक 10-12-1985  
मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 7th November 1985

No.A-32013/2/85-Admn. I. —The President is pleased to appoint the following permanent Grade 1 officers of the CSS included in the Select list for Selection Grade for the year 1984, as Deputy Secretaries on *ad-hoc* basis in the office of the Union Public Service Commission for a further period of three months as shown against each :—

Sl. No.	Name	Sl. No. in Select List	Period
1	2	3	4
1.	Shri Kishan Singh	13	1-9-1985 to 30-11-1985
2.	Shri Jit Singh	19	1-10-1985 to 31-12-1985

The 15th November 1985

No. A-19014/2/84-Admn.I.—Consequent on their having been selected for appointment to the post of Administrative Officers in Delhi Electric Supply Undertaking on deputation on foreign service terms in the pay scale of Rs. 1400—2100 for a period of one year, the services of S/Shri Tarlok Singh and Y. R. Gandhi, Under Secretaries of Union Public Service Commission are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the forenoon of 15th November 1985 with instructions to take up their new assignment immediately thereafter.

The 28th November 1985

No. A-19013/P/758-Admn.I.—Consequent upon his reversion to his cadre post from the deputation post of Director in the Central Hindi Training Institute under the Department of Official Language, New Delhi, Shri N. K. Soni has assumed charge of the post of Under Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from 15-11-85 (FN).

The 4th December 1985

No. A-32014/1/85-Admn.III.—Consequent on his return from the State Executive Training, the President is pleased to appoint Shri D. Sivarajan a regular Section officer of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officer on *ad-hoc* basis in this office w.e.f. 25-11-85 (FN) to 31-12-85.

2. Shri D. Sivarajan shall draw a special pay @ Rs. 75/- p.m. in terms of Department of Personnel and A. Rs. (now Department of Personnel and Training) O.M. No. 12/1/74. CS(I) dated 11-12-75.

The 6th December 1985

No. P/955-Admn.I(Vol.II).—Consequent upon his selection for appointment as Director in the scale of Rs. 2000—2250 in the Department of Mines, Shri B. Das Gupta, (CSS), Deputy Secretary is hereby relieved of his duties in the office of the Union Public Service Commission with effect from 6-12-85 (FN) with the instruction to take up his new assignment in the Department of Mines.

The 11th December 1985

No. A-33012/1/84-Admn.III.—Consequent upon his having been relieved from C.S.S. officers State Executive Training in Kerala State w.e.f. 8-11-85, Shri D. Sivarajan, Section Officer of C.S.S. cadre of Union Public Service Commission has reported for duty w.e.f. 25-11-85 (FN) after availing joining time as admissible under the rules.

The 13th December 1985

No. P.2747/Admn.III.—Consequent on her selection for P&T Accounts & Finance Service (Group 'A'), Kum. Mridula Sinha, a Probationer Section Officer of the Civil Services Examination, 1983, belonging to the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, is relieved of her duties in this office on the forenoon of the 16th December 1985.

M. P. JAIN  
Under Secretary (Per. Admn.)  
Union Public Service Commission

## CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 30th December 1985

No. 2/22/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Kanwal Nain, a permanent Assistant of this Commission, as Section Officer in this Commission on *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—1200 with effect from the forenoon of 17-12-1985 for a period of three months.

No. 2/22/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Gambhir Singh, an Assistant of the Central Vigilance Commission as Section Officer in the Central Vigilance Commission on *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—1200 with effect from the forenoon of 17-12-85 for a period of 46 days.

MANOHAR LAL  
Under Secretary (Admn.)  
for Central Vigilance Commissioner

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st January 1986

No. E-28015/1/85-Pers.II.—Consequent on his retirement on superannuation from Govt service, Shri R. Balasubramanyam relinquished charge of the post of Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force HQrs., New Delhi in the afternoon of 31st December 1985.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Director General/CISF

## Office of the Accountant General (Audit) I, Madhya Pradesh

Gwalior, the 23rd December 1985

No. Admn. XI/Gr. I/Promotion/AO/287—The Accountant General (Audit) : I Madhya Pradesh Gwalior has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers as Audit Officers in the officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates of their taking over as noted against them.

Sl. No.	Name	Permanent No.	Date of taking over/date of promotion
1	2	3	4
	S/Shri	01/	
1.	R.C. Sharma	338	24-9-85 F.N.
2.	D.D. Tiwari	342	26-8-85 F.N.
3.	J.L. Sharma	348	4-10-85 F.N.
4.	V. B. Sharma	350	4-10-85 F.N. (Proforma promotion under N.B.R.)
5.	R. Goswami	353	4-10-85 F.N. (Proforma promotion under N.B.R.)
6.	Dharmanand Sharma	352	4-10-85 F. N.

Authority : A. G. (Audit) : I Orders dated 5-7-1985 & 3-10-1985 No. OE XI/Gr. I/Promotion/AO/1290

M. DEENA DAYALAN  
Dy. Accountant General/ (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I  
ANDHRA PRADESH

The Accountant General (A&E), Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the undermentioned Section Officer to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date noted against her name until further orders.

Name and Date of assumption of charge

Smt. S. C. Janaki Rao—24-12-85 F/N.

The promotion order is without prejudice to the claims of her seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Deputy Accountant General  
(Administration)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT-I  
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 2nd January 1986

No. Admn.I/O.O. No. 338.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri P. N. Sehgal a permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 31st December 1985 until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Dy. Director of Audit (Admn.)

## MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HEADQUARTERS CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD

## SUBJECT RETIREMENT

No. 1/86/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation the following Officers retired from service w.e.f. 31-12-85 (A.N.):

1. Shri Satya Prasad Dasgupta. Offg. Assistant Staff Officer (Subs. and Pmt. Assistant).

2. Shri Nihar Ranjan Paul, Offg. Assistant Staff Officer (Subst. and Pmt. Assistant).

S. DASGUPTA  
Director/Admn.  
for Director General, Ordnance Factories.

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES  
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st January 1986

No. A-19011(276)/80-Estt-A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. C. Srivastava, Officiating Chemist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to Officiate in the Post of Senior Chemist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 18th December 1985.

G. C. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 26th December 1985

No. 12250B/A-32013(AO)/85/19A.—Shri Harihar Prasad, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from 18-11-85 (FN), until further orders.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)

Calcutta-16, the 26th December 1985

according to normal rules in the scale of pay of Rs. 2500-2750/- on deputation with effect from forenoon of 2-12-85.

No. 12263B/A-19011(2-BKR)85/19A.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Roy as Senior Deputy Director General (Finance) in the Geological Survey of India on pay

D. P. DHOUNDIAL  
Sr. Dy. Director General (Opn.)

## SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 30 December 1985

No. C-6288/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisional basis are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

Sl. No.	Name	No. & Date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis	Unit/Office to which posted	Dated of promotion
1	2	3	4	5
1.	Shri Dinesh Chandra Saraswat	Notification No. C-5946/707 dt. 23-4-83	No. 26 (P) Party (NC) Dehra Dun	12-8-85
2.	Shri Hira Lal Malik	Notification No. C-6002/707 dt. 28-9-83	No. 15 Party (STI) Hyderabad	11-2-85
3.	Shri Ram Kishan (SC)	Notification No. C-6038/707 dt. 17-1-84	No. 88 Party (CC) Raipur	18-5-85
4.	Shri Satish Chand Garg	Notification No. C-6038/707 dt. 17-1-84	No. 39 Party (STI) Hyderabad	3-7-85
5.	Shri S.M. Uniyal	Notification No. C-5438/707 dt. 28-11-78	No. 61 Party (C.C.) Jabalpur	18-11-85

No. C-6289/707—The undermentioned officer who was appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisional basis, is reverted to the post of Surveyor (Selection Grade) from the date as indicated against his name:—

Sl. No.	Name & Designation	No. & date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis	Unit/Office to which posted	Date of reversion
1	2	3	4	5
1.	Shri A. S. Chauhan Surveyor (Sel. Gde.)	Notification No. C-5992/707 dt. 22-8-83	No. 61 Party (C.C.) Jabalpur	1-6-85 (F/N)

G. C. AGARWAL  
Major General  
Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

## DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd January 1986

No. 4/3/85-S II.—In continuation of the Directorate General, All India Radio's notification No. 4/3/85-S II dated 20-8-85, the Director General is pleased to extend the deputation period of Shri Umakant Khubalkar, Hindi Officer, AIR Bombay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on adhoc basis for a further period of one year with effect from 31-12-85.

MOHAN FRANCIS  
Dy. Director of Admn.  
for Director General

## MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORI

Calcutta, the 26th December 1985

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta is pleased to extend the deputation period of Shri T. Vijayaraghavan, Store & Purchase Officer, National Test House, Bombay Branch, Bombay upto 31-5-86 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

Calcutta, the 26th December 1985

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta is pleased to extend the deputation period of Shri P. K. Dutta, Store & Purchase Officer, National Test House, Calcutta upto 31-5-86 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

J. M. BHATTACHARJEE  
Dy Director (Admn.)  
for D.G., National Test House,  
Calcutta-27

DEPARTMENT OF SUPPLY  
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &  
DISPOSALS  
(ADMN. SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th December 1985

No. A-1/42(32).—The President is pleased to appoint Shri M. Srinivasan, a permanent Deputy Director General (Supplies & Disposals), substantively to the post of Additional Director General (Supplies & Disposals) (Level II of Senior Administrative Grade of Indian Supply Service) with effect from 1st July, 1985.

No. A-1/42(34)III.—The President is pleased to appoint S/Shri S. V. Sundaram Iyer and B. R. Julka, permanent Directors of Supplies & Disposals, substantively to the post of Deputy Director General (Supplies & Disposals) (Junior Administrative Grade) (Selection Grade) (functional) of Indian Supply Service with effect from 1st July, 1985.

BALJEET MATIYANI  
Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 24th December 1985

No. A-1/42(25).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following officers in the substantive capacity to the post with effect from the date mentioned against each :—

S No., Name of officer & Designation, Post against which appointed substantively and Date of confirmation.

1. Shri Gian Chandra, Asstt. Director (Admn.) DI, NI Circle, New Delhi, Asstt. Director (Admn.) (Grade II), 10-4-80.
2. Shri M. D. Kulasekaran, Asstt. Director (Admn.), (Gr. II) Retired), Asstt. Director (Admn.) (Grade II), 1-8-82.
3. Shri B. K. Dana, Asstt. Director (Admn.), (Gr. II), Dte. S&D, Calcutta, Asstt. Director (Admn.) (Grade II), 2-1-83.

R. P. SHAHI  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE  
DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd January 1986

No. A.12026/5/85-MH.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Mrs. Vijay Anand to the post of Sr. Occupational Therapist at Safdarjang Hospital, New Delhi, on ad-hoc basis, w.e.f. 20-9-1985 in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) for a period of six months or till the regular incumbent of the post reverts back, whichever is earlier.

P. N. THAKUR  
Dy. Director Admn. (RR)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-40001, the 27th December 1985

Ref. No. DPS/41/1/85-Adm./4866.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy—426GI/85

Energy appoints Shri Kaliyugampill Narayana Pillai Sasi-dharan Nair, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 7-10-1985 (FN) to 20-12-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri R. S. Gaikwad Assistant Purchase Officer granted leave.

The 30th December 1985

Ref. No. DPS/41/3/85-Adm./4883.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri A. A. Shaikh a permanent Asstt. Accountant and officiating Asstt. Accounts Officer to officiate as an Accounts Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from 2-9-85 (FN) to 31-12-85 (AN) in the same Directorate.

P. GOPALAN,  
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE  
ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 18th December 1985

No. G20/1(15.4)/85-Estt-I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shri D. Radhion from the post of Scientist/Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space, with effect from the afternoon of December 04, 1985.

H. S. RAMADOS,  
Administrative Officer

MINISTRY OF TRANSPORT  
DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 2nd January 1986

No. 23-TR(7)/85.—The Director General is pleased to appoint Shrimati Aruna Sharma nee Vadlamani as Lecturer in Mathematics (Engineering in the L.B.S. Nautical & Engineering College, Bombay with effect from 1/8/85 on ad-hoc basis until further orders.

AMITABH CHANDRA  
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 3rd January 1986

No. 3-727/85-CH.Estt.—Shri D. Penchala Reddy is appointed as Asstt. Hydrogeologist, G.C.S. Group-B (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/4 on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 25-11-85 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA  
Chief Hydrogeologist & Member

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 30th December 1985

No. F 48-Ad(AT)/1985(II).—Shri S. V. Narayanan, Personal Assistant to President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1st September, 1985 vide this office Notification No. F. 48-Ad (AT)/1985, dated 13-9-1985 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of one month from 1-12-1985 to 31-12-1985.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA, President

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 3rd December 1985

Ref. No. III-1068/Acq/85-86.—Whereas, I,  
D. K. GHOSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 57, 96 Plot Nos 1254, 1255, 1262, Holding No. 625, Ward No. 25, Mouza No. 51

situated at

Jora Phatak, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dhanbad

on 2-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sardar Kuldeep Singh Bharara,  
S/o Sardar Harnam Singh Bharara,  
OF/P.S. Jharia,  
Dist. Dhanbad.

(Transferor)

- (2) Shri Gobind Kumar Bagaria,  
S/o Sri Balkrishna Bagaria  
OF/P.S. Jharia,  
Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 Katha 11½ Chhataks situated at Jora Phatak, Dhanbad and more fully described in Deed No. 3294 dated 2-4-85 registered with D.S.R., Dhanbad.

D. K. GHOSH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Patna

Date : 3-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th December 1985

Ref. No. III-1070/Acq/85-86.—Whereas, I, D. K. GHOSH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Touzi No. 229, Khata No. 544, 540, 541, Survey Plot No. 31-A 32/2055 29 (Part), Ward No. 34, Holding No. 116/306, Thana No. 7 situated at Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Alak Nanda Co-operative Housing Society Ltd.,  
Sri Gyandeo Sharma, Secretary  
S/o Sri Shukhdeo Sharma,  
Boring Road,  
Patna-1 (Bihar).

(Transferor)

(2) Miss Rekha Sachdeva  
D/o Shri Chiman Lal Sachdeva  
Mohalla—Boring Road,  
P. S. Shrikrishnapuri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3769 Sq. ft. situated at Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna and more fully described in Deed No. L-5118 dt. 6-4-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

D. K. GHOSH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Patna

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th December 1985

Ref. No. III-1073/Acq/85-86.—Whereas, I,  
D. K. GHOSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Touzi No. 229, Khata No. 544, 540, 541, Survey Plot No. 31-A 2055 29 (Part), Ward No. 34, Holding No. 116/306, Thana No 7

situated at  
Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Alak Nanda Co-operative Housing Society Ltd.,  
Sri Gyandeo Sharma, Secretary  
S/o Sri Shukhdeo Sharma,  
Boring Road,  
Patna-1 (Bihar)

(Transferor)

- (2) Anjani Kumar Grover  
S/o Late Harbansh Lal Grover  
Mohalla—Budha Marg,  
P.S. Kotwali, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3507 Sq. ft. situated at Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna and more fully described in Deed No. 1-5132 dated 6-4-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

D. K. GHOSH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bihar, Patna

Date : 3-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE.  
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th December 1985

Ref. No. III-1071/Acq/85-86.—Whereas, I,  
D. K. GHOSH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Touzi No. 229, Khata No. 544, 540, 541, Survey Plot No. 31-A  
32/2055 29 (Part), Ward No. 34, Holding No. 116/306.  
Thana No 7  
situated at  
Dhakanpura, Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta  
on 6-4-85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Alak Nanda Co-operative  
Housing Society Ltd.,  
Sri Gyandeo Sharma, Secretary  
S/o Sri Shukhdeo Sharma,  
Boring Road,  
Patna-1 (Bihar)

(Transferor)

- (2) Shri Dharma Deo Sharma S/o Shri Sukhdeo Sharma,  
Mohalla—Boring Road, P. S. Kotwali, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4484 sq. ft. situated at Dhakanpura,  
Boring Road, Shrikrishnapuri, Patna and more fully described  
in Deed No. 1-5119 dated 6-4-85 registered with Registrar  
of Assurances, Calcutta.

D. K. GHOSH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Patna

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 11th November 1985

Ref. No. IAC-Acq./CA-5/37EE/15600/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 15, Panvel Industrial Co-operative Estate Ltd. Panvel, Situated at Panvel

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Madhu Crimpers,  
26/28 Dr. M. B. Vekar Street,  
Kalbadevi, Bombay.

(Transferor)

(2) Katuri Crimpers,  
Roshamwala Market,  
28-B Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 15, Panvel Industrial Co-operative Estate Ltd. Panvel.

(Area 2722 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15600/1984-85 in the month of April 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE  
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 11th November 1985

Ref. No. IAC Acq/CA-5/37EE/965/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow No. 60 of IBS type on Plot No. 60 situated at Village, Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane Situated at Waliv (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ~~and/or~~

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Dedhia & Associates,  
Kirti Vijay, Sewri Naka,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Mrs. Bharti Manilal Haria,  
Mr. Manilal Nanji Haria,  
31/32 Silver Apartments,  
Shankar Ganekar Marg,  
Dadar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 60 of IBS type on Plot No. 60 of Bungalow situated at Village Waliv, Tal. Vasai, Dist. Thane.  
(Area 1013 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 965/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range,  
Pune

Date : 8-11-1985,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune-1, the 11th November 1985

Ref. No. IAC Acq/CA-5/37EE/847/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 1&2 on the ground floor of proposed "Mangalam" Building, situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. Situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range. Pune on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

(1) M/s Mahavi Construction Co.  
Lal godown, Vasai Road, (West)  
Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Dedhiya H. Bhariji &  
Vasanti J. Shah,  
40/41 Sangeet Sagar,  
Laxminarayan Lane,  
Matunga, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1&2 on the ground floor of proposed "Mangalam" Building situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area 1785 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 847/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Pune

Date : 8-11-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Harcharan Singh Bhatia

(Transferor)

(2) Surinder Singh

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta the 9th December, 1985

Ref. No. 1976/AcqA-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 9,  
situated at

Mayfair Road, Calcutta

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that flat in 7D, Apartment at 9 Mayfair Road, Cal. was regd. in the office of IAC Acq R-III, Cal as per form No. 37EE.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

57—426G1/85

Date : 9-12-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December, 1985

Ref. No. 1977/Acq R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 180 (AcqB) situated at R.B. Avenue, Cal. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Xar &amp; Associates.

(Transferor)

(2) Dr. Pratap Devnath &amp; other

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

All that Flat no. C-5 measuring 1196 Sq. ft. registered in the office of IAC Acq. R-III. Cal. as Per form No. 37EE.

SHAIKH NAIMUDDIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Calcutta

Date : 9-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Lodhe Services Private Ltd

(Transferor)

(2) Mannohinipur Tea Co Ltd. &amp; other

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1978/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Hare Street, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office space unit 'D' measuring 1558.74 sq. ft. at 2, Hare St. Cal. was registered in the office of IAC Acq. R-III Cal. on 1-4-85 as per form No. 37EE file)

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Calcutta

Date : 9-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Lodha Services Private Ltd.

(Transferor)

(2) Xaroi Investment Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1979/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Hare Street, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office space unit 'B' measuring 4454.12 sq. ft. at 2, Hare Street Cal. was registered in the office of IAC Acq. R-III, Cal. in 11.11.85 as per Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Calcutta

Date : 9-12-1985.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) B. S. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tarun Kanti Dutta

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1980/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 1/512A  
situated at  
Gariahat Road, Cal.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of Registering officer at  
IAC Acquisition Range-III Calcutta  
on 10-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

All that flat at 1/512A Gariahat Road. It was registered in  
the office of IAC Acq.R-III, Cal. as per Form No. 37EE filed.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 9-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Asareo Investment &amp; Trading Co. Pvt. Ltd. Madras.

(Transferor)

(2) M/s East India Commercial Co. Pvt. Ltd. of 38 Netajee Suwash Marg. Road Calcutta-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1981/Acq.R-II/1985-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1,2, 2/1 and 2/2, old Court house Corner and 23 Lal Bazar St. situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-II Calcutta on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Property of Flat No. 4D on 4th floor of premises No. 1,2,2/1 and 2/2, old court House Corner and 31 and 23 Lal Bazar st. Cal-1 was registered in the office of IAC Acq. R-II, Cal. on 1-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Calcutta

Date : 9-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1982/Acq. R-III of 1985-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1,2,2/1 and 2/2 old court house corner 21 and 23 Lal Bazar St. Calcutta-1 situated at 21&23, Lal Bazar St. Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range-III, Calcutta on 12-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Asweo Investment & Trading Company Pvt. Ltd. of 26, Pyerofits Garden Road, Madras-600 006.  
(Transferor)
- (2) M/s Chandan Commercial Company Ltd. of 38 Netajee Subhas Road, Calcutta-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 4D on 4th floor of Premises No. 1,2,2/1 and 2/2, old Court House Corner and 21 and 23, Lal Bazar St. Calcutta-700 001 was registered in the office of IAC, Acq. R-III on 1-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Calcutta

Date : 9-12-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1983/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/512A situated at Gariahat Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- |                      |              |
|----------------------|--------------|
| (1) B. S. Builders   | (Transferor) |
| (2) Mrs. Ruby Sarkar | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat measuring 727 sqft at 1/512A Gariahat Road, Cal. was registered in on office of the IAC R-III, Calcutta on 1-4-85 as per form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Calcutta

Date : 9-12-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1984/Acq.R-III of 1985-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 46, Jnderpur Central Rd. situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acquisition Range-III Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

58—426GI/85

(1) Slab Builders of 89 sarat  
Bure Rd (1st floor) Cal.-26

(Transferor)

(1) Sarin Raja Qweshri 202/12,  
Netaji Subhash Chandre Bose  
Road, Cal.-47

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property of flat No. 8, 660 Sft. of Built up area of 46 gadar pur Central Road (New No. 460308) Calcutta-32 was registered in the office of IAC, Acq. R-III Calcutta on 10-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Calcutta

Date : 9-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Madgul Udyog &amp; Other

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Digvijay Rashik Jaitha &amp; Other.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1985/Acq.R-III/85-86.—  
Whereas J. SHAIKH NAIMUDDIN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
20 at Sarcular Road, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of Registering Officer at  
IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

All that flat No. IC (Part) measuring 405 sq. ft. was  
registered in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta on  
10-4-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1986/Range-III/1985-86.—

Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401 on 4th floor of 20/1, Ashutosh Chowdhury Avenue situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Migma Pvt. Ltd.,  
of 30/1, Lansdown Road, Calcutta-20.  
(Transferor)

(2) Mrs. Meena Das Gupta  
& Mrs. Maya Sen,  
Suit No. D 8132, Ballygunj Circular Road,  
Calcutta-19.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Property at flat No. 401 on 4th floor Premises No. 20/1, Ashutosh Chowdhury Avenue Calcutta-19 was Registered in the Office of IAC, Acqn. Range-III, Calcutta on 1-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III**  
**CALCUTTA**

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1987/Acq. R-III/1985-86.—

Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

23, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acq. R-III on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Migma Pvt. Ltd.,  
 of 30/1, Lansdown Road, Calcutta-20. (Transferor)
- (2) Mrs. Maitreyee Hazra  
 C/o, Midland Nursing Home,  
 Buirpur Road,  
 Asansol-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that Property at Flat No. 41 on 4th floor 22, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19 was registered in the Office of IAC Acq. R-III, Calcutta on 1-4-85.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
 Seal :



FORM ITNS

(1) M/s. Madgul Udyog.

(Transferor)

(2) Sri Sushil Chandra Roy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1988/Acq. R-III/85-86.—

Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 176 situated at Sarat Bose Road, Calcutta-29 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5A having an area of 1800 sq ft. and one covered car parking space in the Basement at previous No. 176, Sarat Bose Road, Calcutta-29 and together with an undivided proportionate share in the land under the said building.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA**

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1989/Acq.R-III/85-86.---

Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38 situated at Lake Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 4-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. A. & A. Developments (P) Ltd.  
(Transferor)
- (2) Smt Kana Mukhorjee.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 26 on Northern side on 3rd floor of Right Block being constructed on behalf of the purchasers of the undivided proportionate share of the land of the No. 38, Lake Gardens and 32, Dr. Dandar Rehman Road, Calcutta-45 was registered by filling 37EE in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Ajanta Credit Corporation. (Transferor)  
 (2) M/s. Aakash Properties. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1990/Acq.R-III/85-86.—  
 Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, situated at Crooked Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

518 sq. ft. of office space No. G4 on first floor of 1, Crooked Lane, Calcutta was registered by filling up Form No. 37EE in the office of IAC, Acq. R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
 Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. B. S. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Neepa Bagchi Seth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1991/Acq.R-III/85-86.—  
Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
1/512 A situated at Gariahat Road, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of Registering Officer at  
IAC, Acqn. R-III on 1-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 Bedroomed flat on 3rd floor at 1/512A Gariahat Road,  
Calcutta was registered by filling form No. 37EE in the  
office of IAC, Acq. R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1992/Acqn.R-III of 1985-86.—

Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 522 at fifth floor, 43, Kailash Bose Street, situated at Calcutta-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. R-III on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

59—426G1/85

- (1) M/s. Mahesh Property (P) Ltd.,  
43, Kailash Bose Street,  
Calcutta-6.

(Transferor)

- (2) Mrs. Madhu Agarwal,  
43, Kailash Bose Street,  
Calcutta-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

All that Property one flat No. 522 on 5th floor of 43, Kailash Bose Street, Calcutta-6 was registered in the office of IAC Acqn. Range-III on 1-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Smt. Indira Debi,  
117, Muktaran Babu Street,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Mr. V. C. Sood,  
14, Guru Saday Road,  
Calcutta-19,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1993/Acq.R-III of 1985-86,—

Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/269, Gariahat Road, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

All that Property undivided share in Land at 1/269, Gariahat Road, Calcutta was registered in the office of IAC, Acq. Range-III, Calcutta on 10-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1994/Acq. R-III of 1985-86.—

Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/269, Gariahat Road, situated at Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Indira Debi,  
117, Muktaram Babu Street,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Mrs. Krishna Sood,  
14, Guru Saday Road,  
Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Property undivided half share in the free hold Land at 1/269 Gariahat Road, Calcutta was registered in the office of the IAC Acq. Range-III on 10-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. B. S. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Gita Roy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1995/Acq.R-III/85-86.—  
Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'); have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
512/A, situated at Jodhpur Park, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of Registering Officer at  
IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2, Bed roomed flat on 2nd floor of 512/A, Jodhpur Park,  
Calcutta was registered by filling form No. 37EE in the  
office of IAC, Acq. R-III, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1996/Acqn. R-III of 1985-86.—

Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52D, Ballygun Circular Road, Calcutta-19 situated at Calcutta-19

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acqn. Range-III, Calcutta on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Neelam Soft  
H1, Apsara, 67 Park Street,  
Calcutta-16.

(Transferor)

- (2) Shri Goverdhan Lal Bhugra,  
28/1, Shakespeare Sarani,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Property at 52D, Ballygun Circular Road, Calcutta-19 was registered in the office of IAC Acqn. Range-III, Calcutta on 6-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Lodha Services (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Bhalotia Foundation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1997/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Hare Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acq. R-II, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Sub-base of a portion of the roof measuring 4548.78 sq. ft. marked as unit E and F on the 5th floor. Registered on 10-4-85 in the office of the IAC Acq. R-II, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 9-12-85  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Amrita Commercial Co. Pvt. Ltd.  
(Transferor)(2) Miss Sreyesee Datta.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1998/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32/1, situated at Geriahat Road (South), Calcutta-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Eastern portion of premises No. 32/1, Geriahat Road (South) Calcutta-31 work right for construct a Flat No. & on first floor at her own cost was registered by fully form No. 37EE in the office of the IAC, Acq. R-III, Calcutta.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-85

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Amrita Commercial Co. Pvt. Ltd.  
(Transferor)(2) Sh. Narayanaswamy Balasubramaniam.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 1999/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32/1, situated at Gariahat Road, Calcutta-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. R-II, Calcutta on 10-4-1985 with the Competent Authority u/s. 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income, tax Rules, 1962 under registration No. 8987 date 10-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided and undemarcated share in the land at the proposed building at the eastern portion of premises No. 32/1, Geriahad Road, (South) Calcutta-31, with right to construct a Flat No. B on second Floor at his own cost was registered by filling Form No. 37EE in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-85  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Kalra Investors (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sarla Devi Goenka.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 2000/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 34/2A situated at B.C. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-II, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that flat measuring 438 sq. ft. was registered in the office of the IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
60—426 GI/85

Date : 9-12-85

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Damodar Ropeways Construction (P) Ltd.  
(Transferor)(2) Sushila Tikmany.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2001/Acq. R-III/85-86—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 'D' Ward undivided share in the land measuring 866 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 9-12-85

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2002/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 2, situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at LAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Damodar Ropeways & Construction Co. (P) Ltd.  
(Transferor)  
(2) Pushpa Tikmany.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 'C' measuring 866 sq. ft. and undivided share in the land.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-12-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2003/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43 Kailash Bose situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mahesh Property (P) Ltd.  
43, Kailash Bose St. Calcutta-6.  
(Transferor)
- (2) Smt. Madhu Bansal,  
140, Tarak Parmamle Road,  
Calcutta-6.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Property flat No. 222 at 2nd floor of 43, Kailash Bose St. Calcutta-6 was registered in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta on 10-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 9-12-85

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2004/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Satyam Projects.

(Transferor)

(2) Hindusthan Motors Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat No. GE in the premises of 2, Rowland Road, Calcutta was registered in the office of IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 9-12-85

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Southend Estates Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Majuli Tea Co. (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

Calcutta, the 9th December 1985

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2005/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 6, situated at Southend Park, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

All that property as per agreement which was registered  
in the office of the IAC Acq. R-III, Calcutta as per Form  
No. 37EE filed.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-12-85

Seal :

## FORM I.T.N.S.———

(1) Southend Estates Private Ltd.

(Transferor)

(2) George Williamson.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2006/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, situated at Southend Park, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property as per agreement which was registered in the office of the IAC Acq. R-III, Calcutta as per Form No. 37FE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 9-12-85  
Seal :

## FORM ITNS ———

(1) Migma (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Salil Kumar Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 2007/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 64 situated at Southend Park, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meanings as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 42 measuring 985 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269C of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 9-12-85

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) S. Swaran Singh.

(Transferor)

(2) Vinodrai Shanghvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2008/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4A situated at Roy Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
61—426 G1/85

## THE SCHEDULE

All that property registered in the office of the IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 as per agreement & Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

Date : 9-12-85  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Migma (P) Ltd.

(Transferor)

(1) Sitansu Banerjee.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA**

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2009/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39/1 situated at Lansdown Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that Flat No. E-7 1015 sq. ft.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) P. R. Rao

(Transferor)

(2) Pratul Chand Mukherjee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2010/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/1, situated at Lave Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC.Acq/R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 43/Area—1313 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 9-12-1985  
Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Mahesh Properties (P) Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh Chandra &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. Acq. R-III/5-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43 situated at Kailash Bose Street, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC.Acq/R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat registered on as agreement & Form No. 37EE Filed in the office of the IAC Acq.R-III, Calcutta on 18-4-85

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 9-12-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Pasupati Co-op. Housing Soc. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Rukshmani K. Gorsia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2012/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 62/7/1B situated at B. C. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC/Acq/R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid is more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property described in the Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Siddharta Mukherjee &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Multicon Builders Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
54, RAFT AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2013/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-17A situated at Ashutosh Chowdhary Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC.Acq/R-III, Calcutta on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that property which was registered in the office of the IAC.Acq.R-III, Calcutta on 18-4-1985 as per Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-12-1985

Sent :

FORM ITNS—

(1) Purbasa Nirman Udyog (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Arniya Kesman Sen.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2014/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17-D, situated at Ashutosh Chowdhary Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. 1/5807 at Calcutta on 19-4-1985

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 9-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Purbasha Nirman Udyog (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Dilip Kumar Roy.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III****54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA**

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2015/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17D situated at Ashutosh Chowdhary Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30th April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that property registered under Deed No. I/6433 on 30-4-1985 at Calcutta.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FOURTH PART—

(1) Damodar Ropeways & Construction (P) Ltd.  
(P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Nand Kishore Tiknany.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2016/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq.R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

All that flat 'A' measuring 1136 sq. ft registered as per 37EE Form filed.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely  
62—426 GI/85

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Demodar Ropeways & Construction (P) L'd.  
(Transferor)
- (2) Arun Kumar Periwal & Ors.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2017/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 2, situated at Rowland Road  
at IAC/Acq-R-III, Calcutta on 10-4-1985  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
IAC/Acq. Range-III, Calcutta on 6th April 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

All that flat No. 'A' measuring 2003 sq ft., registered as per  
Form No. 37EE Filed.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Amrita Commercial Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Mercy Beemer.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2018/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32/1, situated at Gorinhat Road (S)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. R-III, Calcutta on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that flat measuring 1090 sq ft, registered as per Form No. 37EE filed in this office.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Competent Authority  
Acquisition Range-III  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Amrita Commercial Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Buddhader Dasgupta &amp; Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2019/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

32/1, situated at Gariahat Road (S)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at IAC/Acq-R-III, Calcutta on 10-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by issue of this notice under  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
shall have the same meaning as given in  
that chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat measuring 1360 sq. ft. registered in this office  
as per Form No. 37EE filed,

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Kalra Investors (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Satya Bhama Gupta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2020/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25 situated at B. C. Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq.R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that property registered in this office as per Form No. 37EE Filed. Area—2585 sq. ft.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985  
Seal:

FORM ITNS 187

(1) Kalna Investors (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Kum Kum Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2021/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25 situated at B. C Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq-R-III, Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that property measuring 2892 sq. ft. registered in this office as per Form No. 37EE filed.

SHAIKH NAIMUDDIN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Indu Bahen Ajmera.

(Transferor)

(2) Dharendra Kumar  
Hariballar Jhuveri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2022/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 32 situated at Meghnad Saha Sarani, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Calcutta on 10-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—Object'ons, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

All that flat No. 10. Registered at Calcutta vide Deed  
No. 2728 dated 10-4-1985.(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16Date :9-12-85  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Bhupen Muganlal Mehta &amp; Ors.

(Transferor)

(1) Kashi Prasad Jalan.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2023/Acq.R-III/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32 situated at Meghnad Saha Sarani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 20 registered at Calcutta vide Deed No. 2727.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-85  
Sent .

## FORM ITNS

(1) Shiva Rani Biswas,

(Transferor)

(2) Ahim Kumar Ghosh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2024/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 34B situated at Sardar Sankar Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-4-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that property registered under Ded No. I 6346

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
63—426 GI/85

Date : 9-12-85  
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

(1) Asok Kumar Sahai.

(Transferor)

(2) A.F. Ferguson &amp; Co. Apcejay House.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2025/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 5, Lower Rowdon St. Calcutta situated at Calcutta Sub-Registrar of Assurance on 21-4-1985, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance on 21-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that properties one flat on 9th floor bearing Premises No. 5 Lower Rowdon St. Calcutta was Registered in the office of Sub-Registrar of Assurance on 21-4-1985 vide deed No. I-6045 dated 21-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA**

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2026/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 86, Ballygang Place situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Registrar of Assurance on 23/4/1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Anup Bose as Kash of HUF consisting of Smt. Usha Bose & others. (Transferor)
- (2) M/s Hansh Commercial Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that properties at 86 Ballygang Place was Registered in the office of Registrar of Assurance Calcutta vide deed No. 9-6089 dated April 1985.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Date : 9-12-1985

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Biman Dhar.

(Transferor)

(2) M/s. Saptasur Co-operative  
Housing Society Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta The 9th Deceber 1985

Ref. No. 2027/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Nagendra Narayan Dutta Road, situated at Tollygang, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that properties of one storied Brick built together with free hold land of 8 Nagendra Narayan Dutta Road, Tollygang was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance Calcutta in April 1985 vide deed No. 9-6006/85 dated April, 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Triwald Properties.

(Transferor)

(2) Triveni Tissue Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2028/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 225, Achariya Jagadish Ch. Bo. Road SE/A Buleygang circular Road, situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
127—416 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that properties of 1/72th Part of share of 4 bighas 15 chittaks 9 sanare feet and 3 cottahs 11 chittaks bearing Premises No. 225, Achariya J. C. Bose Road and 1A Buleygang circular Road, Calcutta was Registered at Sub-Registrar of Assurance Calcutta vide deed No. 26488 dated April 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2029/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24/2-Lake Avenue Calcutta situated at Calcutta-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance on 17-4-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Manalendra Chowdhury  
P-556 C.I.T. Scheme Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Sadanenda Kawat,  
Village Kulchanda P.O. Bhular  
Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property at 24/2, Lake Avenue, Calcutta-29 was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance Calcutta vide deed No. 9-5683 dated 17-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2030/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Surplus land of Port Commission between Diamond Harbour Rd. & Tolly's Walla situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer Sub-Registrar of Assurance on 21-4-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Arun Kr. Guha & Chhaya Rani,  
Guha of 46A, Girish Mukherjee Road.  
(Transferor)
- (2) Archuram Kill & others,  
(Sheilach) P. Ltd.,  
25/26, Stephen House 5 B.B.D.  
Bag East Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property of Port Commissioners' Surplus land lying between Diamond Harbour Road, Tolly's Nalla vide deed No. 1-6088 dated 21-4-1985 was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance, Calcutta.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2031/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43 Strand Road situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar of Assurance on 23-4-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Bhubaneswar Mullick  
Barabazar, Chin Surah  
Dist. Hooghly.

(Transferor)

(2) Cossipore Rolling Mills (P)  
Ltd. 43 Strand Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property or Parcel of land measuring 4 cottahs more or less with 5 storeyed Brick Built building of 43 strand Road was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance, Calcutta vide deed No. I-6033 dated 23rd April 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2032/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 61E Sarat Bose Road, Calcutta situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar of Assurance on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
64—426 GI/85

- (1) Amarendra Nath Mitra  
61C & 61D Sarat Bose Road, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Jagat Nath Agnewalla & Ors.  
194 S.P. Mukherjee Road, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property at 61E Sarat Bose Road of P.S. Bhawanipur, Calcutta was registered in the office of Sub-Registrar of Assurance vide deed No. 1-5671 dated 17-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Calcutta

Date : 9-12-85,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2033/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vasundara 2/7 Sarat Bose Road situated at Calcutta-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar of Assurance on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Vasundara Properties (P) Ltd.  
8, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferor)

- (2) Esbi Transmission (P) Ltd.  
8, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property at Vasundara Office, Space No. 2 on 7th floor of 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20 was Registered in the Office of the Sub-Registrar of Assurance Calcutta on 6-4-85 vide deed No. I-5149.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kldwai Road  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 9-12-85  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Vasundara Property (P) Ltd.,  
8, Camac Street,  
Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Esbi Transmission (P) Ltd.,  
8, Camac Street,  
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2034/Acq. R-III/1985-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, Sarat Bose Road situated at Calcutta-20 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar of assurance on 6-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Property at 'Vasundara' office Space No. 1 on 7th floor of 2/7, Sarat Bose Road was Registered in the office of Sub-Registrar of Assurance, Calcutta on 6-4-1985 vide deed No. I-5150.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 9-12-85  
Seal :

FORM ITNS

(1) S. C. Nag Biswas,  
18, Jodepur Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) The Backtarpur Co-operative  
Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2035/Acq.N-R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18, Jodepur Park situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar Alipore on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Properties at 18, Jodhpur Park Calcutta-68 was Registered in the office of Sub-Registrar, Alipore, 24 Parganas vide deed No. 2953 dt. 17-4-85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-85  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2036/AcqN.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12, Rowland Row situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (19 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar of Anurana on April, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Chandra Kanta Nayar,  
15-C, Park Street,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Gayanto Kumar Prabhu Das & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Properties of one flat No. 1A on 1st floor of 12 Rowland Row Calcutta was Registered in the office of Sub-Registrar of Anurana, Calcutta vide deed No. I-3902P/85 dt. April, 85.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 9-12-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2037/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, Bullyganj Circular Road situated at Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Sub-Registrar of Assurance on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Madgul. Udyog of  
20, Bullyganj Circular Road,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) New Bank of India,  
1225-C, A.G.C. Bose Road,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Properties of Flat No. 2A on the 2nd floor with servants quarter at 20, Bullyganj Circular Road, Calcutta together with one loved car Parking was Registered in the office of Sub-Registrar of Assurance vide deed No. I-6032P/85 dated 4-4-85.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kldwai Road  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 9-12-85  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Saraswati Das &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Jaba Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2038/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20-K, Ballyganj Terrace situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Properties at Premises No. 20-K, Ballyganj Terrace was registered in the office of Sub-Registrar, Alipore vide deed No. 3170 dt. 23-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS— —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2039/ACQ R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 of 7th floor situated at 55, Ezra Street, Calcutta-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 11-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Shree Nursing Sahay  
Madan Gopal Engineers Pvt. Ltd.,  
55 Ezra St.,  
Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Sri Koshalya Devi Toshniwal,  
55, Ezra Street,  
Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat No. 4 of 7th floor of 55 Ezra St. Calcutta vide Registered No. 1-6478P dt. 11-4-1985 at Calcutta.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Acquisition Range-III, Calcutta-16

Date: 9-12-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2040/Acqn.R-III/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Mandavilla Garden situated at Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC Acqn. R-III, Calcutta on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

65—426 GI/85

- (2) Smt. Alakananda Mukherjee,  
51-D, Gariahat Road,  
Calcutta-19.

(Transferor)

- (2) Bhawani Commercial (P), Ltd.,  
P-16, New CIT Road,  
Calcutta-73.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat No. 6, Measuring 675 Sq. ft. in the Premises No. 2 Mandavilla Garden was registered in the office of the IAC Acqn. R-III on 1-4-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) Migma Private Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Radheshyam Banka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1985

Ref. No. 2041/Acq.n.R-III, 85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39/1 situated at Lansdowne Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A residential flat measuring approx 1650 sq. ft. being flat No. C-5 on the fifth floor by flat No. B-5 & A-5 being premises No. 39/1, Lansdowne Road, Calcutta-20 was registered by duly form No. 37EE in the office of IAC, R-III, Calcutta.

**SHAIKH NAIMUDDIN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS.—

(1) Pranab Krishna Chandhuri.

(Transferor)

(2) R. Seshadri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 16th December 1985

Ref. No. 2042/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, **SHAIKH NAIMUDDIN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, Goltgreen situated at Urban Complex Phase-II, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (19 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 8-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property flat No. 5 at Golf Green registrar at Calcutta vide deed No. 2675 dt. 8/4/85.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 16-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Choudhary Industrial & Investment (MP) Pvt. Ltd.,  
12/2, Rabindranath Tagore Marg,  
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

(2) M/s. Shakti Co-Extrusion Pvt. Ltd.,  
through Director Sh. Amitabh Agarwal,  
313, Jawahar Marg,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq./BPL./6206.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Commercial flat No. 305, 3rd floor, 12/2,  
R.N.T. Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under Section 269-AB of the said Act  
(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD  
of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of trans-  
action of which has been deemed to have been registered  
under Section 269-AB of the said Act, in the office of the  
Competent Authority at Bhopal in October, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Commercial flat no. 305, third floor, is situated at 12/2,  
Rabindranath Tagore Marg, Indore.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Aayakar Bhawan  
Opposite Maida Mill  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 18-12-85  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6207.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Commercial flat No. III, 1st floor, 12/2, R.N.T. Marg, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Section 269-AB of the said Act) in the office of the Competent Authority at Bhopal in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Choudhary Industrial & Investment (MP) Pvt. Ltd.,  
12/2, Rabindranath Tagore Marg,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Srinivasji Arora  
S/o Late Shri Gordhanlalji Arora,  
Bhayawar (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Commercial flat No. III, (1st floor), is situated at 12/2, Rabindranath Tagore Marg, Indore.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Aayakar Bhawan  
Opposite Maida Mill  
Bhopal

Date : 18-12-85  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Ravikumar  
S/o Sh. Vaidhaman Dafria,  
Rituvan,  
Rambagh,  
Ratlam.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Jakiyabal W/o Sh. Hakimuddin,  
2. Mr. Johar S/o Sh. Hakimuddin,  
3. Mr. Majhar S/o Sh. Hakimuddin,  
4. Mr. Mustafa S/o Sh. Hakimuddin,  
5. Mr. Yusuf S/o Sh. Hakimuddin,  
All R/o Taherpura, Ratlam.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./BPL./6208.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Open land 6487 sq. ft. with one room and a swimming pool at Bhopal in July, 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Section 269-AB of the said Act) to the said Competent Authority at Bhopal in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land 6487 sq. ft. with one room and swimming pool is situated at Rambagh, Ratlam.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Aayakar Bhawan  
Opposite Malda Mill  
Bhopal

Date : 18-12-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,  
Indore.

(Transferor)

(2) Sh. Chandraprakash Yugraj, Vishnusingh, Indore  
(39/4, New Palasia).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6209.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVAbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason  
to believe that the immovable property having a fair market  
value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing property Shop No. 27,  
Ground floor of Jhabau towers, 170, RNT Marg,  
Indore(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under Section 269-AB of the said Act  
(in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD  
of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of trans-  
action of which has been deemed to have been registered  
under Section 269-AB of the said Act) in the office of the  
Competent Authority at Bhopal on April 1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons;  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 27 of ground floor of Jhabua tower is situated  
at 170, R.N.T. Marg, Indore.V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Date: 16-12-85  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6210.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing property No. Shop No. 28 of Ground floor, Jhabua towers, 170, RNT Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Section 269-AB of the said Act) in the office of the Competent Authority at Bhopal on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.,  
Indore.  
(Transferor)
- (2) Sh. Chandraprakash, Yugraj, Vishnusingh,  
39/4, New Palasia, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. 28 in ground floor of Jhabua tower is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 11-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6110.—Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 27, Block No. 5, situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

66—426 G1/85

- (1) S. Elias W/o H.T. Elias, Samuel Elias, H. K. Elias, B. K. Elias, All Ss/o H. T. Elias, P. 289, Darga Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Alim Bux & Rahim Bux S/o Karim Bux, Nava Mohalla, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27, Block No. 5 is situated at Napier town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-12-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. JAC/Acq./Bpl./6111.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 813, 814, 815 & 816 situated at (Old No. 337, 337/1, 337/2, 337/3) on plot No. 27 Block No. 5, Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) S. Elias W/o H. T. Elias & Samuel Elias,  
H. K. Elias, B. K. Elias All S/o H. T. Elias, P-289,  
Darga Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Ashish Kumar S/o Devendra Kumar Jain,  
R/o Gol Bazar, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing No. 813, 814, 815 & 816 (Old No. 337, 337/1, 337/2, 337/3) is situated on plot No. 27, Block No. 5, Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Purnima Chouhan W/o Sh. Harilal Chouhan,  
R/o Katora Talav, Raipur. (Transferor)
- (2) Rajnikant S/o Tribanklal Mehta,  
R/o Bajnathpara, Raipur. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6112.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Katora Talao, Civil Lines, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House is situated in Katora Talao, Civil Lines, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6113.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot bearing Kh. No. 1487/3, 1487/7 situated at Mangla, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Chimnulal alias Chimanlal S/o Sh. Purshottam Bhai Patel R/o Juna Bilaspur. (Transferee)  
(2) Shakuntala Devi W/o Sh. Bhagwandas Goyal R/o Navapara, Rajim, Teh. Raipur. (Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot kh. No. 1487/3 & 1487/7 is situated at Mangla, Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-12-1985.  
Seal :



FORM I.T.N.S.———

(1) Bhawani S/o Mansaram Koshta  
R/o Mohalla Patharguda, Jagdalpur, Dist. Bastar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Biju Bose W/o Sh. Chinmay Bose,  
R/o Jagdalpur, Dist. Bastar (MP).  
(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6114.—Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot No. 43/2 (Sheet No. 121)  
situated at Mohalla Patharguda, Jagdalpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jabalpur on April 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 43/2 (Sheet No. 121) is situated at mohalla  
Patharguda, Jagdalpur. This is the immovable property  
which has been described in form No. 37-G duly verified  
by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6115.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Kh. No. 400/656 situated at Vill. Sumeda, Teh. Huzur, Rewa-Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Huzur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Veerbhadra Singh S/o Sh. Ramkumarsingh Devrajsingh S/o Kedar Singh both r/o Vill. Sumeda, Teh. Huzur, Dist. Rewa. (Transferor)
- (2) Arif Construction (P) Ltd., 28, Navalkishore Hazaratganj, (UP). (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 and Kh. No. 400/656 is situated at village Sumeda, Teh. Huzur, Dist. Rewa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-12-1985  
Seal :

**FORM ITN—**

- (1) Kundan Singh S/o Sardar Tara Singh,  
Truck Driver, Jeypore, Dist. Koraput, Orissa.  
(Transferor)
- (2) Malkit Singh S/o Sardar Mansha Singh,  
Truck Driver of Balaji Ward, Jagdalpur,  
Dist. Bastar.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6116.—Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot Nos. 1/10, -/38 (Sheet No. 98, 108) situated at Kachdrapara in Kumbharpura Ward, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Jagdalpur in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

124—416 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 1/10, 1/38 (Sheet No. 98, 108) is situated at Kachdrapara, Kumbharpura, Ward, Jagdalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6117.—Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. 776 & plot No. 144 (Part thereof) situated at Badi Omti, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Jagdalpur in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shantidevi W/o Gaurishanker Jaiswal,  
R/o Badi Omti, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Madanlal Anand S/o Sh. Amarnath Anand,  
R/o Choti Omti, Jabalpur. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 776 is situated in Badi Omti (on plot No. 144) Block No. 91 at Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6118.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. House on plot No. 618 of Scheme No. 9 situated at Shanti Nagar, Damoh Naka, of Jabalpur Development Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Huzur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

67—426 G1/85

(1) Maheshdutta Mishra S/o Krishnadutta Mishra  
R/o 589, Shanti Nagar, Damoh Naka,  
Jabalpur.

(Transferor)

(2) Satischandra Sharma S/o Sh. Gaya Pd.  
Birthariya, 92, Lordganj, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 618 & the house thereon is situated at Scheme No. 9 of Jabalpur Development Authority at Shanti Nagar, Damoh Naka, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 10-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6119.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 442, 443/2 situated at Bavadia Kalan, Teh. Huzur, Bhopal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Girdharilal S/o Bhavarji R/o Vill. Bavadia Kala, Teh. Huzur, Bhopal.

(Transferor)

(2) Seema Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit, Thro' President : Shri Abdul Rashid So/ Noor Khan 5/75, Ravishanker Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 442, 443/2 is situated at Vill. Bavadia Kala, Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 10-12-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Spl./6120.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Part of Plot No. 1514 (New No. 1514/3) situated at Rs. 1,00,000/- and bearing Katra, Rewa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Rewa on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Jogendra Kumar Verma—Self & thro' general power of attorney,  
2. Jagdish Prasad Verma,  
3. Devendra Verma,  
4. Sudhirkumar Verma.  
5. Dr. Praveen Kumar S/o late Shri Hiralal Verma, Smt. Vinodini Verma D/o. Sh. Haridwar,  
(Transferor)
- (2) 1. Mehmooda Bano W/o. Naimuddin,  
2. Fakhruddin Tanya Mohmuddin,  
3. Naimuddin Tanya, Naimuddin,  
4. Nazmuddin (minor)  
5. Shamz Alam (") Thro' Guardian & father Shri Naimuddin R/o Koti, Rewa.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of plot No. 1514 (New No. 1514/3) is situated at Kotra, Rewa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

FORM NO. 1.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6121.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 15/570 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Saarda Talkies (Indian Partnership firm Regd.) Lalitkumar Tiwari S/o. late Shri Shyam Charan Tiwari, 3, Smt. Ushadevi Tiwari W/o. Lalitkumar Tiwari, 4, Lokeshkumar Tiwari, Jawahar Nagar, Rajmata Gaon, Raipur. (Transferor)
- (2) Asian Electricals (Indian Partnership firm) Jawahar Nagar, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 15/570 is situated at M. G. Road, Raipur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. 1AC/Acq./Bpl./6122.—

Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 17/57 situated at Ravi Nagar, Civil Lines, Raipur Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pranila Shrivastava,  
W/o. Shri Krital Shrivastava,  
R/o. Raja Talao,  
Raipur. (Transferor)
- (2) Smt. Archana Acharya,  
W/o. Dr. Prabhat Acharya,  
R/o. Ravi Nagar, Civil Lines,  
Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing No. 17/57 is situated at Ravi Nagar, Raja Talao, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Income-tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6123.—

Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 445 situated at Mouza Amagird, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sureshbhai S/o. Prabhudas Patel,  
R/o. Naya Mohalla, Burhanpur,  
Dist. Khandwa,

(Transferor)

(2) Shri Kishanlal Alias Choithram  
S/o. Radhamal Advani,  
R/o. Sindhi Basti (Medhan Camp),  
Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

## THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 445 is situated at Mauza Amagird, Teh. Burhanpur, Dist. Khandwa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 12-12-1985

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6124.—

Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 445 situated at Vill. Amagird, Burhanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suresh Bhai  
S/o. Prabhudas Patel,  
R/o. Naya Mohalla, Burhanpur,  
Dist. Khandwa.

(Transferor)

(2) Shri Lalchand Alias Savaldas  
S/o. Radhamal Adwani,  
R/o. Sindhi Basti (Medhan Camp), Burhanpur,  
Dist. Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 445 is situated at Vill. Amagird, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6125.—

Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 711 (Ward No. 34) situated at Krishi Upaj Mandi Samiti, Bhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhind in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harishchand & Ratanchand Jain,  
R/o. Galla Mandi,  
Bhind.

(Transferor)

- (2) Shri Gajendra Kumar  
S/o. Ulphat Rai Jain,  
R/o. Pustak Bazar,  
Bhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 711 (Ward No. 34) is situated at Krishi Upaj Mandi, Bhind. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 10-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6126.—

Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
House No. 50/1042 situated at Jawahar Nagar Colony,  
Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Gwalior in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration thereof by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
namely :—

68—426 G1/85

(1) Shri Karnal Krishna Gokhale  
W/o. Krishna Narayan Gokhale,  
2. Smt. Jyotsana Sheude W/o. Kashinath Padanan,  
Yashwant, Dilip S/o. Krishna Narayan Gokhale,  
Smt. Savita D/o. Krishna Narayan Gokhale,  
Nai Saduk, Lashkar,  
Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Dipika Chankankar W/o Shri Madhav Govind  
Chankankar, R/o. Dal Bazar, Lashkar,  
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
at that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 50/1042 is situated at Jawahar Nagar Colony,  
Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which  
has been described in form No. 37-G duly verified by the  
Transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6127.—

Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 87 (Ward No. 18) situated at Luhagipura, Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madhukar Rao  
S/o. Vasudeo Rao Mandpe  
R/o. Vir Hakikat Rai Marg,  
Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Satish S. o. Sadashivrao Pandit,  
R/o. Hospital Road,  
Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 87 (Ward No. 18) is situated at Luhagipura, Vidisha. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income-tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6128.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 57 (Ward No. 17) situated at Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gulab Bai Sharma  
D/o Ramkishan Sharma,  
W/o Har Prasad Sharma,  
R/o Ramnagar, Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Raghavji 2. Shakti Singh,  
Dr. Tilak, Amritlal,  
Mohanlal, Suresh,  
Dr. Vinod, Ghanshyam,  
Satish,  
R/o Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. 57 (Ward No. 17) is situated at Vidisha. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6129.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 21/9, situated at Shastri Marg, Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Keshrimal S/o  
Shri Rajmal Bhandari,  
Govt. Quarters, Behind Tehsil Office,  
Neemuch. (Transferor)
- (2) Shri Pawan Kumar Dubey S/o  
Shri Parshu Ram Dubey,  
C/o Punjab National Bank,  
Neemuch Cantt. (M. P.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 21/9 is situated at Shastri Marg, Neemuch. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl./6130.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hosue No. 31 situated at Sneh Nagar, Main Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Premalata Agal,  
Pankaj, Kamal,  
Yamini, Kamini,  
R/o 80, Janki Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar,  
Rakesh Kumar, Sudhir Kumar  
& Deepak Kumar,  
172, Jaera Compound,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 31 is situated at Main Road, Sneh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Premlata Agal,  
Pankaj, Kamal,  
Yamini, Kamini,  
R/o 80, Janki Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prakash Kaur  
& Seemarjeet Kaur,  
R/o 30-A, Prem Nagar,  
Indore.

(Transferee),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6131.—Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
House No. 31  
situated at Sneh Nagar, Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on April 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice/  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 31 is situated at Sneh Nagar, Indore.  
This is the immovable property which has been described in  
form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6132.—Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Phopnar Kala, Teh. Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Akhtar Hussain  
S/o Shamsher Ali Bohra,  
R/o Khairati Bazar Ward, Beri Maidan,  
Burhanpur. (Transferor)(2) Shri Shilesh Kumar  
S/o Sureshchand Choukse (Minor)  
Thro' Guardian & father Shri Sureshchand  
S/o Babulal Choukse,  
R/o Phopnar Kala,  
Teh. Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 250 is situated at village Popnar-Kala, Teh. Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central Floor Mills, BhopalDate : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6133.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 10 and house there on situated at Jamalpura, Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Khubchand Belani  
S/o Shri Arjundasji,  
R/o B-9, Purana Bairagarh.

(Transferor)

(2) Shri Naraindas  
S/o Harumalji  
Manoharlal  
S/o Harumalji  
R/o LIG-P-10, Jamalpura,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Plot No. 10 is situated at Jamalpura, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central Floor Mills, Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

**FORM ITN—****NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.**

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6134.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Open plot No. E-42

situated at Saket Nagar, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferor for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

69—426 GI/85

- (1) 1. Shri Satgurudas Chaitandas Satsangi  
2. Smt. Amar  
W/o Satgurudas Satsangi  
3. Gurusarandas Charnadas Satsangi  
R/o G-1, Victory colony,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Smt. Kalabai W/o Suganchand  
Dhenubai W/o Thakurmal  
R/o 993, Babugali, Mhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot No. E-42, is situated at Saket Nagar, Indore.  
This is the immovable property which has been described in  
form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Acquisition Range  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Income Tax Building  
Near Central Floor Mills, Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(GOVERNMENT OF INDIA)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6135.--Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 25

situated at Rambagh, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Badinarain Rathi  
S/o Sh. Gopikashan Rathi  
R/o D. Batti, Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Pant  
W/o Shri Lalit Prasad Pant,  
R/o 1, Lokendra Bhawan,  
Compound Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 25 is situated at Rambagh, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6136.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. House No. 810 (Old No. 385/1) situated at Nazul Block No. 5, Plot No. 27, Napier town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. S. Elias  
W/o H. T. Elias,  
Samuel Elias,  
H. K. Elias,  
B. K. Elias,  
All Ss/o H. T. Elias,  
289-G, Darga Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Smt. Ranjit Kaur  
W/o H. S. Singh,  
R/o Madan Mahal, Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 810 (Old No. 385/1) is situated in Nazul Block No. 5, Plot No. 27, Napier town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq.-Bpl./6137.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 27, (Block No. 5) situated at Napier town, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. S. Elias  
W/o H. T. Elias,  
Samuel Elias,  
H. K. Elias,  
B. K. Elias,  
S/o H. T. Elias,  
P-289 Darga Road,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Jayanti Singh  
W/o Shri T. N. Singh,  
R/o Village Ganmer,  
Dist. Gazipur,  
At present : Chhoti Omti,  
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27, (Block No. 5) is situated at Napier town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1985  
Seal.



## FORM JTS

(1) Smt. Nirmala Tongiya  
W/o Shri Vyay Kumar Tongiya,  
R/o 7, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Choudhary Builders (P) Ltd.,  
12/2, R. N. T. Marg, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6138.—Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Open land & M. H. No. 7  
situated at M. G. Road, Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on April 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXV of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land & M. H. No. 7 is situated at M. G. Road,  
Indore. This is the immovable property which has been des-  
cribed in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-12-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6139.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 7/B

situated at Sainath Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madhukar  
S/o Dwarkanath Godkari,  
R/o 11/B, Sainath Colony,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Shiv Narayan Pagare,  
S/o Sh. Sundarlal Pagare  
R/o H. No. 7/B, Sainath colony, B-Sector,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 7/B is situated at Sainath colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6140.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Bearing M. H. No. 32, Ward No. 15, situated at Mitra Niwas Road, Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ratlam on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Farida  
W/o Thomas,  
Paranilam,  
R/o 37764 Calka Drive Steerling Heights  
Michigan, 48077 USA.

(Transferor)

(2) 1. Firoz  
S/o Cawasji Patel  
R/o Mhow Road, Ratlam.  
2. Rustom  
S/o Cawasji Patel  
Mhow Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing M. H. No. 32 is situated at Ward No. 15, Mitra Niwas Road, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6141.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 209 & House thereon New Sindhi colony, situated at Berasia Road, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bhopal on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurudasmal  
S/o Shri Rejhumal  
R/o 209, New Sindhi Colony,  
Bhopal.

(Transferee)

(2) Smt. Pushpa Devi  
W/o Shri Beharilal,  
R/o 138, New Sindhi Colony,  
Bhopal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 209 & house thereon situated at New Sindhi colony, Berasia Road, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal.

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6142.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 155, 166/2/1 & 166/2/2 situated at Vill. Khajuri Kalan, Teh. Huzur, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bhopal on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely :—

70—J26 G1/85

- (1) 1. Shri Kurnilal  
S/o late Sh. Radhakishanji,  
2. Smt. Pyaribai  
Wd/o Sh. Ram Singhji,  
3. Jaisingh  
S/o late Sh. Ramsinghji Thaur,  
R/o Khajuri Kalan, Teh. Huzur,  
Bhopal. (Transferor)
- (2) Vallabh Nagar Gijh Nirman Sahakari Sanstha Ltd.,  
Bhopal Thro' President  
Shri Rajmani Patel  
S/o Shri Jamuna Prasad Patel  
R/o Char Imli,  
Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 155, 166/2/1, & 166/2/2 is situated at Vill. Khajuri Kalan, Teh. Huzur, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL. M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./6143.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 26/45 on plot No. H-6 situated at Gandhi Nagar colony, Tansen Road, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Gwalior on April 1985 1984 (Seniority Quota) and allocation to the Cadre of Ministry for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxmikant Gautam  
S/o Shri Hari Shankar Gautam,  
R/o 1000, Kucha Natwa, Chandni Chowk,  
Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Hari Pal Gupta  
S/o Sh. Babooam Gupta,  
R/o II-6, Gandhi Nagar, Tansen Road,  
Gwalior,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 26/245 is situated on plot No. H-6, Gandhi Nagar colony, Tansen Road, Gwalior. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHAPAL M. P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6144.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4 on F. F. of M. H. No. 10/2

situated at South Tukoganj, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madhav Goswami,  
S/o Shri Niwas Goswami,  
R/o 10/2, South Tukoganj,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Prakash  
S/o Shri Girdharilal Vora  
R/o 21, Manukulal Vinaya Nagar Street,  
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on F. F. of M. H. No. 10/2 is situated at South Tukoganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl./6145.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Factory shed and store on land Kh. No. 118/3, situated at Pipliyarao, A.B. Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. Manohar s/o Bhimandas Satwani,  
H.U.F. Tarle Karta  
Dr. Manohar Satwani,  
179, Palsikar Colony,  
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Abbasali s/o Abid Hussain,  
r/o 48, Prince Yeshwant Rd.,  
Indore.  
2. Smt. Nafeesabai w/o Sh. Moh. Hussain,  
3. Smt. Rehanabai w/o Sh. Ali Asgar,  
r/o 89, Amer Khadi Rd.,  
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory shed & Store on Kh. No. 118/3 is situated at Pipliyarao, A.B. Road, Indore.

This is the immovable property which has been described in form No. 27-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Devendra Singh  
Shri Teet Singh Punjabi,  
R/o Katora, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Rampzher s.o Daatadeen Jaiswal,  
r/o Pahari Chowk Housing Board Colony,  
Liquor contractor,  
Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6146.—Whereas I,  
S. C. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
House No. 47/19,  
situated at Pandari Road, Raipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Raipur on April, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 47/19 is situated at Pandari Ward, Pandari  
Road, Raipur.

This is the immovable property which has been described  
in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the Said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 2-12-1985  
Seal :

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6147.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M.H. No. 90, situated at Jawahar Marg (New Road), Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. Rajkumar s/o  
Shri Chandrasenji Khasgiwala,  
R/o T-5, Andhyapak Kutir,  
Baroda (Guj.)  
Dr. Sunil Kumar s/o  
Sh. Chandrasenji Khasgiwala,  
r/o T-5, Andhyapak Kutir,  
Baroda (Guj.)

(Transferor)

- (2) 1. Sri Ismail s/o Sh. Mohd. Hussainji Bohra,  
2. Smt. Bilkisbai w/o Sh. Ismailji Bohra  
3. Shri Moiseali s/o Shri Ismailji Bohra  
4. Shri Joab s/o Shri Ismailji Bohra,  
All r/o 10, Bohra Bakhali, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing M.H. No. 90, is situated at Jawahar Marg (New Road), Ratlam.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 2-12-1985  
Seal .

## FORM ITNS—

(1) Shri Harmaklal Mansukhani s/o  
Shri Murchumalji Mansukhani,  
r/o 28, Dhanmandi,  
Ratlam.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF

(2) 1. Shri Mol's s/o Shri Akbaraliji Bohra  
2. Abdul Hussam s/o Shri Mehsinaliji Bohra  
3. Abdulla s/o Shri Saifuddinji Bohra  
4. Zulakar s/o Shri Asgaraliji Bohra,  
all r/o 52/1, Chandni Chowk,  
Bohra Bakhali, Ratlam.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6148. —Whereas, I,  
S. C. SHARMA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
Property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing  
Property No. M.H. No. 77,  
situated at Jawahar Marg (New Road), Ratlam  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of the 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ratlam in April, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Property MH No. 77 is situated at Jawahar Marg (New  
Road), Ratlam.

This is the immovable property which has been described  
in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 2-12-1985

Seal :

## FORM 11NS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6149.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Plot No. 81-R-1, situated at DA Scheme No. 44, Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kishore Mohanani, s/o  
Sh. Govind Ramji Mohanani,  
110 H. No. 82, Indra Puri Colony,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwandas s/o Sh. Tulsidasji,  
110 57, Jaora Compound,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Plot No. 81-R-1, DA Scheme No. 44 is situated at Khatiwala Tank, Indore.

This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 2-12-1985

Seal :

## FORM ITNS — —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6150.—Whereas I,  
V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nazul Plot No. 27, Block No. 5, situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jabalpur on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
71—426 GI/85

(1) Smt. S. Elias w/o H. T. Elias,  
Samuel Elias,  
H. K. Elias,  
B. K. Elias,  
All s/o H. T. Elias,  
P. 289, Darge Road,  
Calcutta.

(Transferor)

(2) G. B. C. Hotels & Auto Traders (P) Ltd.,  
Through Chairman Ramesh Gulati, Gorakhpur,  
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27 (Block No. 5) is situated at Napier Town, Jabalpur.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6151.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a tax map No. 30, Nazul Plot No. 27, Block No. 5, situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jabalpur on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Herbet Kishore, Basil Kalyan, Saurmel Kumar, all sons of Shri H. T. Elias and Shri Shritirekha Elias, All r/o Calcutta. (Transferor)
- (2) Smt. Kiran Jain w/o Sh. Gyanchand Jain, r/o Benrgi, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 27 (Block No. 5) is situated at Napier Town, Jabalpur.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income-tax Building, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

FORM INS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6152.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House on plot No. 14, situated at Mauja Nayagaon No. 726, (P.H. No. 26, Kh. No. 6/4) Shankarshah Nagar, Ward No. 50, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Ananthakrishnan, Chief Engineer s/o late N. Rangaswami Ainger, r/o Class-I Officer's Housing Society Nayagaon, Shankarshah Nagar, MPEB, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Sukhdershan Singh Sekhon, s/o Sardar Naginder Singh Sekhon, r/o 1353 Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on plot No. 14, Mauja Nayagaon No. 726 (P.H. No. 26, Kh. No. 6/4) is situated at Shankarshah Nagar Ward No. 50, Jabalpur (M.P.E.B. Co-op. Housing Society Ltd., of Class-I officer's Jabalpur).

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6153.—Whereas I,  
V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5/2, situated at Old Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gita Devi w/o  
Shri Champalalji Biyani, r/o  
223/24, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) M/s S.G.M. Hotels (P) Ltd.,  
Through Directors :  
1. Sh. Subhash s/o Shri Ramvallabhji Gupta,  
11, Joy Builders Colony,  
Indore.  
2. Sh. Surendra s/o Shri Jayantibhai Sanghvi,  
42, Vallabh Nagar,  
Indore.  
3. Sh. Mitharlal s/o  
Sh. Purushottam Dasji Jaiswal, r/o  
4/7, New Palasia,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot bearing Mun. No. 5/2 is situated at Old Palasia, Indore.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 2-1-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6154.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 495, situated at M.G. Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Haji Ibrahim Bhai Haji Karim Bhai,  
r/o 96, Siyaganj, Main Road,  
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Rameshchandra s/o  
Jaswantlalji Shah,  
9, Khatipura,  
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 495 is situated at M.G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM 111S

(1) Shri Haji Ibrahim Bhai Haji Karim Bhal,  
r/o 96, Siyaganj, Main Road,  
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Naveenchand s/o  
Jaswantilalji Shah,  
9, Khatipura,  
Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/AcqN./Bpl./6155.—Whereas I,  
V. P. SHRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said' Act), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
H. No. 495,  
situated at M.G. Road, Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Indore on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957):

House No. 495 is situated at M.G. Road, Indore.  
This is the immovable property which has been described  
in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6156.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 564, situated at M.G. Marg, Indore has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sushilchandra Patni s/o  
Sh. Hukumchandji Patni.  
2. Shri Shardelchand Patni s/o  
Sh. Hukumchandji Patni.  
3. Smt. Anop Kumari Patni w/o  
Sh. Hukumchandji Patni.  
4. Dr. Sureshchand Patni s/o  
Sh. Hukumchandji Patni.  
5. Sh. Satish Chandra Patni s/o  
Sh. Hukumchandji Patni.  
(Transferor)
- (2) Shri B. C. Builders & Hotels (P) Ltd.,  
8, Jaora compound, Indore,  
Through Managing Director Shri Sanat Kumar,  
s/o Sh. Kalyanmalji Badjatya.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 564 is situated at M.G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/AcqN./Bpl./6157.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 10, situated at Azad Nagar Colony, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ahelchand s/o  
Shri Milapchandji Gulati,  
r/o 84, Tatyia Tope Marg,  
Madhav Nagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Devi w/o  
Shri Ramchshkumar Dammani,  
r/o 25, Kamla Nehru Marg, Preetganj,  
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 10 is situated at Azad Nagar Colony, Ujjain. This the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th December 1985.

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6158.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1, situated at Dravin Marg, Ujjain (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ujjain on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) 1. Shri Geetabai w/o  
Shri Ramchandra ji  
2. Smt. Amitabai w/o  
Shri Ramchandra ji  
r/o 1, Shri Marg Ujjain Through  
general power of attorney Shantikumar.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Sanat Kumar s/o  
Shri Balkishanji Bohra,  
2. Manish Kumar (Minor) s/o  
Shri Sanatkumar,  
r/o Goutam Marg, Ujjain.  
(Transferee)

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 1 (New) Block No. 63 is situated at Dravin Marg, Ujjain.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq n/Bpl/6159.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1, situated at Dravin Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Ujjain, in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sushila Bai w/o  
Shri Surya Narayan  
2. Smt. Pramila Bai w/o  
Shri Rajkumarji Porwal,  
r/o 1, Shripal Marg, Ujjain Through  
general power of attorney Shantikumar.  
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Shakuntalabai w/o Shri Sanatkumar  
2. Shri Dinesh Kumar,  
3. Shri Manoj Kumar ss/o  
Shri Sanat Kumar,  
r/o 49, Goutam Marg, Ujjain.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1 is situated at Dravin Marg, Ujjain.

This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills Bhopal

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. n./Bpl/6160.—Whereas, I V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. Nos. 1409, 1410, 1414, 1416 and 1418 situated at Vill. Khajrana, Dist. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Chunnilal  
S/o Shri Kunwarji Kharsod,  
R/o Vill. Khajrana,  
Teh. Indore. (Transferor)
- (2) Navlakha Sramik Avas Grih Nirman Sahkari  
Samiti Maryadit,  
748, Jagtinagar, Indore  
Through President :  
Shri Dwarka Prasad Sharma  
S/o Shri Bansilalji Sharma. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1409, 1410, 1414, 1416, 1418 is situated at Vill. Khajrana, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6161.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land New No. 183/2 situated at Vill. Lalbag Mal, Bhrhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Slim Khan alias Rahmat Khan  
So Shri Babu Khan  
Pratap Pura, Burhanpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Salimuddin Jenuddin Kazi,  
Lohar Mandi, Burhanpur  
Naziruddin Badruddin,  
Haripura, Burhanpur  
Shamshul Arefin Jainul Abedin,  
Daudpura, Burhanpur  
Sultan Khan Qureshi  
Khairati Bazar, Burhanpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land New No. 183/2 is situated at village Lalbag Mal, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL

Date : 12-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6162.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1/132 (Sheet No. 107) situated at Kachrapara in Kumbharpura Ward, Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagdalpur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Kesav Dauly  
Shri Shankar Dauly Brahmin,  
R/o Narainpur, Teh. Narainpur,  
Dist. Bastar.

(Transferor)

- (2) Mohd Afhtar Querashi  
S/o Late Mohd. Ibrahim Querashi  
Retd. Asstt. Engineer,  
Bank Colony, Jagdalpur,  
Dist. Bastar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1/132 (Sheet No. 107) is situated in Kachrapara, Kumbharpura Ward, Jagdalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANTACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6163.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 223/3/2 situated at Vill. Nanakheda Pargana, Dist. Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Vijay  
S/o Shri Vishwanathji Ayachit,  
R/o Nai Peeth, Ujjain  
Presently at Ahmedabad  
Through General Power of Attorney  
Padmakar Ayachit,  
R/o Nai Peeth, Ujjain.

(Transferor)

- (2) S/Shri 1. Prahlad Neema 2. Gopaldas Neema &  
Satishchandra Neema  
Ss/o Shri Ramchandrajji Neema  
R/o Patni Bazar, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 223/3/2 is situated at Vill. Nanakhedi Pargana, Ujjain. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL

Date : 12-12-1985  
Seal :

FORM IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6164.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 180 & the house No. 181 thereon situated at Saket Nagar Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Purushottam  
S/o Shri Sridhar Palneetkar  
R/o A-9, Anand Apartments,  
Ahmedabad-380015 (Gujarat).  
(Transferor)
- (2) 1. Km. Suman Dua, 2. Ku. Madhu Dua  
D/o Shri Pritamlalji Dua,  
R/o 227, Anoop Nagar, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 180 & the house No. 181 thereon is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL.

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6165.—Whereas, 1, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agrl. land Kh. No. 153/2/1 situated at Vill. Pipalyakumar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Shri Jang Bahadur Singh  
S/o Shri Chandrapal Singh  
R/o Patnipura, Indore  
Through General power of attorney  
Shri Mohanlal Chung. (Transferor)
- (2) Vaibhav Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit Indore  
Through President :  
Shri Kishan Matlani  
S/o Shri Choithram Matlani,  
R/o 38, Patel Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 153/2/1 is situated at Vill. Pipalyakumar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL

Date : 13-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dattatraya Wagh,  
17/2, Snehlatajan, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Necta Jain  
W/o Shri Man Singh  
Naya Pura, Mandsaur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6166.—Whereas, I,  
V. P. SHRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 13 situated at Janki Nagar Extn., Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

125—416GI/85

73—426 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 13 is situated at Janki Nagar Extension, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL.

Date : 13-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6167.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land at bungalow No. 48 situated at Neemuch Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Neemuch in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Shehnawas Contractor  
W/o Late Shri Jamshedji
2. Miss Nifriez Contractor  
D/o Late Shri Jamshedji
3. Mr. P. Contractor  
S/o Late Shri Jamshedji  
All R/o Bungalow No. 48,  
Neemuch.

(Transferor)

- (2) Shri Santosh Kumar  
S/o Shri Laxmilalji  
Shri Manish Kumar  
S/o Shri Laxmilalji  
Through Guardian  
Shri Santosh Kumar Jain  
R/o Pipiyaraoji.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land at Bungalow No. 48 is situated at Neemuch. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL.

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal the 9th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6168.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 46/109 situated at Pichhadi Deodi Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jiyamal  
S/o Shri Derumal,  
Shri Ganeshram, Shivlal  
S/o Shri Jiyamal  
R/o 282-C, Delhi-35.

(Transferee)

Shri Fatehlal Shrivastava  
Shri Ratchlal Shrivastava  
R/o Murena (MP).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 46/109 is situated at Pichhadi Deodi Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL

Date: 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6169.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 30 (New No. 50) situated at Lodhi Pura No. 2, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Rameshchandra, Sureshchandra, Dineshchandra & Arun Kumar  
S/o Shri Ravishanker Dubey  
(No. 1 Through General power of attorney No. 5)  
R/o H. No. 50, Lodhipura No. 2, Indore.  
(Transferor)
- (2) Dr. Basant Luniya  
S/o Shri Nandalji Luniya  
R/o H. No. 80, Kanchanbag,  
Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 30 (New No. 50) is situated at Lodhipura No. 2, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL

Date : 12-12-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6170.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Khata No. 318 situated at Vill Sabakheda Pagana, Mandsaur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mandsaur in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahesh Sharma  
S/o Shri Indraprasad Sharma  
R/o Nai Abadi, Mandsaur.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Hemantkumar, 2. Gajendrakumar  
Ss/o Shri Mishrilalji Hingad,  
R/o Janku Pura, Mandsaur  
3. Shri Manaklal  
S/o Shri Surajmalji Jain,  
R/o Mandsaur,  
4. Smt. Kantabai  
W/o Shri Shantilalji Jain,  
R/o Nai Abadi, Mandsaur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khata No. 318 is situated at Vill. Sabakheda Pargana, Mandsaur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
BHOPAL

Date : 13-12-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6171.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Survey No. 14 situated at Vill. Nowgaon Bujurg, Teh. Dhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shrimant Hemlata Raje W/o Shrimant Jagdishavrao Maharaj Pawar Thro' general power of attorney Hariram S/o Narayandas Sharma, R/o Dhar.

(Transferor)

- (2) Shri Shivanarayan S/o Laxminarayan Jaiswal  
(2) R/o Dhar Thro' General power of attorney Sh. Chootenprasad S/o Ramdhani Prasad, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 14 is situated at Vill. Nawgaon Bujurg, Teh. Dhar. This is the immovable property which has been describe in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6172.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 72 & Flat No. 3 built thereon (Jamna Apartments) situated at Rajmahal Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. B. K. Builders, 90/4, M.G. Road, Indore (M.P.), Thro' Partner :  
1. Mahendra Kumar S/o Bhuralal  
2. Jawahar S/o Shrinivas Kulkarni,  
R/o 90/4, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Kiran Kumar S/o Shri Amolakchand  
R/o 125, B-Nemi Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 72 & the flat No. 3 built thereon is situated at Rajmahal Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6173.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 3, 5 situated at Mauza Vill. Bhokarpatwari, Sanawad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanawad on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kanhaiyalal S/o Shri Chandmalji Maheshwary Mahajan, R/o Sanawad. (Transferor)
- (2) 1. Shri Shikarchand,  
2. Devendra Kumar S/o Lakshminchandsa Jain, R/o Sanawad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Land Kh. No. 3, 5 is situated at Vill. Bhokarpatwari, Sanawad. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6174.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 88 situated at Indralok colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

139—416 GI/85

74—426 GI/85

(1) Shri Vimalchand Surajmal Jain  
R/o 66, Bohra Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Badami Bai W/o Shri Bhanwarlal Dagdi &  
Shri Chandrasekhar S/o Shri Bhanwarlal Dagdi,  
R/o 78, Radha Nagar, Indore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 88, is situated at Indralok Colony, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6175.--Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 84 situated at Maharaja Tukojirao Cloth Market, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Arya Samaj Malharganj, Indore Thro' President Shri Ramswaroop S/o Shri Bherulalji Khandelwal Secretary—Shri Krishnagopal S/o Nandlalji Madatwal, R/o Ramganj, Ginsi, Indore. (Transferor)
- (2) M/s. Jaiprakash Vimalkumar, 84, M.T. Cloth Market, Indore Thro' Partner :  
1. Sh. Jaiprakash S/o Sh. Gyanchand Nahar  
2. Shri Vimal Kumar S/o Shri Gyanchand Nahar, R/o 84, M.T. Cloth Market, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 84 is situated at M.T. Cloth Market, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. JAC/Acq./Bpl./6176.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 64, situated at Greater Tirupati Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Syam Wadhvani S/o Jhamandas Wadhvani,  
R/o 123, Pulsikar Colony, Indore.  
(Transferor)
- (2) Shri Ramchandra S/o Balkrishna Dhindorkar  
R/o 64, Pir Gali, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 64 is situated at Greater Tirupati Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./6177.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 31 situated at Sneh Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Premlata, Pankaj, Kamal, Yamini,  
Kamini Agal 80, Janki Nagar,  
Indore. (Transferor)
- (2) M/s. Malva Tyre House, Maheshchandra,  
Sureshchandra, Gopal & Arun Kumar  
123, Chhoti Gwaltoli, Indore. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 31 is situated at Sneh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6178.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shed at Mechanic Nagar situated at Khatiwala Tank Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Paramjit Singh S/o Karnel Singh  
R/o Mechanic Nagar, Khatiwala Tank,  
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Badrul Amin S/o Mohanmed Amin  
'Thro' attorney Saiyed Ahmad  
S/o Abdul Latif  
R/o Koyala Bakhal, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shed is situated at Mechanic Nagar, Khatiwala Tank Scheme No. 44, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 12-12-85  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6179.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 113 & Flat thereon situated at Shrinagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Madhuben Apartment,  
Prop. Nandkishore Ramkishan Agrawal,  
'Thro' Genl. power of attorney Premchand Mannalal,  
46, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Padmini Hemant Kumar Khajanchi,  
113, Shrinagar Extn. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 113 & the flat No. 1 (3rd floor) built thereon is situated at Shrinagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Seal :  
Date : 12-12-85

FORM I.T.N.S.-----

- (1) Shri Vachan Singh S/o Shri Fakiriasingh,  
172, Shrinagar colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Dr. Laxmandas S/o Shri Bachnaram Gupta  
R/o 10/5, New Palasia, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl./6180.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 130 situated at Anoop Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 130 is situated at Anoop Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6181.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 779 and Flat No. 12 thereon situated at Manishpuri, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vrindavan Apartments Thro' Partner  
Balkrishna Agrawal S/o Shri Doulatramji Agrawal,  
R/o 158, Saket Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Dilipsingh Rathore S/o late  
Rana Bhimsingh Rathore, R/o  
158, Saket Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 779 & Flat No. 12 thereon is situated at Manishpuri colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6182.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Megh Bldg. Flat No. A-4 situated at 13/2, M. G. Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

75—426G1/85

- (1) Smt. Kamladevi Jain W/o  
Shri Rajendra Kumar Jain  
A-4, Megh Flats,  
13/2, M. G. Road, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Kailash Devi W/o  
Sarimal Karnawat,  
R/o 43, Dr. Katju Marg,  
Jaora, Dist. Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-4 of Megh Building is situated at 13/2, M. G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 13-12-85  
Seal

## FORM ITNS

(1) Smt. Kundani Bai W/o Jethanandji,  
195, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sapna Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit  
91, Siyaganj, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL. M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6183.—Whereas I,  
V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 324M/R situated at Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 324 M/R, Scheme No. 44 is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-12-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Shilabai W/o Madanmohan Khar  
R/o Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Yash Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit,  
101, Agiawal Nagar, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6184.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 60 situated at Shrinagar Colony, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 60 is situated at Shrinagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th Decmber 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6185.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 61 situated at Shrinagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Mohan S/o, Rai Saheb Krishnalalji Khar R/o Arera Colony, Bhopal. (Transferor)
- (2) Yash Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Indore, 101, Agrawal Nagar, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 61 is situated at Shrinagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-12-1985  
S-1 :



FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6186.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agrl. land Kh. No. 923 situated at Vill. Kailod Kartal, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Babulal, Dhannalal, Prahlad S/o late Gopalji & Smt. Kesharbai W/o Gopalji, R/o Vill. Aaravadi Khurd, Teh. Indore. (Transferor)
- (2) Shri Ramchandra S/o Shri Brijlalji Salvadiya 2. Smt. Kamlabai W/o Shri Ramchandra Salvadiya R/o 43, Kumavatpura, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 923 is situated at Kailod Kartal, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 13-12-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6187.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Kh. No. 154 situated at Vill. Pipalya-Kumar, Teh. Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagirath S/o Devaji Khati  
R/o Vill. Pipalyukumar, Teh. Indore. (Transferor)
- (2) Vaibhav Sahkari Grih Nirman Sahkari Sanstha  
Maryadit, Indore Thro' President Shri  
Shri Kishan S/o Choithram Mailani, R/o 38,  
Patel Nagar Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 154, is situated at Vill. Pipalayakumar Teh. & Distt. Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL.

Date : 13-12-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 13th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6188.—Whereas, I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land Survey No. 132 situated at Vill. Gavla, Teh. & Distt. Dhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at the Registering Officer at Dhar in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish, S/o Ramkishore Mahajan Rawat,  
R/o Vill. Gavla, Teh. Dhar, Dist. Dhar (MP).

(Transferor)

- (2) Smt. Jyoti W/o Pradeep Kumar Gandhi  
495, M.G. Road, Indore,  
Director, Gourav Cement Co. (P) Ltd.,  
Regd. Off. 87, Doulatganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land survey No. 132, is situated at Vill. Gavla, distt. Dhar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building,  
Near Central India Floor Mills,  
Bhopal.

Date : 13-12-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

## BHOPAL M. P.

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6189—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 100 situated at Vill Phopnar Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Akhtar Hussain S/o Shamsher Ali Bohra,  
R/o Bhairati Bazar, Beri Maidan, Teh. Burhanpur.  
(Transferor)
- (2) Subhashchandra S/o Baboolal Choksey,  
Phopnar Kalan, Teh. Burhanpur,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land is situated at village Phopnar Kalan, Teh. Burhanpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 16-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6190.—Whereas I,  
V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Land situated at Vill. Phopnar Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer Burhanpur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

76—426GI/85

- (1) Shri Akhtar Hussain S/o Shamsherali Bohra,  
R/o Khairati Bazar Ward, Bairy Maidan, Burhanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Nitinkumar S/o Ashokchand Choksey,  
Minor through Ashokchand Baboolal Choksey,  
R/o Phopnar Kalan, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land is situated at Vill. Phopnarkalan, Teh. Burhanpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 16-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

BHOPAL M. P.

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl./6191.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Vill. Phopnar Kalan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Akhtar Hussain S/o Shamsherali Bohra,  
R/o Khairati Bazar, Ward, Bairy Maidan,  
Burhanpur. (Transferor)
- (2) Shri Kantikumar S/o Arunchand Choksey,  
Minor, through father Arunakumar Baboolal  
Choksey, R/o Phopnar Kalan, Teh, Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land is situated at Vill. Phopnar Kalan, Teh. Burhanpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified in the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills. BHOPAL

Date : 16-12-1985  
Seal:

FORM 1/1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BHOPAL M. P.

Bhopal, the 10th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6192.—Whereas I, V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 27 (Block No. 5) situated at Napier town, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Herbert Kishore with his brother Basil Kalyani and Samuel Khuntat & Smt. Tarekha Elias of Calcutta, Wd/o late Shri H. T. Elias.

(Transferor)

- (2) Smt. Asha Jain /o Arvind Kumar, Jain R/o Kotwali Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Nazul plot No. 27 (Block No. 5) is situated at Napier town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 10-12-1985  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Khusal Onkar Mahajan,  
R/o Vill. Palasur, Teh. Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Balu & Khusal Mahajan,  
R/o Palasur, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 16th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6193.—Whereas I,  
V. P. SHRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Ag. Land situated at Vill. Palasur, Teh. Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Burhanpur on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Vill. Palasur, Teh. Burhanpur.

V. P. SHRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 16-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL M. P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6194.—Whereas I,  
V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ajit S/o Dr. (Late) Ramchandra Atre,  
R/o Civil Line, Raipur.  
(Transferor)
- (2) Shri Manoharlal S/o Hargundas Jadhvani,  
Nal Ghar Colony, Raipur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 27/520 is situated at M.G. Road, Raipur.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 17-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6195.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit  
S/o Dr. (Late) Ramchandra Atre,  
R/o Civil Line,  
Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Shankarlal  
S/o Shri Hargundas Jadhwan,  
Nal Ghar Colony,  
Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 27/520 is situated at M.G. Road, Raipur.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 17-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6196.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Raipur on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit  
S/o Dr. (Late) Ramchandra Atre,  
R/o Civil Line,  
Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Murlidhar,  
S/o Shri Hargundas Jadhvani,  
Nal Ghar Colony,  
Raipur. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 27/520 is situated at M.G. Road, Raipur.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal.

Date : 17-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6197.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 27/520 situated at M.G. Road, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit  
S/o Dr. (Late) Ramchandra Atre,  
R/o Civil Line,  
Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Amarlal  
S/o Shri Hargundas Jadhvani,  
Nal Ghar Colony,  
Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 27/520 is situated at M.G. Road, Raipur.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 17-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl. 6198. Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 36 situated at Saketnagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

77—426G1/85

(1) Shri Yashveerddhan Chopra  
S/o Shri S. K. Chopra,  
R/o Saket Nagar (Khajrana).  
(Transferor)

(2) Shri Navyug Gih Nirman Sahkari Sanstha,  
154-M, Khatiwala Tank, Indore,  
Through President—  
Shri Shrichand S/o Shri Tarachandji Chugh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 36 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 17-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

(1) Shri Sardar Gurumukhsingh Narula,  
T. S. Hardy Singh,  
726, Napier Town,  
Jabalpur. (Transferor)(2) Shri Anant D. Devras,  
S/o Late Shri Diwakar Rao Devras,  
41, Napier Town,  
Jabalpur. (Transferee)(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/6199.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Bungalow No. 726 situated at Napier Town, Jabalpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Jabalpur on April, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 726 is situated at Napier Town, Jabalpur.  
This is the immovable property, which has been described  
in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :

Date : 17-12-1985  
Seal :

**FORM IT-28**

- (1) 1. Shri Hariram 2. Srimam S/o Mitan  
3. Munia widow of Mitan,  
Mahantpara,  
Raipur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (2) Shri Lalit Kumar Singhania,  
Bharat Sahakari Griha Nirman Samiti Mayadit,  
Jawahar Nagar,  
Raipur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6200.—Whereas, I,  
V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

P.H. No. 109, B. No. situated at Jawahar Nagar, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P.H. No. 109 is situated at Jawahar Nagar, Raipur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6201.—Whereas, 1. V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 12 and constructed house therein situated at Ravinagar Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Ashok Menda  
S/o Shri Baldevdas Menda,  
2. Smt. Geeta  
W/o Shri Tulsidas Hinduja,  
Chandralok Colony,  
Indore.

(Transferee)

- (2) Smt. Mamta Garg,  
W/o Shri Prem Garg,  
R/o 4, Maharani Road,  
Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 12 and constructed house therein is situated at Ravi Nagar Colony, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date: 17-12-1985  
Seal:



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6202. —Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 84 (First floor) situated at M.T. Cloth Market, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Aryasamaj Malharganj, Indore  
Through President—  
Shri Ramswaroop Khandelwal  
S/o Shri Bherulalji Khandelwal,  
R/o 75, Malharganj, Indore &  
Secretary  
Shri Medatwal S/o Shri Nanlalji Medatwal,  
Ramganj, Indore.  
(Transferor)
- (2) M/s. Prakashchandra Kothari  
Through Proprietor—  
Shri Prakashchandra Kothari  
S/o Bhanupratap Kothari,  
58, Ahilyapura, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 84 (First floor) is situated at M.T. Cloth Market, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 17-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/6203.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 7, situated at Roshansingh Bhandari Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nateshchandra Sethi,  
As Attorney of  
Smt. Anoop Probha Sethi,  
R/o Manik Bhawan, Tukoganj,  
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Manorama  
W/o Shri Roshanlal Baphana,  
2. Shri Ravindrakumar,  
S/o Shri Roshanlal Baphana,  
3. Shri Sangeeta  
W/o Shri Ravindrakumar  
All r/o 5/2, Old Palasia,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

## THE SCHEDULE

House No. 7, is situated at Roshansingh Bhandari Marg, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 18-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 18th December 1985

Ref. No. IAC/Acq. Bpl/6204.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vacant land and Building (Single storey) situated at Village Katulbod P.C. No. 70/56, Teh. & Dist. Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Durg in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

- (1) Shri P. S. Mehta  
S/o Shri S. N. Mehta,  
D.F.O. Hoshangabad, Dist. Hoshangabad,  
M.P. (Transferor)
- (2) Shri S. S. Dharaskar  
S/o S. D. Dharaskar,  
Bungalow No. 8, 32 Bungalow,  
Bhilai, M.P. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and single storeyed building is situated at Village Katulbod P.C. No. 70/56, Teh. & Dist. Durg, M.P. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 18-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 17th December 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6205.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Open land 6487 sq. ft. with one room and swimming pool situated at Ratlam (Rambagh) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Ravikumar  
S/o Shri Vardhaman Dafria,  
Karta of HUF,  
S/Shri Ravikumar Vardhaman Dafria,  
Rituvan, Rambagh,  
Ratlam.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Jakyabai, W/o Hakimuddin Pakawala,  
2. Mr. Johar  
S/o Hakimuddin Pakawala  
3. Mr. Majhar  
S/o Hakimuddin Pakawala  
4. Mr. Mustafa  
S/o Hakimuddin Pakawala  
5. Mr. Yusuf  
S/o Hakimuddin Pakawala  
R/o Taherpura, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land, one room and swimming pool is situated at Ratlam. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income-tax Building,  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 17-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. S. S. Kini.

(Transferor)

(2) Mr. M. D. Kamath.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.G/2659.—  
Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 208, H. No. 30 & 32, C. T. S. No. 1571 & 1572 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Piece of land, S. No. 208, H. No. 30 and 32, CTS No. 57 r 572 Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1900/84

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
78—426GI/85

Date : 5-12-1985  
Seal :

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Bombay

**FORM ITNS**

- (1) Mrs. P. P. Parikh. (Transferor)  
 (2) Smt. Nayan De Ramayan. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-III  
 BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR.III/37.G/2675.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece or parcel of land 22-C Miniland, Tank Road, Village Kanjur, Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Piece or parcel of land 22-C, Miniland, Tank Rd. Village Kanjur, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S 2873 dated 16-4-1985.

A. PRASAD  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III  
 Bombay

Date : 5-12-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Waman Pandurang Patil,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Amol Co-operative Hsg. Sct. Ltd.,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.G/2624.—  
Whereas I, A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
land bearing S. No. 15 (3)(p) CTS No. 3, Village Mulund  
Taluka Kurla, Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Bombay on 23-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 65/3(p) CTS No. 3, Village Mulund,  
Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Regis-  
tering Officer on 23-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-12-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ishwarlal N. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Farook Kasam &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR.III/37 G /2631/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot of land with constructed Bldg. CTS No. 3556, 3557 & 3558 S. No. 374 H. No. 1(p) Kole Kalyan, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land with Bldg. CTS No. 3556, 3557 & 3558, H. No. 374 H. No. 11 (p), Kole Kalyan, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1712/82.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR. III/37G-2617/85-86.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Piece or parcel of land S. No. 370 Hissa No. 3(p)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
and S. No. 378 Hissa No. 1(p) City Survey Nos. 3653 and  
3654 Village Kote Kalyan  
Bombay on 15-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Mrs. Mary D'Lima. (Transferor)  
( ) M/s. Indira Construction. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land being Survey No. 370 H. No. 3, S. No. 378  
H. No. 1 (p), CTS Nos. 3653 and 3654 Village Kote  
Kalyan, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Regis-  
tering Officer at Sr. No. 1550/1981 dated 15-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 25-11-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Yunus Umar Khatri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jai Shivam Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR.III/37.G.2619/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with Buildings bearing F. P. No. 22A CTS No. 526 Kurar Village, Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Piece of land with Bldg. F. P. No. 22-A, CTS No. 526, Kurar Village, Malad (W), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-922/77 dated 9-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1985

Seal :

FORM ITN2

(1) The Kanjur Co. op. Hsg.Soc.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. The Ganeshwari Kirpa Co. op. Hsg. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned : —

Ref. No. AR.III/37.G/2673/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 44, S. No. 977 (pt), Bhandup (E), Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Plot No. 44, S. No. 977, (p), Bhandup (East), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 3047/82.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. S. Kini.

(Transferor)

(2) Mr. Arunkumar Das,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE III  
BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Ref. No. AR.III/37.G/2661/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land S. No. 208, H. No. 30 & 32, C. T. S. No. 1571 & 1572 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land S. No. 208, H. No. 30 and 32 CTS No. 1571 and 1572 Village Malvani, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at St. No. 1903/84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 22-11-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shataram Sower Kini.

(Transferor)

(2) K. P. Ghamakari

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Ref. No. AR III/37.G/2660/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land with Structure at S. No. 208, H. No. 30 &amp; 32, C.T.S. No. 1571 &amp; 1572 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

79—426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land S. No. 208 H. No. 30 and 32, CTS No. 571 and 572 with structure, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1902/84 dated 14-8-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 22-11-1985

Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Smt. Prabhavati Manohar Gosavi.

(Transferor)

(2) Musa Ibrahim Bilkhiya,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Ref. No. AR.III/37.G/2618/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land bearing plot No. 58, together with building 'Geeta Sagar plot No. 58 S. No. 13 city survey No. 105, 105/1, 105/2 &amp; 105/3, Pahadi Village, Goregan (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Piece of land plot No. 58, with Bldg. Geeta Nagar, S. No. 13, CTS No. 105, 105/1, 105/2 or 105/3, Pahadi Village Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1505/84 dated 10-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 22-11-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 22nd November 1985

Whereas I, A. PRASAD,

Ref. No. AR,III/37.G.2626/85-86.—

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land S. No. 72(p) village Mulund, land S. No. 73 B. P. T. Road, Village Mahul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-4-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ratanbai F. Divecha &amp; Ors.

(Transferor)

(2) The Tata Hydro-Electric Power Supply Co. Ltd.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land Survey No. 77, (p) Village Mulund, Survey No. 73, B. P. T. Road, Village Mahul, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S-1540/82 dated 16-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 22-11-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Injana  
W/o. Bhagwandas Gandhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Girdhari R. Karna.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY**

Bombay, the 22nd November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.G/2630/85-86.—

Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No 2 of Block No. 16 CTS No. 339, Nahur Village Netaji Road, Mulund Colony, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Room No. 2 of Block No. 16, bearing CTS No. 339, Nahur Village Netaji Road, Mulund Colony, Bombay-82.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 2900/82 dated 23-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-11-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

(2) Shri Ranjeet Surju Prasad Choube &amp; O/s.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR-111/37EE/18975/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-1, Cellar Floor at Nestima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-1, on Cellar Fl. Nestima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-111/37EE/18975/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 3-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. C. R. Unde.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 3rd December 1985

No. AR-III/37EE/18956/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, C-Wing, 3rd fl. Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 34 in C-Wing, 3rd fl., Neelima Apartment, S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18956/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-12-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) City Builders.

(Transferor)

(2) Chadrakant B. Rane.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-III/37EE/18945/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fla No. 2A, 3rd fl., B. N. Rd., Kohan Nagar, Bhandup (W), Bombay-78 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 2-A, 3rd fl., B. N. Road, Kohan Nagar, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18945/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mr. V. A. Ratnani &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Mulbai N. Keswani.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18946/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 52/53, Tirupati Apt. Plot No. 1083, Devidayal Cross Rd., Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 52/53, Tirupati Apartments, Plot No. 1082, Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18946/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Paramount Indl. Stores.

(Transferor)

(2) M/s. Premshankar R. Sharma.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18910/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 28, Shanti Indl. Estate, S. N. Rd., Mulund (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 28, Shanti Indl. Estate, S. N. Rd., Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18910/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
80—426GI/85

Date : 25-11-1985  
Seal :

FORM ITNS—187

(1) M/s. Paramount Indl. Stores.

(Transferor)

(2) M/s. Premshankar R. Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18911/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 29, Shanti Indl. Estate, S. N. Rd., Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. which period expires later.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Gala No. 29, Shanti Indl. Estate, S. No. Rd., Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18911/84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 25-11-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. Paramount Indl. Stores.

(Transferor).

(2) M/s. Surya Sales.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

No. AR-III/37EE/18912/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 30, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W), Bombay-60

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 30, Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18912/84-85 dated 1-5-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 25-11-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY**

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18922/84-85.---

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 140, Hirandani Indl. Estate Kanjur Marg, Station, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Hirandani Indl. Enterprises. (Transferor)  
(2) Mr. Purshotam K. Matai, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Gala No. 140, Hirandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Station, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18922/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 25-11-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mmt. Kanta Sharma.

(Transferor)

(2) Shri Keshavji R. Chandan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/18930/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, first fl. A-14, Govardhan Nagar, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, first fl. A-14, Govardhan Nagar, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/18930/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Maganlal Narshi &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Madhavi Dinesh Haria.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/1 8932/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5-B, Hemleela Apartment, Mahatma Phule Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5-B, Hemleela Apartment, Mahatma Phule Rd., Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18932/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 25-11-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Maya A. Balani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shabbir H. Jadhwal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 25th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18936/84-85.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 2, Ground Fl., Niranjani Apartments, Hira Nagar, Naluri Village, Mulund (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985

for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 2, Ground Fl., Niranjani Apartment Hira Nagar, Naluri Village, mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18936/84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bomb.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-11-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S. 187

(1) Shree Mahavir Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri K. D. Ahuja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 29th October 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/18317/84-85.—Whereas, I, Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 71, ground floor, Veena Nagar, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay Geetanjali Nagar Yojna No. 3, Shop No. 3, D-Wing, Oil, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 71, ground floor, Veena Nagar, L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18317/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 29-10-1985  
Seal :

## FORM ITNS.—

(1) Smt. J. K. Matrak.

(Transferor)

(2) M/s. Nirmal Developers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th November 1985

No. AR-III/37EE/18623/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 47/6 (Mulund Colony, Mulund (W), Bombay-82 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Block No. 47/6, Mulund Colony, Mulund (W), Bombay-82.  
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FF/18623/84-85 on 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
8I—426 GI/85

Date : 28-11-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Cherukuri Ratnakumari.

(Transferor)

(2) Mr. K. Mathew.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref No. AR.III/37EE/18677/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. Gr. Fl. Golden Dew C.H.S. Ltd., Deonar Baug, Deonar, Bombay-88, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Golden Dew C.H.S. Ltd., Deonar Baug, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/18677/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 4-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Barun Kumar Batta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gayaka Krishna.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR. III/37EE/18346/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E/7/12, Jai Taramani C.H.S. Ltd., Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Flat No. E7/12, Jai Taramani C.H.S. Ltd., Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/18346/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 4-12-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Hirachand Vardichand.

(Transferor)

(2) Shri Kalulal Dhoolchand Jain.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18491/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, New Ambika C.H.S. Ltd., Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay-82 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, New Ambika C.H.S. Ltd., Jawahar Nagar, Goregaon (W) Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.III/37EE/18491/84-85 on 1-4-1985

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 4-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Pursansingh Santasingh.

(Transferor)

(2) M/s. Sant Mechanical Ind. Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18672/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Indl. Plot No. T 1 at Kama Indl. Estate, Goregaon (East), Bombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Indl. Plot No. T 1 Kama Indl. Estate, Goregaon (East), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18672/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 4-12-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S. ———

(1) M/s Graphico.

(Transferor)

(2) M/s. Alpha Plate Mfg. Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18851/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 68, New Satguru Nanik Indl. Premises CHSL, Gr. Fl. Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-65 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 68, New Satguru Nanik Indl. Premises C.H.S. Ltd., Gr. Fl. Western Express Highway, Goregaon (East), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18851/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 4-12-1985  
Seal

## FORM ITNS

(1) Mr. Shah Kamalkant Bhailal.

(Transferor)

(2) Ramesh Ramchandra Lalwani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/18384/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Bldg. No. 3, 4, Atur Park Shiv Parvati C.H.S. Ltd., Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Bldg. No. 3 & 4, Atur Park Shiv Parvati C.H.S. Ltd., Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18384/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 4-12-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 69D of the said Act to the following persons, namely :—

NOTICE

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18850/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 54, New Satguru Nanik Indl. Premises Co-op. Soc. Ltd., Gr. Fl., Western Express Highway, Goregaon (East), Bombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Graphico, (Transferor)
- (2) M/s. Alpha Plate Mfg. Co. Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 54, New Satguru Nanik Indl. Premises C.H.S. Ltd., Gr. Fl., Western Express Highway, Goregaon (East), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18850/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 4-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Kolah Burjor Rustomji &amp; Ors.

(Transferor)

(2) M/s. J. P. &amp; Co. Automotives.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18344/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shed No. 2, Siddhpura Ind. Estate, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strivice of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Factory Shed No. 2, Siddhpura Ind. Estate, S. V. Road, Goregaon (West), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR./III/37EE/18344/84-85 on 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
82—426GI/85

Date : 4-12-1985  
Seal :

FORM IT NS.-----

(1) *Shri Shamashuden T. Maredia & Ors.*

(Transferor)

(2) *M/s Shrenik Steel Co.*

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/371E/18489/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop on Ground fl. Brijvasi Indl. Estate I.B. Patel Road,  
Goregaon (E), Bombay-62 situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Shop or godown on ground floor, Brijvasi Indl. Estate, I. B.  
Patel Road, Goregaon (East), Bombay-62.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.III/371E/18489/84-85 on  
1-4-1985.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.Date : 4-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. P. V. Sheth &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Mr. P. Kannan &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III 37EE/18684/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat in Bharat Tirtha Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 27, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat/Bungalow on plot No. 27 of Bharat Tirtha Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Lalwadi Shindewadi, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18684/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 4-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Ram P. Kochar.

(Transferor)

(2) Mrs. Sapna Arora.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18495/84-85. —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 1st floor, Vishranti C.H.S. Ltd., 2nd Road, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st Fl. Vishranti C.H.S. Ltd., 2nd Road Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18495/84-85 on 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 4-12-1985  
Seal :



FORM ITNS.-----

(1) Smt. Kumud P. Rastogi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Mahajan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned;—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR-III/37EE/18404/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding R. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. D-2/12, Hari Ratan C.H.S. Ltd. Bangur, M.G. Road,  
Goregaon (W), Bombay situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are deemed in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. D-2/12, Hari Ratan C.H.S. Ltd. Bangur Nagar,  
M. G. Road, Goregaon (W), Bombay.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18404/84-85  
dated 1-4-1985.(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

## FORM ITNS—

(1) Shri Udham D. Sahani.

(Transferor)

(2) Shri Kundan S. Thadani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18689/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3/D-6, 2nd fl. Vijay Vihar C.H.S. Ltd. ST. Rd. Chembur, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3/D-62nd fl. Vijay Vihar C.H.S. Ltd. S. T. Road, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18689/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 4-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s Packfine Corrugating Ltd. (Transferor)  
 (2) M/s Vishnu Dyeing Printing Works. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18018/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Katcha Shed Asbestos sheds being shed No. 1 part III Ram Mandir Rd. Goregaon, Bombay-62

(and more fully described in the schedule annexed has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Kutchia Shed with asbestos sheds being shed No. 1, Part III on land bearing S. No. 117 H. No. 3 off Mandir Rd. Goregaon (W) Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18018/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III  
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Date : 4-12-1985  
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Sanghiv Steels Ltd.

(Transferor)

(2) Shri C. K. Sinha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/18906/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 29, Chhadva Apartments, Sion Trombay Road, Opp. Diamond Garden, Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Flat No. 29, Chhadva Apartments, Sion Trombay Road, opp. Diamond Garden, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18906/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,—

Dated : 2-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS- ———

(1) Mr. H. P. Chowdhary.

(Transferor)

(2) Mr. M. Mohandas.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18419/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 4, Bhanumathi Premises C.H.S. Ltd., M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
83—426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, Bhanumathi Premises C.H.S. Ltd., M. G. Road, Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18419/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 2-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) M/s. Ajay Builders & Developers. (Transferor)
- (2) Shri Purushottam T. Jethmalani. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY**

Bombay, the 28th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18077/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, 2nd fl. Ajay Apartment Plot No. 6, Nadiadwala Colony, Scheme No. 1, Malad (W) Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 9, 2nd b. Ajay Apartment, plot No. 6, Nadiadwala colony Scheme No. 1, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18077/84-85 dated 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (22 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 28-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) A. M. Alwares and Ors.

(Transferor)

(2) B. D. Gohil and B. M. Chawda.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1985.

Ref. No. AR-III/37EE/18750/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 39, Valnai Village, Roards Colony Orlem, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. 39, Valnai Village Roards Colony, Orlem, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18750/84-85 dated 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 28-11-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Glendale Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Albano D'Silva.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18717/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 15, 3rd fl. Bldg. Under Const. Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd fl. plot No. 16-A, CTS No. 432, Village Valnai, J. B. Colony, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18717/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 18-11-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri Gopinath S. Vaishampayan.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Shankar Kamat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18660/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece or parcel of land, Plot No. 24-M, TPS. 1 Shivaji Nagar Malad (E), Bombay-97, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing plot No. 24-M, TPS. 1, Shivaji Nagar, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18660/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 28-11-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Harshadrai N. Bhayani.

(Transferor)

(2) Ganesh Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 28th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18235/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 25, S. No. 26, Hissa No. 1 (p) and 3 (p) Village Valnai Malad (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot No. 25, S. No. 26, Hissa No. 1(p) and 3(p) Village Valnai, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18235/84-85 dated 1-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 28-11-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18816/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 608, 6th floor, Malad Shopping Centre, S. V. Road Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Y. C. Tomboli,  
(Transferor)
- (2) Shri J. D. Gada Ors.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 608, 6th floor, Malad shopping centre, S. V. Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18816/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 18-11-1985  
Seal

FORM I.T.N.S.-----

(1) M/s. Agarwal Construction Co.,  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. R. K. Mashruwalla & Ors.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18267/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 205, 2nd floor, Opp. Bachani Nagar, Off. Daftary Road, Malad (E), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, Opp. Bachani nagar, Off. Daftary Road, Malad (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18267/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 19-11-1985  
Seal

FORM ITNS—

(1) Mrs. R. S. Kanchhal

(Transferor)

(2) Mrs. C. J. Gogri

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR-III/37EE/18599/84-85.—Whereas, I,  
AKHILESH PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No Plot No. 13, 1st floor, Nidhi Apartment, No. 1, T.P.  
Road, Malad (W), Bombay 64situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the  
Competent Authority at Bombay on 1-4-85for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, Nidhi Apartment, No. 1, T.P. Road,  
Malad (W), Bombay 64.(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-III/37E/18599/84-85  
dated 1-4-85AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
84-426GI/85Date : 18-11-85  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Agarwal Construction Co.,

(Transferor)

(2) Shri G. Goyal &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/18268/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, 4th floor, Opp. Bachani Nagar, Off. Daftary Road, Malad (E), Bombay 67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 402, 4th floor, opp. Bachani Nagar, off. Daftary Road, Malad (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-18268/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Date : 18-11-85  
Seal :

## FORM ITNB—

(1) M/s. Agarwal Construction Co.,

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18266/84-85.—Whereas, I,  
AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, 3rd floor, opp. Bachani Nagar, off. Daftary Road, Malad (E), Bombay-67, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 303, 3rd floor, off. Daftary Road, Opp. Bachani Nagar, Malad (E) Bombay 67.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18266/84-85 dated 1-4-85.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-85  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Kusum R. Saraf

(Transferor)

(2) Shri Anil V. Mayekar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18598/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being No. Flat No. 54, 5th fl. Nidhi Apt. No. 1, T.P. Rd. Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 54, 5th fl. Nidhi Apartment No. 1, T.P. Road, Malad (W), Bombay-64.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18598/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-11-85  
Seal :



FORM ITNS

(1) Mr. P. K. Zachariah

(Transferor)

(2) Mr. P. D. Chadana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY  
BOMBAY

Bombay, the 4th December 1985

Ref. No. AR.II/37EE/19227/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 407, 4th floor, A-Wing, Prabhu Apartments, Mahendra Villa, Village Ghatkopar Kiroli Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 4, Chaitanya, Young Friends Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 109, Jai Prakash Nagar, Goregaon (E), (E), Bombay 63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/19227/84-85 dated 1-5-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASD/  
Competent Author  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-  
Acquisition Range-III, Bomi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Damji Raghavji Shah

(Transferor)

(2) Siraj Ahamed Ijad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37E/18141/84-85.—Whereas, I,  
AKHILESH PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
No. Shop No. 1B, Laxmi Shopping Centre, H.D. Road,  
Ghatkopar, Bombay-86 situated at Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the  
Competent Authority at Bombay on 1-4-85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifty per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Shop No. 1, Laxmi Shopping Centre, H.D. Road, Ghatko-  
par, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay No. AR-III/37E.18144/84-85 dated  
1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 20-11-1985  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Vivek Enterprises
- (2) Shri Shantilal M. Mehta

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18724/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Flat No. 407, 4th fl. A-Wing, Prabhu Apartments, Mahendra Villa, Village Ghatkopar Kiroi Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair value believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th fl. Mahendra Villa bearing CTS Nos. 4556 to 4580 Village Ghatkopar Kiroi Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE-18724/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 20-11-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kanchenben C. Parkh &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwanji Monji Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18305/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Plot No. 38, Ashish C.H.S. Ltd. Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77, situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 38, Ashish C.H.S. Ltd. Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18305/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 20-11-1985  
Seal :

## FORM 11NS

(1) M/s. Jain Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Prashant K. Patel.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18727/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C/2, Ground Fl., Navrang Baug Apt. S. No. 231 Kurla (E), Bombay-24, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

85—426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C/2, Ground Fl. Navare Baug Apt. Bldg. S. No. 132, Part, CST No. 4, 4/1 to 4/45 and 231 part Kurla (E), Bombay-24.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18727/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 20-11-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Vivek Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Daftary &amp; Others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18240/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 507, 5th fl. B-Wing Prabhu Apartment, Rajawadi, Ghatkopar, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 57, 5th fl. B-Wing Prabhu Apartment, Rajawadi, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18240/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 20-11-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Damji R. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. K. Mayekar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18140/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1A Laxmi Shopping Centre, H. D. Rd. Ghatkopar Bombay-86, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1A, Laxmi Shopping Centre, H. D. Rd. Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18140/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 20-11-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Vivek Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Taruna K. Mehta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 20th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18723/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 307, 3rd fl. A-Wing Mahendra Villa, Village Ghatkopar Kirol, Rajawadi, Ghatkopar, Bombay-77, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd fl. A-Wing Mahendra Villa, Kirol Village, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18723/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 20-11-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) A. B. Shah.

(Transferor)

(2) M/s. Gem Synthetics &amp; Polymer (India).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18216/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. C/10-A, Agra Road, Indl. Premises Co.op. Hsg. Soc., Ltd., L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. C/10-A, Agra Road Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Ghatkopar (W), L.B.S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/18216/84-85 dated 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 2-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Miss F. G. Deo.

(Transferor)

(2) Mrs. S. G. Deo &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd December 1985

Ref. No. AR.III/37EE/18646/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 15, Bldg. No. 2A, Bombay Taximen's Co-op. Hsg.  
Soc. Ltd., 306, L.B.S. Marg, Kurla (W), Bombay-70(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority at Bombay on 1-4-85for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 15, Bldg. No. 2A, Bombay Taximen's co-op. Hsg.  
Soc. Ltd., 306, L.B.S. Marg, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/18646/84-85  
dated 1-4-1985.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 2-12-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) M/s Blazon Industries.

(Transferor)

(2) M/s. Choudhary International.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

No. AR-III/37EE/18369/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 108, New Satguru Nanik Indl., 7Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 108, New Satguru Nanik Indl. Estate, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18369/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated: 5-12-1985.  
Seal :

## FORM 11NS

(1) Sh. V. P. Tamahane. (Transferor)

(2) Sh. Suresh M. Lalwani. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18537/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, Plot No. 4, Meghooor, Pestom Sagar Scheme, G. S. Road, Chembur, Bombay-89, situated at Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 23, Flat No. 4, Meghooor, Pestom Sagar Scheme, G.S. Road, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18537/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 5-12-1985.  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Mr. K. N. Shah H.U.F.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. V. P. Doshi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 18th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/18928/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 65, Pankaj Bldg., bearing No. Block No. 65, Pankaj Bldg., Hotel Airways, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

86—426GI-85

## THE SCHEDULE

Block No. 65, Pankaj B, Behind Hotel Airways, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18928/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH CHANDER

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Mehta Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Y. T. Uchil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37FF/18933/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, 6th floor, Bldg. No. 6-D, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, 6th floor, Bldg. No. 6D, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18933/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH CHANDER

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. S. V. Chandran.

(Transferor)

(2) Sh. K. H. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18957/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 3, 1st floor, Elephanta Gausala Lane, Malad (E), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st fl. Elephanta, Gausala Lane, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18957/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH CHANDER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 18-11-1985.  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Sh. Radhakishan D. Vakhare.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18968/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 407, fourth floor, Ajit Park-A, Somwar Bazar Road, Malad West, Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered in section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, fourth fl. Ajit Park-A Somwar Bazar Road Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18968/84-85 dated 1-4-1985.

AKHILESH CHANDER  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated: 18-11-1985.  
Seal:



## FORM ITNS—

(1) Mr. P. M. Shenoy.

(Transferor)

(2) Mr. Jossie Castelino.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18938/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor, Jasmine Apartment, Plot No. 21-22, Inamdar Mith Chowky, Orlem, Malad (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. Jasmine Apartment, Plot No. 21-22 Inamdar Layout, Mith Chowky, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FE/18938/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985  
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Sh. Anil Sidheshwar Channapattan. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th November 1985

No. AR-III/37EE/18969/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, fourth floor, Ajit Park, B. Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, fourth fl. Ajit Park B, Somwar Bazar Road, Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18969/84-85 dated 1-5-1985.

AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-11-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash S. Channapattan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 19th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions user herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.Ref. No. AR-III/37EE/19970/84-85.—Whereas, I,  
AKHILESH PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 1, fourth floor, Somwar Bazar, Ajit Park B, Malad  
(W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1985

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, fourth fl. Somwar Bazar Rd. Ajit Park-B, Malad  
(W), Bombay-64.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/18970/84-85  
dated 1-5-1985.AKHILESH PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Dated : 19-11-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Paras Construction Co.,  
(Transferor)(2) Shri N. K. Timbadia.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18703/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 12, Paras Dharshan, Bldg. No. 2, M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-74, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 12, Paras Dharshan, Bldg. No. 2, M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18703/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 5-12-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Paras Construction Co., (Transferor)  
(2) Smt. P. P. Timbadia. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/18704/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 11, Paras Dharshan, Bldg. No. 2, M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-74 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

87—426G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 11, Paras Dharshan, Bldg. No. 2, M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18704/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 5-12-85  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Kim Corporation.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Jariwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

e said property  
:—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37.EE/19717/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, 4th floor, Preeti Apartment, Ghatla village, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, 4th floor, Preeti Apartment, Ghatla village, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/19717/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-12-85  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Kishore M. Malde.

(Transferor)

(2) Shri Rahim Akhtar A. M. Ansari.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.**THE SCHEDULE**

Flat No. 34, Bldg. No. 5-A, Bombay Taximen's C.H.S. Ltd. 306, L. B. S. Marg, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/19449/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Ref. No. AR-III/37-EE/19449/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Flat No. 34, Bldg. No. 5-A Bombay Taximen's C.H.S.L. 306, L. B. S. Marg, Kurla (W), Bombay-70 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-85  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Mistry Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri Bertrand Pinto.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18558/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Tiara Building No. A, 2nd lane, Dornic Colony, Malad (E), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203, Tiara Building No. A, 2nd lane, Dornic Colony, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/198558/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-12-85  
Seal:



## FORM ITNS

(1) M/s. Heera Construction Co.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Narayan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37.EE/18974/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ground Floor with Basement at 105, S. V. Road, Malad, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Ground Fl. of building with Basement at 105, S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/18974/84-85 dated 1-4-85.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 5-12-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/4766/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 20, Rockhouse CHSL situated at Worli Hill Road (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |  |  |
|--|--|
| (1) Shri Hansa B Vasant, Mehul Bansi Vasant, | (Transferor)                           |
| (2) Nana M Vasant                            | (Transferee)                           |
| (3) Transferor & Transferee,                 | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 20, Rockhouse Co-op. Hsg. Society Ltd., Worli Hill Road Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6437/85-86 on 25-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf-Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Chanchalben H. Mistry.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6064/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Patel Apartments situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 1st floor, Patel Apartments, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5739/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1985

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref No. AR-I/37EE/6067/84-85—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 22 Shivsagar Bldg situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Keshavlal P. Savlani

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Sacheti, Chamellal Sacheti &  
Suganbal Sacheti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 22 Shivsagar 2nd floor, Abdul Gaffar Khan Road Plot No. 33, Behind Ramnord Laboratory, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No AR-I/574/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 9-12-1985  
Seal

## FORM ITNS—

(1) M/s. Shiv Prasad Enterprises.

(Transferor)

(2) P. K. Commercial Company.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6073/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 102, Mittal Towers situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 102, 10th floor, C-Wing, Mittal Towers Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under serial No. AR-I/5749/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM LT.N.E.-----

- (1) Mrs. Vinodini Venkatraman. (Transferor)  
 (2) Mr. Kekin Manhar (Transferee)  
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6083/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, using the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. 14, The Welfare CHSL situated at Sion (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, The Welfare Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 66, Welfare House, Scheme No. 6, Road No. 25/C, Sion West, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5753/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5084/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104-A Meena Apts. situated at Magagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Laxmi Eknath Mane. (Transferor)
- (2) I. Shri Jagannath D Navle & Smt. Mandakini J. Navle. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 104-A, Meena Apartment Matherpakhadi Road, Mazagaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5754/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-12-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Pammil Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6087/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 439, Shah & Nahar Indl. Estate A-I situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 439 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-I, S. I. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5757/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985

Seal :



FORM ITNS—

(1) M/s Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok R. Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6094/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Unit No. 428, Shah & Nahar Indl. Estate A-1,  
situated at Lower Parel, Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority,  
Bombay on 1-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## TIME SCHEDULE

Unit No. 428 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate  
A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5761/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-1,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37FE/6095/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 20, Bharat Ind. Estate, situated at Sewree (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Bhasin. (Transferor)  
(2) M/s. Shamegh Corporation. (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Gala No. 20, Prakash Ind. Premises Co-op. Soc. Ltd., Bharat Indl. Estate, T.J. Road, Sewree, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5752/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6113/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 316, Regal Udyog Bhavan, situated at Sewree, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Aravind C. Kunder. (Transferor)  
(2) M/s Amca Leathers Pvt. Ltd. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Unit No. 316, Regal Udyog Bhavan, A.D. Marg, Sewree, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5771/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6119/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 19, Mahaveer Chambers, situated at Vadgadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| (1) M/s. Bharat Agencies. | (Transferor)                           |
| (2) M/s Bharat Bros.      | (Transferee)                           |
| (3) Transferee.           | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 19 on the 3rd floor, Mahaveer Chambers, 333/337, Samuel Street, Bombay-400 003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5777/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6123/84-85.—Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 306, Bussa Ind. Estate, situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—  
89 —426G1/85

(1) Mrs. Sunanda Vithal Surve,  
Vijay Vithal Surve,

(Transferor)

(2) M/s Intaglios.

(Transferee)

(3) M/s Surve & Sons,  
(Person in occupation of the property)

(4) M/s. Surve & Sons.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 306, 3rd floor, Bussa Industrial Estate, Century Lane, Prabhadevi, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5781/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri N. M. Swamy & Mrs. P. M. Swamy.  
(Transferor)
- (2) Jagdish M. Dalal & Sarala M. Dalal.  
(Transferee)
- (3) Transferee.  
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the Income-tax Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 16 in A building, Hind Co-op. Housing Society  
Ltd., Plot No. C.S. No. 2D/23, Eastern Express Highway,  
Sion, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/5789/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal

## FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6142/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 317, Bussa Udyog, Bhavan Indl. Co-op. Soc. Ltd. situated at Sewri (and more fully describe in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. K. Mech. Electronics. (Transferor)
- (2) M/s Huzra Mohallah Association, A.O.P. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent AR-J/3794/85-86 on 2-4-85.

Unit No. 317, Bussa Udyog Bhavan Indl. Co-op. Society Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. Ltd., T.J. Road, Sewri, Bombay-400 015.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6153/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 6, Sarita CHSL,  
situated at Chunabhatti  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 9-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Vithal Shivram More &  
Dr. S. M. Gandhi. (Transferor)
- (2) Shri Prakash Dhanraj Sominde &  
Smt. Snehalata P. Somiminde. (Transferee)
- (3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 in Sarita Co-op. Housing Society, Chunabhatti,  
Bombay.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/5799/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) M/s Shah & Nahar Associates. (Transferor)  
 (2) M/s Avon Industries. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6156/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 430, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 430 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-1/5802/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6157/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 147, A-2 Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena M. Nayak,  
Prop. of M/s. Mrunal Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 147, 1st floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5803/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

**FORM ITNB****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6158/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearingUnit No. 220 Shah & Nahar Indl. Estate A-2,  
situated at Lower Parel  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 9-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act. to the following persons,  
namely :—

(1) Shah &amp; Nahar Associates. (Transferor)

(2) M/s. Nelstar Welcon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 220 on 2nd floor of Shah & Nahar Indl. Estate  
A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5804/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12 1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Ms. Shah & Nahar Associates  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Anand Enterprises.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6159/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 326, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, situated at Lower Parel (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 326A, 3rd floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5805/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shah & Nahar Associates. (Transferor)  
 (2) Ms. Hindustan Apparel Industries. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6160/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 434, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, situated in Lower Parel,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 90-426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 434 on 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. I. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5806/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Badruddin K. Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Suparlakha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I BOMBAY  
Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6165/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 9, Tantia Estate situated at N. M. Joshi Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed on between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 9, 1st floor, Tantia Indl. Estate, Sitaram Mill Compound, N. M. Joshi Marg, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6386/85-86 on 8-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri P. S. Acharya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Al Madina Contracting Est. Co.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6166/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 805, Raheja Centre Situated at Nariman Point (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 805, Raheja Centre, 214, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5810/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6169/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 406, Parekh Market situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay, on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Lilavati G. Bharwani. (Transferor)  
(2) Smt. Seema Rajesh Bhansilal & Sureshchandra G. Bhansali, HUF. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 406, 4th floor, Parekh Market, 39, Kennedy Bridge, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5813/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Kanpur

Date : 9-12-1985

Seal :



FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Universal Commercial Co.

(Transferor)

(2) M/s. Sundar Sons (India) .

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6170/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Indl. Unit No. 219A, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 Lower Parel (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 219A on 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, Sun Mill Lane, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5814/85-86 on 9-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
85—416 GI/85

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6173/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 34-B, Backbay Reclamation situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

- (1) Shri Amar Embroidery Pvt. Ltd. (Prop),  
Amar Embroidery Sales Corporation. (Transferor)
- (2) Kidarsons Industries Private Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 34-B, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5817/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM LT.N.S.-----

(1) Ismail Ali Kaskar.

(Transferor)

(2) Aziza Abdul Razak Kaskar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6174/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 211, Kaliandas Udyog Bhavan Near Century Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

128—416 3 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 211, Kaliandas Udyog Bhavan, Plot No. 1082, near Century Bazar, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5818/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Ms. Sumer Associates. (Transferor)  
 (2) Smt. Prakash S. Vanigota. (Transferee)  
 (3) Builder. (Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6178/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 704, Sumer Towers situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 704, on floor, Sumer Towers, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 5821/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6179/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 104, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
91—426GI/85

(1) M/s. Sumer Associates.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh U Shah &amp; Shri Mansukhlal K. Shah.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 104 on 1st floor, Bldg. No. 1 of Sumer Towers, Love Lane, Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5822/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6180/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 905, Sumer Tower situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sumer Associates. (Transferor)  
(2) Smt. Kuwerbai Megji & Shri Megji Obhaiya. (Transferee)  
(3) Builder. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 905 on 9th floor, Sumer Tower, Seth Motisha Lane, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AP-I/5823/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Smita C. Tawde & Mr. Chimaji S. Tawde.  
(Transferor)(2) Mr. Kiran . Sardar & Mrs. Chhaya K. Sardar.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6187/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 21, Khushvihar Bldg. situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, *viz* :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 21, Khush Vihar, 210-F, Dr. Ambedkar Road, near Chitra Cinema, Dadar, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5826/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6196/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-122, Chinara Bldg. situated at Wadala Bombay on 9-4-1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Dineshchandra Vijaykumar,

(Transferor)

- (2) Mrs. Sunia Gupta, Master Saurabh Gupta & Master Shentu Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-122, 12th floor, Chinara Bldg., Plot No. C.S. No. 336 & 506 Dadar Naigaum Division, Sewri Cross Road, Rafiq Kidwai Road, Wadala, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Strial No. AR-1/5832.84-85 on 9-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Dated : 6-12-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Shri Mumtaz Hussain Dattu Khoja. (Transferor)  
 (2) Ms. Seema Silk & Saree. (Transferee)  
 (3) Transferor & Yesudas Satyajiwan. (Persons in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6200/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, Bhansilal Bhuvan situated at Warden Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6, Bhansilal Bhuvan, 73, Warden Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5835/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985.  
 Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Natraj Builders. (Transferor)  
 (2) M/s. Acharya Products. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6202/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 6, Natraj situated at Matunga (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. 6, Natraj, Plot No. 404, Laxminarayan Lane, Matunga, Bombay-19.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5894/85-86 on 8-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 5-12-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Karamdas Exports,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6204/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 440, Shah & Nahar Indl. Estate A-I situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 440, 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5895/85-86 on 8-4-85.

NISAR AHMED

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6205/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 408A, Byculla Service Industries situated at Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer the Competent Authority, at Bombay on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Murli N Daulatramani,  
Anita M Daulatramani  
Parmeshwari N Daulatramani,  
(Transferor)
- (2) Lilaram S Gurnani,  
Bhagwandas S. Gurnani,  
Deepak B. Gurnani,  
(Transferee)
- (3) Transferors,  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 408A, Byculla Service Industries, C. S. No. 711 of Mazgaon Division, Sussex Road, Byculla, Bombay-400 027.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5896/85-86 on 8-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bonny Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Peoples Wine Shop.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6206/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 20, Harbour Crest Bldg. situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

92—426G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 20 on ground floor of Harbour Crest Building, Tulsiwadi, Mazgaon Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5897/84-85 on 8-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Bonny Enterprises,

(Transferee)

(2) Mr. Narayan M. Rawal,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37FE/6207/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, Dev Kripa Bldg. situated at Govindji Keni Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor of Dev Kripa Bldg., Plot No. 140-145, Naigaum Scheme, Govindji Keni Road, Bombay-400 014.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5898/84-85 on 8-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 6-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Deepak Enterprises.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Polymech Engineering Industries.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6121/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 422, Tulsiani Chambers situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed for the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 422 on 4th floor, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/5903/85-86 on 8-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6213/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 603, Veena Beena Apts.  
situated at Sewree  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
the Competent Authority,  
at Bombay on 8/4/1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh P Doshi,  
Prop. Ramesh Trading Co. (Transferor)
- (2) Shri Arvind B Desai, (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, E Wing of Bldg. Veena Beena  
Apartments, Acharya Donde Marg, Sewree, Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I/5904/85-86 on 8-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 6-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Mrs. Priyada P. Mudras,

(Transferor)

(2) Mr. Jayantilal N. Malde and  
Mrs. Narabhadaben J. Malade.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EF/6214/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. G/3 Viswa Kutir CHSL, situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer the Competent Authority at Bombay on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. G/3, Viswa Kutir Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Vaidya Wadi, Shanker Ghanekar Marg, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5905/85-86 on 8-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6217/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-7, 1st floor, Navyug Mansion, N. Bharucha Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vimlaben Dinkar Jhaveri,  
Miss Aarti D. Jhaveri.  
(Transferor)
- (2) Shri Deepavijay M. Patel and  
Shri Devjiroha M. Patel.  
(Transferee)
- (3) Transferors.  
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-7, Wing C, 1st floor, Navyug Mansion, Naushir Bharucha Marg, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5808/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37HE/6228/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. A-3/3, Dhanraj Indl Estate situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Steel Sales Corporation, (Transferor)  
(2) M/s Bhagyodaya Metal Industries. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. A-3/3, Dhanraj Industrial Estate, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I/5916/85-85 on 10-4-1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6230/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 10, The Tejal Co-op. Premises Society Ltd. situated at Narayan Dhuru Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ansuyabai K. Pandya and  
Shri Arvind K. Pandya. (Transferor)  
(2) Shri Vishnu Kumar Hariram Ramnani. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Room No. 10, The Tejal Co-op. Premises Society Ltd., 94, Narayan Dhuru Street, Bombay-400 003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5918/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Arvind M. Zaveri,  
Sri Dilip M. Zaveri.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Bhogilal Zaverchand Vasa.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6232/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Shatrunjaya Bldg. situated at Sion (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

93—426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 5, Building No. 15, Shatrunjaya, Shri Hind Co-op. Hsg. Soc. Ltd, 23, N. S. Manhikar Marg, Chunabhatti, Sion West, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Strial No. AR-I/5919/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Exports.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6235/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 421, Creative Indl. Centre situated at N. M. Joshi Marg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 421 on the 4th floor, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C. S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel Division, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5920/84-85 on 10-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) M/s Minal Traders

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6236/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 13 on the basement, Creative Indl. Centre situated at M. M. Joshi Marg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 13 on the basement, Creative Indl. Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off. Lower Parel Division, Bombay-11.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/3021/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Kusum Kishanchand Varma and  
Ravi K. Varma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ketan Paramodrai Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6238/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Plot No. 250 situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, Plot No. 250, Sion Koliwada Road, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5923/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 5-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS ———

(1) M/s Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) M/s Paresb Traders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6239/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 12 in the basement, Creative Indl. Centre situated at N. M. Joshi Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 12, Basement, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel Divn., Bombay-400 011.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6239/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 6-12-1985  
Sd :

FORM ITNS—

(1) M/s Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Cliff Creation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. ARI-37EE/6245/84-86.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Unit No. 410, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at  
Lower Parel(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 410 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate  
A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5927/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 5-12-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) M/s. One Plus One Creation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

zRef. No. AR-I/37EE/6246/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 410, Shah & Nahar Indl. Estate A-1 situated at Lower Parcel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 409, on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parcel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5228/85-86 on 10-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shah &amp; Associates.

(Transferor)

(2) M/s Khole Enterprises

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6247/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 438 on 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-1, situated at Lower Parel (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 438 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-1, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5930/85-86 on 10-4-1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM NO. 1

(1) M/s. Jyoti Structures P. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Eicona Art

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR-I/37EE/6248/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Unit No. 403, Hind Rajasthan Dentt. Centre  
situated at Dadar(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferredand the Agreement is registered under section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent  
Authority,

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 403, 4th floor, Hind Rajasthan Dept. Centre,  
95 Phadke Road, Dadar, Bombay-14.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5929/85-86 on 10-4-85.NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the transfer of the same under sub-  
section (1) of Section 269F of the said Act to the following  
persons, namely :—

94—42633-85

Date: 9-12-1985.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baburao M Tupe & Smt. Shardabai B Tupe.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joe Joseph.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6250/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 10, New Girish Apts. situated at Chunabhatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, A Wing, New Girish Apartments, Patil Lane, Chunabhatti, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6250/85-86 on 10-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985.  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Jayant Ramchandra Walechkar

(Transferor)

(2) Mr. Raghunath G Naik.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY**

Bombay the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EF/6257/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 18, 'Datrutva' Bldg. situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred at Bombay on 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 18 on the 4th floor, 'Datrutva' Building, Naigaoon Cross Road, Dadar, Bombay-I-I.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5842/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 5-12-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Kesum K Verma & Ravi K Verma  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subhash C. Shah & Chunilal J. Shah  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6258/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, Plot No. 250 situated at Sion (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred at Bombay on 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range I, Bombay, under Serial No. AR-I/5843/85-86 on 18-4-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Mrs. Kusum K Verma & Mr. Ravi K Verma.  
(Transferor)(2) Nilin K. Shah.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37FF/6259/84-85. Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 8, Plot No. 250 situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, of Bombay on 18-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR I/5849/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 3-12-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6260/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, Plot No. 250 situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Kusum K. Verma & Mr. Ravi K. Verma.  
(Transferor)
- (2) Mr. M. Kishore A. Gholani & Mrs. Chetan K. Gholani.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5845/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985.  
Seal :

FORM FINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6261/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent authority under Section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Flat No. 6, Plot No. 250 situated at Sion East  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferredat Bombay on 18-4-85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the force of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Mr. Kishor K. Varma & Mr. Ravi K. Verma.  
(Transferor)

(2) Mr. Pramod A. Gholani & Mrs. Bharti P Gholani.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East,  
Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5946/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS ———

- (1) Mr. Kishori K. Verma & Mr. Kavi K. Verma,  
(Transferor)  
(2) Mr. Bhatat A. Gholani & Mr. Nafana B. Gholani,  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37FE/6262/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at Bombay on 18-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5847/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Kusum K Verma & Mr. Ravi K Verma.  
(Transferor)  
(2) Kiritkumar C Shah & Daksha K Shah.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6263/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Plot No. 250 situated at Sion East Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

95—426GI/85

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 250, Sion Koliwada, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5848/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Laduben D Patel

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natverlal P Patel

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6269/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. G-1, Ramon Smruti CHS situated at V. P. Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. G-1/Ground floor, Ramon Smruti Co-op. Housing Society, Sicka Nagar, G Block, V.P. Road, Bombay-4.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I/5852/84-85 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr Nari D Mirchandani

(Transferor)

(2) Mrs Susheela Gopalkrishnan & Mr R Gopalakrishnan  
(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 6th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR-J/37EE/6275/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 21, Prem Kutir Bldg. situated at Sion East  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the Agreement is registered under section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent  
Authority,  
at Bombay on 18-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 21, Prem Kutir, 177, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5857/85-86 on 19-4-85.NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 6-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6277/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-3, Mira Mansion situated at Sion West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs Mohini R Mirchandani (Transferor)  
(2) Mr Balram Sachdev & Mrs Praful Lata Sachdev (Transferee)  
(3) Transferee (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-3, Block 1, Mira Mansion, Plot No. 2929-B, Scheme 6, Road No. 25, Sion West, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5868/85-86 on 11-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6282/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 18, Shanti Bhavan situated at Old Hanuman Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Natverlal G. Vasani,

(Transferor)

(2) Shri Vasulal L. Talreja,  
Shri Ashok L. Talreja,  
Shri Vashdev J. Jethwani,  
Shri Mukesh G. Talreja,  
Master Sandeep M. Talreja,  
Master Sachin M. Talreja,  
Bhanbarbai L. Shanta M. Talreja.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 18, Shanti Bhuvan, Old Hanuman Lane, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 47, Old Hanuman Lane, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5862/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 5-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bhupendra Kumar P. Chawla.

(Transferor)

(2) Shri Dharamdas G. Manglani &  
Shri Deepak D. Manglani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6284/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. F-14, Venus Apts., situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-14, Venus Apartment, Dr. R. G. Thadani Marg, Worli, Seaface, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5864/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 9-12-1985  
Seal :

**FORM ITN**

(1) M/s. Gift Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Goel.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6285/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Plot No. 940 situated at Prabhadevi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred at Bombay on 18-4-1985 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Gift House, Plot No. 940, T.P.S. No. IV, Lower Mahim Prabhadevi Road, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5865/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6293/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. 5, Cote D'Azur Bldg. Warden Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Sunanda Das, Mr. Suprito Das & Mr. Vishak Das  
(Transferor)
- (2) M/s. Pressman Mutual Funds Ltd.  
(Transferee)
- (3) Transferee  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No 5, Cote D'Azur, Warden Road, Bombay Plot No. 1 of Breach Candy Estate, C.S. No. 2-A/694 of Malabar & Cumballa Hill Divn.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5871/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS- ———

(1) Mr. Mofataj P. Mundi, HUF.

(Transferor)

(2) M. V. Subramaniam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;Ref. No. AR-1/37EE/6297/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 72, Karma Kshetra situated at Sion East Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 18-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 72, 11th floor, Wing B1, Karma Kshetra on Com-  
rade Harbanslal Marg, near Shanmukhananda Hall, Sion East,  
Bombay-22.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/5875/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

96—426G1/85

Date : 6-12-1985

Sd/-

## FORM ITNS

(1) Mr. Parag M M Munot, a minor through his father & Guardian Mopatraj P. Munot.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Narendra V Thakkar & Mrs. Mandakini N. Thakkar.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37FE/6298/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 669B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 93, Karma Kshetra situated at East Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 93, 9th floor, Wing B1, Karma Kshetra on Comrade Harbanslal Marg. Near Shanmukhananda Hall, Sion East Bombay-37.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5876/84-85 on 18-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-12-1985  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6301/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1201, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Sumer Associates  
(Transferor)
- (2) Smt. Savitadevi R. Raison &  
Shri Rameshkumar S. Rai Soni.  
(Transferee)
- (3) Builder.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1201 on 12th floor of Building No. 1 of 'Sumer Towers' Love Lane now known as Seth Motusha Road, Mazgaon, Bombay-400 010.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5932/85-86 on 17-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Issar Hinduja.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-1/37EE/6306/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 219A-2, Shah & Nahar Indl. Estate situated at Lower Parel Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Unit No. 219-A, Shah & Nahar Indl. Estate, S.J. Marg, Lower Parel Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5937/85-86 on 19-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-12-1985  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6308/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 12, Kailash Cottage CHSL situated at Sion (W)  
Bombay,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 19-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Smt. Kamla B Acharya.

(Transferor)

(2) Shri Khubhal H. Gala &amp; Mrs. Jashu K. Gala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 12, Kailash Cottage Co-op. Hse. Society Sion  
West, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No.  
AR-I/5939/85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS- ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE 6310/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 708, Kailash Apartment situated at Bellasis Road Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

- (1) Shri Vashudeo H Valecha. (Transferor)
- (2) Smt. Aminabai S. Merchant & Smt. Mehshar Humayun Merchant. (Transferee)
- (4) Transferees.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 708, 7th floor, Kailash Apartment, 293 Bellasis Road, Bombay Central Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/37EE/5941/85-86, on 19-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM TINS

(1) Mrs. Shirai Edul Soonawala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijay Kumar Shroff &amp; Mrs. Gita Shroff.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6311/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 4-B, Malbar Apartment situated at Napeansea Road Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used in this notice are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 4-B, Malbar Apartments, 2nd floor, Napeansea Road Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/6942/85/66 on 19-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Anupama Rani Sharma.  
(Transferor)(2) Soyab S Dholkawalla.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 6th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6318, 84-85.-Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503, 5th floor Bldg. H situated at Sewree (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Building H, Veena Beena Apartments, Acharya Donde Marg, Sewri (W) Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5946, 85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 6-12-1985  
Seal :

## FORM IINS

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Premji Lakhamshi Dedhia &  
Mrs. Laxmiben P. Dedhia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AK-I/37EE/6322/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 455, Shah & Nahar Indl. Estate A-2 situated at Lower Parel (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

97—426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Unit No. 455 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5949/85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6324/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Underground Basement, situated at Grant Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ratilal Tribhuvandas Pujara (Transferor)  
(2) Sukhraj Sohanlal Jain (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Under Ground Basement Godown No. E-1, Building No. 1, Bharat Nagar Co-op. Hsg. Society Ltd., Bharat Nagar, Grant Road, Bombay-400 007.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5950/85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Jyotsna Biswanath Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jar Rusi Motivala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6325/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 502, Kush Villa situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 502, Kush Villa, Kush Villa Co-op Hsg. Society, Kharegat Road, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5951/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6326/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 61, Bustan Apartment situated at Belasis Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ahtesham A. Sayed,  
Shri Kamaluddin Z. Nagamiya. (Transferor)
- (2) Mr. Mohammad Nuh Khalil Ahmed &  
Mrs. Hasina Bibi Muhamed Nuh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, Bustan Apartment, 2-B Wing, Opp. B.E.S.T. Depot, Belasis Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5952/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Sanjiva M. Shetty.

(Transferor)

(2) Shekhar A. Shetty.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6329/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 31, Milan Indl. Estate situated at Cotton Green (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 31, Milan Industrial Estate, Cotton Green, Bombay-33.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5955/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6331/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Kavi Apartments situated at Worli Sea Face (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Rajesh Rajinder Kapoor,  
Rakesh Rajinder Kapoor,  
Miss Ritu R. Kapoor.  
(Transferor)
- (2) Mr. Venkatesh Nayak Manel &  
Mrs. Meera V. Manel.  
(Transferee)
- (3) Transferors.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 11 Kavi Apartments, Worli Seaface, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/37EE/5957/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shah &amp; Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Hindustan Apparel Industries.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME****ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK**

Rohtak, the 25th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6333/84-85.—Whereas, I,  
**NISAR AHMED,**

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 433 on 4th floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-I  
situated at Lower Parel(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 20-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this Notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—**(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on respective persons, whichever  
period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
**publication of this notice in the Official Gazette.****EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.**THE SCHEDULE**Unit No. 433 on 4th floor of Shah & Nahar Indl. Estate  
A-I, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial  
No. AR-I/5959/85-86 on 20-4-1985.**NISAR AHMED**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
BombayDate : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Sumer Associates, (Transferor)  
 (2) Shri Vimalchand C. Mehta, (Transferee)  
 (3) Builder. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-I,  
 BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6343/84-85.—Whereas, I,  
 NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702, Sumer Towers No. 1 situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 702 on 7th floor of Building No. 1 of 'Sumer Towers' Love Lane, now known as Seth Motisha Road, Mazgaon, Bombay-10.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5960A/85-86 on 23-4-1985.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I  
 Bombay

Date : 5-12-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Jayendra C. Shah, (Transferor)  
 (2) M/s. Rohit & Company. (Transferee)  
 (3) Transferee, (Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-I,  
 BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6351/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 301, Abhay Steel House situated at Baroda St. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 301 on the 3rd floor, Abhay Steel House, Plot No. 59-E, Baroda Street, Off. P. D'Mellow Road, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/37FE/5961/85-86 on 23-4-1985.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

98—426GI/85

Date : 5-12-1985  
 Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Smt. Meenabai M. Bajaj.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh K. Hemani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6354/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16 & Covered terrace the Gulratan Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Sion East (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred at Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 16, The Gulratan Co-op. Housing Soc. Ltd., Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1/37FE/5964/85-86 on 23-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Chhotalal Raichand,

(Transferor)

(2) Pravinchandra N. Malde,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6355/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Shop No. 14, Anantdeep Chamber situated at Narsi Natha  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
at Bombay on 23-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Shop No. 14, Anantdeep Chambers, 273-77, Narsi Natha  
Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial  
No. AR-1/37EE/5965/85-86 on 23-4-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant (Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 5-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Cynthia Sequeira.

(Transferor)

(2) Shri Prabhakar V. Vishwasrao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6361/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. B-33, Abhijit CHS situated at Dadar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority,  
Bombay on 24-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. B-33, Ground floor, Abhijit Co-op. Hsg. Society  
Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I- Bombay under Serial  
No. AR-1/5969/85-86 on 24-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-12-1985

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I.37HE/6363/84-85.—

Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12-A, Gangotri Bldg. situated at Walkeshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 24-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of effecting p7-74( cmfwy shrdl shrdl shrdlu shrd

- (1) Kiran B. Shah, Mukesh N. Shah,  
Mahendra N. Shah, (Transferor)
- (2) Smt. Nina Rajesh Kadakia,  
Mr. Natwarlal C. Kadakia. (Transferee)
- (3) Transferors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, Gangotri Building, 89-A, Banganga, Walkeshwar, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5971/85-86 on 24-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EF.6366/84-85.—

Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4, Dalal Apartment situated at Lamington Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 24-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushella S. Suvarna, (Transferor)  
(2) Shri Pascal Bhai Karim Mohamed Sidhpura, (Transferee)  
(3) Transferee, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 4, Building No. 1, Block No. A, Ground floor, Dalal Apartment, Lamington Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5973/85-86 on 24-4-1985.

**NISAR AHMED**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EB/6367/84-85.—

Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 19, Venus Apartments, situated at Worli Sea-face (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Venkatesh N. Manel,  
Mrs. Meera V. Manel,  
(Transferor)
- (2) Dr. Kishore Adyanthaya,  
(Transferee)
- (3) Transferees.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 19, D Block, 5th floor, Venus Apartments, Worli Seaface, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5974/85-86 on 24-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Sadanand Krishnaji,  
Prop. of M/s. Sadanand G F & S Agents.  
(Transferor)
- (2) Shri Jasbir Singh Bhatia.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6370/84-85.—

Whereas I, NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Room No. 109, Gupta Bhawan CHS situated at Ahmedabad  
St. Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority  
at Bombay on 20-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective per-  
sons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 109 at Gupta Bhawan Co-op. Housing Society,  
32/38, Ahmedabad Street, Bombay-400 009.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5892/85-86 on 20-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985

Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6300/84-85.—

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 2, Orient Indl. Estate situated at Sewree Wadala Estate (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

99-42661/85

- (1) Jadhavji V. Ruparel. (Transferor)
- (2) M/s. Orient Engineering and Ship Repair Works. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)
- (4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 2, Oriental Industrial Estate, Plot No. 45, Scheme No. 57, C. S. No. 605, Dadar Naigaon Division, J. W. Road, Sewree Wadala Estate (S), Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5885/85-86 on 23-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985

Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mrs. Shanta T. Diwekar, (Transferor)  
(2) Mr. Avinash J. Agharkar & Mrs. Charulata Agharkar. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6381/84-85.—

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Fiat No. 9, Anant Niwas situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, Anant Niwas, The Purandara Park Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 109-C, Hindu Colony, Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6570/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Avinash Narayan Haldankar.

(Transferor)

(2) Rajaram Damodar Khare.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6384/84-85,--

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No: 1, Bhawani Shankar CHS situated at Dadar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :--**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, K. S. A. Building, Bhawani Shankar Co-op. Housing Society Ltd., Bhawani Shankar Road, Dadar, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5882/85-86 on 24-4-85.

NISAR AHMED

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Natraj Builders.

(Transferor)

(2) Gala Caterers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/2761/6673/84-85.—

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5, Natraj situated at Matunga (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. Natraj, Plot No. 104, Laxmi Narayan Lane, Matunga, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6182/85-86 on 20-5-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985

Seal.



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/371E/6679/84-85.—

Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A 601, Soonawala Apts. situated at Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jogani Builders. (Transferor)  
(2) Mrs. Shajahan Shahid Hasan Mir. (Transferee)  
(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A 601 on 6th floor, 'Soonawala Apartments' 13-15, Arab Lane, Eapri Road, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4749/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date 5-12-1985  
Seal.

FORM U.T.N.S.—

(1) M/s. Jogani Builders.

(Transferor)

(2) M/s. New Asoka Automobiles.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY**

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6699/84-85.—

Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 16, Soonawala Apts. situated at Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Shop No. 16, Basement B, Soonawala Apartment, 13/15, Arab Lane, Gapti Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/4784/85-86 on 6-4-1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act or in the said Chapter as given in that Chapter.

Date : 5-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 5th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6700/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'Soonawala Apartments' Shop No. 10, Basement A situated at Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jogani Builders. (Transferor)
- (2) B. L. Jogani Family Trust. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 10 and Basement A, Soonawala Apartments, 13/15, Arab Lane, Bapli Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4785/85-86 on 6-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 5-12-1985  
Seal :

FORM LUN.S. \_\_\_\_\_

(1) M/s. Colour Chem. Limited.

(Transferor)

(2) Mr. Pamela Chatterjee,  
Miss Niral Chatterjee,  
Miss Priya Chatterjee.

(Transferee)

(3) M/s. Colour Chem. Ltd.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EF/6102/84-85.—

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Satnam Apartments situated at Colaba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 12th floor, Satnam Apartments, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5763/85-86 on 2-4-85

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Pramod S. Tibrewala,  
Mrs. Saugita P. Tibrewala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within forty-five days from the date of  
publication of this notice in the official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6115/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000- and bearing No.  
Flat No. 1, Patel Apartments situated at Worli, Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 2-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 on 1st floor, Patel Apartments, Building No.  
7B, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5773/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

100—426GI/85

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6062/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 4, Patel Apartments situated at Worli,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Mr. Yusuf Abdulla Patel. (Transferor)  
(2) Mrs. Chanchalben H. Mistry,  
Mrs. Purnima M. Mistry &  
Mr. Manhar H. Mistry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 6th floor, Patel Apartments, Building No.  
7B, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5737/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mrs. Chanchalben H. Mistry.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6063/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Patel Apartments situated at Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 1st floor, Building No. 78, Patel Apartments, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5737/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985

Sign :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6114/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, Patel Apartments situated at Worli, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.                                  | (Transferor) |
| (2) Mr. Vishwanath S. Tibrewala &<br>Mrs. Mcena V. Tibrewala. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 1st floor in Patel Apartments, Building No. 7B, B. G. Kher Road, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5772/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.———

(1) Mr. A. Yusuf Abdulla Patel,

(Transferor)

(2) Mr. Vinod S. Tibrewala.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6116/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Patel Apartments situated at Worli, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 6th floor in Patel & Gupta Apartments, Building No. 7B, Worli Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5774/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Mr. Yusuf A. Patel.

(Transferor)

(2) Mrs. Niloofer Mohd. Farooq Plasticwala.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6171/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Patel Apartments situated at Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No.1 on 2nd floor, Patel Apartments, Building No. 7B, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5815/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6328/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Ajanta Apartments situated Colaba Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Atmaram K. Sadarangani.  
(Transferor)
- (2) Mr. Dalip G. Makhijani &  
Mrs. Lovinda D. Makhijani.  
(Transferee)
- (3) Transferor & family.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, Ajanta Ideal Co-operative Housing Society Ltd., 75, Colabba Road, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5954/85-86 on 20-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Janki Devi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chanderlal Naulani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6121/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing Flat No. 72, Satia Bhavan situated at Colaba, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 72, Satia Bhavan, Plot No. 3, J.J. Charities, Opp. 4th Pasta Lane, Off S.B. Road, Colaba, Bombay-400003.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5779/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S. 187—

(1) Mrs. Parvati V. Talreja.

(Transferor)

(2) M/s. Progressive Leasing Ltd.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. 37EE/6081/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Office No. 51, Tardeo A/C Market situated at Tardeo,  
Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 1-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
- 
- respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
- 
- of 45 days from the date of publication of this
- 
- notice in the Official Gazette or a period of 30 days
- 
- from the service of notice on the respective persons
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
- 
- property, within 45 days from the date of the publi-
- 
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No 51, Tardeo Air-Conditioned Market, 3rd floor,  
Tardeo, Bombay-400034.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5749/85-86 on 1-4-85.NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

101—426GI/85

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. S. P. Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ghewarchand S. Jain &  
Shri Parasimalji Nanaji.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6161/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,000/- and bearing Room No. 18, Heera Panna Building situated at Tardeo Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. 124, Heera Panna, Junction of Bhulabhai Desai Road, Tardeo, Bombay-400034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5807/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6185/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 53/1393, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mrs. K. V. Sule.

(Transferor)

(2) Mrs. D. S. Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 53/1939, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5825/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Santaben H Jobanputra.

(Transferor)

(2) Messrs Ankur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6218/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 328, Prabhadevi Unique Industrial Estate situated at Prabhadevi, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 328, 3rd floor, Prabhadevi Unique Industrial Estate, Opp. Veer Savarkar Marg, Prabhadevi, Bombay-400025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5909/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5033/84-85.--Whereas, I  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Row House No. 10 plus 2 car parking space, Grand Paradi situated at Near Kemp's Corner (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) Mrs. Anjana Rita Rai. (Transferor)  
(2) Shree Trust. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Row House No. 10, 2 car parking space, Gr. and Paradi Co-op. Housing Society, near Kemp's Corner, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6355/85-86 on 29-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM 11NS

(1) M/s Maitri Developers.

(Transferor)

(2) Shri Firdos Sorab Iranl.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/3420/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, Maitri Bldg. situated at Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 29-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Maitri Building, 11, Golanji Hill Estate, Parel, Bombay-400012.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6455/85-86 on 29-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 9-12-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6226/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 14, Nirmala Niwas situated at Sion (E) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| (1) Kamla G. Chhabria.    | (Transferor)   |
| (2) G. H. Desai (HUF).    | (Transferee)   |
| (3) M/s Nippon Chemicals. | (Person in occupation of the property)                               |
| (4) M/s Nippon Chemicals. | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, Nirmala Niwas, 3rd floor, Main Road, Plot No. 157, Sion East, Bombay-400022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5915/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date 9-12-1985.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kewal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Print Service.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6271/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Terrace portion adjoining Unit No. 341, Kewal Indl.  
Estate situated at Lower Parel,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority,  
at Bombay on 18-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Terrace portion adjoining Unit No. 341, B Building, Kewal  
Indl. Estate, Lower Parel, Bombay-400 013.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial  
No. AR-I/5854/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

Date 9-12-1985.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

RANGUN NOLLSINDOV  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6300/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown No. 3, Steel Chambers, situated at Broach St., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

102—426GI/85

- (1) Mrs. Usha, Kishore Mehta, Shri Bharat A Shah  
Shri Mukesh A Shah. (Transferor)
- (2) M/s Atul Textile Traders. (Transferee)
- (3) Transferors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown No. 3, Basement floor, Steel Chambers, Broach Street, Bombay-9.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5879/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date 9-12-1985.  
Seal :

## FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6314/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 50 per cent share in Office No. 302 situated at Girgaum Rd., (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lakhiram C Rohira. (Transferor)
- (2) Shri Birmanand R. Pamnani. (Transferee)
- (3) M/s Lakhiram Hassanand, (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Lakhiram C Rohira & Hassanand R Pamnani. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

50 % share in office No. 302, 352, Murlidhar Chambers, Girgaum Road, Bombay-400 002.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5944/85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mr. Hemendra C. Shah, Mrs. Bela M. Shah  
& Mr. Ripia C. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

(b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6061/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 3, Patel Apts.,  
situated at Worli  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority,  
Bombay on 1-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 5th floor, Patel Apartments, Bldg. No. 7A,  
B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial  
No. AR-I/5736/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6194/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 48, Heera Panna Bldg. situated at Haji Ali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                           |  |
|---------------------------|--|
| (1) Mrs. Rita M. Daswani. | (Transferor)                           |
| (2) Mrs. Khurshid Saeed.  | (Transferee)                           |
| (3) Transferor.           | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. 48, Ground floor, Heera Panna Shopping Centre, Haji Ali, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5831/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985

Seal :



FORM I.T.N.S. ———

(1) Shri S Mohammedali.

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Tariq Ilyas.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6216/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

CS No. 1355 of Fort Divn.

situated at Gola Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land in Gola Lane within Fort of Bombay, registered in Collector's Book of Land Revenue Old No. 5592 Old S. No. 8845, A Ward, St. No. 5, C.S. No. 1355 of Fort Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5907/85-86 on 9-4-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, BombayDate : 10-12-1985  
Seal :

FORM MNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri A. S. Nadkarni. (Transferor)  
 (2) Smt. N. H. Vasavada. (Transferee)  
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6190/84-85.—Whereas, I  
 NISAR AHMED,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 No. 1/2 share of office No. 208 Maker Bhavan No. 3  
 situated at New Marine Lines  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred and the Agreement is registered under  
 section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
 of the Competent Authority,  
 Bombay on 9-4-1985  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
 ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of  
 30 days from the service of notice on the  
 respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The Terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of the office at Room No. 208, Maker Bhavan  
 No. 3, 21, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent  
 Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial  
 No. AR-I/5828/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
 Seal :

## FORM ITNB-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6267/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3304, Panchshil Bldg., situated at Churchgate, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Durgā R. Jethmalani & Miss Rani R. Jethmalani. (Transferor)  
(2) Mafatal Mangilal Kothari & Jayantilal M. Kothari. (Transferee)  
(3) Transferees. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 304 on 3rd floor, Panchshil building, C Road, Churchgate, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6454/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM 1-T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6309/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 241, Kalindas Udyog Bhavan, situated at Near Century Bazar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Agarwal Group of Industries. (Transferor)  
(2) Mr. Arvind Jagannath Jadhav. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 241, Kaliandas Udyog Bhavan, near Century Bazar, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5940/85-86 on 19-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vishnu W Chinchalkar.

(Transferor)

(2) Smt. Shobhadevu Kailashchandra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6616, 84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Aryan Mahal situated at Churchgate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

103—426GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Aryan Mahal, C Road, Churchgate, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4857/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 9/12/1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6091, 84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 52/1384, MIG Adarshnagar situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Marshall D'Souza. (Transferor)
- (2) Mrs. Cicilia D'Souza. (Transferee)
- (3) Transferee (Person in occupation of the property)
- (4) Society (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 52/1384, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5758/85-86 on 1/4/85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10/12, 1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE 6280/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 101015 Maker Chambers V, situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Manu Desai,  
Prop. Azis Advertising Consultants, (Transferor)  
(2) Mr. Kishin D. Bhavnani and  
Mrs. Meena K. Bhavnani, (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)  
(4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 101015 on 10th floor, Maker Chambers V, Plot No. 271 of Block III of the Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5860/85-86 on 18-4-1985

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 9-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6208/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 302A, Glenridge Bldg., situated at B. G. Kher Marg, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 8-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer as follows:

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gyanchand N. Kothari. (Transferor)  
(2) Smt. Anjana N. Shah. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 302-A, Glenridge, 16, B. G. Kher Marg, Bombay-400 006.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5899/85-86 on 8-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 11-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS

- (1) Mr. M. A. Mansure. (Transferor)  
 (2) Mr. Rajesh Saigal. (Transferee)  
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE 6304/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25, Sneha Sadan situated at Opp. Colaba Post Office (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, Bombay on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 25, Sneha Sadan, 2nd floor, Opp. Colaba Post Office, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5935/85-86 on 19-4-85.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I  
 Bombay

Date : 11-12-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6127/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 10, Roxana Bldg. situated at Maharshi Karve Road  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 2/4/1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been of  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. M. L. Gupta Kamanwala,  
Sh. S. K. Gupta,  
Sh. O. P. Khandelwal,  
Smt. Neeta Jain,  
Smt. Sudha Gupta Kamanwala. (Transferor)  
(2) Dady Nawroji Adenwala. (Transferee)  
(3) Tenant Mr. Nariman. (Person in occupation of the property)  
(4) Transferors. (Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons;  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 10, 4th floor, Roxana Building, Maharshi Karve  
Road, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5783/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10/12/1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6255/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 3B/6, New Sion CHS situated at Sion (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Gurinder Singh Pratapsingh. (Transferor)  
(2) Ashok P. Kharawla. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 3B/6, New Sion Co-op. Housing Society, Sindhi Colony, Gr. floor, Sion, Bombay-400 022.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5840/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 9/12/1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6069/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Napeansea Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Shewakram G Mahtani.  
(Transferor)
- (2) Mr. Russi K Rastomjee and  
Mrs. Arnaz Russi Rastomjee.  
(Transferee)
- (4) Messrs Avery India Ltd.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, 'Ashutosh', 38-A, Napeansea Road, Bombay-36.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5742/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10/12/1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

(1) Baraka Overseas Traders.

(Transferor)

(2) Inderkumar Gupta (HUF),  
Smt. Neena Devi Gupta,  
Mr. Vanit Gupta,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-I/37EE/6144/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 142, Mittal Tower situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 142 on the 14th floor, B Wing, Mittal Tower, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5796/85-86 on 2/4/85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
104—426 GI/85

Date : 9/12/1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6332/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Sadanand Apartment situated at Prabhadevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maduri P Savant.

(Transferor)

(2) Shri Arun D Vijaykar,  
Mrs. Laxmi D Vijaykar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Sadanand Apartment, Acharya Kale Marg, Agar Bazar, Prabhadevi, Bombay-400 028.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5958/85-86 on 20-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 9/12/1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Ramesh Electrical Mfg. Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Dilip Harkishin Chhabria and  
Mr. Harkishin J Chhabria. (Transferee)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6167/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 98, Parvati Ind. Pre Co-op. Soci. Ltd. situated at Lower Parel (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 98, Parvati Indl. Pre. Co-op. Society Ltd., New Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/37EE/5811/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
140—416 GI/85

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6085/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 433, Kewal Indl. Estate situated at Lower Parel Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Rajesh L. Thakker and  
Mrs. Sharmisthaben Laxmikant,  
Mr. Manharlal M Raja and  
Mrs. Mrudulaben N. Raja. (Transferor)
- (2) Sh. Mayur Kanubhai Sham,  
Karta of HUF of Mayur K Shah. (Transferee)
- (2) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 433, B Building, 4th floor, Kewal Industrial Estate  
Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5755/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 9/12/1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6117/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Roxana Building situated at Maharshi Karve Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. L. Gupta Kamanwala, S. K. Gupta,  
O. P. Khandelwal, Smt. Neeta Jain &  
Smt. Sudha G. Kamanwala  
(Transferor)
- (2) Mr. Jimmy Eravh Dadabhoy  
(Transferee)
- (3) Tenants  
(Person in occupation of the property)
- (4) Transferor  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Roxana Building, Maharshi Karve Road, Bombay-20.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5775/85-86 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. I/37EE/6201/84-85.—Whereas, I  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 14, Marthanda Bldg. situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntala Bangla

(Transferor)

(2) Shri Vijay H. Bijlani

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, 4th floor, Marthanda, 84, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5893/85-86 on 8-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985

Seal :

## FORM FNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6242/84-85.—Whereas, I  
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 & Garage No. 6 Maharshi Karve Road, Roxana Building

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. M. L. Gupta Kamanwala, S. K. Gupta,  
O. P. Khandelwal, Smt. Neeta Jain &  
Smt. Sudha G. Kamanwala (Transferor)
- (2) Mr. Narain P. Jajodia (Transferee)
- (3) Tenant (Person in occupation of the property)
- (4) Transferor (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 & Garage No. 6, Roxana Building, Maharshi Karve Road, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5925/85-86 on 10-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Almas International

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. CMS Investment &amp; Trading Co.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6143/84-85.—Whereas, I  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Office No. 74, Mittal Court situated at Nariman Point  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the Agreement is registered under section 269 AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,  
at Bombay on 2-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 74, 7th floor, C Wing, Mittal Court,  
Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/5795/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Padma Motilal Butani

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Raman &amp; Smt. Vimla Raman

(Transferee)

ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-1/371-E 6563/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5, Laxmi Bhavan situated at Sion East

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferredand the Agreement is registered under section 269 AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,  
at Bombay on 13-5-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, Laxmi Bhavan, Plot No. 155, Sion East,  
Bombay-22.The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-1/6098/85-86 on 13-5-85.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
105—426 GI/85NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, BombayDate : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6268/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. Queen's Diamond situated at Charni Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Hemand H Patel

(2) Mr. Gunvanti B. Mehta &  
Mrs. Sonal Bomy Mehta

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned know interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property to be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No. 401, Queen's Diamond, 4th floor, Mama Parmanand Marg, Charni Road, Bombay, C.S. No. 18 of Girgaum Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5851/85-86 on 18-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6133/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Apartment No. 501 & Carage No. 501A, White House  
situated at Off Gamadia Road  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the Agreement is registered under section 269 AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,  
at Bombay on 2-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

- (1) Mr. Freny K. Panday (nee Freny K. Kanga),  
Jamshed F. Boga, Framroz J. Mistry,  
Trustees of Sorabji Kanga Charity Trust.  
(Transferor)
- (2) Glaxo Laboratories (India) Ltd.  
(Transferee)
- (3) Transferee  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No. 501 & Garage No. 501A in the property  
known as 'White House' Off Gamadia Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5788A/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6122/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 65 Navroj Manor situated at Byculla (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 2-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Shirinbai S. Virani.  
(Transferor)
- (2) Mr. Mehboob S. Togiwala  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 65, 5th floor, 'Navroj Manor, Ismailia Co-op. Housing Soc. Ltd., Byculla, Bombay-400 008.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5780/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-12-1985

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Vijay Kumar Gupta.

(Transferor)

(2) Mr. Pradeep Chandana &  
Mrs. Aruna Chandana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6334/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 405, Chawla House situated at Colaba (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Chawla House, 60/62, Wodehouse Road, Bombay-5.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5960.85-86 on 23-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Jogani Builders. (Transferor)  
 (2) Shri Mohammed Hanif, Mohamed Amin. (Transferee)  
 (3) Nil (Person in occupation of the property)  
 (4) M/s. Jogani Builders. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6704/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, Soonawala Apts. situated at Arab Lane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 102, 1st floor, Soonawala Apartments, 13/15 Arab Lane, Bapti Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/4806/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 11-12-1985  
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Ramanathan Shanker.

(Transferor)

(2) Smt. Bhaanumati P. Mehta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6305/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 64, Highway Apartment situated at Sion (E) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 19-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 64, B Building, Highway Apartment, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5936/85-86 on 19-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.———

(1) Shri Laherchand L. Oswal (Poladia)

(Transferor)

(2) Shri Hitesh P. Chheda & Master Mukesh P. Chheda  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37FE/6251/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 24, Hind-Mata Cut-Piece Merchants Society Ltd, Tata Mill Camp, Dr. Ambedkar Road situated at Dadar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 18-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 24, Hind-Mata Cut Piece Cloth Merchants Society Ltd., Tata Mill Camp, Dr. Ambedkar Road, Dadar (C. Rly.) Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5836/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6096/84-85.—Whereas, I NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 19 Prakash Industrial Premises Co-op. Soc. Ltd. situated at Sewree (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair value, I believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
106—426 GI/85

(1) Mrs. Vidvamanti J. Bhasin.

(Transferor)

(2) M/s. Shamegh Corporation.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 19, Prakash Indl. Premises Co-op. Society Ltd., Bharat Indl. Estate, Tokershi Jivraj Road, Sewree, Bombay-400 015.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5751/85-86 on 1-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ebrahim Abdulla.

(Transferor)

(2) M/s. Trimurty Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th December 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6353/84-85.—Whereas, I  
NISAR AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the Said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 205, Ashrafi Society situated at Parel  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the Agreement is registered under section 269 AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority,  
at Bombay on 23-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 205, Ashrafi Society, 3 Latifabad, Jerbai Wadia  
Road, Parel, Bombay-12.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5963/85-86 on 23-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 9-12-1985  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6287/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 9, Shri Jagdish Niwas situated at Sion (E.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. V. Srinivas. (Transferor)  
(2) Shri Shantilal B Shah. (Transferee)  
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9 on 1st floor, Shri Jagdish Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 198, Sion East, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5867/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 11/12/1985  
Seal :

## FORM IT.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EF/6086/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 20/313, Indl. CHSL situated at Woth (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ramnath Nagwekar.

(Transferor)

(2) Smt. Nandini D Shetye.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 313, Building No. 20, Industrial Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Prabhadevi, Bombay-25.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5756/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 11-12-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Harakchand R. Dedhia.

(Transferor)

(2) Shri Basantkumar B. Gupta and  
Y. B. Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Rel. No. AR-I/37EE/6278/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMEDbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. F-102, Veena Beena Apts. situated at Sowri  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at  
Bombay on 11-4-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property, by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. E-102, Veena Beena Apartment, 1st floor, Sewri,  
Bombay-15.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No.  
AR-I/5859/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 11-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6215, '84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Rekha Bldg. situated at R. A. Kidwai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Nirmala P Kanakia.  
(Transferor)
- (2) Smt. Mrudula P Goradia and  
Shri Mukesh P Goradia.  
(Transferee)
- (3) Transferor.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Gr. floor, Rekha, 82, R.A. Kidwai Road, Bombay-31.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5005/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 11-12-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Lakhmirai L. Oswal (Poladia).

(Transferor)

(2) Shri Popatlal D Chheda and  
Smt. Maniben P Chheda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1 37EE/6252, 84-85.—Whereas, I  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 22, Hind Mata Cut-piece Cloth Merchants Society Ltd. situated at Dadar (C Rly.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 22, Hind-Mata Cut-piece Cloth Merchants Soc. Ltd., Tata Mill Compound, Dr. Ambedkar Road, Dadar (C. Rly.) Bombay-14.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5837/85-86 on 18-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 11/12/1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6130/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 302 & Garage No. 302A in White House situated at Off Gamadia Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Freny K Panday (nee Frany K Kanga)  
Jamsbed P Boga,  
Framroz J Mistri,  
Trustees, Sorabji Kanga Charity Trust.  
(Transferor)
- (2) Glaxo Laboratories (India) Ltd.  
(Transferee)
- (3) Transferee,  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Apartment No. 302 & Garage No. 302A in property known as 'White House' Off Gamadia Road, Bombay-400 026.  
The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5788/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6221/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 63, Mantri Corner CHSL situated at Savani Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
107—426 GI/85

- (1) Mr. Pctarasp Kaki Bhagwagar, (Transferor)  
(2) Mr. Kaushik K. Vaidar, (Transferee)  
(3) Transferor, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 63, Mantri Corner Co-op. Hsg. Society Ltd., Savani Road, Bombay-400 025.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5912//85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 11/12/1985  
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6386/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 310, Jolly Bhavan No. 1 situated at New Marine Lines (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Prasad Industrial Corporation. (Transferee)  
(2) Shri Radheshyam Rungta and Shri Ramesh Kumar Rungta. (Transferee)  
(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 310, Jolly Bhavan No. 1, 10, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5880/85-86 on 24-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12/12/1985  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 11th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6141/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 108, Sindhu Apts. situated at Chunabhatti (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishnan Ramaswamy, (Transferee)
- (2) Shri R. M. Purushothaman and Shri R. M. Dasan. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 108, 1st floor, Sindhu Apartments Co-op. Hos. Soc. Ltd., Opp. C. T. L., Chunabhatti, Bombay-22.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5793/85-86 on 2-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 11/12/1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Navin Pranal Zaveri.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kanayp D Ahuja and  
Smt. Karishma G Ahuja.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6198/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 307, Arun Comm. Co-op. Society, situated at Tardeo Main Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 307, Arun Commercial Co-op. Society Ltd., Tardeo Main Road, Bombay-400 034.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5833/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12/12/1985  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpaben G Shah.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Parcen K Doshi and  
Kishore T Doshi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6352/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 61, Matru Mandir situated at Tardeo Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23/4/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 61, Matru Mandir, 16th floor, 278, Tardeo Road, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5962/85-86 on 23-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY**

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6199/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, Gold Coin Pre. situated at Tardeo Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9/4/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Mistry V Harkishandas,  
Mr. Mistry T Harkishandas,  
Mr. Mistry M Harkishandas. (Transferor)
- (2) Shri Rajnikant J Vora and  
Shri Jagmohandas D Vora. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 503, 5th floor, B II Wing, Gold Coin Premises Co-op. Soc. Ltd., 35/35A, Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/5834/85-86 on 9-4-85.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Dinesh P. Sanghani &  
Smt. Smita D. Sanghani.

(Transferor)

(2) Shri Dilip N. Sanghvi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6296/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Poonam Apts. situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Poonam Apartments, C Block, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM FINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6080/84-85.—Whereas, 1,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, Jaywant Apartment situated at Tardeo Road (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Jaywant Development Corporation.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Hansa A. Shah &  
Ashkaran S. Shah.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the 10th floor, Jaywant Apartment, Film Centre, Tardeo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5748/85-86 on 1-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6510/84-85.—Whereas, 1, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D/606, Poonam Apts. situated at Worli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
108—426 G1/85

(1) Smt. Bimla Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Kesharchand B. Shah,  
Girish K. Shah,  
Jatin K. Shah,  
Jayesh K. Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. D/606, Poonam Apartments, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6058/85-36 on 9-5-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vinod D. Mehta.

(Transferor)

(2) Smt. Pervati V. Talreja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6109/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Godown No. 3, Tardeo A/c Mkt. situated at Tardeo  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Bombay on 2-4-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement No. 3, Tardeo Air-Conditioned Market, Tar-  
deo Road, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent  
Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial  
No. AR-I/5767/84-85 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-12-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

(1) Mrs. Rehma A. Kothawala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailash B. Sanghavi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6371/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C/607, Poonam Apts. situated at Worli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. D/607, Poonam Apartments, 6th floor, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5891/85-86 on 20-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6191/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 319 of Bhuleshwar Divn. situated at Dhobi Talao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Parvaz M. Sethna. (Transferor)  
(2) Mr. Chandrashekhar Shetty. (Transferee)  
(3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing C.S. No. 319 of Bhuleshwar Divn., Daru-wala Building, 36/44 Wellington Street, Dhobi Talao, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/5829/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-12-1985

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6188/84-85.--Whereas, I,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Godown No. 4-A, Gr. floor situated at Mody Fort St., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- |                                |  |
|--------------------------------|--|
| (1) Smt. Ratanben L. Visharia. | (Transferor)                           |
| (2) S. C. Ghia, HUF.           | (Transferee)                           |
| (3) M/s. Supreme Paper Corpn.  | (Person in occupation of the property) |

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown No. 4-A, Ground floor, 85, Mody Street, Fort, Bombay-1.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6371/84-85 on 2-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
BOMBAY

Bombay, the 12th December 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6189/84-85.—Whereas, I,  
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Godown No. 4-B, Ground floor situated at Mody St., Fort (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ratanben L. Visharia. (Transferor)  
(2) Shri H. S. Ghia, HUF. (Transferee)  
(3) M/s. Supreme Paper Corpn. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Godown No. 4-B, Ground floor, City Survey No. 1068, 85, Mody Street, Fort, Bombay-21.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5827/85-86 on 9-4-1985.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 12-12-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37EG/5215/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 104 of Malabar Cumballa & Hill Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Ishwaranandan Ramrao Rao,  
Jayanandan Ramrao Rao,  
Shivanandan Ramrao Rao and  
Shamandan Ramrao Rao.  
(Transferor)
- (2) Prafulchandra Karmarkar,  
Smt. Savita P. Karmarkar,  
Sanjeeva P. Karmarkar and  
Smt. Uma S. Karmarkar.  
(Transferee)
- (3) Sanjeevan P. Karmarkar,  
Prafulchandra Karmarkar,  
Rasiklal.  
(Person in occupation of the property.)
- (4) Transferees.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-1325/84 and registered on 6-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Nowrooji Gehangir Gomadia. (Transferor)  
 (2) M/s Roche Products Limited. (Transferee)  
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property.)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5216/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 18, C.S. No. 14/738 (pt) of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Pt. Madan Mohan Malaviya Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2398/84 and registered on 1-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985  
 Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5217/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 18, C.S. No. 14/738 of Malabar & Cumballa Hill Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
109—426 GI/85

- (1) Nowrosji J. Gamadia, (Transferor)  
(2) M/s Roche Products Limited. (Transferor)  
(3) M/s Roche Products Limited. (Transferee)  
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2399/84 and registered on 1-4-1985 with the Sub-registrar of Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37/G/5218/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Narendra Bhuvan situated at Bhulabhai Desai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Bombay on 17-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                                  |   |
|----------------------------------|---|
| (1) Jairagurajsinhji P. Jadeja.  | (Transferor)                            |
| (2) Mrs. Chandrika Arvind Dalal. | (Transferee)                            |
| (2) Transferee.                  | (Person in occupation of the property.) |

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-1370/78 and registered on 17-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5219/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C.S. No. 4/2 of Fort Division situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 17-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt Asma G. G. K. (Transferor)

(2) M/s. Taj Builders. (Transferee)

(3) Kamal K. Gujjar,  
Ashok K. Jurnani,  
Meena Y. Shah.  
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-316/81 and registered on 17-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5220/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 76/10 of Matunga Division situated at Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                               |  |
|-------------------------------|--|
| (1) Bai Indirabai S. Athavle. | (Transferor)                           |
| (2) Mrs. Sunanda S. Patkar.   | (Transferee)                           |
| (4) M/s Gubbi Builders.       | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. of 1983 and registered on 26-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5222/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 490 of Byculla Division situated at Kamtipura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 30-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sharad M. Gangla,  
Smt. Leelavati M. Gangla,  
Shubha S. Gangla,  
Swati S. Gangla,  
Neeraj S. Gangla,  
Suman M. Gangla.

(Transferor)

(2) Suresh H. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. BOM.-2342/83 and registered on 30-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-1/37-G/5223/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the said Ac.) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 95 (North) C.S. No. 421/10 situated at Matunga Division (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bombay on 30-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- |                                  |   |
|----------------------------------|---|
| (1) Smt. Bola Ramabai N. Kamath. | (Transferor)  |
| (2) Mrs. Jaya S. Gade,           | (Transferee)  |
| Shree Hirji Lalji.               | (Transferee)  |
| (3) Transferor & Tenants.        | (Person in occupation of the property.)                               |
| (4) Transferor.                  | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1669/84 and registered on 30-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-12-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th December 1985

Ref. No. AR-I/37-G/5224/84-85.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 1130 of Lower Parel Division situated at Dadar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of Registering Officer at Bombay on 23-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s The Hindoostan Spg. & Wvg. Mills Ltd.  
(Transferor)  
(2) M/s Navketan Properties Pvt. Ltd.  
(Transferee)  
(3) Transferor.  
(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 724/Bom/85 and registered on 23-4-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 10-12-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 24th December 1985

Ref. No. AP. No. 5919-5920-5921.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, May & July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sudesh Verma  
S/o Des Raj R/o  
33-Guru Nanak Nagar  
(Lal Nagar), Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Jagdish Kaur  
W/o Kuldip Singh R. D. No. 328  
of April, 85 and  
Jagdish Kaur  
W/o Kuldip Singh &  
Kuldip Singh  
S/o Inder Singh (R.D. No. 1098 of May, 85) and  
Kuldip Singh  
S/o Inder Singh (R.D. No. 2449 of July, 85)  
all residents of 32-Guru Nanak Nagar  
near Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to  
be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 33 situated in Guru Nanak Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 328 of April, 1985, 1098 of May, 1985 and 2449 of July, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Jalandhar.

Date : 24-12-1985.  
Seal :